India

Model: KundliDetailed,PredictionPack10Year

SrNo: 110-124-101-1177 / 30

Date: 25/01/2025

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/08/1947**
दिन	गुरु–शुक्रवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	45:27:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:45 घंटे
साम्पातिक काल	21:08:13 घंटे
सूर्योदय	05:49:12 घंटे
सूर्यास्त	19:02:13 घंटे
दिनमान	13:13:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	27:59:21 कर्क
लग्न के अंश	07:45:37 वृष

चैत्रादि संवत / शक	2004 / 1869
मास	श्रावण
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	13
तिथि समाप्ति काल	24:00:34
जन्म तिथि	13
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पुनर्वसु
नक्षत्र समाप्ति काल	22:57:55 घंटे
जन्म नक्षत्र	पुष्य
सूर्योदय कालीन योग	वज्र
योग समाप्ति काल	06:01:30 घंटे
जन्म योग	सिद्धि
सूर्योदय कालीन करण	गर
करण समाप्ति काल	13:47:32 घंटे
जन्म करण	वणिज

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	वृष – शुक्र
राशि–स्वामी	**कर्क – चन्द्र**
नक्षत्र–चरण	**पुष्य – 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू–हुकमसिंह
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

घात चक्र

मास	पौष
तिथि	2-7-12
दिन	बुधवार
नक्षत्र	अनुराधा
योग	व्याघात
करण	नाग
प्रहर	1
वर्ग	श्वान
लग्न	तुला
सूर्य	सिंह
चन्द्र	सिंह
मंगल	कन्या
बुध	मिथुन
गुरु	तुला
शुक्र	वृश्चिक
शनि	कर्क
राहु	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	07:45:37	395:04:16	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	–––
सूर्य			कर्क	27:59:21	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	03:59:01	15:05:12	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			मिथु	07:27:23	00:39:28	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	13:40:28	01:48:17	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			तुला	25:52:40	00:05:07	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कर्क	22:33:40	01:14:06	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
शनि		अ	कर्क	20:28:23	00:07:40	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	05:44:33	00:08:46	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:44:33	00:08:46	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मिथु	02:03:12	00:02:20	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	–––
नेप			कन्या	15:42:26	00:01:38	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	–––
प्लूटो			कर्क	20:06:29	00:01:47	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	–––
दशम भाव			मक	21:27:35	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर

अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:07:18

लग्न–चलित

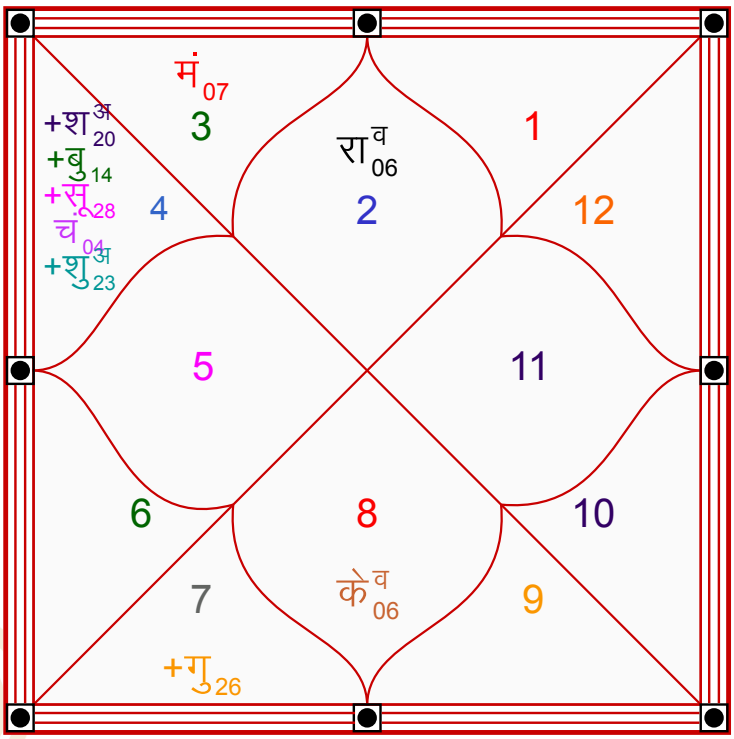

चन्द्र कुंडली

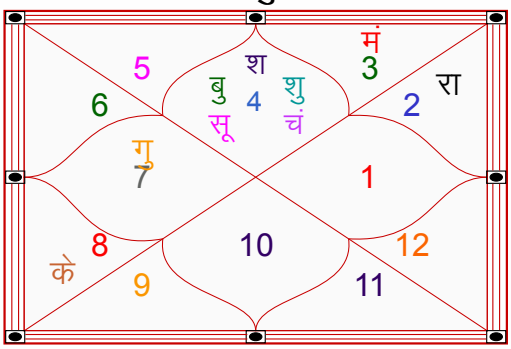

नवमांश कुंडली

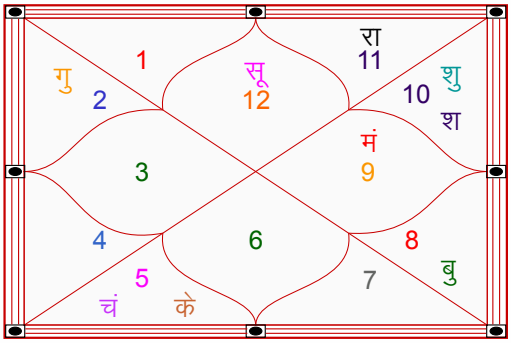

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	मेष	20:02:36	वृष	07:45:37
2	वृष	20:02:36	मिथुन	02:19:36
3	मिथुन	14:36:36	मिथुन	26:53:36
4	कर्क	09:10:36	कर्क	21:27:35
5	सिंह	09:10:36	सिंह	26:53:36
6	कन्या	14:36:36	तुला	02:19:36
7	तुला	20:02:36	वृश्चिक	07:45:37
8	वृश्चिक	20:02:36	धनु	02:19:36
9	धनु	14:36:36	धनु	26:53:36
10	मकर	09:10:36	मकर	21:27:35
11	कुम्भ	09:10:36	कुम्भ	26:53:36
12	मीन	14:36:36	मेष	02:19:36

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	वृष	07:45:37
2	मिथुन	03:21:41
3	मिथुन	26:33:37
4	कर्क	21:27:35
5	सिंह	21:37:11
6	कन्या	28:42:15
7	वृश्चिक	07:45:37
8	धनु	03:21:41
9	धनु	26:33:37
10	मकर	21:27:35
11	कुम्भ	21:37:11
12	मीन	28:42:15

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु

चलित कुंडली

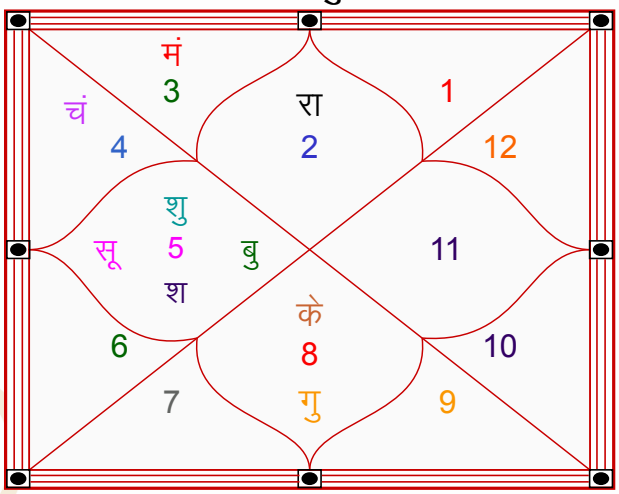

भाव कुंडली

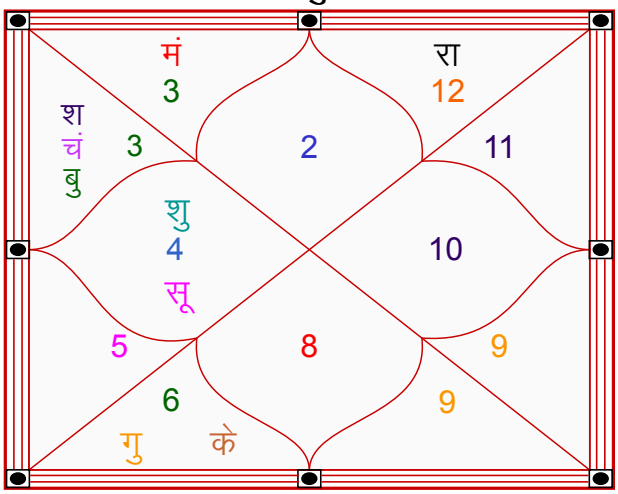

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	——— कारक ———		——— अवस्था ———			रश्मि	ग्रह बल
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि		
सूर्य	आत्मा	पितृ	बाल	मुदित	प्रकाश	4.00	49 %
चंद्र	कलत्र	मातृ	मृत	स्वस्थ	नेत्रपाणि	8.93	52 %
मंगल	ज्ञाति	भ्रातृ	कुमार	खल	शयन	1.40	55 %
बुध	पुत्र	ज्ञाति	युवा	खल	कौतुक	1.32	62 %
गुरु	अमात्य	धन	मृत	खल	कौतुक	2.69	41 %
शुक्र	भ्रातृ	कलत्र	कुमार	विकल	शयन	1.15	71 %
शनि	मातृ	आयु	कुमार	विकल	प्रकाश	1.01	13 %
राहु	———	ज्ञान	मृत	मुदित	सभा	0.00	11 %
केतु	———	मोक्ष	मृत	मुदित	शयन	0.00	11 %
कुल						**20.49**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु

चलित कुंडली

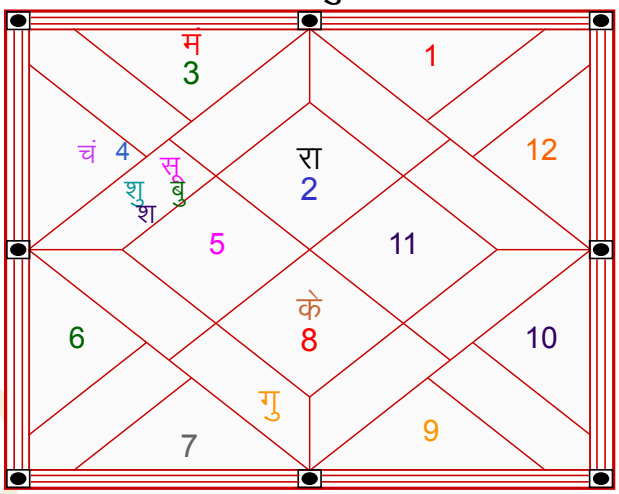

लग्न–चलित

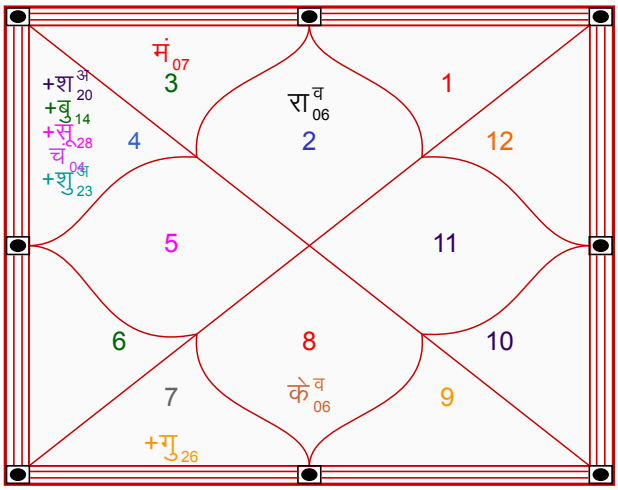

सुदर्शन चक्र

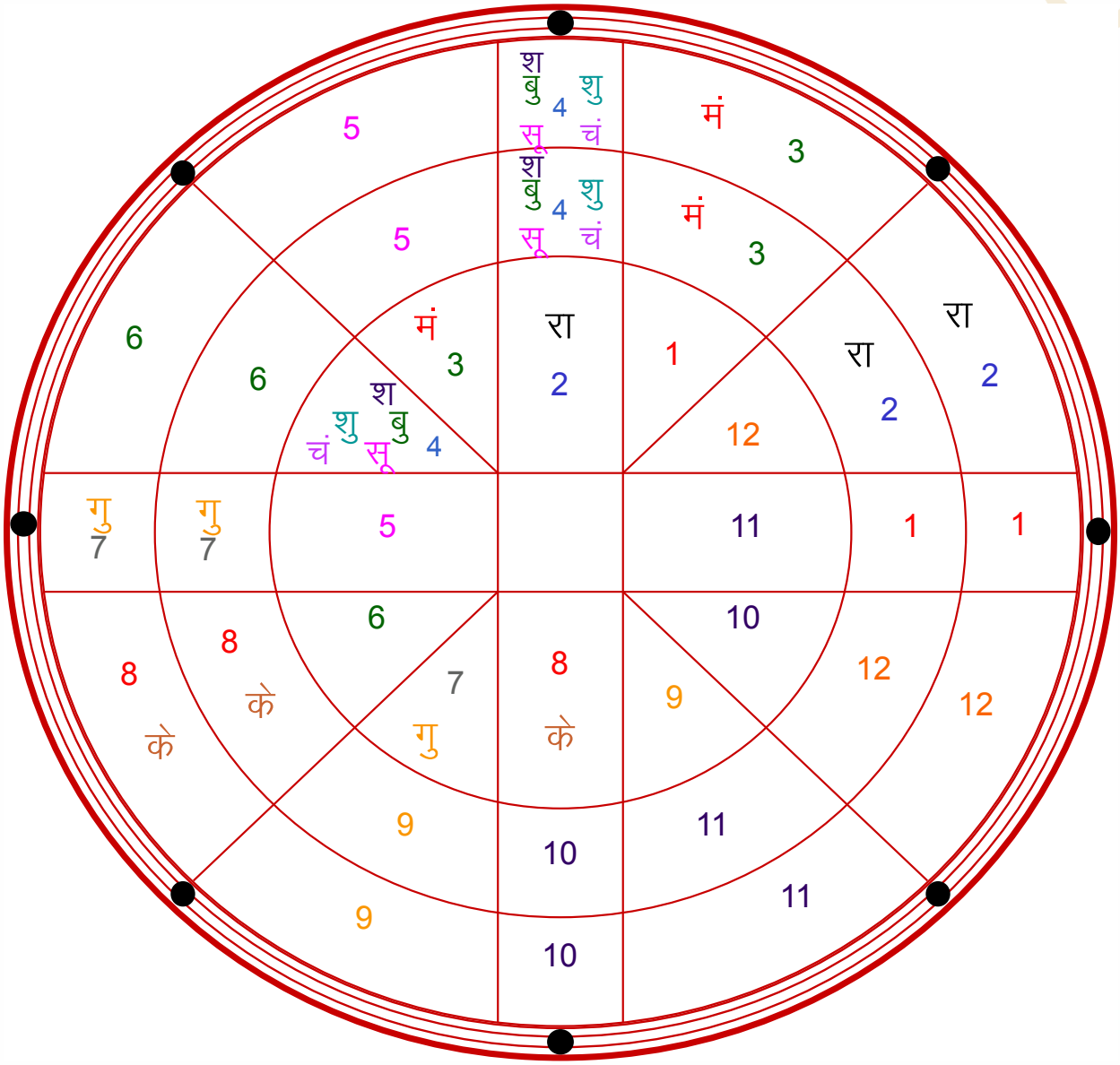

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 11 मास 7 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		कर्क	28:05:08	चंद्र	बुध	शनि	शनि
चंद्र		कर्क	04:04:48	चंद्र	शनि	शनि	केतु
मंगल		मिथु	07:33:10	बुध	राहु	राहु	बुध
बुध		कर्क	13:46:15	चंद्र	शनि	राहु	शनि
गुरु		तुला	25:58:27	शुक्र	गुरु	केतु	सूर्य
शुक्र		कर्क	22:39:28	चंद्र	बुध	चंद्र	गुरु
शनि		कर्क	20:34:10	चंद्र	बुध	शुक्र	गुरु
राहु	व	वृष	05:50:21	शुक्र	सूर्य	बुध	सूर्य
केतु	व	वृश्चि	05:50:21	मंगल	शनि	बुध	शुक्र
हर्ष		मिथु	02:09:00	बुध	मंगल	केतु	चंद्र
नेप		कन्या	15:48:14	बुध	चंद्र	शनि	शनि
प्लूटो		कर्क	20:12:17	चंद्र	बुध	शुक्र	राहु

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	वृष	07:51:24	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शुक्र
2	मिथु	03:27:28	बुध	मंगल	शुक्र	मंगल
3	मिथु	26:39:24	बुध	गुरु	शुक्र	शुक्र
4	कर्क	21:33:23	चंद्र	बुध	सूर्य	सूर्य
5	सिंह	21:42:59	सूर्य	शुक्र	गुरु	राहु
6	कन्या	28:48:02	बुध	मंगल	शनि	शुक्र
7	वृश्चि	07:51:24	मंगल	शनि	केतु	गुरु
8	धनु	03:27:28	गुरु	केतु	सूर्य	बुध
9	धनु	26:39:24	गुरु	शुक्र	केतु	बुध
10	मक	21:33:23	शनि	चंद्र	शुक्र	राहु
11	कुंभ	21:42:59	शनि	गुरु	गुरु	राहु
12	मीन	28:48:02	गुरु	बुध	शनि	शुक्र

के.पी. अयनांश : 23:01:31

फॉरच्युना : मेष 13:51:04

लग्न कुंडली

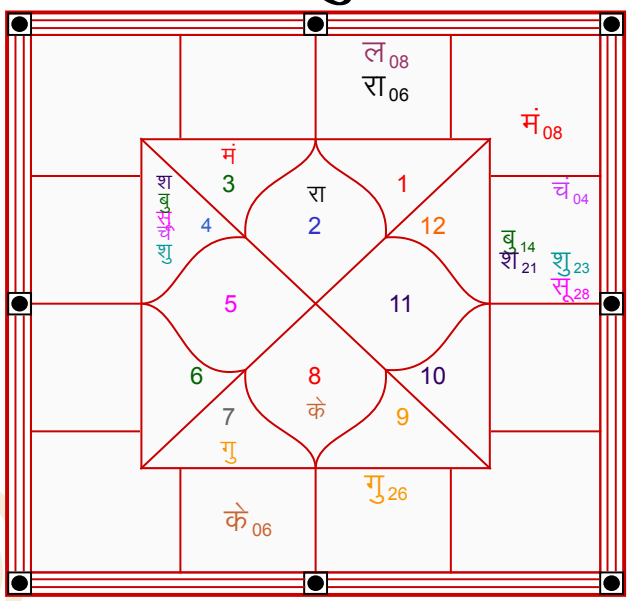

भाव कुंडली

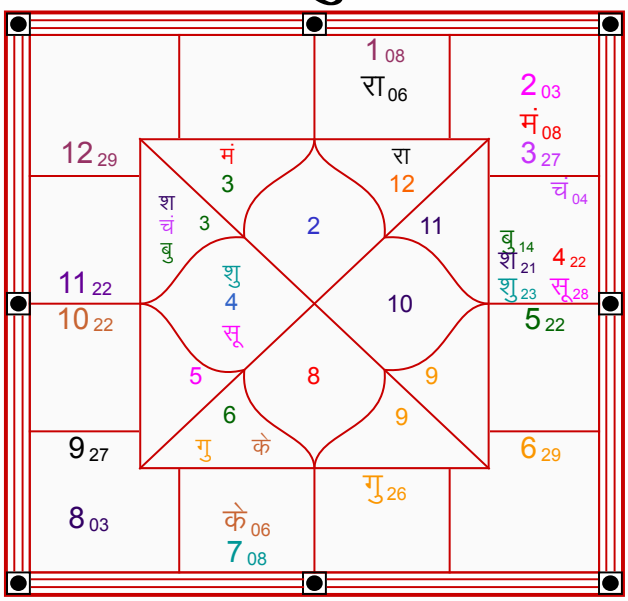

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	शुक्र–
2	सूर्य– मंगल, बुध– शुक्र– शनि–
3	सूर्य+ चंद्र+ बुध+ शुक्र+ शनि+ केतु,
4	सूर्य, चंद्र– शुक्र, राहु,
5	सूर्य– राहु–
6	सूर्य– बुध– गुरु+ शुक्र– शनि– केतु,
7	मंगल–
8	गुरु,
9	गुरु,
10	चंद्र– बुध– शनि– केतु–
11	चंद्र– बुध– शनि– केतु–
12	मंगल, गुरु, राहु,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 3+ 4, 5- 6-
चंद्र	3+ 4- 10- 11-
मंगल	2, 7- 12,
बुध	2- 3+ 6- 10- 11-
गुरु	6+ 8, 9, 12,
शुक्र	1- 2- 3+ 4, 6-
शनि	2- 3+ 6- 10- 11-
राहु	4, 5- 12,
केतु	3, 6, 10- 11-

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	सूर्य
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
राशि नक्षत्र स्वामी	शनि
राशि स्वामी	चन्द्र
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	शुक्र
राशि अन्तर स्वामी	शनि

कारकत्व–सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	--	--	शु
2	--	मं	सू शु श	बु
3	सू चं बु शु श के	चं बु श	सू शु श	बु
4	रा	सू शु	--	चं
5	--	--	रा	सू
6	गु	गु के	सू शु श	बु
7	--	--	--	मं
8	--	--	गु	गु
9	--	--	गु	गु
10	--	--	चं बु के	श
11	--	--	चं बु के	श
12	मं	रा	गु	गु

ग्रह कारक सारिणी–1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	5	1	कर्क	4
चंद्र	4	10	कर्क	3
मंगल	7	2,6	मिथुन	2
बुध	2,3,6	4,12	कर्क	3
गुरु	8,9,12	3,11	तुला	6
शुक्र	1	5,9	कर्क	4
शनि	10,11	7	कर्क	3
राहु	---	---	वृष	12
केतु	---	8	वृश्चिक	6

ग्रह कारक सारिणी–2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	2,3,6	4,12	3	10,11	7	3
चंद्र	10,11	7	3	10,11	7	3
मंगल	---	---	12	---	---	12
बुध	10,11	7	3	---	---	12
गुरु	8,9,12	3,11	6	---	8	6
शुक्र	2,3,6	4,12	3	4	10	3
शनि	2,3,6	4,12	3	1	5,9	4
राहु	5	1	4	2,3,6	4,12	3
केतु	10,11	7	3	2,3,6	4,12	3

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लूटो
	117.99	93.98	67.46	103.67	205.88	112.56	110.47	35.74	215.74	62.05	165.71	110.11
सूर्य	––	––	––	युति	चतु	युति	युति	––	––	––	––	युति
117.99	0.00	0.00	0.00	0.72	2.55	8.43	7.06	0.00	0.00	0.00	0.00	6.78
चंद्र	––	––	––	युति	––	––	––	––	पंच	––	पंचा	––
93.98	0.00	0.00	0.00	5.28	0.00	0.00	0.00	0.00	2.69	0.00	0.91	0.00
मंगल	––	––	––	––	––	अष्ट	––	––	––	युति	4था	––
67.46	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.99	0.00	0.00	0.00	8.44	6.49	0.00
बुध	युति	युति	––	––	––	युति	युति	––	––	––	तृती	युति
103.67	0.72	5.28	0.00	0.00	0.00	5.97	7.57	0.00	0.00	0.00	2.59	7.81
गुरु	––	9वां	––	––	––	––	––	सप्त	युति	––	––	––
205.88	0.00	6.61	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.12	5.12	0.00	0.00	0.00
शुक्र	युति	––	––	युति	चतु	––	युति	––	––	––	––	युति
112.56	8.43	0.00	0.00	5.97	1.94	0.00	9.76	0.00	0.00	0.00	0.00	9.67
शनि	युति	––	––	युति	चतु	युति	––	––	––	––	3रा	युति
110.47	7.06	0.00	0.00	7.57	0.47	9.76	0.00	0.00	0.00	0.00	8.78	9.99
राहु	––	तृती	––	––	सप्त	––	––	––	सप्त	––	––	––
35.74	0.00	2.69	0.00	0.00	5.12	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00
केतु	––	––	––	––	युति	––	––	सप्त	––	––	––	––
215.74	0.00	0.00	0.00	0.00	5.12	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	तृती	––	युति	––	––	––	––	––	––	––	––	––
62.05	1.46	0.00	8.44	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	––	––	––	––	नवां	––	––	––	––	––	––	––
165.71	0.00	0.00	0.00	0.00	0.96	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	युति	––	––	युति	चतु	युति	युति	––	––	––	तृती	––
110.11	6.78	0.00	0.00	7.81	0.18	9.67	9.99	0.00	0.00	0.00	1.22	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	37.76	62.33	86.89	111.46	146.89	182.33	217.76	242.33	266.89	291.46	326.89	2.33
सूर्य	––	––	––	युति	––	तृती	––	पंच	––	सप्त	––	––
117.99	0.00	0.00	0.00	7.75	0.00	1.26	0.00	1.26	0.00	7.75	0.00	0.00
चंद्र	––	––	युति	––	––	चतु	पंच	––	सप्त	––	––	––
93.98	0.00	0.00	7.37	0.00	0.00	2.72	1.65	0.00	7.37	0.00	0.00	0.00
मंगल	––	युति	––	अष्ट	4था	पंच	षष्ठ	सप्त	8वां	8वां	––	––
67.46	0.00	8.59	0.00	0.01	4.48	0.68	0.89	8.59	4.48	1.04	0.00	0.00
बुध	––	––	––	––	––	––	पंच	––	––	सप्त	––	––
103.67	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.07	0.00	0.00	6.86	0.00	0.00
गुरु	सप्त	––	9वां	––	––	––	युति	––	तृती	चतु	5वां	––
205.88	3.21	0.00	9.94	0.00	0.00	0.00	3.21	0.00	2.89	1.21	9.94	0.00
शुक्र	––	––	––	युति	––	––	––	––	––	सप्त	––	––
112.56	0.00	0.00	0.00	9.93	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.93	0.00	0.00
शनि	––	––	––	युति	––	3रा	––	––	––	सप्त	––	––
110.47	0.00	0.00	0.00	9.95	0.00	3.24	0.00	0.00	0.00	9.95	0.00	0.00
राहु	युति	––	––	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––
35.74	9.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	––	––	––
215.74	9.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	––	युति	––	––	चतु	पंच	––	सप्त	––	––	––	––
62.05	0.00	10.00	0.00	0.00	0.65	2.99	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	––	––	––	––	––	––	––	––	––	पंच	––	––
165.71	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.19	0.00	0.00
प्लूटो	––	––	––	युति	––	पंचा	––	––	––	सप्त	––	––
110.11	0.00	0.00	0.00	9.90	0.00	0.94	0.00	0.00	0.00	9.90	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	37.76	63.36	86.56	111.46	141.62	178.70	217.76	243.36	266.56	291.46	321.62	358.70
सूर्य	––	––	––	युति	––	तृती	––	पंच	––	सप्त	––	––
117.99	0.00	0.00	0.00	7.75	0.00	2.95	0.00	0.49	0.00	7.75	0.00	0.00
चंद्र	––	––	युति	––	––	चतु	पंच	षष्ठ	सप्त	––	––	––
93.98	0.00	0.00	7.13	0.00	0.00	0.56	1.65	0.56	7.13	0.00	0.00	0.00
मंगल	––	युति	––	अष्ट	––	––	षष्ठ	सप्त	8वां	8वां	––	––
67.46	0.00	9.09	0.00	0.01	0.00	0.00	0.89	9.09	4.17	1.04	0.00	0.00
बुध	––	––	––	––	––	––	पंच	––	––	सप्त	––	––
103.67	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.07	0.00	0.00	6.86	0.00	0.00
गुरु	सप्त	––	9वां	––	––	––	युति	––	तृती	चतु	5वां	––
205.88	3.21	0.00	9.97	0.00	0.00	0.00	3.21	0.00	2.95	1.21	9.02	0.00
शुक्र	––	––	––	युति	––	––	––	––	––	सप्त	––	––
112.56	0.00	0.00	0.00	9.93	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.93	0.00	0.00
शनि	––	––	––	युति	––	3रा	––	––	––	सप्त	––	––
110.47	0.00	0.00	0.00	9.95	0.00	6.51	0.00	0.00	0.00	9.95	0.00	0.00
राहु	युति	––	––	––	––	––	सप्त	––	––	––	––	––
35.74	9.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
केतु	सप्त	––	––	––	––	––	युति	––	––	––	––	––
215.74	9.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.78	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	––	युति	––	––	––	पंच	––	सप्त	––	––	––	––
62.05	0.00	9.91	0.00	0.00	0.00	1.92	0.00	9.91	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	––	––	––	––	––	युति	––	––	––	पंच	––	सप्त
165.71	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.08	0.00	0.00	0.00	0.19	0.00	2.08
प्लूटो	––	––	––	युति	––	––	––	––	––	सप्त	––	––
110.11	0.00	0.00	0.00	9.90	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.90	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त – दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति – युति	0	15	10	सप्त – सप्तम	180	15	10
पंच – पंचम	120	6	3	चतु – चतुर्थ	90	6	3
तृती – तृतीय	60	6	3	अष्ट – अष्टमांश	45	1	1
नवां – नवमांश	40	1	1	पंचा – पंचमांश	72	1	1
अष्टां – अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ – षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां – मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

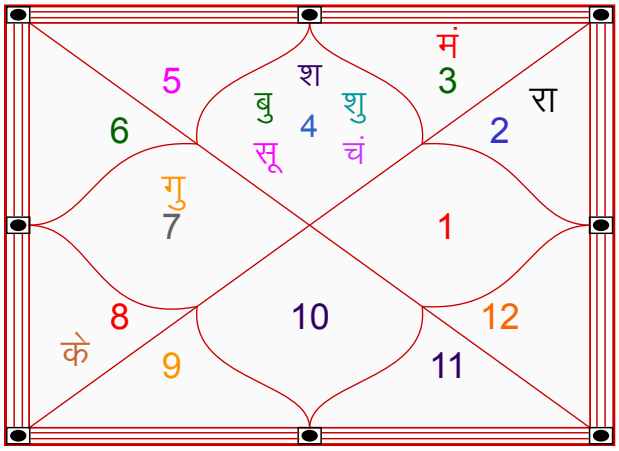

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

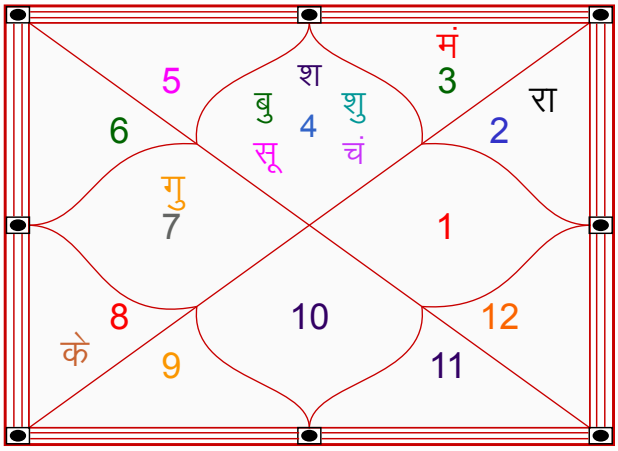

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

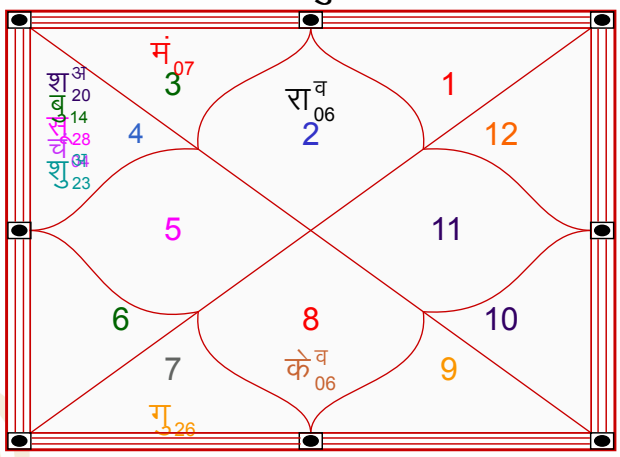

देह विचारः

होरा कुंडली

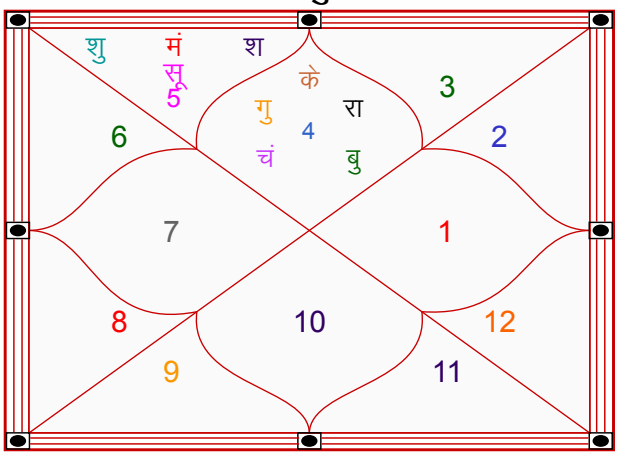

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

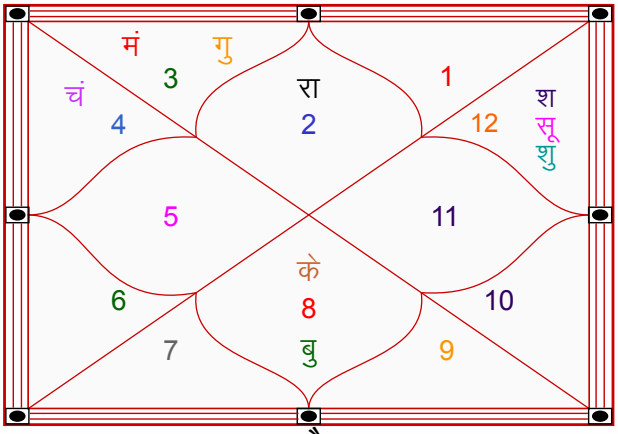

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

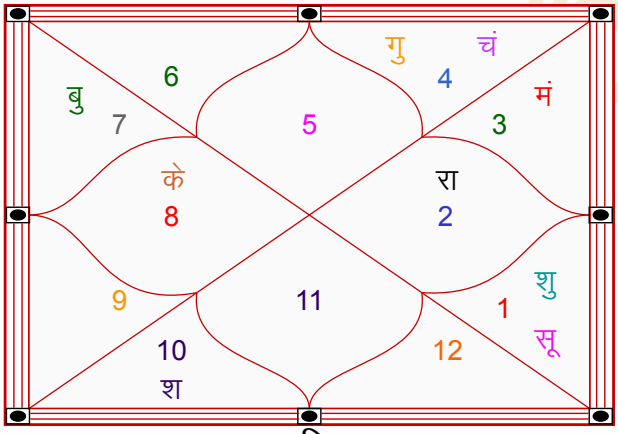

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

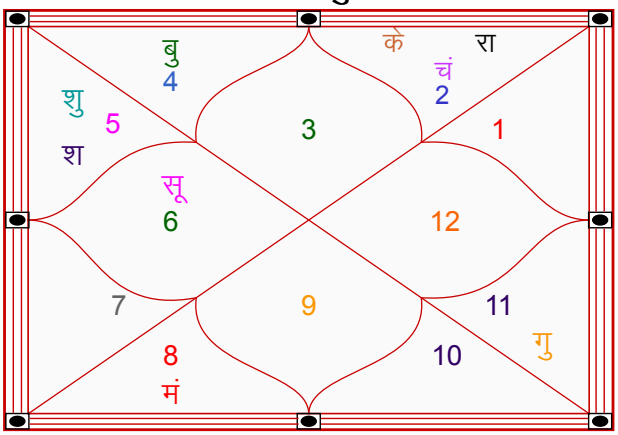

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

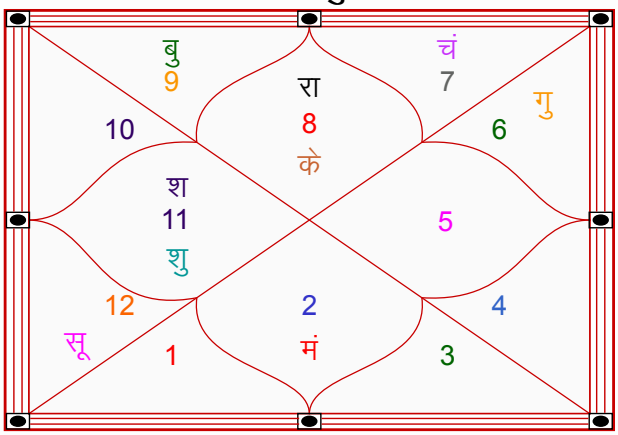

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

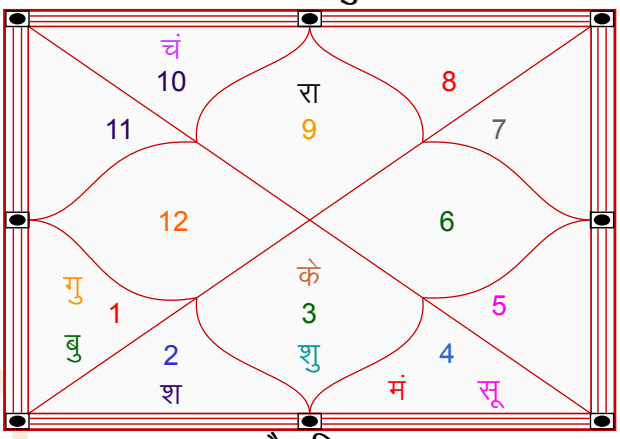

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

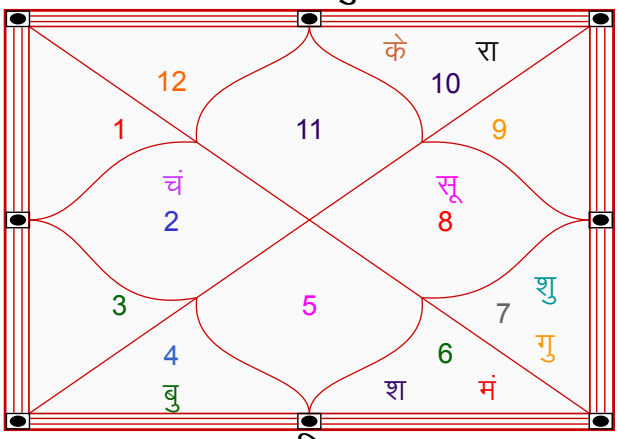

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

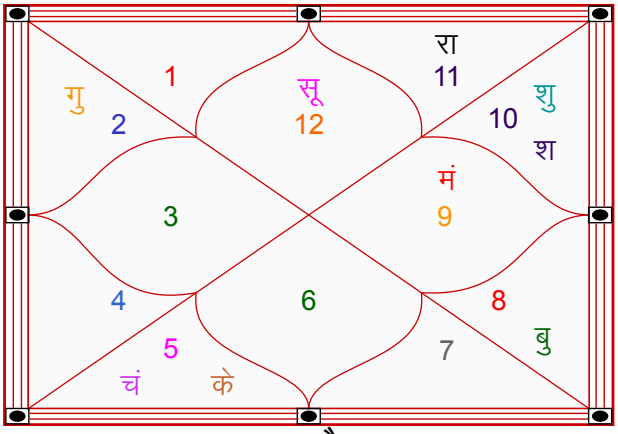

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

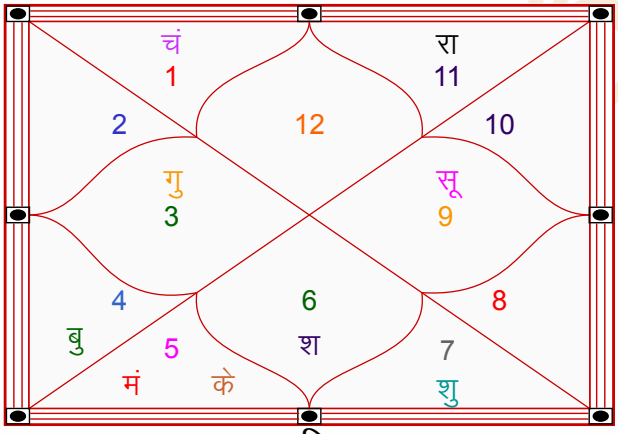

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

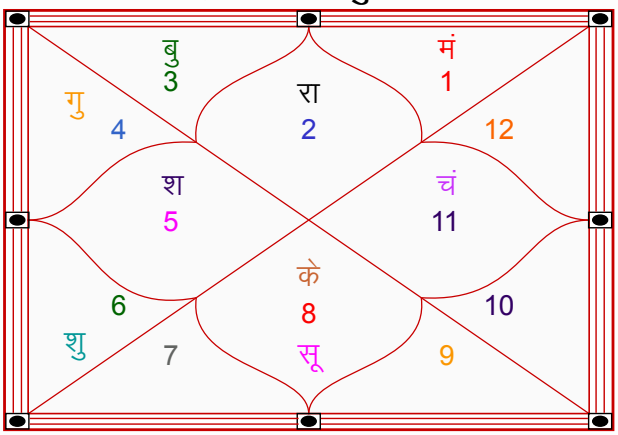

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

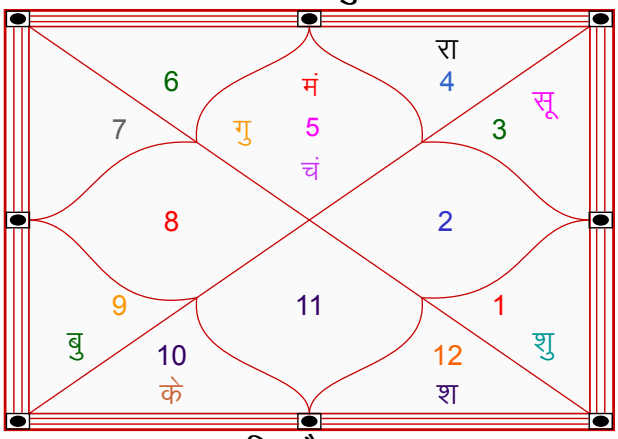

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

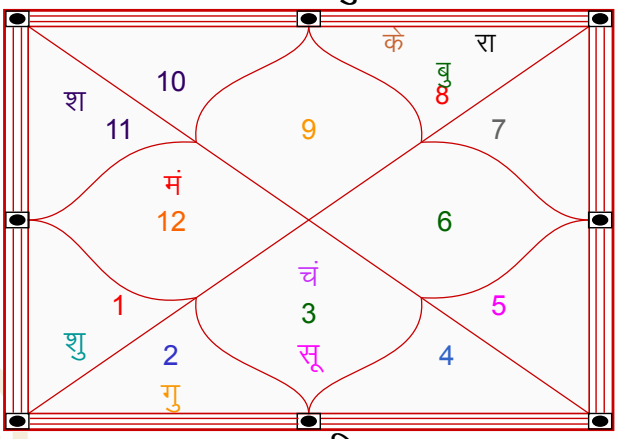

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

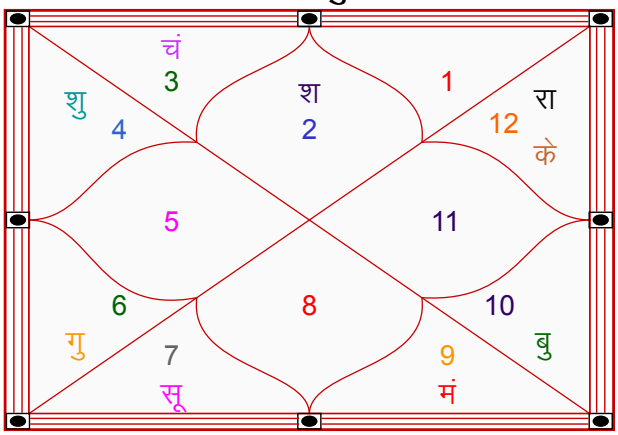

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

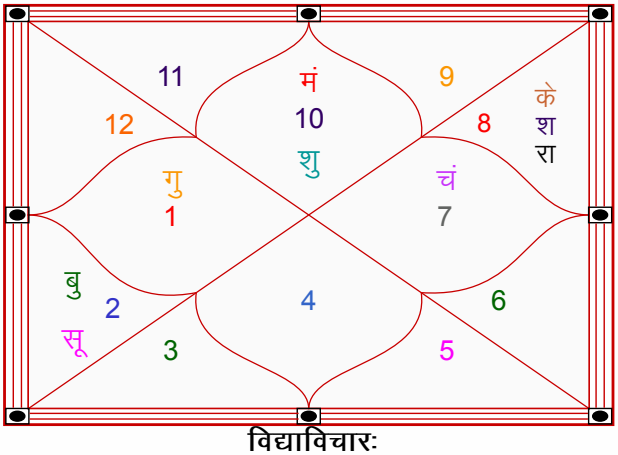

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

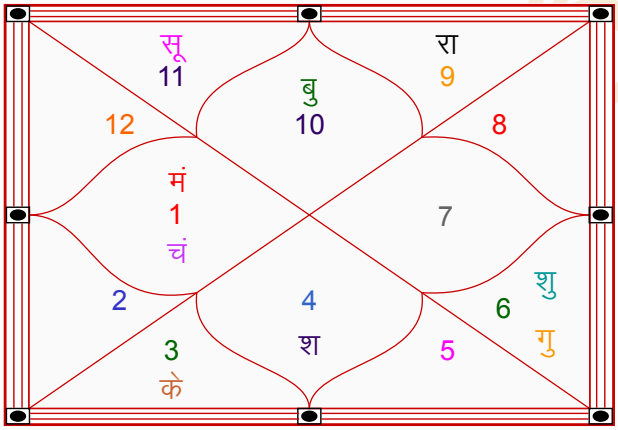

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

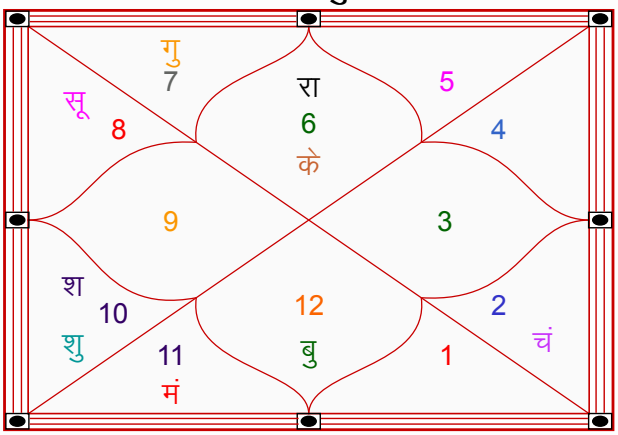

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

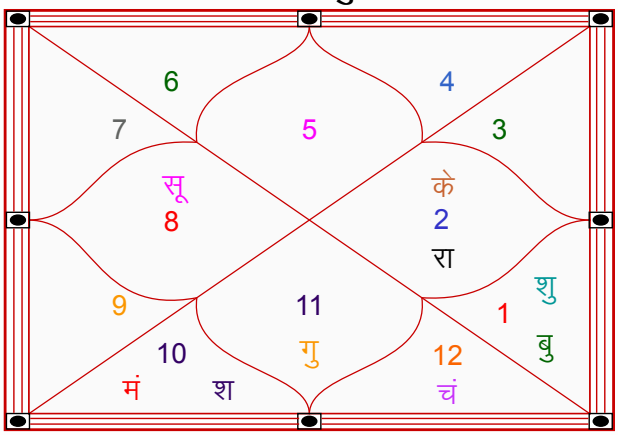

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

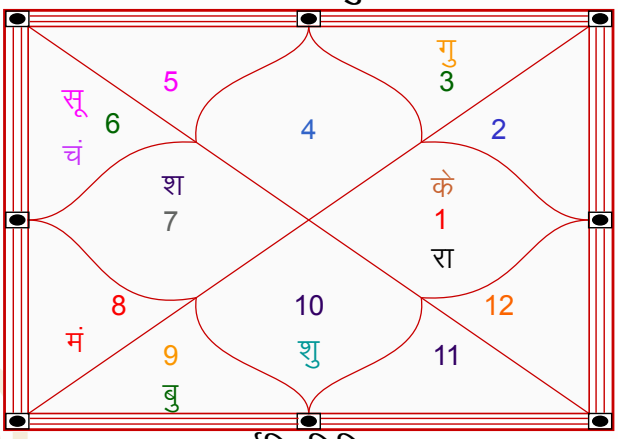

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

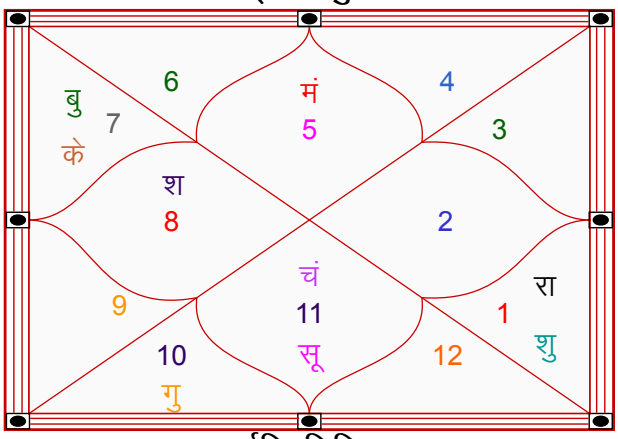

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	वृष	कर्क	कर्क	मिथु	कर्क	तुला	कर्क	कर्क	वृष	वृश्चि
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	वृष	मीन	कर्क	मिथु	वृश्चि	मिथु	मीन	मीन	वृष	वृश्चि
चतुर्थांश	सिंह	मेष	कर्क	मिथु	तुला	कर्क	मेष	मक	वृष	वृश्चि
सप्तमांश	धनु	कर्क	मक	कर्क	मेष	मेष	मिथु	वृष	धनु	मिथु
नवमांश	मीन	मीन	सिंह	धनु	वृश्चि	वृष	मक	मक	कुंभ	सिंह
दशमांश	मीन	धनु	मेष	सिंह	कर्क	मिथु	तुला	कन्या	कुंभ	सिंह
द्वादशांश	सिंह	मिथु	सिंह	सिंह	धनु	सिंह	मेष	मीन	कर्क	मक
षोडशांश	धनु	मिथु	मिथु	मीन	वृश्चि	वृष	मेष	कुंभ	वृश्चि	वृश्चि
विंशांश	वृष	तुला	मिथु	धनु	मक	कन्या	कर्क	वृष	मीन	मीन
चतुर्विंशांश	मक	वृष	तुला	मक	वृष	मेष	मक	वृश्चि	वृश्चि	वृश्चि
सप्तविंशांश	मक	कुंभ	मेष	मेष	मक	कन्या	कन्या	कर्क	धनु	मिथु
त्रिंशांश	कन्या	वृश्चि	वृष	कुंभ	मीन	तुला	मक	मक	कन्या	कन्या
खवेदांश	सिंह	वृश्चि	मीन	मक	मेष	कुंभ	मेष	मक	वृष	वृष
अक्षवेदांश	कर्क	कन्या	कन्या	वृश्चि	धनु	मिथु	मक	तुला	मेष	मेष
षष्ट्यंश	सिंह	कुंभ	कुंभ	सिंह	तुला	मक	मेष	वृश्चि	मेष	तुला

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 –––	1 –––	1 –––	2 भेदक
चन्द्र	4 चामर	4 चामर	4 गोपुर	5 कन्दुक
मंगल	0 –––	0 –––	0 –––	4 नागपुष्प
बुध	0 –––	0 –––	0 –––	0 –––
गुरु	1 –––	1 –––	1 –––	2 भेदक
शुक्र	1 –––	1 –––	2 पारिजात	2 भेदक
शनि	2 किंसुक	2 किंसुक	3 उत्तम	6 केरल
राहु	1 –––	1 –––	1 –––	1 –––
केतु	0 –––	0 –––	0 –––	1 –––

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	14.70	15.85	11.85	11.00	11.60	9.50	12.50	16.25	7.60
सप्तवर्ग	14.10	14.48	12.85	11.50	11.60	9.50	12.25	14.88	7.35
दशवर्ग	11.45	12.18	14.78	10.75	12.45	12.00	11.88	13.15	8.05
षोडशवर्ग	11.28	12.48	13.60	10.85	11.93	11.13	12.63	13.63	8.58

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	–––	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	–––	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	–––	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	–––	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	–––	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	–––	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	–––	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	–––

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
चंद्र	शत्रु	–––	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	–––	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	शत्रु	मित्र	–––	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	–––	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	–––	शत्रु	मित्र	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	–––	मित्र	शत्रु
राहु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	–––	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	–––

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु
चंद्र	सम	–––	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	–––	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	सम	अधिशत्रु	मित्र	–––	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	सम	–––	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	सम	मित्र	–––	सम	अतिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	सम	मित्र	सम	–––	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	–––	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	–––

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	24.0	39.7	16.8	39.6	23.0	21.5	30.2
सप्तवर्गज बल	116.3	112.5	105.0	78.8	82.5	56.3	101.3
ओजयुग्मक बल	0.0	15.0	30.0	0.0	15.0	30.0	0.0
केन्द्र बल	15.0	15.0	30.0	15.0	15.0	15.0	15.0
द्रेष्काण बल	0.0	0.0	15.0	15.0	0.0	15.0	0.0
कुल स्थान बल	155.3	182.2	196.8	148.3	135.5	137.7	146.4
कुल दिग्बल	2.2	54.2	14.7	38.0	4.0	59.6	24.2
नतोन्नत बल	2.2	57.8	57.8	60.0	2.2	2.2	57.8
पक्ष बल	52.0	104.0	52.0	52.0	8.0	8.0	52.0
त्रिभाग बल	0.0	0.0	0.0	0.0	60.0	60.0	0.0
अब्द बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	15.0	0.0
मास बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	30.0	0.0
वार बल	0.0	0.0	0.0	0.0	45.0	0.0	0.0
होरा बल	0.0	0.0	0.0	60.0	0.0	0.0	0.0
अयन बल	97.7	3.3	60.0	54.0	7.4	51.0	8.3
युद्ध बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
कुल कालबल	151.8	165.1	169.8	226.0	122.5	166.1	118.1
कुल चेष्टाबल	0.0	0.0	24.6	15.3	31.4	2.7	4.2
कुल नैसर्गिक बल	60.0	51.4	17.1	25.7	34.3	42.9	8.6
कुल दृग्बल	0.9	14.0	9.8	12.0	-31.6	9.8	10.3
कुल षट्बल	370.2	466.9	432.9	465.4	296.2	418.8	311.8
रूप षट्बल	6.2	7.8	7.2	7.8	4.9	7.0	5.2
न्यूनतम आवश्यकता	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.2	1.3	1.4	1.1	0.8	1.3	1.0
संबंधित पद	4	2	1	5	7	3	6

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	32.11	17.82	20.36	24.61	26.92	7.65	11.22
कष्ट फल	24.76	32.51	39.08	30.22	32.49	46.97	40.82

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	418.8	465.4	465.4	466.9	370.2	418.8	432.9	296.2	296.2	311.8	311.8	432.9
भावदिग्बल	30.0	50.0	40.0	60.0	10.0	10.0	60.0	10.0	50.0	0.0	40.0	40.0
भावदृष्टि बल	43.5	41.8	59.5	45.5	-5.1	-5.7	16.5	-4.2	17.1	58.5	72.8	22.3
कुल भाव बल	492.3	557.1	564.9	572.4	375.0	423.1	509.4	302.0	363.3	370.3	424.6	495.2
रूप भाव बल	8.2	9.3	9.4	9.5	6.3	7.1	8.5	5.0	6.1	6.2	7.1	8.3
संबंधित पद	6.0	3.0	2.0	1.0	9.0	8.0	4.0	12.0	11.0	10.0	7.0	5.0

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

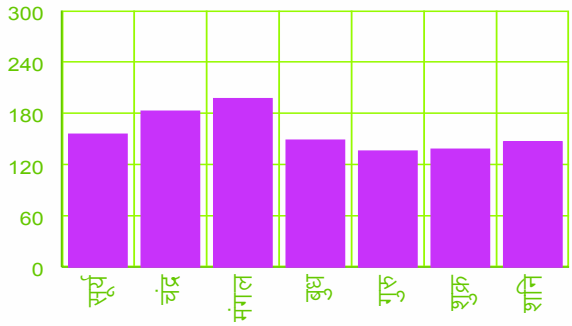

दिग्बल

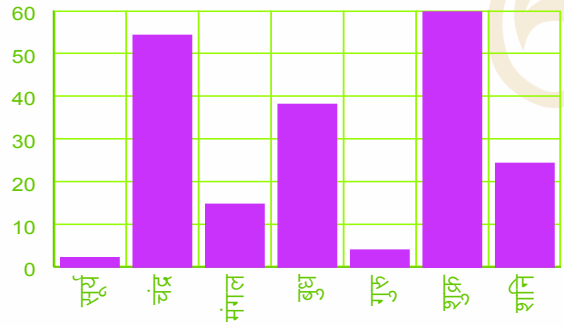

कालबल

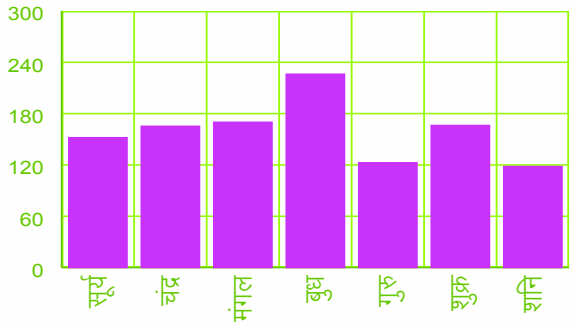

चेष्टाबल

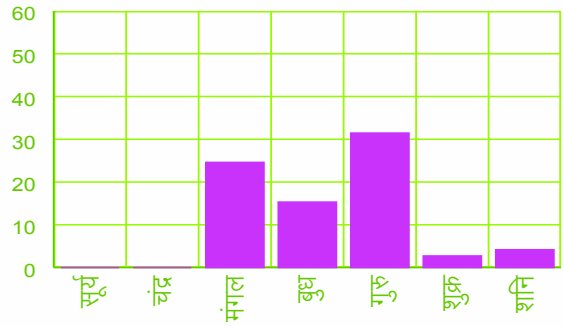

नैसर्गिक बल

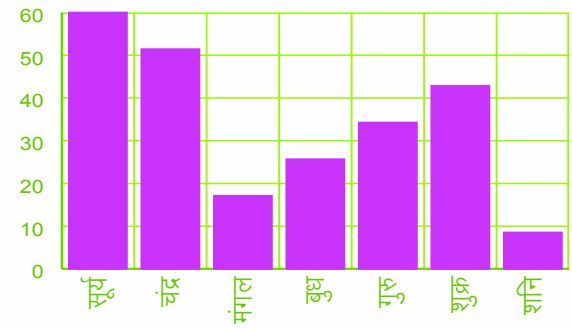

दृग्बल

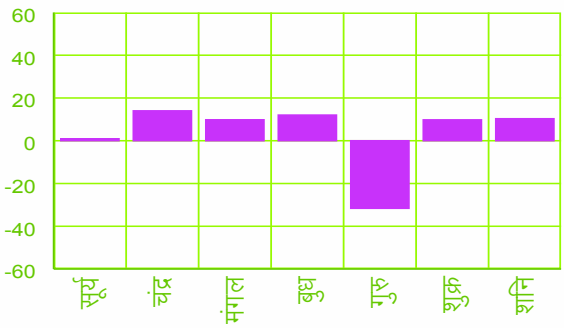

रूप षट्बल

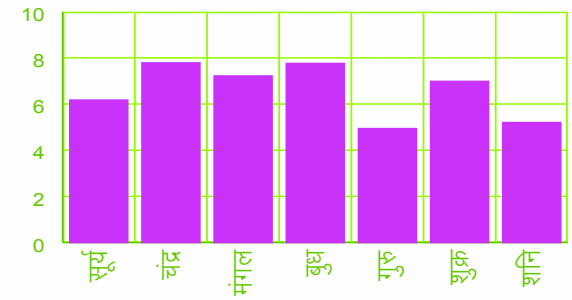

न्यूनतम षट्बल

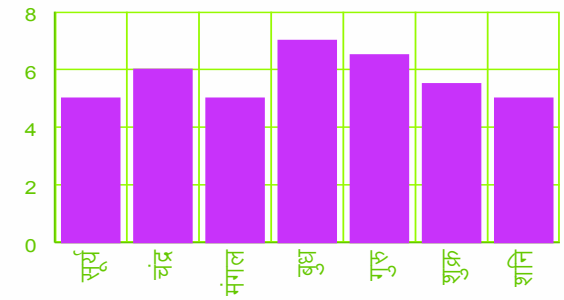

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

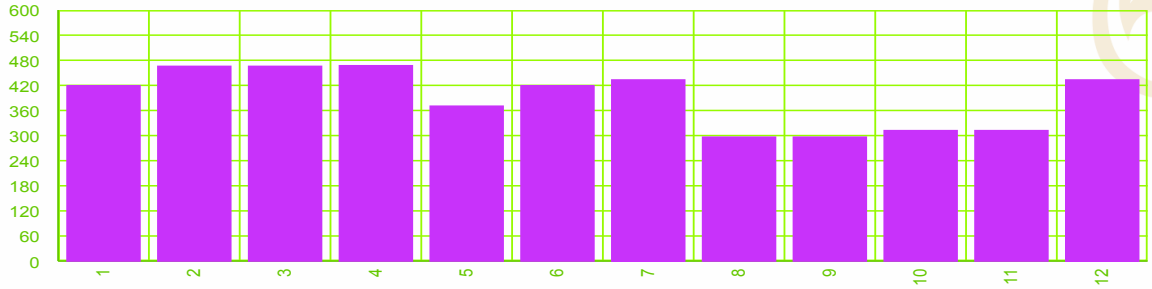

भावदिग्बल

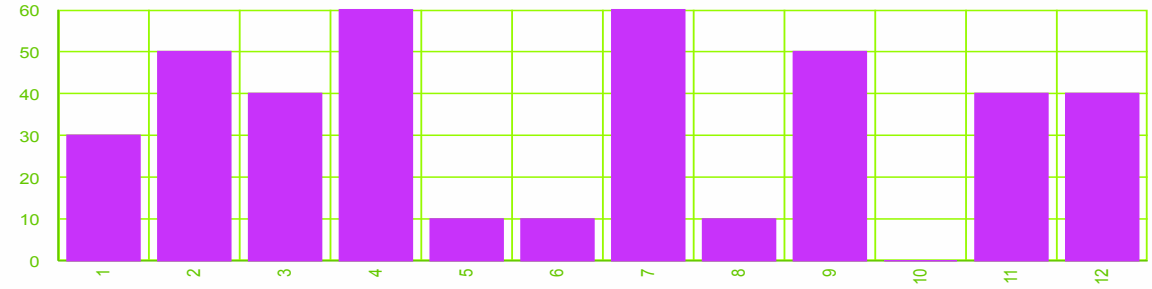

भावदृष्टि बल

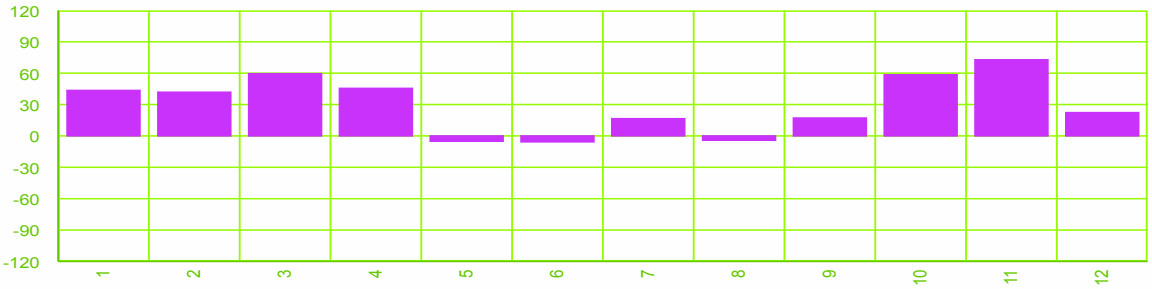

भाव बल

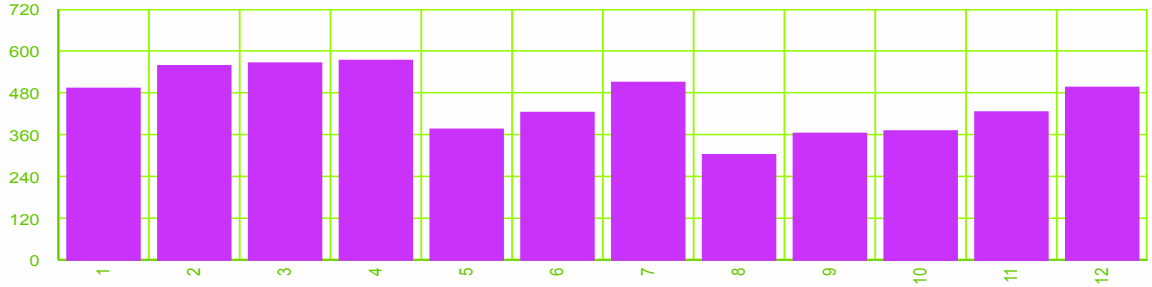

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

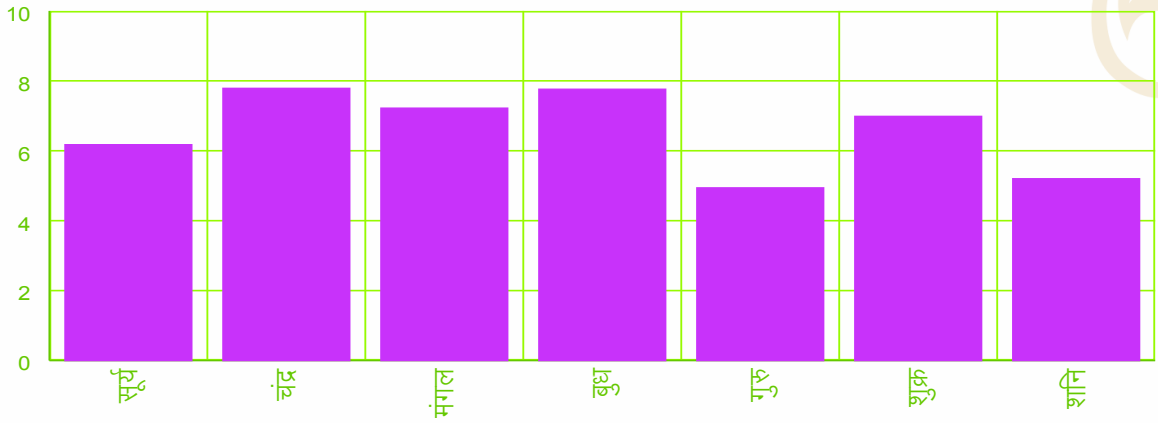

इष्ट – कष्ट फल

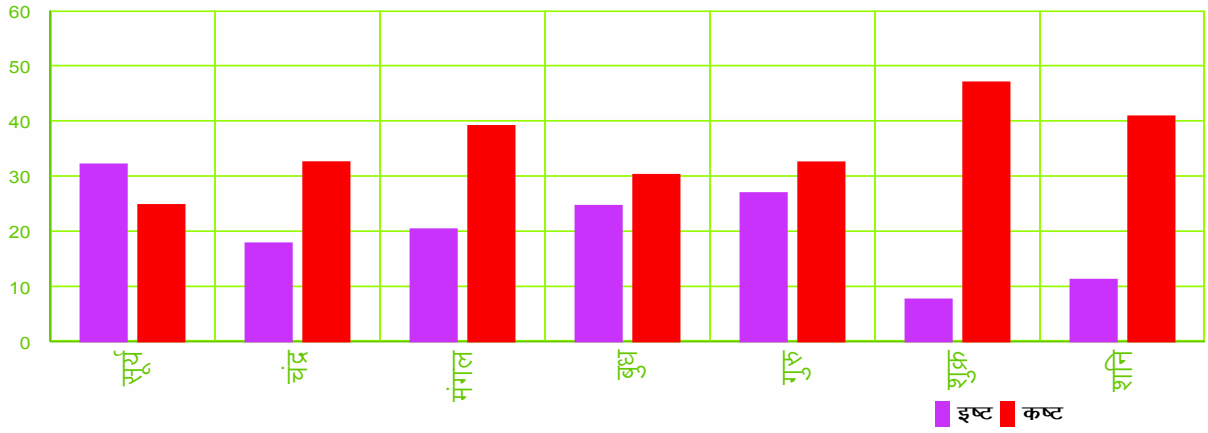

रूप भाव बल

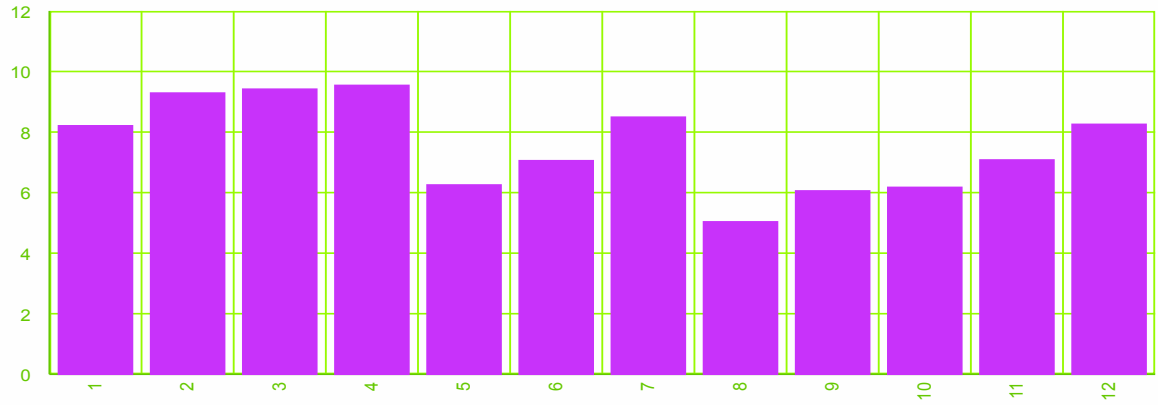

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	वृष	07:45:37	––	––	कृतिका	4	3
गुलिक	गु	मिथु	05:41:38	––	––	मृगशिरा	4	5
काल	का	मिथु	23:31:16	––	––	पुनर्वसु	2	7
मृत्यु	मृ	कुंभ	27:50:23	––	––	पू०भाद्रपद	3	25
यमघंटक	यम	मेष	23:15:49	––	––	भरणी	3	2
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मीन	26:54:42	––	––	रेवती	4	27
धूम	धू	धनु	11:19:21	––	––	मूल	4	19
व्यतिपात	व्य	कर्क	18:40:39	––	––	आश्लेषा	1	9
परिवेश	परि	मक	18:40:39	––	––	श्रवण	3	22
इन्द्रचाप	इ	मिथु	11:19:21	नीच	––	आर्द्रा	2	6
उपकेतु	उप	मिथु	27:59:21	––	––	पुनर्वसु	3	7
मांदी	मांदी	मिथु	21:23:28	––	––	पुनर्वसु	1	7

प्राणपद	:	कन्या	21:58:57	कारकाँश लग्न	:	मीन	11:54:06
भाव लग्न	:	कुंभ	10:27:35	होरा लग्न	:	वृश्चि	13:09:34
घटी लग्न	:	वृष	11:29:15	वर्णद लग्न	:	धनु	20:55:11

उपग्रह कुंडली

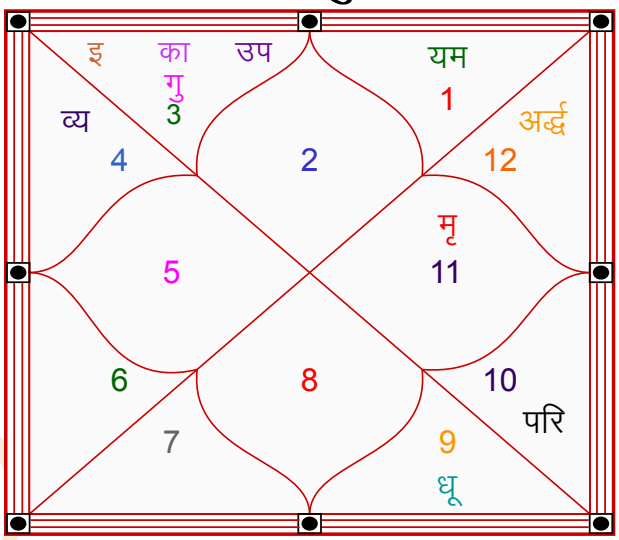

आरूढ़ कुंडली

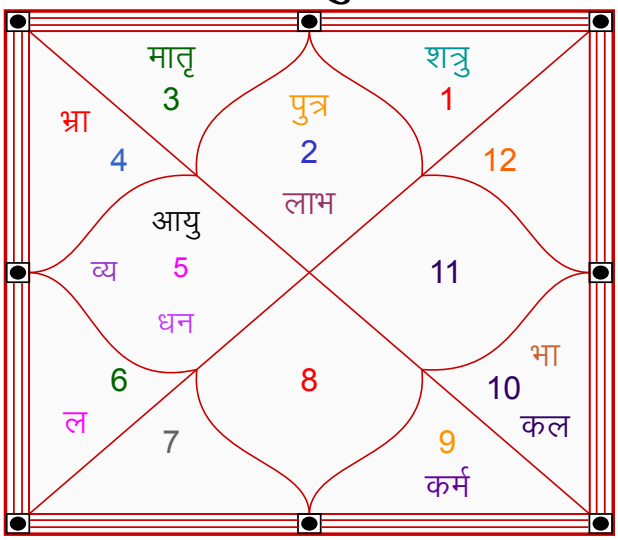

षन्नाडी चक्र

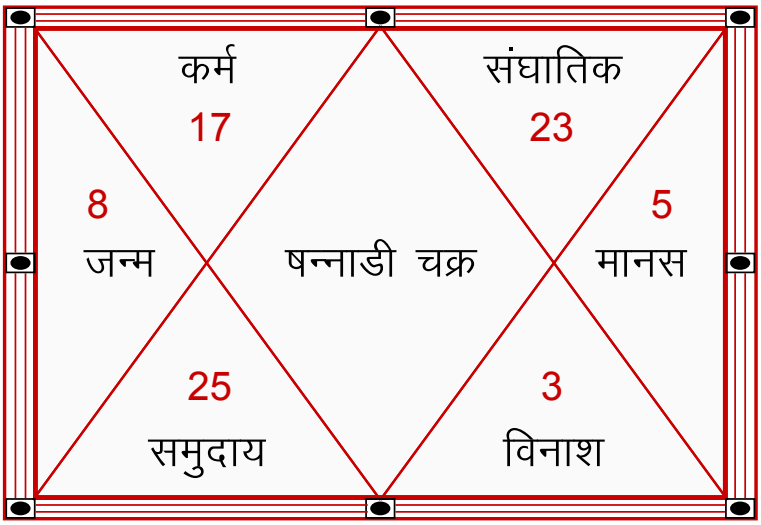

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु
केतु कुंडली	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध
गुरु कुंडली	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र
केतु कुंडली	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध
गुरु कुंडली	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि
केतु कुंडली	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध
गुरु कुंडली	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
कुल	**4**	**4**	**3**	**3**	**1**	**4**	**4**	**5**	**6**	**6**	**4**	**4**	**48**

चंद्र का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
मंगल	1	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	6
सूर्य	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	6
शुक्र	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	7
बुध	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
कुल	**5**	**2**	**5**	**5**	**5**	**3**	**5**	**3**	**4**	**6**	**6**	**0**	**49**

मंगल का अष्टकवर्ग

	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	7
गुरु	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	5
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
चंद्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
कुल	**2**	**4**	**1**	**5**	**2**	**2**	**5**	**2**	**3**	**4**	**3**	**6**	**39**

बुध का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	6
लग्न	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
कुल	**4**	**5**	**4**	**4**	**3**	**5**	**2**	**5**	**7**	**4**	**7**	**4**	**54**

गुरु का अष्टकवर्ग

	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	कुल
शनि	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	9
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
बुध	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	9
कुल	**4**	**6**	**5**	**5**	**2**	**6**	**5**	**6**	**3**	**4**	**6**	**4**	**56**

शुक्र का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चंद्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
लग्न	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	8
कुल	**4**	**5**	**6**	**3**	**5**	**2**	**1**	**6**	**5**	**3**	**8**	**4**	**52**

शनि का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	6
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	3
बुध	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	6
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	6
कुल	**2**	**4**	**3**	**3**	**2**	**4**	**1**	**4**	**4**	**3**	**7**	**2**	**39**

लग्न का अष्टकवर्ग

	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	कुल
शनि	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
गुरु	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
मंगल	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
सूर्य	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
शुक्र	0	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	7
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
चंद्र	1	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	**4**	**4**	**5**	**4**	**4**	**6**	**3**	**4**	**1**	**4**	**4**	**6**	**49**

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	3	7	2	2	4	3	3	2	4	1	4	4	39
गुरु	5	6	3	4	6	4	4	6	5	5	2	6	56
मंगल	3	6	2	4	1	5	2	2	5	2	3	4	39
सूर्य	6	4	4	4	4	3	3	1	4	4	5	6	48
शुक्र	3	8	4	4	5	6	3	5	2	1	6	5	52
बुध	4	7	4	4	5	4	4	3	5	2	5	7	54
चंद्र	6	6	0	5	2	5	5	5	3	5	3	4	49
बिन्दु	30	44	19	27	27	30	24	24	28	20	28	36	337
रेखा	26	12	37	29	29	26	32	32	28	36	28	20	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	6	0	0	1	2	1	0	1	0	2	2	15
गुरु	0	2	1	0	1	0	2	2	0	1	0	2	11
मंगल	2	4	0	2	0	3	0	0	4	0	1	2	18
सूर्य	2	1	1	3	0	0	0	0	0	1	2	5	15
शुक्र	1	7	1	0	3	5	0	1	0	0	3	1	22
बुध	0	5	0	1	1	2	0	0	1	0	1	4	15
चंद्र	4	1	0	1	0	0	5	1	1	0	3	0	16
रेखा	9	26	3	7	6	12	8	4	7	2	12	16	112

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	5	0	0	1	2	1	0	1	0	2	1	13
गुरु	0	0	1	0	1	0	2	2	0	1	0	2	9
मंगल	2	4	0	2	0	3	0	0	2	0	1	2	16
सूर्य	2	1	1	3	0	0	0	0	0	1	1	5	14
शुक्र	0	7	1	0	3	4	0	0	0	0	3	1	19
बुध	0	5	0	1	1	2	0	0	1	0	1	3	14
चंद्र	3	0	0	1	0	0	5	1	1	0	3	0	14
रेखा	7	22	3	7	6	11	8	3	5	2	11	14	99

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	120	110	130	130	77	173	120
ग्रह पिंड	89	77	54	27	28	8	10
शोध्य पिंड	209	187	184	157	105	181	130

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

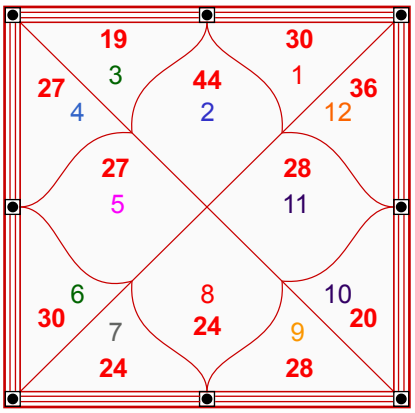

सूर्य का अष्टकवर्ग

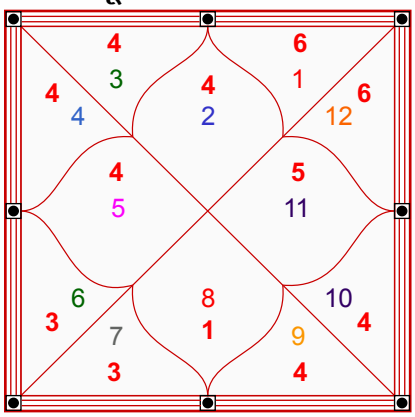

चंद्र का अष्टकवर्ग

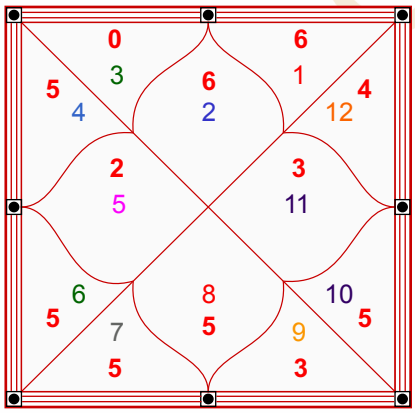

मंगल का अष्टकवर्ग

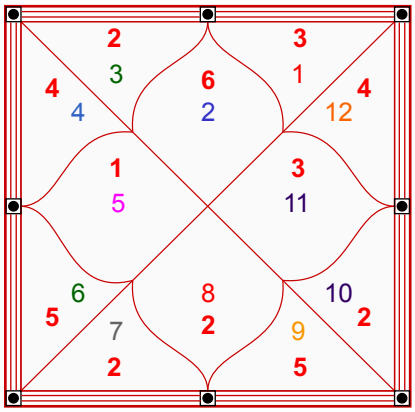

बुध का अष्टकवर्ग

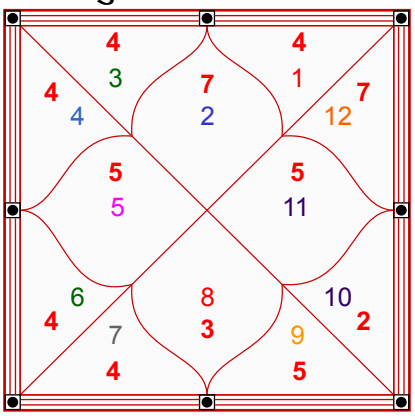

गुरू का अष्टकवर्ग

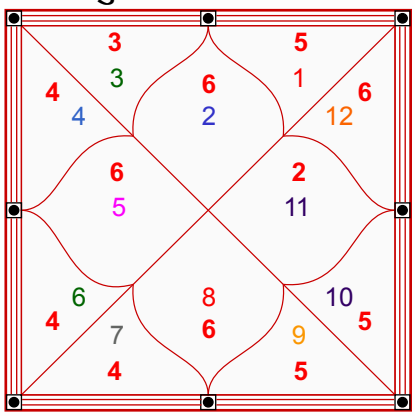

शुक्र का अष्टकवर्ग

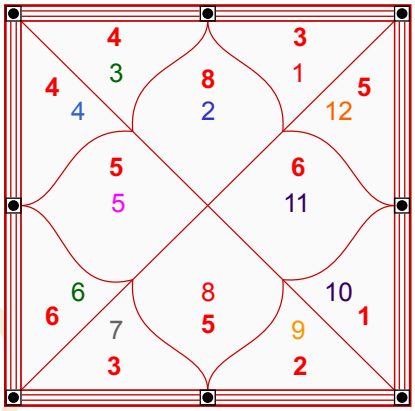

शनि का अष्टकवर्ग

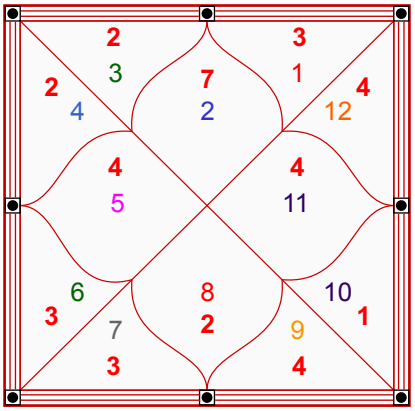

लग्न का अष्टकवर्ग

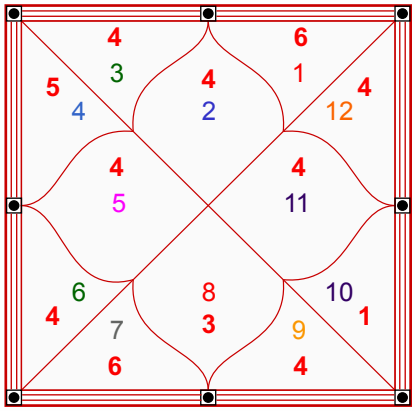

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

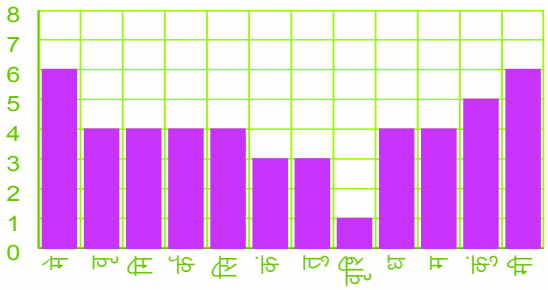

चन्द्र

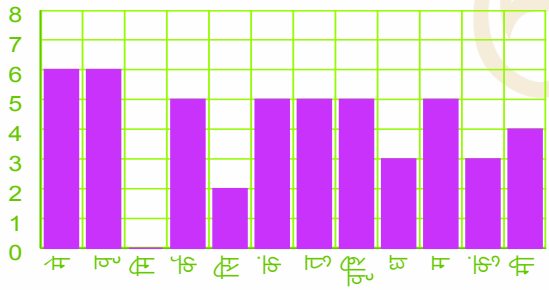

मंगल

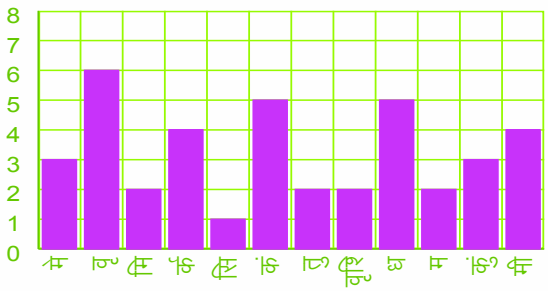

बुध

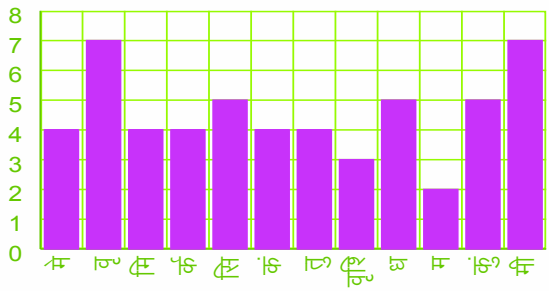

गुरु

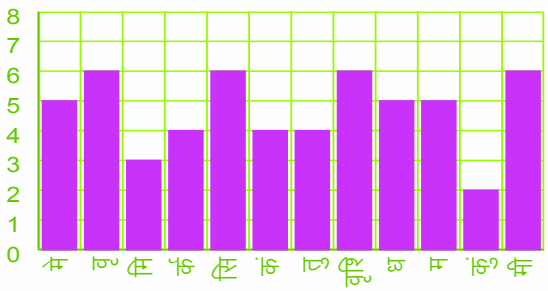

शुक्र

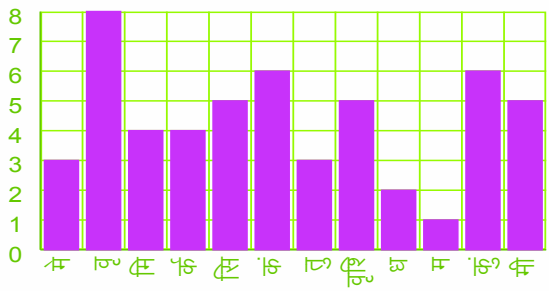

शनि

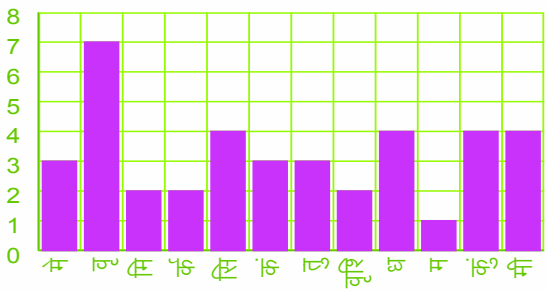

लग्न

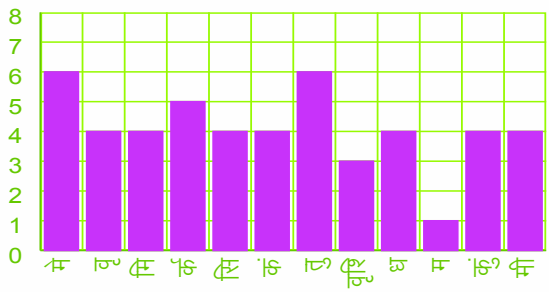

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

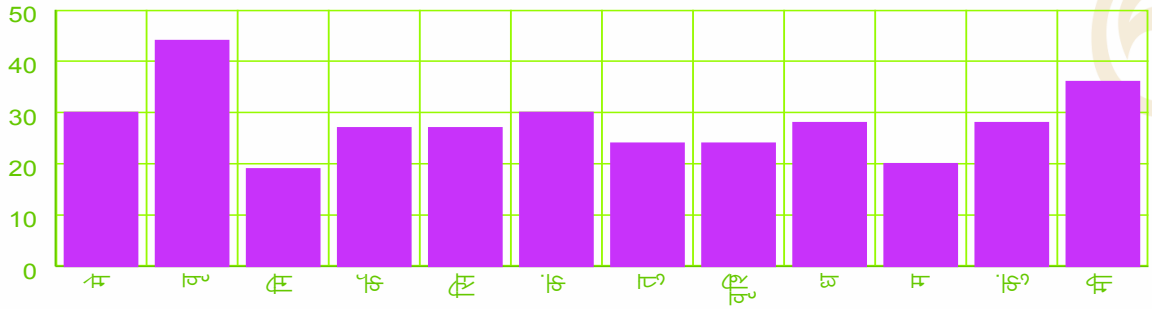

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

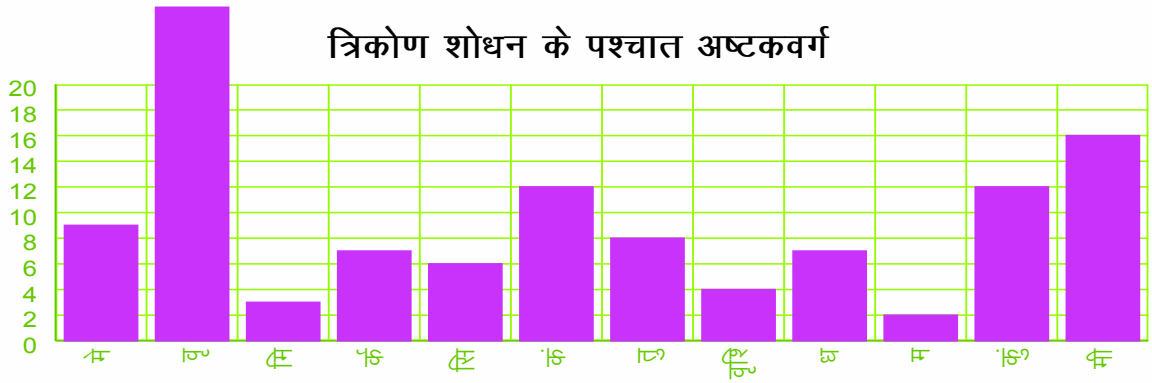

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

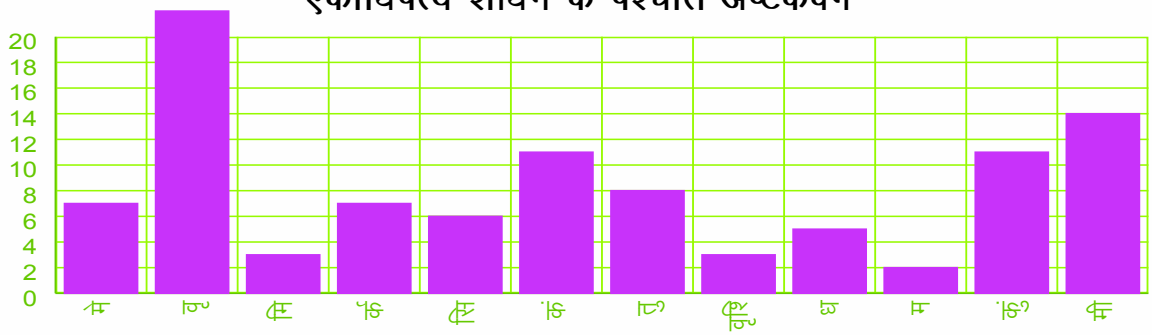

शोध्य पिंड

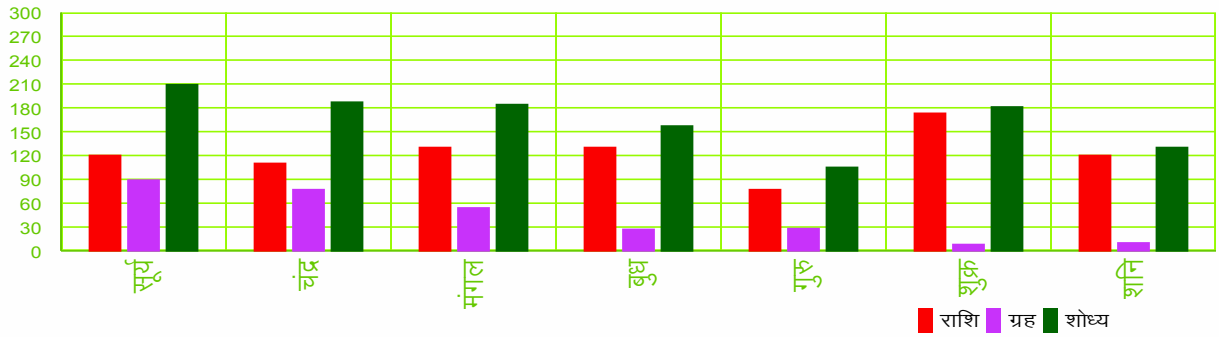

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 0 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/08/1947		10/09/1965		10/09/1982		10/09/1989		10/09/2009	
10/09/1965		10/09/1982		10/09/1989		10/09/2009		10/09/2015	
शनि	13/09/1949	बुध	06/02/1968	केतु	06/02/1983	शुक्र	09/01/1993	सूर्य	28/12/2009
बुध	23/05/1952	केतु	03/02/1969	शुक्र	07/04/1984	सूर्य	10/01/1994	चंद्र	29/06/2010
केतु	02/07/1953	शुक्र	05/12/1971	सूर्य	13/08/1984	चंद्र	10/09/1995	मंगल	04/11/2010
शुक्र	31/08/1956	सूर्य	10/10/1972	चंद्र	14/03/1985	मंगल	09/11/1996	राहु	29/09/2011
सूर्य	13/08/1957	चंद्र	11/03/1974	मंगल	10/08/1985	राहु	10/11/1999	गुरु	17/07/2012
चंद्र	15/03/1959	मंगल	09/03/1975	राहु	29/08/1986	गुरु	11/07/2002	शनि	29/06/2013
मंगल	23/04/1960	राहु	25/09/1977	गुरु	05/08/1987	शनि	10/09/2005	बुध	05/05/2014
राहु	28/02/1963	गुरु	01/01/1980	शनि	13/09/1988	बुध	11/07/2008	केतु	10/09/2014
गुरु	10/09/1965	शनि	10/09/1982	बुध	10/09/1989	केतु	10/09/2009	शुक्र	10/09/2015

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/09/2015		10/09/2025		10/09/2032		10/09/2050		10/09/2066	
10/09/2025		10/09/2032		10/09/2050		10/09/2066		00/00/0000	
चंद्र	11/07/2016	मंगल	06/02/2026	राहु	24/05/2035	गुरु	28/10/2052	शनि	15/08/2067
मंगल	09/02/2017	राहु	24/02/2027	गुरु	16/10/2037	शनि	12/05/2055		00/00/0000
राहु	11/08/2018	गुरु	31/01/2028	शनि	22/08/2040	बुध	16/08/2057		00/00/0000
गुरु	11/12/2019	शनि	11/03/2029	बुध	12/03/2043	केतु	23/07/2058		00/00/0000
शनि	11/07/2021	बुध	08/03/2030	केतु	29/03/2044	शुक्र	23/03/2061		00/00/0000
बुध	10/12/2022	केतु	05/08/2030	शुक्र	30/03/2047	सूर्य	10/01/2062		00/00/0000
केतु	11/07/2023	शुक्र	05/10/2031	सूर्य	22/02/2048	चंद्र	12/05/2063		00/00/0000
शुक्र	11/03/2025	सूर्य	09/02/2032	चंद्र	23/08/2049	मंगल	16/04/2064		00/00/0000
सूर्य	10/09/2025	चंद्र	10/09/2032	मंगल	10/09/2050	राहु	10/09/2066		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 0 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
15/08/1947		13/09/1949		23/05/1952		02/07/1953		31/08/1956	
13/09/1949		23/05/1952		02/07/1953		31/08/1956		13/08/1957	
	00/00/0000	बुध	30/01/1950	केतु	16/06/1952	शुक्र	11/01/1954	सूर्य	18/09/1956
	15/08/1947	केतु	28/03/1950	शुक्र	22/08/1952	सूर्य	09/03/1954	चंद्र	17/10/1956
केतु	09/10/1947	शुक्र	08/09/1950	सूर्य	11/09/1952	चंद्र	14/06/1954	मंगल	06/11/1956
शुक्र	09/04/1948	सूर्य	27/10/1950	चंद्र	15/10/1952	मंगल	20/08/1954	राहु	28/12/1956
सूर्य	03/06/1948	चंद्र	17/01/1951	मंगल	08/11/1952	राहु	10/02/1955	गुरु	12/02/1957
चंद्र	02/09/1948	मंगल	16/03/1951	राहु	07/01/1953	गुरु	14/07/1955	शनि	08/04/1957
मंगल	06/11/1948	राहु	10/08/1951	गुरु	02/03/1953	शनि	13/01/1956	बुध	27/05/1957
राहु	19/04/1949	गुरु	19/12/1951	शनि	05/05/1953	बुध	25/06/1956	केतु	17/06/1957
गुरु	13/09/1949	शनि	23/05/1952	बुध	02/07/1953	केतु	31/08/1956	शुक्र	13/08/1957

शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध	
13/08/1957		15/03/1959		23/04/1960		28/02/1963		10/09/1965	
15/03/1959		23/04/1960		28/02/1963		10/09/1965		06/02/1968	
चंद्र	01/10/1957	मंगल	07/04/1959	राहु	26/09/1960	गुरु	01/07/1963	बुध	12/01/1966
मंगल	03/11/1957	राहु	07/06/1959	गुरु	11/02/1961	शनि	24/11/1963	केतु	05/03/1966
राहु	29/01/1958	गुरु	31/07/1959	शनि	26/07/1961	बुध	03/04/1964	शुक्र	29/07/1966
गुरु	16/04/1958	शनि	03/10/1959	बुध	21/12/1961	केतु	27/05/1964	सूर्य	11/09/1966
शनि	17/07/1958	बुध	29/11/1959	केतु	19/02/1962	शुक्र	29/10/1964	चंद्र	24/11/1966
बुध	07/10/1958	केतु	23/12/1959	शुक्र	12/08/1962	सूर्य	14/12/1964	मंगल	14/01/1967
केतु	09/11/1958	शुक्र	29/02/1960	सूर्य	03/10/1962	चंद्र	01/03/1965	राहु	26/05/1967
शुक्र	14/02/1959	सूर्य	20/03/1960	चंद्र	29/12/1962	मंगल	24/04/1965	गुरु	20/09/1967
सूर्य	15/03/1959	चंद्र	23/04/1960	मंगल	28/02/1963	राहु	10/09/1965	शनि	06/02/1968

बुध - केतु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल	
06/02/1968		03/02/1969		05/12/1971		10/10/1972		11/03/1974	
03/02/1969		05/12/1971		10/10/1972		11/03/1974		09/03/1975	
केतु	28/02/1968	शुक्र	25/07/1969	सूर्य	20/12/1971	चंद्र	22/11/1972	मंगल	02/04/1974
शुक्र	28/04/1968	सूर्य	15/09/1969	चंद्र	15/01/1972	मंगल	22/12/1972	राहु	26/05/1974
सूर्य	16/05/1968	चंद्र	10/12/1969	मंगल	02/02/1972	राहु	10/03/1973	गुरु	13/07/1974
चंद्र	15/06/1968	मंगल	08/02/1970	राहु	20/03/1972	गुरु	18/05/1973	शनि	09/09/1974
मंगल	06/07/1968	राहु	14/07/1970	गुरु	30/04/1972	शनि	08/08/1973	बुध	30/10/1974
राहु	30/08/1968	गुरु	29/11/1970	शनि	18/06/1972	बुध	20/10/1973	केतु	20/11/1974
गुरु	17/10/1968	शनि	12/05/1971	बुध	01/08/1972	केतु	19/11/1973	शुक्र	19/01/1975
शनि	13/12/1968	बुध	05/10/1971	केतु	19/08/1972	शुक्र	14/02/1974	सूर्य	06/02/1975
बुध	03/02/1969	केतु	05/12/1971	शुक्र	10/10/1972	सूर्य	11/03/1974	चंद्र	09/03/1975

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - राहु		बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र	
09/03/1975		25/09/1977		01/01/1980		10/09/1982		06/02/1983	
25/09/1977		01/01/1980		10/09/1982		06/02/1983		07/04/1984	
राहु	26/07/1975	गुरु	13/01/1978	शनि	05/06/1980	केतु	19/09/1982	शुक्र	18/04/1983
गुरु	28/11/1975	शनि	25/05/1978	बुध	22/10/1980	शुक्र	14/10/1982	सूर्य	10/05/1983
शनि	23/04/1976	बुध	19/09/1978	केतु	18/12/1980	सूर्य	21/10/1982	चंद्र	14/06/1983
बुध	02/09/1976	केतु	06/11/1978	शुक्र	31/05/1981	चंद्र	03/11/1982	मंगल	09/07/1983
केतु	26/10/1976	शुक्र	24/03/1979	सूर्य	19/07/1981	मंगल	11/11/1982	राहु	11/09/1983
शुक्र	31/03/1977	सूर्य	04/05/1979	चंद्र	09/10/1981	राहु	04/12/1982	गुरु	07/11/1983
सूर्य	16/05/1977	चंद्र	12/07/1979	मंगल	06/12/1981	गुरु	23/12/1982	शनि	13/01/1984
चंद्र	02/08/1977	मंगल	30/08/1979	राहु	02/05/1982	शनि	16/01/1983	बुध	13/03/1984
मंगल	25/09/1977	राहु	01/01/1980	गुरु	10/09/1982	बुध	06/02/1983	केतु	07/04/1984

केतु - सूर्य		केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु	
07/04/1984		13/08/1984		14/03/1985		10/08/1985		29/08/1986	
13/08/1984		14/03/1985		10/08/1985		29/08/1986		05/08/1987	
सूर्य	14/04/1984	चंद्र	31/08/1984	मंगल	23/03/1985	राहु	07/10/1985	गुरु	13/10/1986
चंद्र	24/04/1984	मंगल	12/09/1984	राहु	14/04/1985	गुरु	27/11/1985	शनि	06/12/1986
मंगल	02/05/1984	राहु	14/10/1984	गुरु	04/05/1985	शनि	27/01/1986	बुध	24/01/1987
राहु	21/05/1984	गुरु	12/11/1984	शनि	28/05/1985	बुध	22/03/1986	केतु	12/02/1987
गुरु	07/06/1984	शनि	15/12/1984	बुध	18/06/1985	केतु	13/04/1986	शुक्र	10/04/1987
शनि	27/06/1984	बुध	15/01/1985	केतु	27/06/1985	शुक्र	16/06/1986	सूर्य	27/04/1987
बुध	15/07/1984	केतु	27/01/1985	शुक्र	21/07/1985	सूर्य	06/07/1986	चंद्र	26/05/1987
केतु	23/07/1984	शुक्र	04/03/1985	सूर्य	29/07/1985	चंद्र	07/08/1986	मंगल	15/06/1987
शुक्र	13/08/1984	सूर्य	14/03/1985	चंद्र	10/08/1985	मंगल	29/08/1986	राहु	05/08/1987

केतु - शनि		केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र	
05/08/1987		13/09/1988		10/09/1989		09/01/1993		10/01/1994	
13/09/1988		10/09/1989		09/01/1993		10/01/1994		10/09/1995	
शनि	08/10/1987	बुध	03/11/1988	शुक्र	01/04/1990	सूर्य	28/01/1993	चंद्र	01/03/1994
बुध	04/12/1987	केतु	24/11/1988	सूर्य	01/06/1990	चंद्र	27/02/1993	मंगल	06/04/1994
केतु	28/12/1987	शुक्र	23/01/1989	चंद्र	10/09/1990	मंगल	20/03/1993	राहु	06/07/1994
शुक्र	04/03/1988	सूर्य	11/02/1989	मंगल	20/11/1990	राहु	14/05/1993	गुरु	25/09/1994
सूर्य	25/03/1988	चंद्र	13/03/1989	राहु	22/05/1991	गुरु	02/07/1993	शनि	31/12/1994
चंद्र	27/04/1988	मंगल	03/04/1989	गुरु	31/10/1991	शनि	29/08/1993	बुध	27/03/1995
मंगल	21/05/1988	राहु	27/05/1989	शनि	11/05/1992	बुध	19/10/1993	केतु	01/05/1995
राहु	21/07/1988	गुरु	14/07/1989	बुध	30/10/1992	केतु	10/11/1993	शुक्र	11/08/1995
गुरु	13/09/1988	शनि	10/09/1989	केतु	09/01/1993	शुक्र	10/01/1994	सूर्य	10/09/1995

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध	
10/09/1995		09/11/1996		10/11/1999		11/07/2002		10/09/2005	
09/11/1996		10/11/1999		11/07/2002		10/09/2005		11/07/2008	
मंगल	05/10/1995	राहु	23/04/1997	गुरु	19/03/2000	शनि	10/01/2003	बुध	03/02/2006
राहु	08/12/1995	गुरु	16/09/1997	शनि	20/08/2000	बुध	23/06/2003	केतु	05/04/2006
गुरु	03/02/1996	शनि	08/03/1998	बुध	05/01/2001	केतु	30/08/2003	शुक्र	24/09/2006
शनि	10/04/1996	बुध	11/08/1998	केतु	03/03/2001	शुक्र	09/03/2004	सूर्य	15/11/2006
बुध	10/06/1996	केतु	14/10/1998	शुक्र	12/08/2001	सूर्य	06/05/2004	चंद्र	09/02/2007
केतु	05/07/1996	शुक्र	14/04/1999	सूर्य	30/09/2001	चंद्र	11/08/2004	मंगल	11/04/2007
शुक्र	14/09/1996	सूर्य	08/06/1999	चंद्र	20/12/2001	मंगल	17/10/2004	राहु	13/09/2007
सूर्य	05/10/1996	चंद्र	07/09/1999	मंगल	15/02/2002	राहु	09/04/2005	गुरु	29/01/2008
चंद्र	09/11/1996	मंगल	10/11/1999	राहु	11/07/2002	गुरु	10/09/2005	शनि	11/07/2008

शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु	
11/07/2008		10/09/2009		28/12/2009		29/06/2010		04/11/2010	
10/09/2009		28/12/2009		29/06/2010		04/11/2010		29/09/2011	
केतु	05/08/2008	सूर्य	15/09/2009	चंद्र	13/01/2010	मंगल	06/07/2010	राहु	23/12/2010
शुक्र	15/10/2008	चंद्र	24/09/2009	मंगल	23/01/2010	राहु	26/07/2010	गुरु	05/02/2011
सूर्य	05/11/2008	मंगल	01/10/2009	राहु	20/02/2010	गुरु	12/08/2010	शनि	29/03/2011
चंद्र	10/12/2008	राहु	17/10/2009	गुरु	16/03/2010	शनि	01/09/2010	बुध	15/05/2011
मंगल	04/01/2009	गुरु	01/11/2009	शनि	14/04/2010	बुध	19/09/2010	केतु	03/06/2011
राहु	09/03/2009	शनि	18/11/2009	बुध	10/05/2010	केतु	26/09/2010	शुक्र	28/07/2011
गुरु	05/05/2009	बुध	04/12/2009	केतु	20/05/2010	शुक्र	18/10/2010	सूर्य	13/08/2011
शनि	11/07/2009	केतु	10/12/2009	शुक्र	20/06/2010	सूर्य	24/10/2010	चंद्र	09/09/2011
बुध	10/09/2009	शुक्र	28/12/2009	सूर्य	29/06/2010	चंद्र	04/11/2010	मंगल	29/09/2011

सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र	
29/09/2011		17/07/2012		29/06/2013		05/05/2014		10/09/2014	
17/07/2012		29/06/2013		05/05/2014		10/09/2014		10/09/2015	
गुरु	07/11/2011	शनि	10/09/2012	बुध	12/08/2013	केतु	13/05/2014	शुक्र	10/11/2014
शनि	23/12/2011	बुध	29/10/2012	केतु	30/08/2013	शुक्र	03/06/2014	सूर्य	28/11/2014
बुध	02/02/2012	केतु	18/11/2012	शुक्र	21/10/2013	सूर्य	09/06/2014	चंद्र	29/12/2014
केतु	19/02/2012	शुक्र	15/01/2013	सूर्य	05/11/2013	चंद्र	20/06/2014	मंगल	19/01/2015
शुक्र	08/04/2012	सूर्य	01/02/2013	चंद्र	01/12/2013	मंगल	27/06/2014	राहु	15/03/2015
सूर्य	23/04/2012	चंद्र	02/03/2013	मंगल	19/12/2013	राहु	17/07/2014	गुरु	02/05/2015
चंद्र	17/05/2012	मंगल	22/03/2013	राहु	04/02/2014	गुरु	03/08/2014	शनि	29/06/2015
मंगल	03/06/2012	राहु	13/05/2013	गुरु	17/03/2014	शनि	23/08/2014	बुध	20/08/2015
राहु	17/07/2012	गुरु	29/06/2013	शनि	05/05/2014	बुध	10/09/2014	केतु	10/09/2015

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि	
10/09/2015		11/07/2016		09/02/2017		11/08/2018		11/12/2019	
11/07/2016		09/02/2017		11/08/2018		11/12/2019		11/07/2021	
चंद्र	06/10/2015	मंगल	23/07/2016	राहु	02/05/2017	गुरु	15/10/2018	शनि	11/03/2020
मंगल	23/10/2015	राहु	24/08/2016	गुरु	14/07/2017	शनि	31/12/2018	बुध	01/06/2020
राहु	08/12/2015	गुरु	21/09/2016	शनि	09/10/2017	बुध	10/03/2019	केतु	05/07/2020
गुरु	18/01/2016	शनि	25/10/2016	बुध	25/12/2017	केतु	07/04/2019	शुक्र	09/10/2020
शनि	06/03/2016	बुध	24/11/2016	केतु	26/01/2018	शुक्र	27/06/2019	सूर्य	07/11/2020
बुध	18/04/2016	केतु	07/12/2016	शुक्र	28/04/2018	सूर्य	22/07/2019	चंद्र	25/12/2020
केतु	06/05/2016	शुक्र	11/01/2017	सूर्य	25/05/2018	चंद्र	31/08/2019	मंगल	28/01/2021
शुक्र	25/06/2016	सूर्य	22/01/2017	चंद्र	10/07/2018	मंगल	29/09/2019	राहु	25/04/2021
सूर्य	11/07/2016	चंद्र	09/02/2017	मंगल	11/08/2018	राहु	11/12/2019	गुरु	11/07/2021

चंद्र - बुध		चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल	
11/07/2021		10/12/2022		11/07/2023		11/03/2025		10/09/2025	
10/12/2022		11/07/2023		11/03/2025		10/09/2025		06/02/2026	
बुध	22/09/2021	केतु	23/12/2022	शुक्र	21/10/2023	सूर्य	20/03/2025	मंगल	19/09/2025
केतु	22/10/2021	शुक्र	27/01/2023	सूर्य	20/11/2023	चंद्र	05/04/2025	राहु	11/10/2025
शुक्र	17/01/2022	सूर्य	07/02/2023	चंद्र	10/01/2024	मंगल	15/04/2025	गुरु	31/10/2025
सूर्य	12/02/2022	चंद्र	25/02/2023	मंगल	15/02/2024	राहु	13/05/2025	शनि	23/11/2025
चंद्र	27/03/2022	मंगल	09/03/2023	राहु	16/05/2024	गुरु	06/06/2025	बुध	15/12/2025
मंगल	26/04/2022	राहु	10/04/2023	गुरु	05/08/2024	शनि	05/07/2025	केतु	23/12/2025
राहु	12/07/2022	गुरु	09/05/2023	शनि	09/11/2024	बुध	31/07/2025	शुक्र	17/01/2026
गुरु	19/09/2022	शनि	11/06/2023	बुध	04/02/2025	केतु	10/08/2025	सूर्य	25/01/2026
शनि	10/12/2022	बुध	11/07/2023	केतु	11/03/2025	शुक्र	10/09/2025	चंद्र	06/02/2026

मंगल - राहु		मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु	
06/02/2026		24/02/2027		31/01/2028		11/03/2029		08/03/2030	
24/02/2027		31/01/2028		11/03/2029		08/03/2030		05/08/2030	
राहु	04/04/2026	गुरु	11/04/2027	शनि	04/04/2028	बुध	01/05/2029	केतु	17/03/2030
गुरु	26/05/2026	शनि	04/06/2027	बुध	01/06/2028	केतु	23/05/2029	शुक्र	11/04/2030
शनि	25/07/2026	बुध	22/07/2027	केतु	24/06/2028	शुक्र	22/07/2029	सूर्य	18/04/2030
बुध	18/09/2026	केतु	11/08/2027	शुक्र	31/08/2028	सूर्य	09/08/2029	चंद्र	01/05/2030
केतु	10/10/2026	शुक्र	07/10/2027	सूर्य	20/09/2028	चंद्र	08/09/2029	मंगल	10/05/2030
शुक्र	13/12/2026	सूर्य	24/10/2027	चंद्र	24/10/2028	मंगल	29/09/2029	राहु	01/06/2030
सूर्य	01/01/2027	चंद्र	21/11/2027	मंगल	16/11/2028	राहु	23/11/2029	गुरु	21/06/2030
चंद्र	02/02/2027	मंगल	11/12/2027	राहु	16/01/2029	गुरु	10/01/2030	शनि	14/07/2030
मंगल	24/02/2027	राहु	31/01/2028	गुरु	11/03/2029	शनि	08/03/2030	बुध	05/08/2030

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु	
05/08/2030		05/10/2031		09/02/2032		10/09/2032		24/05/2035	
05/10/2031		09/02/2032		10/09/2032		24/05/2035		16/10/2037	
शुक्र	15/10/2030	सूर्य	11/10/2031	चंद्र	27/02/2032	राहु	04/02/2033	गुरु	18/09/2035
सूर्य	05/11/2030	चंद्र	22/10/2031	मंगल	11/03/2032	गुरु	16/06/2033	शनि	03/02/2036
चंद्र	10/12/2030	मंगल	29/10/2031	राहु	12/04/2032	शनि	19/11/2033	बुध	07/06/2036
मंगल	04/01/2031	राहु	17/11/2031	गुरु	10/05/2032	बुध	08/04/2034	केतु	28/07/2036
राहु	09/03/2031	गुरु	04/12/2031	शनि	13/06/2032	केतु	04/06/2034	शुक्र	21/12/2036
गुरु	05/05/2031	शनि	25/12/2031	बुध	13/07/2032	शुक्र	16/11/2034	सूर्य	03/02/2037
शनि	11/07/2031	बुध	12/01/2032	केतु	25/07/2032	सूर्य	04/01/2035	चंद्र	17/04/2037
बुध	10/09/2031	केतु	19/01/2032	शुक्र	30/08/2032	चंद्र	27/03/2035	मंगल	07/06/2037
केतु	05/10/2031	शुक्र	09/02/2032	सूर्य	10/09/2032	मंगल	24/05/2035	राहु	16/10/2037

राहु - शनि		राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य	
16/10/2037		22/08/2040		12/03/2043		29/03/2044		30/03/2047	
22/08/2040		12/03/2043		29/03/2044		30/03/2047		22/02/2048	
शनि	30/03/2038	बुध	01/01/2041	केतु	03/04/2043	शुक्र	28/09/2044	सूर्य	15/04/2047
बुध	25/08/2038	केतु	25/02/2041	शुक्र	06/06/2043	सूर्य	22/11/2044	चंद्र	13/05/2047
केतु	24/10/2038	शुक्र	30/07/2041	सूर्य	25/06/2043	चंद्र	21/02/2045	मंगल	01/06/2047
शुक्र	16/04/2039	सूर्य	14/09/2041	चंद्र	27/07/2043	मंगल	26/04/2045	राहु	20/07/2047
सूर्य	07/06/2039	चंद्र	01/12/2041	मंगल	18/08/2043	राहु	07/10/2045	गुरु	02/09/2047
चंद्र	02/09/2039	मंगल	24/01/2042	राहु	15/10/2043	गुरु	02/03/2046	शनि	24/10/2047
मंगल	01/11/2039	राहु	13/06/2042	गुरु	05/12/2043	शनि	23/08/2046	बुध	10/12/2047
राहु	06/04/2040	गुरु	15/10/2042	शनि	04/02/2044	बुध	25/01/2047	केतु	29/12/2047
गुरु	22/08/2040	शनि	12/03/2043	बुध	29/03/2044	केतु	30/03/2047	शुक्र	22/02/2048

राहु - चंद्र		राहु - मंगल		गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध	
22/02/2048		23/08/2049		10/09/2050		28/10/2052		12/05/2055	
23/08/2049		10/09/2050		28/10/2052		12/05/2055		16/08/2057	
चंद्र	07/04/2048	मंगल	14/09/2049	गुरु	23/12/2050	शनि	24/03/2053	बुध	06/09/2055
मंगल	09/05/2048	राहु	10/11/2049	शनि	25/04/2051	बुध	02/08/2053	केतु	24/10/2055
राहु	30/07/2048	गुरु	01/01/2050	बुध	14/08/2051	केतु	25/09/2053	शुक्र	10/03/2056
गुरु	12/10/2048	शनि	02/03/2050	केतु	28/09/2051	शुक्र	26/02/2054	सूर्य	21/04/2056
शनि	06/01/2049	बुध	26/04/2050	शुक्र	05/02/2052	सूर्य	13/04/2054	चंद्र	29/06/2056
बुध	25/03/2049	केतु	18/05/2050	सूर्य	15/03/2052	चंद्र	29/06/2054	मंगल	16/08/2056
केतु	26/04/2049	शुक्र	21/07/2050	चंद्र	19/05/2052	मंगल	22/08/2054	राहु	18/12/2056
शुक्र	26/07/2049	सूर्य	09/08/2050	मंगल	03/07/2052	राहु	08/01/2055	गुरु	07/04/2057
सूर्य	23/08/2049	चंद्र	10/09/2050	राहु	28/10/2052	गुरु	12/05/2055	शनि	16/08/2057

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - शुक्र - बुध		चंद्र - शुक्र - केतु		चंद्र - सूर्य - सूर्य		चंद्र - सूर्य - चंद्र	
09/11/2024 22:29		**04/02/2025 04:14**		**11/03/2025 16:29**		**20/03/2025 19:38**	
04/02/2025 04:14		**11/03/2025 16:29**		**20/03/2025 19:38**		**05/04/2025 00:53**	
बुध	22/11/2024 03:41	केतु	06/02/2025 05:56	सूर्य	12/03/2025 03:26	चंद्र	22/03/2025 02:04
केतु	27/11/2024 04:26	शुक्र	12/02/2025 03:59	चंद्र	12/03/2025 21:42	मंगल	22/03/2025 23:22
शुक्र	11/12/2024 13:23	सूर्य	13/02/2025 22:36	मंगल	13/03/2025 10:29	राहु	25/03/2025 06:09
सूर्य	15/12/2024 20:52	चंद्र	16/02/2025 21:37	राहु	14/03/2025 19:21	गुरु	27/03/2025 06:51
चंद्र	23/12/2024 01:21	मंगल	18/02/2025 23:20	गुरु	16/03/2025 00:34	शनि	29/03/2025 16:41
मंगल	28/12/2024 02:05	राहु	24/02/2025 07:10	शनि	17/03/2025 11:16	बुध	31/03/2025 20:26
राहु	10/01/2025 00:33	गुरु	01/03/2025 00:48	बुध	18/03/2025 18:19	केतु	01/04/2025 17:44
गुरु	21/01/2025 12:31	शनि	06/03/2025 15:44	केतु	19/03/2025 07:06	शुक्र	04/04/2025 06:37
शनि	04/02/2025 04:14	बुध	11/03/2025 16:29	शुक्र	20/03/2025 19:38	सूर्य	05/04/2025 00:53

चंद्र - सूर्य - मंगल		चंद्र - सूर्य - राहु		चंद्र - सूर्य - गुरु		चंद्र - सूर्य - शनि	
05/04/2025 00:53		**15/04/2025 16:33**		**13/05/2025 02:00**		**06/06/2025 10:24**	
15/04/2025 16:33		**13/05/2025 02:00**		**06/06/2025 10:24**		**05/07/2025 08:23**	
मंगल	05/04/2025 15:47	राहु	19/04/2025 19:10	गुरु	16/05/2025 07:55	शनि	11/06/2025 00:17
राहु	07/04/2025 06:08	गुरु	23/04/2025 10:50	शनि	20/05/2025 04:27	बुध	15/06/2025 02:36
गुरु	08/04/2025 16:14	शनि	27/04/2025 18:55	बुध	23/05/2025 15:14	केतु	16/06/2025 19:05
शनि	10/04/2025 08:43	बुध	01/05/2025 16:04	केतु	25/05/2025 01:20	शुक्र	21/06/2025 14:44
बुध	11/04/2025 20:56	केतु	03/05/2025 06:25	शुक्र	29/05/2025 02:44	सूर्य	23/06/2025 01:26
केतु	12/04/2025 11:51	शुक्र	07/05/2025 19:59	सूर्य	30/05/2025 07:57	चंद्र	25/06/2025 11:16
शुक्र	14/04/2025 06:28	सूर्य	09/05/2025 04:52	चंद्र	01/06/2025 08:39	मंगल	27/06/2025 03:45
सूर्य	14/04/2025 19:15	चंद्र	11/05/2025 11:39	मंगल	02/06/2025 18:44	राहु	01/07/2025 11:51
चंद्र	15/04/2025 16:33	मंगल	13/05/2025 02:00	राहु	06/06/2025 10:24	गुरु	05/07/2025 08:23

चंद्र - सूर्य - बुध		चंद्र - सूर्य - केतु		चंद्र - सूर्य - शुक्र		मंगल - मंगल - मंगल	
05/07/2025 08:23		**31/07/2025 05:18**		**10/08/2025 20:59**		**10/09/2025 07:29**	
31/07/2025 05:18		**10/08/2025 20:59**		**10/09/2025 07:29**		**19/09/2025 00:17**	
बुध	09/07/2025 00:20	केतु	31/07/2025 20:13	शुक्र	15/08/2025 22:44	मंगल	10/09/2025 19:39
केतु	10/07/2025 12:34	शुक्र	02/08/2025 14:50	सूर्य	17/08/2025 11:15	राहु	12/09/2025 02:59
शुक्र	14/07/2025 20:03	सूर्य	03/08/2025 03:37	चंद्र	20/08/2025 00:08	गुरु	13/09/2025 06:49
सूर्य	16/07/2025 03:06	चंद्र	04/08/2025 00:55	मंगल	21/08/2025 18:44	शनि	14/09/2025 15:53
चंद्र	18/07/2025 06:50	मंगल	04/08/2025 15:50	राहु	26/08/2025 08:19	बुध	15/09/2025 21:27
मंगल	19/07/2025 19:04	राहु	06/08/2025 06:11	गुरु	30/08/2025 09:43	केतु	16/09/2025 09:38
राहु	23/07/2025 16:12	गुरु	07/08/2025 16:16	शनि	04/09/2025 05:23	शुक्र	17/09/2025 20:26
गुरु	27/07/2025 02:59	शनि	09/08/2025 08:45	बुध	08/09/2025 12:52	सूर्य	18/09/2025 06:53
शनि	31/07/2025 05:18	बुध	10/08/2025 20:59	केतु	10/09/2025 07:29	चंद्र	19/09/2025 00:17

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - मंगल - राहु		मंगल - मंगल - गुरु		मंगल - मंगल - शनि		मंगल - मंगल - बुध	
19/09/2025 00:17		**11/10/2025 09:12**		**31/10/2025 06:27**		**23/11/2025 21:12**	
11/10/2025 09:12		**31/10/2025 06:27**		**23/11/2025 21:12**		**15/12/2025 00:17**	
राहु	22/09/2025 08:49	गुरु	14/10/2025 00:50	शनि	04/11/2025 00:11	बुध	26/11/2025 21:02
गुरु	25/09/2025 08:24	शनि	17/10/2025 04:24	बुध	07/11/2025 08:29	केतु	28/11/2025 02:37
शनि	28/09/2025 21:25	बुध	20/10/2025 00:00	केतु	08/11/2025 17:32	शुक्र	01/12/2025 15:08
बुध	02/10/2025 01:29	केतु	21/10/2025 03:51	शुक्र	12/11/2025 16:00	सूर्य	02/12/2025 16:29
केतु	03/10/2025 08:48	शुक्र	24/10/2025 11:23	सूर्य	13/11/2025 20:20	चंद्र	04/12/2025 10:45
शुक्र	07/10/2025 02:17	सूर्य	25/10/2025 11:15	चंद्र	15/11/2025 19:34	मंगल	05/12/2025 16:20
सूर्य	08/10/2025 05:08	चंद्र	27/10/2025 03:02	मंगल	17/11/2025 04:37	राहु	08/12/2025 20:23
चंद्र	10/10/2025 01:52	मंगल	28/10/2025 06:52	राहु	20/11/2025 17:38	गुरु	11/12/2025 16:00
मंगल	11/10/2025 09:12	राहु	31/10/2025 06:27	गुरु	23/11/2025 21:12	शनि	15/12/2025 00:17

मंगल - मंगल - केतु		मंगल - मंगल - शुक्र		मंगल - मंगल - सूर्य		मंगल - मंगल - चंद्र	
15/12/2025 00:17		**23/12/2025 17:05**		**17/01/2026 13:40**		**25/01/2026 00:38**	
23/12/2025 17:05		**17/01/2026 13:40**		**25/01/2026 00:38**		**06/02/2026 10:56**	
केतु	15/12/2025 12:28	शुक्र	27/12/2025 20:31	सूर्य	17/01/2026 22:37	चंद्र	26/01/2026 01:30
शुक्र	16/12/2025 23:16	सूर्य	29/12/2025 02:21	चंद्र	18/01/2026 13:32	मंगल	26/01/2026 18:54
सूर्य	17/12/2025 09:43	चंद्र	31/12/2025 04:04	मंगल	18/01/2026 23:58	राहु	28/01/2026 15:38
चंद्र	18/12/2025 03:07	मंगल	01/01/2026 14:52	राहु	20/01/2026 02:49	गुरु	30/01/2026 07:25
मंगल	18/12/2025 15:17	राहु	05/01/2026 08:21	गुरु	21/01/2026 02:41	शनि	01/02/2026 06:38
राहु	19/12/2025 22:37	गुरु	08/01/2026 15:54	शनि	22/01/2026 07:01	बुध	03/02/2026 00:54
गुरु	21/12/2025 02:27	शनि	12/01/2026 14:21	बुध	23/01/2026 08:22	केतु	03/02/2026 18:18
शनि	22/12/2025 11:31	बुध	16/01/2026 02:52	केतु	23/01/2026 18:49	शुक्र	05/02/2026 20:01
बुध	23/12/2025 17:05	केतु	17/01/2026 13:40	शुक्र	25/01/2026 00:38	सूर्य	06/02/2026 10:56

मंगल - राहु - राहु		मंगल - राहु - गुरु		मंगल - राहु - शनि		मंगल - राहु - बुध	
06/02/2026 10:56		**04/04/2026 23:34**		**26/05/2026 02:49**		**25/07/2026 20:10**	
04/04/2026 23:34		**26/05/2026 02:49**		**25/07/2026 20:10**		**18/09/2026 04:06**	
राहु	15/02/2026 02:01	गुरु	11/04/2026 19:12	शनि	04/06/2026 17:33	बुध	02/08/2026 12:53
गुरु	22/02/2026 18:07	शनि	19/04/2026 21:31	बुध	13/06/2026 08:01	केतु	05/08/2026 16:57
शनि	03/03/2026 20:43	बुध	27/04/2026 03:22	केतु	16/06/2026 21:02	शुक्र	14/08/2026 18:16
बुध	12/03/2026 00:18	केतु	30/04/2026 02:58	शुक्र	26/06/2026 23:55	सूर्य	17/08/2026 11:28
केतु	15/03/2026 08:50	शुक्र	08/05/2026 15:30	सूर्य	30/06/2026 00:47	चंद्र	22/08/2026 00:08
शुक्र	24/03/2026 22:57	सूर्य	11/05/2026 04:52	चंद्र	05/07/2026 02:14	मंगल	25/08/2026 04:12
सूर्य	27/03/2026 19:59	चंद्र	15/05/2026 11:08	मंगल	08/07/2026 15:15	राहु	02/09/2026 07:47
चंद्र	01/04/2026 15:02	मंगल	18/05/2026 10:43	राहु	17/07/2026 17:51	गुरु	09/09/2026 13:39
मंगल	04/04/2026 23:34	राहु	26/05/2026 02:49	गुरु	25/07/2026 20:10	शनि	18/09/2026 04:06

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - राहु - केतु		मंगल - राहु - शुक्र		मंगल - राहु - सूर्य		मंगल - राहु - चंद्र	
18/09/2026 04:06		**10/10/2026 13:01**		**13/12/2026 11:04**		**01/01/2027 15:17**	
10/10/2026 13:01		**13/12/2026 11:04**		**01/01/2027 15:17**		**02/02/2027 14:19**	
केतु	19/09/2026 11:25	शुक्र	21/10/2026 04:42	सूर्य	14/12/2026 10:05	चंद्र	04/01/2027 07:12
शुक्र	23/09/2026 04:54	सूर्य	24/10/2026 09:24	चंद्र	16/12/2026 00:26	मंगल	06/01/2027 03:57
सूर्य	24/09/2026 07:45	चंद्र	29/10/2026 17:14	मंगल	17/12/2026 03:17	राहु	10/01/2027 23:00
चंद्र	26/09/2026 04:30	मंगल	02/11/2026 10:43	राहु	20/12/2026 00:19	गुरु	15/01/2027 05:16
मंगल	27/09/2026 11:49	राहु	12/11/2026 00:50	गुरु	22/12/2026 13:40	शनि	20/01/2027 06:43
राहु	30/09/2026 20:21	गुरु	20/11/2026 13:22	शनि	25/12/2026 14:32	बुध	24/01/2027 19:23
गुरु	03/10/2026 19:57	शनि	30/11/2026 16:16	बुध	28/12/2026 07:44	केतु	26/01/2027 16:07
शनि	07/10/2026 08:57	बुध	09/12/2026 17:35	केतु	29/12/2026 10:35	शुक्र	31/01/2027 23:57
बुध	10/10/2026 13:01	केतु	13/12/2026 11:04	शुक्र	01/01/2027 15:17	सूर्य	02/02/2027 14:19

मंगल - राहु - मंगल		मंगल - गुरु - गुरु		मंगल - गुरु - शनि		मंगल - गुरु - बुध	
02/02/2027 14:19		**24/02/2027 23:14**		**11/04/2027 10:06**		**04/06/2027 09:32**	
24/02/2027 23:14		**11/04/2027 10:06**		**04/06/2027 09:32**		**22/07/2027 16:35**	
मंगल	03/02/2027 21:38	गुरु	03/03/2027 00:41	शनि	19/04/2027 23:13	बुध	11/06/2027 05:44
राहु	07/02/2027 06:10	शनि	10/03/2027 05:24	बुध	27/04/2027 14:44	केतु	14/06/2027 01:20
गुरु	10/02/2027 05:45	बुध	16/03/2027 15:56	केतु	30/04/2027 18:18	शुक्र	22/06/2027 02:31
शनि	13/02/2027 18:46	केतु	19/03/2027 07:35	शुक्र	09/05/2027 18:12	सूर्य	24/06/2027 12:28
बुध	16/02/2027 22:50	शुक्र	26/03/2027 21:23	सूर्य	12/05/2027 10:58	चंद्र	28/06/2027 13:03
केतु	18/02/2027 06:09	सूर्य	29/03/2027 03:56	चंद्र	16/05/2027 22:55	मंगल	01/07/2027 08:40
शुक्र	21/02/2027 23:38	चंद्र	01/04/2027 22:50	मंगल	20/05/2027 02:29	राहु	08/07/2027 14:32
सूर्य	23/02/2027 02:29	मंगल	04/04/2027 14:28	राहु	28/05/2027 04:48	गुरु	15/07/2027 01:04
चंद्र	24/02/2027 23:14	राहु	11/04/2027 10:06	गुरु	04/06/2027 09:32	शनि	22/07/2027 16:35

मंगल - गुरु - केतु		मंगल - गुरु - शुक्र		मंगल - गुरु - सूर्य		मंगल - गुरु - चंद्र	
22/07/2027 16:35		**11/08/2027 13:51**		**07/10/2027 09:27**		**24/10/2027 10:32**	
11/08/2027 13:51		**07/10/2027 09:27**		**24/10/2027 10:32**		**21/11/2027 20:20**	
केतु	23/07/2027 20:26	शुक्र	21/08/2027 01:07	सूर्य	08/10/2027 05:54	चंद्र	26/10/2027 19:21
शुक्र	27/07/2027 03:58	सूर्य	23/08/2027 21:18	चंद्र	09/10/2027 15:59	मंगल	28/10/2027 11:07
सूर्य	28/07/2027 03:50	चंद्र	28/08/2027 14:56	मंगल	10/10/2027 15:51	राहु	01/11/2027 17:23
चंद्र	29/07/2027 19:36	मंगल	31/08/2027 22:28	राहु	13/10/2027 05:13	गुरु	05/11/2027 12:17
मंगल	30/07/2027 23:27	राहु	09/09/2027 11:01	गुरु	15/10/2027 11:46	शनि	10/11/2027 00:15
राहु	02/08/2027 23:02	गुरु	17/09/2027 00:49	शनि	18/10/2027 04:32	बुध	14/11/2027 00:50
गुरु	05/08/2027 14:40	शनि	26/09/2027 00:44	बुध	20/10/2027 14:29	केतु	15/11/2027 16:36
शनि	08/08/2027 18:14	बुध	04/10/2027 01:54	केतु	21/10/2027 14:21	शुक्र	20/11/2027 10:14
बुध	11/08/2027 13:51	केतु	07/10/2027 09:27	शुक्र	24/10/2027 10:32	सूर्य	21/11/2027 20:20

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

मंगल - गुरु - मंगल		मंगल - गुरु - राहु		मंगल - शनि - शनि		मंगल - शनि - बुध	
21/11/2027 20:20		**11/12/2027 17:35**		**31/01/2028 20:50**		**04/04/2028 23:08**	
11/12/2027 17:35		**31/01/2028 20:50**		**04/04/2028 23:08**		**01/06/2028 07:31**	
मंगल	23/11/2027 00:10	राहु	19/12/2027 09:40	शनि	11/02/2028 00:24	बुध	13/04/2028 02:07
राहु	25/11/2027 23:45	गुरु	26/12/2027 05:18	बुध	20/02/2028 02:19	केतु	16/04/2028 10:25
गुरु	28/11/2027 15:23	शनि	03/01/2028 07:37	केतु	23/02/2028 20:03	शुक्र	25/04/2028 23:49
शनि	01/12/2027 18:57	बुध	10/01/2028 13:29	शुक्र	05/03/2028 12:26	सूर्य	28/04/2028 20:38
बुध	04/12/2027 14:34	केतु	13/01/2028 13:04	सूर्य	08/03/2028 17:21	चंद्र	03/05/2028 15:20
केतु	05/12/2027 18:24	शुक्र	22/01/2028 01:36	चंद्र	14/03/2028 01:33	मंगल	06/05/2028 23:37
शुक्र	09/12/2027 01:57	सूर्य	24/01/2028 14:58	मंगल	17/03/2028 19:17	राहु	15/05/2028 14:05
सूर्य	10/12/2027 01:49	चंद्र	28/01/2028 21:14	राहु	27/03/2028 10:02	गुरु	23/05/2028 05:36
चंद्र	11/12/2027 17:35	मंगल	31/01/2028 20:50	गुरु	04/04/2028 23:08	शनि	01/06/2028 07:31

मंगल - शनि - केतु		मंगल - शनि - शुक्र		मंगल - शनि - सूर्य		मंगल - शनि - चंद्र	
01/06/2028 07:31		**24/06/2028 22:16**		**31/08/2028 09:33**		**20/09/2028 15:19**	
24/06/2028 22:16		**31/08/2028 09:33**		**20/09/2028 15:19**		**24/10/2028 08:58**	
केतु	02/06/2028 16:35	शुक्र	06/07/2028 04:09	सूर्य	01/09/2028 09:50	चंद्र	23/09/2028 10:48
शुक्र	06/06/2028 15:02	सूर्य	09/07/2028 13:07	चंद्र	03/09/2028 02:19	मंगल	25/09/2028 10:01
सूर्य	07/06/2028 19:23	चंद्र	15/07/2028 04:03	मंगल	04/09/2028 06:39	राहु	30/09/2028 11:28
चंद्र	09/06/2028 18:36	मंगल	19/07/2028 02:30	राहु	07/09/2028 07:31	गुरु	04/10/2028 23:25
मंगल	11/06/2028 03:40	राहु	29/07/2028 05:24	गुरु	10/09/2028 00:17	शनि	10/10/2028 07:37
राहु	14/06/2028 16:41	गुरु	07/08/2028 05:18	शनि	13/09/2028 05:12	बुध	15/10/2028 02:19
गुरु	17/06/2028 20:15	शनि	17/08/2028 21:41	बुध	16/09/2028 02:01	केतु	17/10/2028 01:32
शनि	21/06/2028 13:59	बुध	27/08/2028 11:05	केतु	17/09/2028 06:22	शुक्र	22/10/2028 16:29
बुध	24/06/2028 22:16	केतु	31/08/2028 09:33	शुक्र	20/09/2028 15:19	सूर्य	24/10/2028 08:58

मंगल - शनि - मंगल		मंगल - शनि - राहु		मंगल - शनि - गुरु		मंगल - बुध - बुध	
24/10/2028 08:58		**16/11/2028 23:43**		**16/01/2029 17:03**		**11/03/2029 16:29**	
16/11/2028 23:43		**16/01/2029 17:03**		**11/03/2029 16:29**		**01/05/2029 23:59**	
मंगल	25/10/2028 18:01	राहु	26/11/2028 02:19	गुरु	23/01/2029 21:47	बुध	18/03/2029 22:56
राहु	29/10/2028 07:02	गुरु	04/12/2028 04:37	शनि	01/02/2029 10:53	केतु	21/03/2029 22:47
गुरु	01/11/2028 10:36	शनि	13/12/2028 19:22	बुध	09/02/2029 02:24	शुक्र	30/03/2029 12:02
शनि	05/11/2028 04:20	बुध	22/12/2028 09:50	केतु	12/02/2029 05:58	सूर्य	02/04/2029 01:36
बुध	08/11/2028 12:37	केतु	25/12/2028 22:50	शुक्र	21/02/2029 05:52	चंद्र	06/04/2029 08:14
केतु	09/11/2028 21:41	शुक्र	05/01/2029 01:44	सूर्य	23/02/2029 22:39	मंगल	09/04/2029 08:04
शुक्र	13/11/2028 20:09	सूर्य	08/01/2029 02:36	चंद्र	28/02/2029 10:36	राहु	17/04/2029 00:47
सूर्य	15/11/2028 00:29	चंद्र	13/01/2029 04:03	मंगल	03/03/2029 14:10	गुरु	23/04/2029 20:59
चंद्र	16/11/2028 23:43	मंगल	16/01/2029 17:03	राहु	11/03/2029 16:29	शनि	01/05/2029 23:59

विंशोत्तरी दशा - प्राण

चंद्र - शुक्र - बुध - शनि		चंद्र - शुक्र - केतु - केतु		चंद्र - शुक्र - केतु - शुक्र		चंद्र - शुक्र - केतु - सूर्य	
21/01/2025 12:31		**04/02/2025 04:14**		**06/02/2025 05:56**		**12/02/2025 03:59**	
04/02/2025 04:14		**06/02/2025 05:56**		**12/02/2025 03:59**		**13/02/2025 22:36**	
शनि	23/01/2025 16:24	केतु	04/02/2025 07:08	शुक्र	07/02/2025 05:37	सूर्य	12/02/2025 06:07
बुध	25/01/2025 14:50	शुक्र	04/02/2025 15:25	सूर्य	07/02/2025 12:43	चंद्र	12/02/2025 09:40
केतु	26/01/2025 09:57	सूर्य	04/02/2025 17:54	चंद्र	08/02/2025 00:33	मंगल	12/02/2025 12:09
शुक्र	28/01/2025 16:34	चंद्र	04/02/2025 22:02	मंगल	08/02/2025 08:50	राहु	12/02/2025 18:32
सूर्य	29/01/2025 08:57	मंगल	05/02/2025 00:56	राहु	09/02/2025 06:09	गुरु	13/02/2025 00:13
चंद्र	30/01/2025 12:15	राहु	05/02/2025 08:24	गुरु	10/02/2025 01:05	शनि	13/02/2025 06:58
मंगल	31/01/2025 07:22	गुरु	05/02/2025 15:02	शनि	10/02/2025 23:34	बुध	13/02/2025 13:00
राहु	02/02/2025 08:32	शनि	05/02/2025 22:54	बुध	11/02/2025 19:42	केतु	13/02/2025 15:30
गुरु	04/02/2025 04:14	बुध	06/02/2025 05:56	केतु	12/02/2025 03:59	शुक्र	13/02/2025 22:36

चंद्र - शुक्र - केतु - चंद्र		चंद्र - शुक्र - केतु - मंगल		चंद्र - शुक्र - केतु - राहु		चंद्र - शुक्र - केतु - गुरु	
13/02/2025 22:36		**16/02/2025 21:37**		**18/02/2025 23:20**		**24/02/2025 07:10**	
16/02/2025 21:37		**18/02/2025 23:20**		**24/02/2025 07:10**		**01/03/2025 00:48**	
चंद्र	14/02/2025 04:31	मंगल	17/02/2025 00:31	राहु	19/02/2025 18:30	गुरु	24/02/2025 22:19
मंगल	14/02/2025 08:39	राहु	17/02/2025 07:58	गुरु	20/02/2025 11:33	शनि	25/02/2025 16:19
राहु	14/02/2025 19:19	गुरु	17/02/2025 14:36	शनि	21/02/2025 07:47	बुध	26/02/2025 08:25
गुरु	15/02/2025 04:47	शनि	17/02/2025 22:28	बुध	22/02/2025 01:54	केतु	26/02/2025 15:02
शनि	15/02/2025 16:01	बुध	18/02/2025 05:31	केतु	22/02/2025 09:22	शुक्र	27/02/2025 09:59
बुध	16/02/2025 02:05	केतु	18/02/2025 08:25	शुक्र	23/02/2025 06:40	सूर्य	27/02/2025 15:39
केतु	16/02/2025 06:14	शुक्र	18/02/2025 16:42	सूर्य	23/02/2025 13:03	चंद्र	28/02/2025 01:08
शुक्र	16/02/2025 18:04	सूर्य	18/02/2025 19:11	चंद्र	23/02/2025 23:43	मंगल	28/02/2025 07:45
सूर्य	16/02/2025 21:37	चंद्र	18/02/2025 23:20	मंगल	24/02/2025 07:10	राहु	01/03/2025 00:48

चंद्र - शुक्र - केतु - शनि		चंद्र - शुक्र - केतु - बुध		चंद्र - सूर्य - सूर्य - सूर्य		चंद्र - सूर्य - सूर्य - चंद्र	
01/03/2025 00:48		**06/03/2025 15:44**		**11/03/2025 16:29**		**12/03/2025 03:26**	
06/03/2025 15:44		**11/03/2025 16:29**		**12/03/2025 03:26**		**12/03/2025 21:42**	
शनि	01/03/2025 22:10	बुध	07/03/2025 08:51	सूर्य	11/03/2025 17:01	चंद्र	12/03/2025 04:57
बुध	02/03/2025 17:17	केतु	07/03/2025 15:53	चंद्र	11/03/2025 17:56	मंगल	12/03/2025 06:01
केतु	03/03/2025 01:09	शुक्र	08/03/2025 12:01	मंगल	11/03/2025 18:35	राहु	12/03/2025 08:46
शुक्र	03/03/2025 23:39	सूर्य	08/03/2025 18:03	राहु	11/03/2025 20:13	गुरु	12/03/2025 11:12
सूर्य	04/03/2025 06:23	चंद्र	09/03/2025 04:06	गुरु	11/03/2025 21:41	शनि	12/03/2025 14:05
चंद्र	04/03/2025 17:38	मंगल	09/03/2025 11:09	शनि	11/03/2025 23:25	बुध	12/03/2025 16:40
मंगल	05/03/2025 01:30	राहु	10/03/2025 05:16	बुध	12/03/2025 00:58	केतु	12/03/2025 17:44
राहु	05/03/2025 21:45	गुरु	10/03/2025 21:22	केतु	12/03/2025 01:36	शुक्र	12/03/2025 20:47
गुरु	06/03/2025 15:44	शनि	11/03/2025 16:29	शुक्र	12/03/2025 03:26	सूर्य	12/03/2025 21:42

विंशोत्तरी दशा - प्राण

चंद्र - सूर्य - सूर्य - मंगल		चंद्र - सूर्य - सूर्य - राहु		चंद्र - सूर्य - सूर्य - गुरु		चंद्र - सूर्य - सूर्य - शनि	
12/03/2025 21:42		**13/03/2025 10:29**		**14/03/2025 19:21**		**16/03/2025 00:34**	
13/03/2025 10:29		**14/03/2025 19:21**		**16/03/2025 00:34**		**17/03/2025 11:16**	
मंगल	12/03/2025 22:26	राहु	13/03/2025 15:25	गुरु	14/03/2025 23:15	शनि	16/03/2025 06:04
राहु	13/03/2025 00:22	गुरु	13/03/2025 19:48	शनि	15/03/2025 03:52	बुध	16/03/2025 10:59
गुरु	13/03/2025 02:04	शनि	14/03/2025 01:00	बुध	15/03/2025 08:01	केतु	16/03/2025 13:00
शनि	13/03/2025 04:05	बुध	14/03/2025 05:39	केतु	15/03/2025 09:43	शुक्र	16/03/2025 18:47
बुध	13/03/2025 05:54	केतु	14/03/2025 07:34	शुक्र	15/03/2025 14:35	सूर्य	16/03/2025 20:31
केतु	13/03/2025 06:39	शुक्र	14/03/2025 13:03	सूर्य	15/03/2025 16:03	चंद्र	16/03/2025 23:25
शुक्र	13/03/2025 08:47	सूर्य	14/03/2025 14:42	चंद्र	15/03/2025 18:29	मंगल	17/03/2025 01:26
सूर्य	13/03/2025 09:25	चंद्र	14/03/2025 17:26	मंगल	15/03/2025 20:11	राहु	17/03/2025 06:39
चंद्र	13/03/2025 10:29	मंगल	14/03/2025 19:21	राहु	16/03/2025 00:34	गुरु	17/03/2025 11:16

चंद्र - सूर्य - सूर्य - बुध		चंद्र - सूर्य - सूर्य - केतु		चंद्र - सूर्य - सूर्य - शुक्र		चंद्र - सूर्य - चंद्र - चंद्र	
17/03/2025 11:16		**18/03/2025 18:19**		**19/03/2025 07:06**		**20/03/2025 19:38**	
18/03/2025 18:19		**19/03/2025 07:06**		**20/03/2025 19:38**		**22/03/2025 02:04**	
बुध	17/03/2025 15:40	केतु	18/03/2025 19:04	शुक्र	19/03/2025 13:11	चंद्र	20/03/2025 22:10
केतु	17/03/2025 17:29	शुक्र	18/03/2025 21:12	सूर्य	19/03/2025 15:01	मंगल	20/03/2025 23:56
शुक्र	17/03/2025 22:39	सूर्य	18/03/2025 21:50	चंद्र	19/03/2025 18:04	राहु	21/03/2025 04:30
सूर्य	18/03/2025 00:12	चंद्र	18/03/2025 22:54	मंगल	19/03/2025 20:11	गुरु	21/03/2025 08:34
चंद्र	18/03/2025 02:48	मंगल	18/03/2025 23:39	राहु	20/03/2025 01:40	शनि	21/03/2025 13:23
मंगल	18/03/2025 04:36	राहु	19/03/2025 01:34	गुरु	20/03/2025 06:32	बुध	21/03/2025 17:42
राहु	18/03/2025 09:16	गुरु	19/03/2025 03:16	शनि	20/03/2025 12:19	केतु	21/03/2025 19:28
गुरु	18/03/2025 13:24	शनि	19/03/2025 05:17	बुध	20/03/2025 17:30	शुक्र	22/03/2025 00:32
शनि	18/03/2025 18:19	बुध	19/03/2025 07:06	केतु	20/03/2025 19:38	सूर्य	22/03/2025 02:04

चंद्र - सूर्य - चंद्र - मंगल		चंद्र - सूर्य - चंद्र - राहु		चंद्र - सूर्य - चंद्र - गुरु		चंद्र - सूर्य - चंद्र - शनि	
22/03/2025 02:04		**22/03/2025 23:22**		**25/03/2025 06:09**		**27/03/2025 06:51**	
22/03/2025 23:22		**25/03/2025 06:09**		**27/03/2025 06:51**		**29/03/2025 16:41**	
मंगल	22/03/2025 03:18	राहु	23/03/2025 07:35	गुरु	25/03/2025 12:39	शनि	27/03/2025 16:01
राहु	22/03/2025 06:30	गुरु	23/03/2025 14:54	शनि	25/03/2025 20:22	बुध	28/03/2025 00:12
गुरु	22/03/2025 09:21	शनि	23/03/2025 23:34	बुध	26/03/2025 03:16	केतु	28/03/2025 03:35
शनि	22/03/2025 12:43	बुध	24/03/2025 07:20	केतु	26/03/2025 06:06	शुक्र	28/03/2025 13:13
बुध	22/03/2025 15:44	केतु	24/03/2025 10:31	शुक्र	26/03/2025 14:13	सूर्य	28/03/2025 16:07
केतु	22/03/2025 16:59	शुक्र	24/03/2025 19:39	सूर्य	26/03/2025 16:39	चंद्र	28/03/2025 20:56
शुक्र	22/03/2025 20:32	सूर्य	24/03/2025 22:24	चंद्र	26/03/2025 20:43	मंगल	29/03/2025 00:18
सूर्य	22/03/2025 21:36	चंद्र	25/03/2025 02:58	मंगल	26/03/2025 23:33	राहु	29/03/2025 08:59
चंद्र	22/03/2025 23:22	मंगल	25/03/2025 06:09	राहु	27/03/2025 06:51	गुरु	29/03/2025 16:41

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 10 वर्ष 5 मास 17 दिन

सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष		गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष		केतु 15 वर्ष	
15/08/1947		30/01/1958		30/01/1970		31/01/1983		30/01/1997	
30/01/1958		30/01/1970		31/01/1983		30/01/1997		31/01/2012	
सूर्य	16/02/1948	मंगल	29/04/1959	गुरु	16/07/1971	शनि	09/10/1984	केतु	09/01/1999
मंगल	06/04/1949	गुरु	01/09/1960	शनि	09/02/1973	केतु	01/08/1986	चंद्र	02/02/2001
गुरु	30/06/1950	शनि	12/02/1962	केतु	16/10/1974	चंद्र	06/07/1988	बुध	16/04/2003
शनि	28/10/1951	केतु	02/09/1963	चंद्र	31/07/1976	बुध	26/07/1990	शुक्र	13/08/2005
केतु	31/03/1953	चंद्र	28/04/1965	बुध	27/06/1978	शुक्र	26/09/1992	सूर्य	15/01/2007
चंद्र	06/10/1954	बुध	31/01/1967	शुक्र	03/07/1980	सूर्य	24/01/1994	मंगल	04/08/2008
बुध	17/05/1956	शुक्र	11/12/1968	सूर्य	26/09/1981	मंगल	07/07/1995	गुरु	10/04/2010
शुक्र	30/01/1958	सूर्य	30/01/1970	मंगल	31/01/1983	गुरु	30/01/1997	शनि	31/01/2012

चंद्र 16 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष	
31/01/2012		31/01/2028		30/01/2045		31/01/2063	
31/01/2028		30/01/2045		31/01/2063		00/00/0000	
चंद्र	16/04/2014	बुध	29/07/2030	शुक्र	16/11/2047	सूर्य	15/08/2063
बुध	19/08/2016	शुक्र	18/03/2033	सूर्य	01/08/2049		00/00/0000
शुक्र	12/02/2019	सूर्य	28/10/2034	मंगल	12/06/2051		00/00/0000
सूर्य	19/08/2020	मंगल	31/07/2036	गुरु	18/06/2053		00/00/0000
मंगल	16/04/2022	गुरु	27/06/2038	शनि	20/08/2055		00/00/0000
गुरु	31/01/2024	शनि	16/07/2040	केतु	17/12/2057		00/00/0000
शनि	05/01/2026	केतु	27/09/2042	चंद्र	11/06/2060		00/00/0000
केतु	31/01/2028	चंद्र	30/01/2045	बुध	31/01/2063		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - सूर्य		सूर्य - मंगल		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - केतु	
15/08/1947		16/02/1948		06/04/1949		30/06/1950		28/10/1951	
16/02/1948		06/04/1949		30/06/1950		28/10/1951		31/03/1953	
	00/00/0000	मंगल	30/03/1948	गुरु	27/05/1949	शनि	28/08/1950	केतु	04/01/1952
	00/00/0000	गुरु	15/05/1948	शनि	20/07/1949	केतु	30/10/1950	चंद्र	15/03/1952
	00/00/0000	शनि	04/07/1948	केतु	16/09/1949	चंद्र	05/01/1951	बुध	30/05/1952
	15/08/1947	केतु	27/08/1948	चंद्र	17/11/1949	बुध	17/03/1951	शुक्र	19/08/1952
केतु	01/09/1947	चंद्र	23/10/1948	बुध	22/01/1950	शुक्र	31/05/1951	सूर्य	07/10/1952
चंद्र	24/10/1947	बुध	23/12/1948	शुक्र	02/04/1950	सूर्य	16/07/1951	मंगल	30/11/1952
बुध	18/12/1947	शुक्र	26/02/1949	सूर्य	15/05/1950	मंगल	04/09/1951	गुरु	27/01/1953
शुक्र	16/02/1948	सूर्य	06/04/1949	मंगल	30/06/1950	गुरु	28/10/1951	शनि	31/03/1953

सूर्य - चंद्र		सूर्य - बुध		सूर्य - शुक्र		मंगल - मंगल		मंगल - गुरु	
31/03/1953		06/10/1954		17/05/1956		30/01/1958		29/04/1959	
06/10/1954		17/05/1956		30/01/1958		29/04/1959		01/09/1960	
चंद्र	15/06/1953	बुध	31/12/1954	शुक्र	22/08/1956	मंगल	18/03/1958	गुरु	23/06/1959
बुध	05/09/1953	शुक्र	02/04/1955	सूर्य	20/10/1956	गुरु	08/05/1958	शनि	21/08/1959
शुक्र	30/11/1953	सूर्य	28/05/1955	मंगल	23/12/1956	शनि	02/07/1958	केतु	24/10/1959
सूर्य	21/01/1954	मंगल	27/07/1955	गुरु	03/03/1957	केतु	29/08/1958	चंद्र	30/12/1959
मंगल	19/03/1954	गुरु	01/10/1955	शनि	17/05/1957	चंद्र	31/10/1958	बुध	11/03/1960
गुरु	21/05/1954	शनि	12/12/1955	केतु	06/08/1957	बुध	05/01/1959	शुक्र	27/05/1960
शनि	26/07/1954	केतु	26/02/1956	चंद्र	31/10/1957	शुक्र	17/03/1959	सूर्य	12/07/1960
केतु	06/10/1954	चंद्र	17/05/1956	बुध	30/01/1958	सूर्य	29/04/1959	मंगल	01/09/1960

मंगल - शनि		मंगल - केतु		मंगल - चंद्र		मंगल - बुध		मंगल - शुक्र	
01/09/1960		12/02/1962		02/09/1963		28/04/1965		31/01/1967	
12/02/1962		02/09/1963		28/04/1965		31/01/1967		11/12/1968	
शनि	04/11/1960	केतु	26/04/1962	चंद्र	24/11/1963	बुध	31/07/1965	शुक्र	16/05/1967
केतु	11/01/1961	चंद्र	13/07/1962	बुध	21/02/1964	शुक्र	08/11/1965	सूर्य	20/07/1967
चंद्र	25/03/1961	बुध	04/10/1962	शुक्र	24/05/1964	सूर्य	08/01/1966	मंगल	28/09/1967
बुध	11/06/1961	शुक्र	31/12/1962	सूर्य	21/07/1964	मंगल	15/03/1966	गुरु	13/12/1967
शुक्र	01/09/1961	सूर्य	23/02/1963	मंगल	21/09/1964	गुरु	26/05/1966	शनि	04/03/1968
सूर्य	21/10/1961	मंगल	23/04/1963	गुरु	28/11/1964	शनि	12/08/1966	केतु	31/05/1968
मंगल	15/12/1961	गुरु	25/06/1963	शनि	09/02/1965	केतु	03/11/1966	चंद्र	02/09/1968
गुरु	12/02/1962	शनि	02/09/1963	केतु	28/04/1965	चंद्र	31/01/1967	बुध	11/12/1968

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - सूर्य		गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - केतु		गुरु - चंद्र	
11/12/1968		**30/01/1970**		**16/07/1971**		**09/02/1973**		**16/10/1974**	
30/01/1970		**16/07/1971**		**09/02/1973**		**16/10/1974**		**31/07/1976**	
सूर्य	19/01/1969	गुरु	31/03/1970	शनि	24/09/1971	केतु	29/04/1973	चंद्र	14/01/1975
मंगल	03/03/1969	शनि	03/06/1970	केतु	07/12/1971	चंद्र	23/07/1973	बुध	20/04/1975
गुरु	19/04/1969	केतु	11/08/1970	चंद्र	24/02/1972	बुध	21/10/1973	शुक्र	30/07/1975
शनि	08/06/1969	चंद्र	23/10/1970	बुध	18/05/1972	शुक्र	24/01/1974	सूर्य	01/10/1975
केतु	01/08/1969	बुध	09/01/1971	शुक्र	15/08/1972	सूर्य	23/03/1974	मंगल	07/12/1975
चंद्र	27/09/1969	शुक्र	02/04/1971	सूर्य	08/10/1972	मंगल	26/05/1974	गुरु	19/02/1976
बुध	27/11/1969	सूर्य	22/05/1971	मंगल	06/12/1972	गुरु	02/08/1974	शनि	08/05/1976
शुक्र	30/01/1970	मंगल	16/07/1971	गुरु	09/02/1973	शनि	16/10/1974	केतु	31/07/1976

गुरु - बुध		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - मंगल		शनि - शनि	
31/07/1976		**27/06/1978**		**03/07/1980**		**26/09/1981**		**31/01/1983**	
27/06/1978		**03/07/1980**		**26/09/1981**		**31/01/1983**		**09/10/1984**	
बुध	10/11/1976	शुक्र	20/10/1978	सूर्य	15/08/1980	मंगल	16/11/1981	शनि	15/04/1983
शुक्र	26/02/1977	सूर्य	29/12/1978	मंगल	30/09/1980	गुरु	10/01/1982	केतु	04/07/1983
सूर्य	03/05/1977	मंगल	15/03/1979	गुरु	20/11/1980	शनि	11/03/1982	चंद्र	27/09/1983
मंगल	14/07/1977	गुरु	05/06/1979	शनि	13/01/1981	केतु	13/05/1982	बुध	26/12/1983
गुरु	30/09/1977	शनि	02/09/1979	केतु	12/03/1981	चंद्र	20/07/1982	शुक्र	31/03/1984
शनि	23/12/1977	केतु	06/12/1979	चंद्र	14/05/1981	बुध	30/09/1982	सूर्य	29/05/1984
केतु	23/03/1978	चंद्र	17/03/1980	बुध	18/07/1981	शुक्र	15/12/1982	मंगल	01/08/1984
चंद्र	27/06/1978	बुध	03/07/1980	शुक्र	26/09/1981	सूर्य	31/01/1983	गुरु	09/10/1984

शनि - केतु		शनि - चंद्र		शनि - बुध		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
09/10/1984		**01/08/1986**		**06/07/1988**		**26/07/1990**		**26/09/1992**	
01/08/1986		**06/07/1988**		**26/07/1990**		**26/09/1992**		**24/01/1994**	
केतु	02/01/1985	चंद्र	06/11/1986	बुध	24/10/1988	शुक्र	26/11/1990	सूर्य	11/11/1992
चंद्र	03/04/1985	बुध	18/02/1987	शुक्र	17/02/1989	सूर्य	09/02/1991	मंगल	31/12/1992
बुध	09/07/1985	शुक्र	07/06/1987	सूर्य	29/04/1989	मंगल	02/05/1991	गुरु	24/02/1993
शुक्र	20/10/1985	सूर्य	13/08/1987	मंगल	16/07/1989	गुरु	30/07/1991	शनि	23/04/1993
सूर्य	22/12/1985	मंगल	25/10/1987	गुरु	08/10/1989	शनि	03/11/1991	केतु	25/06/1993
मंगल	28/02/1986	गुरु	12/01/1988	शनि	06/01/1990	केतु	13/02/1992	चंद्र	31/08/1993
गुरु	13/05/1986	शनि	06/04/1988	केतु	13/04/1990	चंद्र	02/06/1992	बुध	10/11/1993
शनि	01/08/1986	केतु	06/07/1988	चंद्र	26/07/1990	बुध	26/09/1992	शुक्र	24/01/1994

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - मंगल		शनि - गुरु		केतु - केतु		केतु - चंद्र		केतु - बुध	
24/01/1994		07/07/1995		30/01/1997		09/01/1999		02/02/2001	
07/07/1995		30/01/1997		09/01/1999		02/02/2001		16/04/2003	
मंगल	20/03/1994	गुरु	09/09/1995	केतु	02/05/1997	चंद्र	23/04/1999	बुध	31/05/2001
गुरु	18/05/1994	शनि	17/11/1995	चंद्र	07/08/1997	बुध	12/08/1999	शुक्र	02/10/2001
शनि	21/07/1994	केतु	30/01/1996	बुध	19/11/1997	शुक्र	07/12/1999	सूर्य	18/12/2001
केतु	27/09/1994	चंद्र	19/04/1996	शुक्र	09/03/1998	सूर्य	16/02/2000	मंगल	11/03/2002
चंद्र	09/12/1994	बुध	12/07/1996	सूर्य	15/05/1998	मंगल	05/05/2000	गुरु	09/06/2002
बुध	25/02/1995	शुक्र	08/10/1996	मंगल	28/07/1998	गुरु	28/07/2000	शनि	14/09/2002
शुक्र	18/05/1995	सूर्य	02/12/1996	गुरु	15/10/1998	शनि	27/10/2000	केतु	26/12/2002
सूर्य	07/07/1995	मंगल	30/01/1997	शनि	09/01/1999	केतु	02/02/2001	चंद्र	16/04/2003

केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - मंगल		केतु - गुरु		केतु - शनि	
16/04/2003		13/08/2005		15/01/2007		04/08/2008		10/04/2010	
13/08/2005		15/01/2007		04/08/2008		10/04/2010		31/01/2012	
शुक्र	26/08/2003	सूर्य	02/10/2005	मंगल	14/03/2007	गुरु	11/10/2008	शनि	28/06/2010
सूर्य	15/11/2003	मंगल	24/11/2005	गुरु	17/05/2007	शनि	24/12/2008	केतु	22/09/2010
मंगल	11/02/2004	गुरु	22/01/2006	शनि	24/07/2007	केतु	14/03/2009	चंद्र	22/12/2010
गुरु	16/05/2004	शनि	25/03/2006	केतु	06/10/2007	चंद्र	07/06/2009	बुध	29/03/2011
शनि	26/08/2004	केतु	31/05/2006	चंद्र	23/12/2007	बुध	05/09/2009	शुक्र	10/07/2011
केतु	14/12/2004	चंद्र	11/08/2006	बुध	15/03/2008	शुक्र	09/12/2009	सूर्य	10/09/2011
चंद्र	11/04/2005	बुध	26/10/2006	शुक्र	11/06/2008	सूर्य	05/02/2010	मंगल	18/11/2011
बुध	13/08/2005	शुक्र	15/01/2007	सूर्य	04/08/2008	मंगल	10/04/2010	गुरु	31/01/2012

चंद्र - चंद्र		चंद्र - बुध		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल	
31/01/2012		16/04/2014		19/08/2016		12/02/2019		19/08/2020	
16/04/2014		19/08/2016		12/02/2019		19/08/2020		16/04/2022	
चंद्र	21/05/2012	बुध	19/08/2014	शुक्र	07/01/2017	सूर्य	06/04/2019	मंगल	21/10/2020
बुध	16/09/2012	शुक्र	30/12/2014	सूर्य	03/04/2017	मंगल	02/06/2019	गुरु	28/12/2020
शुक्र	19/01/2013	सूर्य	22/03/2015	मंगल	06/07/2017	गुरु	03/08/2019	शनि	11/03/2021
सूर्य	06/04/2013	मंगल	18/06/2015	गुरु	15/10/2017	शनि	09/10/2019	केतु	28/05/2021
मंगल	28/06/2013	गुरु	22/09/2015	शनि	02/02/2018	केतु	20/12/2019	चंद्र	19/08/2021
गुरु	26/09/2013	शनि	03/01/2016	केतु	30/05/2018	चंद्र	05/03/2020	बुध	16/11/2021
शनि	02/01/2014	केतु	23/04/2016	चंद्र	02/10/2018	बुध	25/05/2020	शुक्र	18/02/2022
केतु	16/04/2014	चंद्र	19/08/2016	बुध	12/02/2019	शुक्र	19/08/2020	सूर्य	16/04/2022

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र	
16/04/2022		31/01/2024		05/01/2026		31/01/2028		29/07/2030	
31/01/2024		05/01/2026		31/01/2028		29/07/2030		18/03/2033	
गुरु	28/06/2022	शनि	25/04/2024	केतु	13/04/2026	बुध	12/06/2028	शुक्र	25/12/2030
शनि	15/09/2022	केतु	25/07/2024	चंद्र	26/07/2026	शुक्र	31/10/2028	सूर्य	27/03/2031
केतु	09/12/2022	चंद्र	30/10/2024	बुध	14/11/2026	सूर्य	26/01/2029	मंगल	04/07/2031
चंद्र	09/03/2023	बुध	11/02/2025	शुक्र	11/03/2027	मंगल	30/04/2029	गुरु	20/10/2031
बुध	13/06/2023	शुक्र	31/05/2025	सूर्य	22/05/2027	गुरु	10/08/2029	शनि	14/02/2032
शुक्र	23/09/2023	सूर्य	06/08/2025	मंगल	08/08/2027	शनि	28/11/2029	केतु	17/06/2032
सूर्य	24/11/2023	मंगल	18/10/2025	गुरु	01/11/2027	केतु	25/03/2030	चंद्र	28/10/2032
मंगल	31/01/2024	गुरु	05/01/2026	शनि	31/01/2028	चंद्र	29/07/2030	बुध	18/03/2033

बुध - सूर्य		बुध - मंगल		बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु	
18/03/2033		28/10/2034		31/07/2036		27/06/2038		16/07/2040	
28/10/2034		31/07/2036		27/06/2038		16/07/2040		27/09/2042	
सूर्य	13/05/2033	मंगल	03/01/2035	गुरु	17/10/2036	शनि	26/09/2038	केतु	28/10/2040
मंगल	13/07/2033	गुरु	16/03/2035	शनि	09/01/2037	केतु	01/01/2039	चंद्र	15/02/2041
गुरु	17/09/2033	शनि	01/06/2035	केतु	09/04/2037	चंद्र	14/04/2039	बुध	13/06/2041
शनि	27/11/2033	केतु	23/08/2035	चंद्र	14/07/2037	बुध	02/08/2039	शुक्र	16/10/2041
केतु	11/02/2034	चंद्र	20/11/2035	बुध	24/10/2037	शुक्र	26/11/2039	सूर्य	31/12/2041
चंद्र	03/05/2034	बुध	22/02/2036	शुक्र	09/02/2038	सूर्य	05/02/2040	मंगल	24/03/2042
बुध	29/07/2034	शुक्र	01/06/2036	सूर्य	16/04/2038	मंगल	23/04/2040	गुरु	22/06/2042
शुक्र	28/10/2034	सूर्य	31/07/2036	मंगल	27/06/2038	गुरु	16/07/2040	शनि	27/09/2042

बुध - चंद्र		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - मंगल		शुक्र - गुरु	
27/09/2042		30/01/2045		16/11/2047		01/08/2049		12/06/2051	
30/01/2045		16/11/2047		01/08/2049		12/06/2051		18/06/2053	
चंद्र	23/01/2043	शुक्र	07/07/2045	सूर्य	14/01/2048	मंगल	10/10/2049	गुरु	02/09/2051
बुध	28/05/2043	सूर्य	12/10/2045	मंगल	19/03/2048	गुरु	25/12/2049	शनि	30/11/2051
शुक्र	08/10/2043	मंगल	26/01/2046	गुरु	28/05/2048	शनि	17/03/2050	केतु	05/03/2052
सूर्य	28/12/2043	गुरु	20/05/2046	शनि	11/08/2048	केतु	13/06/2050	चंद्र	14/06/2052
मंगल	26/03/2044	शनि	20/09/2046	केतु	31/10/2048	चंद्र	15/09/2050	बुध	30/09/2052
गुरु	30/06/2044	केतु	30/01/2047	चंद्र	25/01/2049	बुध	24/12/2050	शुक्र	23/01/2053
शनि	11/10/2044	चंद्र	20/06/2047	बुध	26/04/2049	शुक्र	08/04/2051	सूर्य	02/04/2053
केतु	30/01/2045	बुध	16/11/2047	शुक्र	01/08/2049	सूर्य	12/06/2051	मंगल	18/06/2053

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 0 मास 17 दिन

शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष	
15/08/1947		01/09/1959		01/01/1971		01/09/1975		31/12/1988	
01/09/1959		01/01/1971		01/09/1975		31/12/1988		31/12/1992	
शनि	02/01/1949	बुध	10/04/1961	केतु	10/04/1971	शुक्र	21/11/1977	सूर्य	14/03/1989
बुध	20/10/1950	केतु	07/12/1961	शुक्र	19/01/1972	सूर्य	23/07/1978	चंद्र	14/07/1989
केतु	17/07/1951	शुक्र	28/10/1963	सूर्य	14/04/1972	चंद्र	01/09/1979	मंगल	07/10/1989
शुक्र	26/08/1953	सूर्य	22/05/1964	चंद्र	03/09/1972	मंगल	11/06/1980	राहु	15/05/1990
सूर्य	14/04/1954	चंद्र	02/05/1965	मंगल	11/12/1972	राहु	12/06/1982	गुरु	25/11/1990
चंद्र	05/05/1955	मंगल	30/12/1965	राहु	24/08/1973	गुरु	22/03/1984	शनि	15/07/1991
मंगल	30/01/1956	राहु	12/09/1967	गुरु	08/04/1974	शनि	02/05/1986	बुध	07/02/1992
राहु	24/12/1957	गुरु	16/03/1969	शनि	03/01/1975	बुध	22/03/1988	केतु	02/05/1992
गुरु	01/09/1959	शनि	01/01/1971	बुध	01/09/1975	केतु	31/12/1988	शुक्र	31/12/1992

चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष	
31/12/1992		01/09/1999		02/05/2004		02/05/2016		01/01/2027	
01/09/1999		02/05/2004		02/05/2016		01/01/2027		00/00/0000	
चंद्र	22/07/1993	मंगल	10/12/1999	राहु	18/02/2006	गुरु	03/10/2017	शनि	15/08/2027
मंगल	11/12/1993	राहु	21/08/2000	गुरु	26/09/2007	शनि	12/06/2019		00/00/0000
राहु	12/12/1994	गुरु	06/04/2001	शनि	20/08/2009	बुध	15/12/2020		00/00/0000
गुरु	01/11/1995	शनि	01/01/2002	बुध	03/05/2011	केतु	30/07/2021		00/00/0000
शनि	21/11/1996	बुध	30/08/2002	केतु	13/01/2012	शुक्र	11/05/2023		00/00/0000
बुध	01/11/1997	केतु	08/12/2002	शुक्र	13/01/2014	सूर्य	22/11/2023		00/00/0000
केतु	23/03/1998	शुक्र	18/09/2003	सूर्य	20/08/2014	चंद्र	11/10/2024		00/00/0000
शुक्र	03/05/1999	सूर्य	12/12/2003	चंद्र	20/08/2015	मंगल	26/05/2025		00/00/0000
सूर्य	01/09/1999	चंद्र	02/05/2004	मंगल	02/05/2016	राहु	01/01/2027		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य	
15/08/1947		02/01/1949		20/10/1950		17/07/1951		26/08/1953	
02/01/1949		20/10/1950		17/07/1951		26/08/1953		14/04/1954	
	00/00/0000	बुध	05/04/1949	केतु	05/11/1950	शुक्र	22/11/1951	सूर्य	06/09/1953
	15/08/1947	केतु	13/05/1949	शुक्र	20/12/1950	सूर्य	31/12/1951	चंद्र	26/09/1953
केतु	20/09/1947	शुक्र	31/08/1949	सूर्य	02/01/1951	चंद्र	04/03/1952	मंगल	09/10/1953
शुक्र	20/01/1948	सूर्य	02/10/1949	चंद्र	25/01/1951	मंगल	18/04/1952	राहु	13/11/1953
सूर्य	26/02/1948	चंद्र	26/11/1949	मंगल	09/02/1951	राहु	12/08/1952	गुरु	14/12/1953
चंद्र	27/04/1948	मंगल	03/01/1950	राहु	22/03/1951	गुरु	22/11/1952	शनि	19/01/1954
मंगल	09/06/1948	राहु	12/04/1950	गुरु	27/04/1951	शनि	25/03/1953	बुध	21/02/1954
राहु	27/09/1948	गुरु	08/07/1950	शनि	08/06/1951	बुध	12/07/1953	केतु	07/03/1954
गुरु	02/01/1949	शनि	20/10/1950	बुध	17/07/1951	केतु	26/08/1953	शुक्र	14/04/1954

शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध	
14/04/1954		05/05/1955		30/01/1956		24/12/1957		01/09/1959	
05/05/1955		30/01/1956		24/12/1957		01/09/1959		10/04/1961	
चंद्र	16/05/1954	मंगल	20/05/1955	राहु	13/05/1956	गुरु	16/03/1958	बुध	23/11/1959
मंगल	08/06/1954	राहु	30/06/1955	गुरु	13/08/1956	शनि	21/06/1958	केतु	28/12/1959
राहु	05/08/1954	गुरु	05/08/1955	शनि	01/12/1956	बुध	17/09/1958	शुक्र	03/04/1960
गुरु	25/09/1954	शनि	17/09/1955	बुध	09/03/1957	केतु	23/10/1958	सूर्य	03/05/1960
शनि	25/11/1954	बुध	25/10/1955	केतु	19/04/1957	शुक्र	03/02/1959	चंद्र	21/06/1960
बुध	19/01/1955	केतु	10/11/1955	शुक्र	12/08/1957	सूर्य	05/03/1959	मंगल	25/07/1960
केतु	10/02/1955	शुक्र	25/12/1955	सूर्य	16/09/1957	चंद्र	26/04/1959	राहु	21/10/1960
शुक्र	15/04/1955	सूर्य	07/01/1956	चंद्र	13/11/1957	मंगल	01/06/1959	गुरु	07/01/1961
सूर्य	05/05/1955	चंद्र	30/01/1956	मंगल	24/12/1957	राहु	01/09/1959	शनि	10/04/1961

बुध - केतु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल	
10/04/1961		07/12/1961		28/10/1963		22/05/1964		02/05/1965	
07/12/1961		28/10/1963		22/05/1964		02/05/1965		30/12/1965	
केतु	24/04/1961	शुक्र	01/04/1962	सूर्य	08/11/1963	चंद्र	20/06/1964	मंगल	16/05/1965
शुक्र	03/06/1961	सूर्य	06/05/1962	चंद्र	25/11/1963	मंगल	10/07/1964	राहु	21/06/1965
सूर्य	15/06/1961	चंद्र	02/07/1962	मंगल	07/12/1963	राहु	31/08/1964	गुरु	24/07/1965
चंद्र	05/07/1961	मंगल	11/08/1962	राहु	07/01/1964	गुरु	16/10/1964	शनि	31/08/1965
मंगल	19/07/1961	राहु	23/11/1962	गुरु	04/02/1964	शनि	09/12/1964	बुध	04/10/1965
राहु	25/08/1961	गुरु	23/02/1963	शनि	07/03/1964	बुध	27/01/1965	केतु	18/10/1965
गुरु	26/09/1961	शनि	12/06/1963	बुध	06/04/1964	केतु	16/02/1965	शुक्र	27/11/1965
शनि	03/11/1961	बुध	18/09/1963	केतु	18/04/1964	शुक्र	15/04/1965	सूर्य	09/12/1965
बुध	07/12/1961	केतु	28/10/1963	शुक्र	22/05/1964	सूर्य	02/05/1965	चंद्र	30/12/1965

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - राहु		बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र	
30/12/1965		12/09/1967		16/03/1969		01/01/1971		10/04/1971	
12/09/1967		16/03/1969		01/01/1971		10/04/1971		19/01/1972	
राहु	02/04/1966	गुरु	24/11/1967	शनि	28/06/1969	केतु	07/01/1971	शुक्र	28/05/1971
गुरु	24/06/1966	शनि	20/02/1968	बुध	29/09/1969	शुक्र	23/01/1971	सूर्य	11/06/1971
शनि	30/09/1966	बुध	08/05/1968	केतु	06/11/1969	सूर्य	28/01/1971	चंद्र	05/07/1971
बुध	27/12/1966	केतु	09/06/1968	शुक्र	24/02/1970	चंद्र	06/02/1971	मंगल	21/07/1971
केतु	01/02/1967	शुक्र	09/09/1968	सूर्य	28/03/1970	मंगल	11/02/1971	राहु	02/09/1971
शुक्र	16/05/1967	सूर्य	06/10/1968	चंद्र	22/05/1970	राहु	26/02/1971	गुरु	10/10/1971
सूर्य	16/06/1967	चंद्र	21/11/1968	मंगल	29/06/1970	गुरु	11/03/1971	शनि	24/11/1971
चंद्र	06/08/1967	मंगल	24/12/1968	राहु	05/10/1970	शनि	27/03/1971	बुध	03/01/1972
मंगल	12/09/1967	राहु	16/03/1969	गुरु	01/01/1971	बुध	10/04/1971	केतु	19/01/1972

केतु - सूर्य		केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु	
19/01/1972		14/04/1972		03/09/1972		11/12/1972		24/08/1973	
14/04/1972		03/09/1972		11/12/1972		24/08/1973		08/04/1974	
सूर्य	24/01/1972	चंद्र	25/04/1972	मंगल	08/09/1972	राहु	18/01/1973	गुरु	23/09/1973
चंद्र	31/01/1972	मंगल	04/05/1972	राहु	23/09/1972	गुरु	22/02/1973	शनि	29/10/1973
मंगल	05/02/1972	राहु	25/05/1972	गुरु	07/10/1972	शनि	03/04/1973	बुध	30/11/1973
राहु	18/02/1972	गुरु	13/06/1972	शनि	22/10/1972	बुध	09/05/1973	केतु	13/12/1973
गुरु	29/02/1972	शनि	05/07/1972	बुध	05/11/1972	केतु	24/05/1973	शुक्र	20/01/1974
शनि	13/03/1972	बुध	26/07/1972	केतु	11/11/1972	शुक्र	06/07/1973	सूर्य	01/02/1974
बुध	25/03/1972	केतु	03/08/1972	शुक्र	28/11/1972	सूर्य	19/07/1973	चंद्र	20/02/1974
केतु	30/03/1972	शुक्र	27/08/1972	सूर्य	03/12/1972	चंद्र	09/08/1973	मंगल	05/03/1974
शुक्र	14/04/1972	सूर्य	03/09/1972	चंद्र	11/12/1972	मंगल	24/08/1973	राहु	08/04/1974

केतु - शनि		केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र	
08/04/1974		03/01/1975		01/09/1975		21/11/1977		23/07/1978	
03/01/1975		01/09/1975		21/11/1977		23/07/1978		01/09/1979	
शनि	21/05/1974	बुध	06/02/1975	शुक्र	15/01/1976	सूर्य	03/12/1977	चंद्र	25/08/1978
बुध	28/06/1974	केतु	20/02/1975	सूर्य	24/02/1976	चंद्र	24/12/1977	मंगल	18/09/1978
केतु	14/07/1974	शुक्र	01/04/1975	चंद्र	02/05/1976	मंगल	07/01/1978	राहु	18/11/1978
शुक्र	28/08/1974	सूर्य	14/04/1975	मंगल	18/06/1976	राहु	12/02/1978	गुरु	11/01/1979
सूर्य	10/09/1974	चंद्र	04/05/1975	राहु	18/10/1976	गुरु	17/03/1978	शनि	16/03/1979
चंद्र	03/10/1974	मंगल	18/05/1975	गुरु	03/02/1977	शनि	24/04/1978	बुध	13/05/1979
मंगल	18/10/1974	राहु	23/06/1975	शनि	12/06/1977	बुध	29/05/1978	केतु	05/06/1979
राहु	28/11/1974	गुरु	25/07/1975	बुध	05/10/1977	केतु	12/06/1978	शुक्र	12/08/1979
गुरु	03/01/1975	शनि	01/09/1975	केतु	21/11/1977	शुक्र	23/07/1978	सूर्य	01/09/1979

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल		शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध	
01/09/1979		11/06/1980		12/06/1982		22/03/1984		02/05/1986	
11/06/1980		12/06/1982		22/03/1984		02/05/1986		22/03/1988	
मंगल	18/09/1979	राहु	29/09/1980	गुरु	07/09/1982	शनि	22/07/1984	बुध	08/08/1986
राहु	31/10/1979	गुरु	04/01/1981	शनि	18/12/1982	बुध	09/11/1984	केतु	17/09/1986
गुरु	07/12/1979	शनि	30/04/1981	बुध	20/03/1983	केतु	24/12/1984	शुक्र	10/01/1987
शनि	21/01/1980	बुध	12/08/1981	केतु	27/04/1983	शुक्र	01/05/1985	सूर्य	14/02/1987
बुध	02/03/1980	केतु	23/09/1981	शुक्र	13/08/1983	सूर्य	09/06/1985	चंद्र	12/04/1987
केतु	18/03/1980	शुक्र	23/01/1982	सूर्य	15/09/1983	चंद्र	12/08/1985	मंगल	23/05/1987
शुक्र	05/05/1980	सूर्य	28/02/1982	चंद्र	08/11/1983	मंगल	26/09/1985	राहु	03/09/1987
सूर्य	19/05/1980	चंद्र	30/04/1982	मंगल	16/12/1983	राहु	20/01/1986	गुरु	04/12/1987
चंद्र	11/06/1980	मंगल	12/06/1982	राहु	22/03/1984	गुरु	02/05/1986	शनि	22/03/1988

शुक्र - केतु		सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु	
22/03/1988		31/12/1988		14/03/1989		14/07/1989		07/10/1989	
31/12/1988		14/03/1989		14/07/1989		07/10/1989		15/05/1990	
केतु	08/04/1988	सूर्य	04/01/1989	चंद्र	25/03/1989	मंगल	19/07/1989	राहु	09/11/1989
शुक्र	25/05/1988	चंद्र	10/01/1989	मंगल	01/04/1989	राहु	01/08/1989	गुरु	08/12/1989
सूर्य	08/06/1988	मंगल	14/01/1989	राहु	19/04/1989	गुरु	12/08/1989	शनि	12/01/1990
चंद्र	02/07/1988	राहु	25/01/1989	गुरु	05/05/1989	शनि	26/08/1989	बुध	12/02/1990
मंगल	19/07/1988	गुरु	04/02/1989	शनि	24/05/1989	बुध	07/09/1989	केतु	25/02/1990
राहु	30/08/1988	शनि	16/02/1989	बुध	11/06/1989	केतु	12/09/1989	शुक्र	03/04/1990
गुरु	07/10/1988	बुध	26/02/1989	केतु	18/06/1989	शुक्र	26/09/1989	सूर्य	14/04/1990
शनि	21/11/1988	केतु	02/03/1989	शुक्र	08/07/1989	सूर्य	30/09/1989	चंद्र	02/05/1990
बुध	31/12/1988	शुक्र	14/03/1989	सूर्य	14/07/1989	चंद्र	07/10/1989	मंगल	15/05/1990

सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र	
15/05/1990		25/11/1990		15/07/1991		07/02/1992		02/05/1992	
25/11/1990		15/07/1991		07/02/1992		02/05/1992		31/12/1992	
गुरु	10/06/1990	शनि	01/01/1991	बुध	13/08/1991	केतु	12/02/1992	शुक्र	11/06/1992
शनि	10/07/1990	बुध	03/02/1991	केतु	25/08/1991	शुक्र	26/02/1992	सूर्य	24/06/1992
बुध	07/08/1990	केतु	16/02/1991	शुक्र	29/09/1991	सूर्य	01/03/1992	चंद्र	14/07/1992
केतु	18/08/1990	शुक्र	27/03/1991	सूर्य	09/10/1991	चंद्र	08/03/1992	मंगल	28/07/1992
शुक्र	20/09/1990	सूर्य	07/04/1991	चंद्र	26/10/1991	मंगल	13/03/1992	राहु	03/09/1992
सूर्य	30/09/1990	चंद्र	27/04/1991	मंगल	07/11/1991	राहु	26/03/1992	गुरु	05/10/1992
चंद्र	16/10/1990	मंगल	10/05/1991	राहु	08/12/1991	गुरु	06/04/1992	शनि	13/11/1992
मंगल	27/10/1990	राहु	14/06/1991	गुरु	05/01/1992	शनि	20/04/1992	बुध	17/12/1992
राहु	25/11/1990	गुरु	15/07/1991	शनि	07/02/1992	बुध	02/05/1992	केतु	31/12/1992

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि	
31/12/1992		**22/07/1993**		**11/12/1993**		**12/12/1994**		**01/11/1995**	
22/07/1993		**11/12/1993**		**12/12/1994**		**01/11/1995**		**21/11/1996**	
चंद्र	17/01/1993	मंगल	31/07/1993	राहु	04/02/1994	गुरु	24/01/1995	शनि	01/01/1996
मंगल	29/01/1993	राहु	21/08/1993	गुरु	25/03/1994	शनि	16/03/1995	बुध	25/02/1996
राहु	01/03/1993	गुरु	09/09/1993	शनि	22/05/1994	बुध	01/05/1995	केतु	18/03/1996
गुरु	28/03/1993	शनि	01/10/1993	बुध	12/07/1994	केतु	20/05/1995	शुक्र	22/05/1996
शनि	29/04/1993	बुध	21/10/1993	केतु	03/08/1994	शुक्र	13/07/1995	सूर्य	10/06/1996
बुध	27/05/1993	केतु	30/10/1993	शुक्र	03/10/1994	सूर्य	30/07/1995	चंद्र	12/07/1996
केतु	08/06/1993	शुक्र	22/11/1993	सूर्य	21/10/1994	चंद्र	26/08/1995	मंगल	04/08/1996
शुक्र	12/07/1993	सूर्य	29/11/1993	चंद्र	20/11/1994	मंगल	14/09/1995	राहु	30/09/1996
सूर्य	22/07/1993	चंद्र	11/12/1993	मंगल	12/12/1994	राहु	01/11/1995	गुरु	21/11/1996

चंद्र - बुध		चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल	
21/11/1996		**01/11/1997**		**23/03/1998**		**03/05/1999**		**01/09/1999**	
01/11/1997		**23/03/1998**		**03/05/1999**		**01/09/1999**		**10/12/1999**	
बुध	09/01/1997	केतु	09/11/1997	शुक्र	29/05/1998	सूर्य	09/05/1999	मंगल	07/09/1999
केतु	29/01/1997	शुक्र	03/12/1997	सूर्य	19/06/1998	चंद्र	19/05/1999	राहु	22/09/1999
शुक्र	27/03/1997	सूर्य	10/12/1997	चंद्र	23/07/1998	मंगल	26/05/1999	गुरु	05/10/1999
सूर्य	14/04/1997	चंद्र	22/12/1997	मंगल	15/08/1998	राहु	13/06/1999	शनि	21/10/1999
चंद्र	12/05/1997	मंगल	30/12/1997	राहु	15/10/1998	गुरु	29/06/1999	बुध	04/11/1999
मंगल	01/06/1997	राहु	20/01/1998	गुरु	08/12/1998	शनि	19/07/1999	केतु	10/11/1999
राहु	23/07/1997	गुरु	08/02/1998	शनि	10/02/1999	बुध	05/08/1999	शुक्र	27/11/1999
गुरु	07/09/1997	शनि	03/03/1998	बुध	09/04/1999	केतु	12/08/1999	सूर्य	02/12/1999
शनि	01/11/1997	बुध	23/03/1998	केतु	03/05/1999	शुक्र	01/09/1999	चंद्र	10/12/1999

मंगल - राहु		मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु	
10/12/1999		**21/08/2000**		**06/04/2001**		**01/01/2002**		**30/08/2002**	
21/08/2000		**06/04/2001**		**01/01/2002**		**30/08/2002**		**08/12/2002**	
राहु	17/01/2000	गुरु	21/09/2000	शनि	18/05/2001	बुध	04/02/2002	केतु	05/09/2002
गुरु	20/02/2000	शनि	27/10/2000	बुध	26/06/2001	केतु	18/02/2002	शुक्र	21/09/2002
शनि	01/04/2000	बुध	28/11/2000	केतु	11/07/2001	शुक्र	30/03/2002	सूर्य	26/09/2002
बुध	07/05/2000	केतु	11/12/2000	शुक्र	25/08/2001	सूर्य	11/04/2002	चंद्र	05/10/2002
केतु	22/05/2000	शुक्र	18/01/2001	सूर्य	08/09/2001	चंद्र	01/05/2002	मंगल	11/10/2002
शुक्र	03/07/2000	सूर्य	29/01/2001	चंद्र	30/09/2001	मंगल	15/05/2002	राहु	25/10/2002
सूर्य	16/07/2000	चंद्र	17/02/2001	मंगल	16/10/2001	राहु	21/06/2002	गुरु	08/11/2002
चंद्र	07/08/2000	मंगल	03/03/2001	राहु	26/11/2001	गुरु	23/07/2002	शनि	23/11/2002
मंगल	21/08/2000	राहु	06/04/2001	गुरु	01/01/2002	शनि	30/08/2002	बुध	08/12/2002

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु	
08/12/2002		**18/09/2003**		**12/12/2003**		**02/05/2004**		**18/02/2006**	
18/09/2003		**12/12/2003**		**02/05/2004**		**18/02/2006**		**26/09/2007**	
शुक्र	24/01/2003	सूर्य	22/09/2003	चंद्र	24/12/2003	राहु	08/08/2004	गुरु	07/05/2006
सूर्य	07/02/2003	चंद्र	29/09/2003	मंगल	01/01/2004	गुरु	04/11/2004	शनि	08/08/2006
चंद्र	03/03/2003	मंगल	04/10/2003	राहु	22/01/2004	शनि	16/02/2005	बुध	30/10/2006
मंगल	19/03/2003	राहु	17/10/2003	गुरु	10/02/2004	बुध	20/05/2005	केतु	03/12/2006
राहु	01/05/2003	गुरु	28/10/2003	शनि	04/03/2004	केतु	28/06/2005	शुक्र	10/03/2007
गुरु	08/06/2003	शनि	11/11/2003	बुध	24/03/2004	शुक्र	15/10/2005	सूर्य	08/04/2007
शनि	23/07/2003	बुध	23/11/2003	केतु	01/04/2004	सूर्य	17/11/2005	चंद्र	27/05/2007
बुध	01/09/2003	केतु	28/11/2003	शुक्र	25/04/2004	चंद्र	11/01/2006	मंगल	30/06/2007
केतु	18/09/2003	शुक्र	12/12/2003	सूर्य	02/05/2004	मंगल	18/02/2006	राहु	26/09/2007

राहु - शनि		राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य	
26/09/2007		**20/08/2009**		**03/05/2011**		**13/01/2012**		**13/01/2014**	
20/08/2009		**03/05/2011**		**13/01/2012**		**13/01/2014**		**20/08/2014**	
शनि	14/01/2008	बुध	16/11/2009	केतु	18/05/2011	शुक्र	14/05/2012	सूर्य	24/01/2014
बुध	21/04/2008	केतु	22/12/2009	शुक्र	29/06/2011	सूर्य	20/06/2012	चंद्र	11/02/2014
केतु	31/05/2008	शुक्र	04/04/2010	सूर्य	12/07/2011	चंद्र	19/08/2012	मंगल	24/02/2014
शुक्र	24/09/2008	सूर्य	05/05/2010	चंद्र	02/08/2011	मंगल	01/10/2012	राहु	29/03/2014
सूर्य	29/10/2008	चंद्र	26/06/2010	मंगल	17/08/2011	राहु	19/01/2013	गुरु	27/04/2014
चंद्र	26/12/2008	मंगल	01/08/2010	राहु	25/09/2011	गुरु	26/04/2013	शनि	01/06/2014
मंगल	04/02/2009	राहु	03/11/2010	गुरु	29/10/2011	शनि	20/08/2013	बुध	02/07/2014
राहु	19/05/2009	गुरु	24/01/2011	शनि	08/12/2011	बुध	01/12/2013	केतु	14/07/2014
गुरु	20/08/2009	शनि	03/05/2011	बुध	13/01/2012	केतु	13/01/2014	शुक्र	20/08/2014

राहु - चंद्र		राहु - मंगल		गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध	
20/08/2014		**20/08/2015**		**02/05/2016**		**03/10/2017**		**12/06/2019**	
20/08/2015		**02/05/2016**		**03/10/2017**		**12/06/2019**		**15/12/2020**	
चंद्र	19/09/2014	मंगल	04/09/2015	गुरु	10/07/2016	शनि	09/01/2018	बुध	29/08/2019
मंगल	11/10/2014	राहु	12/10/2015	शनि	30/09/2016	बुध	06/04/2018	केतु	01/10/2019
राहु	04/12/2014	गुरु	16/11/2015	बुध	13/12/2016	केतु	12/05/2018	शुक्र	01/01/2020
गुरु	22/01/2015	शनि	26/12/2015	केतु	12/01/2017	शुक्र	23/08/2018	सूर्य	28/01/2020
शनि	21/03/2015	बुध	31/01/2016	शुक्र	09/04/2017	सूर्य	23/09/2018	चंद्र	14/03/2020
बुध	12/05/2015	केतु	15/02/2016	सूर्य	05/05/2017	चंद्र	13/11/2018	मंगल	15/04/2020
केतु	02/06/2015	शुक्र	29/03/2016	चंद्र	17/06/2017	मंगल	19/12/2018	राहु	07/07/2020
शुक्र	02/08/2015	सूर्य	11/04/2016	मंगल	17/07/2017	राहु	22/03/2019	गुरु	19/09/2020
सूर्य	20/08/2015	चंद्र	02/05/2016	राहु	03/10/2017	गुरु	12/06/2019	शनि	15/12/2020

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 10 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष	
15/08/1947		09/07/1949		09/07/1964		09/07/1972		09/07/1989	
09/07/1949		09/07/1964		09/07/1972		09/07/1989		10/07/1999	
	00/00/0000	चंद्र	09/08/1951	मंगल	11/02/1965	बुध	14/03/1975	शनि	13/06/1990
	00/00/0000	मंगल	18/09/1952	बुध	17/05/1966	शनि	08/10/1976	गुरु	16/03/1992
	00/00/0000	बुध	29/01/1955	शनि	11/02/1967	गुरु	06/10/1979	राहु	26/04/1993
	00/00/0000	शनि	19/06/1956	गुरु	09/07/1968	राहु	26/08/1981	शुक्र	06/04/1995
	15/08/1947	गुरु	08/02/1959	राहु	30/05/1969	शुक्र	15/12/1984	सूर्य	26/10/1995
गुरु	09/09/1947	राहु	08/10/1960	शुक्र	19/12/1970	सूर्य	25/11/1985	चंद्र	16/03/1997
राहु	09/05/1948	शुक्र	09/09/1963	सूर्य	30/05/1971	चंद्र	05/04/1988	मंगल	12/12/1997
शुक्र	09/07/1949	सूर्य	09/07/1964	चंद्र	09/07/1972	मंगल	09/07/1989	बुध	10/07/1999

गुरु 19 वर्ष		राहु 12 वर्ष		शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/07/1999		10/07/2018		10/07/2030		10/07/2051	
10/07/2018		10/07/2030		10/07/2051		00/00/0000	
गुरु	12/11/2002	राहु	09/11/2019	शुक्र	09/08/2034	सूर्य	09/11/2051
राहु	22/12/2004	शुक्र	10/03/2022	सूर्य	09/10/2035	चंद्र	08/09/2052
शुक्र	01/09/2008	सूर्य	08/11/2022	चंद्र	08/09/2038	मंगल	17/02/2053
सूर्य	22/09/2009	चंद्र	09/07/2024	मंगल	30/03/2040	बुध	28/01/2054
चंद्र	13/05/2012	मंगल	30/05/2025	बुध	20/07/2043	शनि	19/08/2054
मंगल	09/10/2013	बुध	20/04/2027	शनि	29/06/2045	गुरु	15/08/2055
बुध	05/10/2016	शनि	30/05/2028	गुरु	10/03/2049		00/00/0000
शनि	10/07/2018	गुरु	10/07/2030	राहु	10/07/2051		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
15/08/1947		09/09/1947		09/05/1948		09/07/1949		09/08/1951	
09/09/1947		09/05/1948		09/07/1949		09/08/1951		18/09/1952	
	00/00/0000	राहु	06/10/1947	शुक्र	31/07/1948	चंद्र	23/10/1949	मंगल	08/09/1951
	00/00/0000	शुक्र	22/11/1947	सूर्य	24/08/1948	मंगल	18/12/1949	बुध	11/11/1951
	00/00/0000	सूर्य	06/12/1947	चंद्र	22/10/1948	बुध	17/04/1950	शनि	19/12/1951
	00/00/0000	चंद्र	08/01/1948	मंगल	23/11/1948	शनि	27/06/1950	गुरु	28/02/1952
	00/00/0000	मंगल	27/01/1948	बुध	29/01/1949	गुरु	08/11/1950	राहु	13/04/1952
	00/00/0000	बुध	05/03/1948	शनि	09/03/1949	राहु	31/01/1951	शुक्र	01/07/1952
	15/08/1947	शनि	27/03/1948	गुरु	23/05/1949	शुक्र	28/06/1951	सूर्य	24/07/1952
शनि	09/09/1947	गुरु	09/05/1948	राहु	09/07/1949	सूर्य	09/08/1951	चंद्र	18/09/1952

चंद्र - बुध		चंद्र - शनि		चंद्र - गुरु		चंद्र - राहु		चंद्र - शुक्र	
18/09/1952		29/01/1955		19/06/1956		08/02/1959		08/10/1960	
29/01/1955		19/06/1956		08/02/1959		08/10/1960		09/09/1963	
बुध	01/02/1953	शनि	17/03/1955	गुरु	05/12/1956	राहु	16/04/1959	शुक्र	04/05/1961
शनि	22/04/1953	गुरु	14/06/1955	राहु	22/03/1957	शुक्र	13/08/1959	सूर्य	02/07/1961
गुरु	20/09/1953	राहु	09/08/1955	शुक्र	26/09/1957	सूर्य	16/09/1959	चंद्र	27/11/1961
राहु	25/12/1953	शुक्र	16/11/1955	सूर्य	18/11/1957	चंद्र	09/12/1959	मंगल	14/02/1962
शुक्र	11/06/1954	सूर्य	14/12/1955	चंद्र	01/04/1958	मंगल	23/01/1960	बुध	31/07/1962
सूर्य	29/07/1954	चंद्र	22/02/1956	मंगल	12/06/1958	बुध	28/04/1960	शनि	07/11/1962
चंद्र	26/11/1954	मंगल	31/03/1956	बुध	10/11/1958	शनि	23/06/1960	गुरु	13/05/1963
मंगल	29/01/1955	बुध	19/06/1956	शनि	08/02/1959	गुरु	08/10/1960	राहु	09/09/1963

चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - बुध		मंगल - शनि		मंगल - गुरु	
09/09/1963		09/07/1964		11/02/1965		17/05/1966		11/02/1967	
09/07/1964		11/02/1965		17/05/1966		11/02/1967		09/07/1968	
सूर्य	26/09/1963	मंगल	25/07/1964	बुध	24/04/1965	शनि	11/06/1966	गुरु	13/05/1967
चंद्र	07/11/1963	बुध	28/08/1964	शनि	06/06/1965	गुरु	28/07/1966	राहु	09/07/1967
मंगल	29/11/1963	शनि	17/09/1964	गुरु	25/08/1965	राहु	27/08/1966	शुक्र	17/10/1967
बुध	16/01/1964	गुरु	25/10/1964	राहु	16/10/1965	शुक्र	19/10/1966	सूर्य	14/11/1967
शनि	14/02/1964	राहु	18/11/1964	शुक्र	13/01/1966	सूर्य	03/11/1966	चंद्र	25/01/1968
गुरु	07/04/1964	शुक्र	30/12/1964	सूर्य	08/02/1966	चंद्र	10/12/1966	मंगल	03/03/1968
राहु	11/05/1964	सूर्य	12/01/1965	चंद्र	12/04/1966	मंगल	30/12/1966	बुध	23/05/1968
शुक्र	09/07/1964	चंद्र	11/02/1965	मंगल	17/05/1966	बुध	11/02/1967	शनि	09/07/1968

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - राहु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		बुध - बुध	
09/07/1968		30/05/1969		19/12/1970		30/05/1971		09/07/1972	
30/05/1969		19/12/1970		30/05/1971		09/07/1972		14/03/1975	
राहु	14/08/1968	शुक्र	17/09/1969	सूर्य	28/12/1970	चंद्र	26/07/1971	बुध	10/12/1972
शुक्र	16/10/1968	सूर्य	19/10/1969	चंद्र	20/01/1971	मंगल	25/08/1971	शनि	10/03/1973
सूर्य	03/11/1968	चंद्र	06/01/1970	मंगल	01/02/1971	बुध	28/10/1971	गुरु	29/08/1973
चंद्र	18/12/1968	मंगल	17/02/1970	बुध	26/02/1971	शनि	04/12/1971	राहु	16/12/1973
मंगल	12/01/1969	बुध	17/05/1970	शनि	13/03/1971	गुरु	14/02/1972	शुक्र	24/06/1974
बुध	04/03/1969	शनि	09/07/1970	गुरु	11/04/1971	राहु	30/03/1972	सूर्य	17/08/1974
शनि	03/04/1969	गुरु	17/10/1970	राहु	29/04/1971	शुक्र	17/06/1972	चंद्र	31/12/1974
गुरु	30/05/1969	राहु	19/12/1970	शुक्र	30/05/1971	सूर्य	09/07/1972	मंगल	14/03/1975

बुध - शनि		बुध - गुरु		बुध - राहु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य	
14/03/1975		08/10/1976		06/10/1979		26/08/1981		15/12/1984	
08/10/1976		06/10/1979		26/08/1981		15/12/1984		25/11/1985	
शनि	06/05/1975	गुरु	19/04/1977	राहु	21/12/1979	शुक्र	17/04/1982	सूर्य	03/01/1985
गुरु	15/08/1975	राहु	18/08/1977	शुक्र	04/05/1980	सूर्य	24/06/1982	चंद्र	20/02/1985
राहु	18/10/1975	शुक्र	18/03/1978	सूर्य	11/06/1980	चंद्र	08/12/1982	मंगल	18/03/1985
शुक्र	07/02/1976	सूर्य	18/05/1978	चंद्र	15/09/1980	मंगल	08/03/1983	बुध	11/05/1985
सूर्य	10/03/1976	चंद्र	17/10/1978	मंगल	05/11/1980	बुध	14/09/1983	शनि	12/06/1985
चंद्र	28/05/1976	मंगल	06/01/1979	बुध	21/02/1981	शनि	04/01/1984	गुरु	12/08/1985
मंगल	10/07/1976	बुध	27/06/1979	शनि	26/04/1981	गुरु	03/08/1984	राहु	19/09/1985
बुध	08/10/1976	शनि	06/10/1979	गुरु	26/08/1981	राहु	15/12/1984	शुक्र	25/11/1985

बुध - चंद्र		बुध - मंगल		शनि - शनि		शनि - गुरु		शनि - राहु	
25/11/1985		05/04/1988		09/07/1989		13/06/1990		16/03/1992	
05/04/1988		09/07/1989		13/06/1990		16/03/1992		26/04/1993	
चंद्र	25/03/1986	मंगल	10/05/1988	शनि	10/08/1989	गुरु	04/10/1990	राहु	30/04/1992
मंगल	28/05/1986	बुध	21/07/1988	गुरु	08/10/1989	राहु	14/12/1990	शुक्र	18/07/1992
बुध	10/10/1986	शनि	01/09/1988	राहु	15/11/1989	शुक्र	18/04/1991	सूर्य	10/08/1992
शनि	29/12/1986	गुरु	21/11/1988	शुक्र	20/01/1990	सूर्य	24/05/1991	चंद्र	05/10/1992
गुरु	30/05/1987	राहु	12/01/1989	सूर्य	07/02/1990	चंद्र	21/08/1991	मंगल	04/11/1992
राहु	03/09/1987	शुक्र	11/04/1989	चंद्र	26/03/1990	मंगल	07/10/1991	बुध	07/01/1993
शुक्र	18/02/1988	सूर्य	06/05/1989	मंगल	20/04/1990	बुध	17/01/1992	शनि	14/02/1993
सूर्य	05/04/1988	चंद्र	09/07/1989	बुध	13/06/1990	शनि	16/03/1992	गुरु	26/04/1993

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल		शनि - बुध	
26/04/1993		**06/04/1995**		**26/10/1995**		**16/03/1997**		**12/12/1997**	
06/04/1995		**26/10/1995**		**16/03/1997**		**12/12/1997**		**10/07/1999**	
शुक्र	11/09/1993	सूर्य	17/04/1995	चंद्र	05/01/1996	मंगल	05/04/1997	बुध	12/03/1998
सूर्य	21/10/1993	चंद्र	16/05/1995	मंगल	11/02/1996	बुध	18/05/1997	शनि	05/05/1998
चंद्र	27/01/1994	मंगल	31/05/1995	बुध	01/05/1996	शनि	12/06/1997	गुरु	14/08/1998
मंगल	21/03/1994	बुध	02/07/1995	शनि	17/06/1996	गुरु	30/07/1997	राहु	17/10/1998
बुध	11/07/1994	शनि	20/07/1995	गुरु	14/09/1996	राहु	29/08/1997	शुक्र	05/02/1999
शनि	14/09/1994	गुरु	25/08/1995	राहु	10/11/1996	शुक्र	20/10/1997	सूर्य	09/03/1999
गुरु	17/01/1995	राहु	17/09/1995	शुक्र	16/02/1997	सूर्य	04/11/1997	चंद्र	28/05/1999
राहु	06/04/1995	शुक्र	26/10/1995	सूर्य	16/03/1997	चंद्र	12/12/1997	मंगल	10/07/1999

गुरु - गुरु		गुरु - राहु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र	
10/07/1999		**12/11/2002**		**22/12/2004**		**01/09/2008**		**22/09/2009**	
12/11/2002		**22/12/2004**		**01/09/2008**		**22/09/2009**		**13/05/2012**	
गुरु	10/02/2000	राहु	05/02/2003	शुक्र	10/09/2005	सूर्य	23/09/2008	चंद्र	03/02/2010
राहु	24/06/2000	शुक्र	05/07/2003	सूर्य	24/11/2005	चंद्र	15/11/2008	मंगल	15/04/2010
शुक्र	17/02/2001	सूर्य	17/08/2003	चंद्र	31/05/2006	मंगल	14/12/2008	बुध	14/09/2010
सूर्य	26/04/2001	चंद्र	02/12/2003	मंगल	08/09/2006	बुध	12/02/2009	शनि	12/12/2010
चंद्र	12/10/2001	मंगल	28/01/2004	बुध	08/04/2007	शनि	20/03/2009	गुरु	31/05/2011
मंगल	11/01/2002	बुध	29/05/2004	शनि	11/08/2007	गुरु	27/05/2009	राहु	15/09/2011
बुध	22/07/2002	शनि	08/08/2004	गुरु	04/04/2008	राहु	09/07/2009	शुक्र	20/03/2012
शनि	12/11/2002	गुरु	22/12/2004	राहु	01/09/2008	शुक्र	22/09/2009	सूर्य	13/05/2012

गुरु - मंगल		गुरु - बुध		गुरु - शनि		राहु - राहु		राहु - शुक्र	
13/05/2012		**09/10/2013**		**05/10/2016**		**10/07/2018**		**09/11/2019**	
09/10/2013		**05/10/2016**		**10/07/2018**		**09/11/2019**		**10/03/2022**	
मंगल	20/06/2012	बुध	30/03/2014	शनि	04/12/2016	राहु	02/09/2018	शुक्र	22/04/2020
बुध	09/09/2012	शनि	09/07/2014	गुरु	27/03/2017	शुक्र	05/12/2018	सूर्य	09/06/2020
शनि	26/10/2012	गुरु	17/01/2015	राहु	06/06/2017	सूर्य	01/01/2019	चंद्र	05/10/2020
गुरु	25/01/2013	राहु	18/05/2015	शुक्र	09/10/2017	चंद्र	10/03/2019	मंगल	07/12/2020
राहु	23/03/2013	शुक्र	17/12/2015	सूर्य	14/11/2017	मंगल	15/04/2019	बुध	20/04/2021
शुक्र	01/07/2013	सूर्य	15/02/2016	चंद्र	11/02/2018	बुध	01/07/2019	शनि	08/07/2021
सूर्य	29/07/2013	चंद्र	16/07/2016	मंगल	30/03/2018	शनि	15/08/2019	गुरु	05/12/2021
चंद्र	09/10/2013	मंगल	05/10/2016	बुध	10/07/2018	गुरु	09/11/2019	राहु	10/03/2022

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल		राहु - बुध		राहु - शनि	
10/03/2022		**08/11/2022**		**09/07/2024**		**30/05/2025**		**20/04/2027**	
08/11/2022		**09/07/2024**		**30/05/2025**		**20/04/2027**		**30/05/2028**	
सूर्य	23/03/2022	चंद्र	01/02/2023	मंगल	02/08/2024	बुध	15/09/2025	शनि	27/05/2027
चंद्र	26/04/2022	मंगल	18/03/2023	बुध	22/09/2024	शनि	18/11/2025	गुरु	07/08/2027
मंगल	14/05/2022	बुध	22/06/2023	शनि	22/10/2024	गुरु	20/03/2026	राहु	21/09/2027
बुध	22/06/2022	शनि	17/08/2023	गुरु	18/12/2024	राहु	04/06/2026	शुक्र	09/12/2027
शनि	14/07/2022	गुरु	02/12/2023	राहु	24/01/2025	शुक्र	16/10/2026	सूर्य	31/12/2027
गुरु	26/08/2022	राहु	08/02/2024	शुक्र	28/03/2025	सूर्य	24/11/2026	चंद्र	26/02/2028
राहु	22/09/2022	शुक्र	05/06/2024	सूर्य	15/04/2025	चंद्र	28/02/2027	मंगल	27/03/2028
शुक्र	08/11/2022	सूर्य	09/07/2024	चंद्र	30/05/2025	मंगल	20/04/2027	बुध	30/05/2028

राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
30/05/2028		**10/07/2030**		**09/08/2034**		**09/10/2035**		**08/09/2038**	
10/07/2030		**09/08/2034**		**09/10/2035**		**08/09/2038**		**30/03/2040**	
गुरु	12/10/2028	शुक्र	26/04/2031	सूर्य	02/09/2034	चंद्र	05/03/2036	मंगल	21/10/2038
राहु	06/01/2029	सूर्य	17/07/2031	चंद्र	31/10/2034	मंगल	23/05/2036	बुध	18/01/2039
शुक्र	05/06/2029	चंद्र	10/02/2032	मंगल	01/12/2034	बुध	07/11/2036	शनि	12/03/2039
सूर्य	18/07/2029	मंगल	30/05/2032	बुध	07/02/2035	शनि	13/02/2037	गुरु	20/06/2039
चंद्र	02/11/2029	बुध	20/01/2033	शनि	18/03/2035	गुरु	20/08/2037	राहु	22/08/2039
मंगल	29/12/2029	शनि	07/06/2033	गुरु	01/06/2035	राहु	16/12/2037	शुक्र	10/12/2039
बुध	29/04/2030	गुरु	24/02/2034	राहु	18/07/2035	शुक्र	11/07/2038	सूर्य	11/01/2040
शनि	10/07/2030	राहु	09/08/2034	शुक्र	09/10/2035	सूर्य	08/09/2038	चंद्र	30/03/2040

शुक्र - बुध		शुक्र - शनि		शुक्र - गुरु		शुक्र - राहु		सूर्य - सूर्य	
30/03/2040		**20/07/2043**		**29/06/2045**		**10/03/2049**		**10/07/2051**	
20/07/2043		**29/06/2045**		**10/03/2049**		**10/07/2051**		**09/11/2051**	
बुध	06/10/2040	शनि	24/09/2043	गुरु	22/02/2046	राहु	12/06/2049	सूर्य	17/07/2051
शनि	26/01/2041	गुरु	27/01/2044	राहु	22/07/2046	शुक्र	25/11/2049	चंद्र	03/08/2051
गुरु	26/08/2041	राहु	15/04/2044	शुक्र	10/04/2047	सूर्य	11/01/2050	मंगल	12/08/2051
राहु	07/01/2042	शुक्र	31/08/2044	सूर्य	24/06/2047	चंद्र	10/05/2050	बुध	31/08/2051
शुक्र	30/08/2042	सूर्य	09/10/2044	चंद्र	28/12/2047	मंगल	12/07/2050	शनि	11/09/2051
सूर्य	05/11/2042	चंद्र	16/01/2045	मंगल	06/04/2048	बुध	23/11/2050	गुरु	02/10/2051
चंद्र	22/04/2043	मंगल	09/03/2045	बुध	05/11/2048	शनि	10/02/2051	राहु	16/10/2051
मंगल	20/07/2043	बुध	29/06/2045	शनि	10/03/2049	गुरु	10/07/2051	शुक्र	09/11/2051

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : धान्या 2 वर्ष 10 मास 7 दिन

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
15/08/1947		22/06/1950		22/06/1954		22/06/1959		22/06/1965	
22/06/1950		22/06/1954		22/06/1959		22/06/1965		21/06/1972	
धांय	21/09/1947	भ्राम	01/12/1950	भद्रि	02/03/1955	उल्क	21/06/1960	सिद्ध	01/11/1966
भ्राम	21/01/1948	भद्रि	22/06/1951	उल्क	01/01/1956	सिद्ध	21/08/1961	संक	22/05/1968
भद्रि	21/06/1948	उल्क	21/02/1952	सिद्ध	21/12/1956	संक	21/12/1962	मंग	01/08/1968
उल्क	21/12/1948	सिद्ध	01/12/1952	संक	31/01/1958	मंग	20/02/1963	पिंग	21/12/1968
सिद्ध	22/07/1949	संक	21/10/1953	मंग	22/03/1958	पिंग	22/06/1963	धांय	22/07/1969
संक	22/03/1950	मंग	01/12/1953	पिंग	02/07/1958	धांय	22/12/1963	भ्राम	02/05/1970
मंग	22/04/1950	पिंग	20/02/1954	धांय	01/12/1958	भ्राम	21/08/1964	भद्रि	22/04/1971
पिंग	22/06/1950	धांय	22/06/1954	भ्राम	22/06/1959	भद्रि	22/06/1965	उल्क	21/06/1972

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
21/06/1972		21/06/1980		22/06/1981		22/06/1983		22/06/1986	
21/06/1980		22/06/1981		22/06/1983		22/06/1986		22/06/1990	
संक	02/04/1974	मंग	01/07/1980	पिंग	01/08/1981	धांय	21/09/1983	भ्राम	01/12/1986
मंग	22/06/1974	पिंग	22/07/1980	धांय	01/10/1981	भ्राम	21/01/1984	भद्रि	22/06/1987
पिंग	01/12/1974	धांय	21/08/1980	भ्राम	21/12/1981	भद्रि	21/06/1984	उल्क	21/02/1988
धांय	02/08/1975	भ्राम	01/10/1980	भद्रि	02/04/1982	उल्क	21/12/1984	सिद्ध	01/12/1988
भ्राम	21/06/1976	भद्रि	20/11/1980	उल्क	01/08/1982	सिद्ध	22/07/1985	संक	21/10/1989
भद्रि	01/08/1977	उल्क	20/01/1981	सिद्ध	21/12/1982	संक	22/03/1986	मंग	01/12/1989
उल्क	01/12/1978	सिद्ध	01/04/1981	संक	02/06/1983	मंग	22/04/1986	पिंग	20/02/1990
सिद्ध	21/06/1980	संक	22/06/1981	मंग	22/06/1983	पिंग	22/06/1986	धांय	22/06/1990

नोट :– योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :–

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
22/06/1990		**22/06/1995**		**22/06/2001**		**21/06/2008**		**21/06/2016**	
22/06/1995		**22/06/2001**		**21/06/2008**		**21/06/2016**		**22/06/2017**	
भद्रि	02/03/1991	उल्क	21/06/1996	सिद्ध	01/11/2002	संक	02/04/2010	मंग	01/07/2016
उल्क	01/01/1992	सिद्ध	21/08/1997	संक	22/05/2004	मंग	22/06/2010	पिंग	22/07/2016
सिद्ध	21/12/1992	संक	21/12/1998	मंग	01/08/2004	पिंग	01/12/2010	धांय	21/08/2016
संक	31/01/1994	मंग	20/02/1999	पिंग	21/12/2004	धांय	02/08/2011	भ्राम	01/10/2016
मंग	22/03/1994	पिंग	22/06/1999	धांय	22/07/2005	भ्राम	21/06/2012	भद्रि	20/11/2016
पिंग	02/07/1994	धांय	22/12/1999	भ्राम	02/05/2006	भद्रि	01/08/2013	उल्क	20/01/2017
धांय	01/12/1994	भ्राम	21/08/2000	भद्रि	22/04/2007	उल्क	01/12/2014	सिद्ध	01/04/2017
भ्राम	22/06/1995	भद्रि	22/06/2001	उल्क	21/06/2008	सिद्ध	21/06/2016	संक	22/06/2017

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
22/06/2017		**22/06/2019**		**22/06/2022**		**22/06/2026**		**22/06/2031**	
22/06/2019		**22/06/2022**		**22/06/2026**		**22/06/2031**		**22/06/2037**	
पिंग	01/08/2017	धांय	21/09/2019	भ्राम	01/12/2022	भद्रि	02/03/2027	उल्क	21/06/2032
धांय	01/10/2017	भ्राम	21/01/2020	भद्रि	22/06/2023	उल्क	01/01/2028	सिद्ध	21/08/2033
भ्राम	21/12/2017	भद्रि	21/06/2020	उल्क	21/02/2024	सिद्ध	21/12/2028	संक	21/12/2034
भद्रि	02/04/2018	उल्क	21/12/2020	सिद्ध	01/12/2024	संक	31/01/2030	मंग	20/02/2035
उल्क	01/08/2018	सिद्ध	22/07/2021	संक	21/10/2025	मंग	22/03/2030	पिंग	22/06/2035
सिद्ध	21/12/2018	संक	22/03/2022	मंग	01/12/2025	पिंग	02/07/2030	धांय	22/12/2035
संक	02/06/2019	मंग	22/04/2022	पिंग	20/02/2026	धांय	01/12/2030	भ्राम	21/08/2036
मंग	22/06/2019	पिंग	22/06/2022	धांय	22/06/2026	भ्राम	22/06/2031	भद्रि	22/06/2037

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
22/06/2037		**21/06/2044**		**21/06/2052**		**22/06/2053**		**22/06/2055**	
21/06/2044		**21/06/2052**		**22/06/2053**		**22/06/2055**		**00/00/0000**	
सिद्ध	01/11/2038	संक	02/04/2046	मंग	01/07/2052	पिंग	01/08/2053	धांय	15/08/2055
संक	22/05/2040	मंग	22/06/2046	पिंग	22/07/2052	धांय	01/10/2053		00/00/0000
मंग	01/08/2040	पिंग	01/12/2046	धांय	21/08/2052	भ्राम	21/12/2053		00/00/0000
पिंग	21/12/2040	धांय	02/08/2047	भ्राम	01/10/2052	भद्रि	02/04/2054		00/00/0000
धांय	22/07/2041	भ्राम	21/06/2048	भद्रि	20/11/2052	उल्क	01/08/2054		00/00/0000
भ्राम	02/05/2042	भद्रि	01/08/2049	उल्क	20/01/2053	सिद्ध	21/12/2054		00/00/0000
भद्रि	22/04/2043	उल्क	01/12/2050	सिद्ध	01/04/2053	संक	02/06/2055		00/00/0000
उल्क	21/06/2044	सिद्ध	21/06/2052	संक	22/06/2053	मंग	22/06/2055		00/00/0000

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

भ्राम - संक		भ्राम - मंग		भ्राम - पिंग		भ्राम - धांय		भद्रि - भद्रि	
01/12/2024		21/10/2025		01/12/2025		20/02/2026		22/06/2026	
21/10/2025		01/12/2025		20/02/2026		22/06/2026		02/03/2027	
संक	11/02/2025	मंग	22/10/2025	पिंग	05/12/2025	धांय	02/03/2026	भद्रि	27/07/2026
मंग	20/02/2025	पिंग	25/10/2025	धांय	12/12/2025	भ्राम	16/03/2026	उल्क	07/09/2026
पिंग	10/03/2025	धांय	28/10/2025	भ्राम	21/12/2025	भद्रि	02/04/2026	सिद्ध	27/10/2026
धांय	06/04/2025	भ्राम	02/11/2025	भद्रि	01/01/2026	उल्क	22/04/2026	संक	22/12/2026
भ्राम	12/05/2025	भद्रि	07/11/2025	उल्क	15/01/2026	सिद्ध	16/05/2026	मंग	29/12/2026
भद्रि	26/06/2025	उल्क	14/11/2025	सिद्ध	31/01/2026	संक	12/06/2026	पिंग	12/01/2027
उल्क	19/08/2025	सिद्ध	22/11/2025	संक	18/02/2026	मंग	15/06/2026	धांय	02/02/2027
सिद्ध	21/10/2025	संक	01/12/2025	मंग	20/02/2026	पिंग	22/06/2026	भ्राम	02/03/2027

भद्रि - उल्क		भद्रि - सिद्ध		भद्रि - संक		भद्रि - मंग		भद्रि - पिंग	
02/03/2027		01/01/2028		21/12/2028		31/01/2030		22/03/2030	
01/01/2028		21/12/2028		31/01/2030		22/03/2030		02/07/2030	
उल्क	22/04/2027	सिद्ध	10/03/2028	संक	21/03/2029	मंग	01/02/2030	पिंग	28/03/2030
सिद्ध	20/06/2027	संक	28/05/2028	मंग	01/04/2029	पिंग	04/02/2030	धांय	06/04/2030
संक	27/08/2027	मंग	07/06/2028	पिंग	24/04/2029	धांय	08/02/2030	भ्राम	17/04/2030
मंग	04/09/2027	पिंग	26/06/2028	धांय	28/05/2029	भ्राम	14/02/2030	भद्रि	01/05/2030
पिंग	21/09/2027	धांय	26/07/2028	भ्राम	12/07/2029	भद्रि	21/02/2030	उल्क	18/05/2030
धांय	17/10/2027	भ्राम	03/09/2028	भद्रि	06/09/2029	उल्क	01/03/2030	सिद्ध	07/06/2030
भ्राम	20/11/2027	भद्रि	23/10/2028	उल्क	13/11/2029	सिद्ध	11/03/2030	संक	29/06/2030
भद्रि	01/01/2028	उल्क	21/12/2028	सिद्ध	31/01/2030	संक	22/03/2030	मंग	02/07/2030

भद्रि - धांय		भद्रि - भ्राम		उल्क - उल्क		उल्क - सिद्ध		उल्क - संक	
02/07/2030		01/12/2030		22/06/2031		21/06/2032		21/08/2033	
01/12/2030		22/06/2031		21/06/2032		21/08/2033		21/12/2034	
धांय	15/07/2030	भ्राम	24/12/2030	उल्क	22/08/2031	सिद्ध	12/09/2032	संक	08/12/2033
भ्राम	01/08/2030	भद्रि	21/01/2031	सिद्ध	01/11/2031	संक	16/12/2032	मंग	21/12/2033
भद्रि	22/08/2030	उल्क	24/02/2031	संक	21/01/2032	मंग	28/12/2032	पिंग	17/01/2034
उल्क	16/09/2030	सिद्ध	04/04/2031	मंग	31/01/2032	पिंग	20/01/2033	धांय	27/02/2034
सिद्ध	16/10/2030	संक	19/05/2031	पिंग	21/02/2032	धांय	25/02/2033	भ्राम	22/04/2034
संक	18/11/2030	मंग	25/05/2031	धांय	22/03/2032	भ्राम	13/04/2033	भद्रि	29/06/2034
मंग	23/11/2030	पिंग	05/06/2031	भ्राम	02/05/2032	भद्रि	11/06/2033	उल्क	18/09/2034
पिंग	01/12/2030	धांय	22/06/2031	भद्रि	21/06/2032	उल्क	21/08/2033	सिद्ध	21/12/2034

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

उल्क - मंग		उल्क - पिंग		उल्क - धांय		उल्क - भ्राम		उल्क - भद्रि	
21/12/2034		**20/02/2035**		**22/06/2035**		**22/12/2035**		**21/08/2036**	
20/02/2035		**22/06/2035**		**22/12/2035**		**21/08/2036**		**22/06/2037**	
मंग	23/12/2034	पिंग	27/02/2035	धांय	07/07/2035	भ्राम	18/01/2036	भद्रि	02/10/2036
पिंग	27/12/2034	धांय	09/03/2035	भ्राम	28/07/2035	भद्रि	21/02/2036	उल्क	22/11/2036
धांय	01/01/2035	भ्राम	23/03/2035	भद्रि	22/08/2035	उल्क	01/04/2036	सिद्ध	20/01/2037
भ्राम	07/01/2035	भद्रि	09/04/2035	उल्क	21/09/2035	सिद्ध	18/05/2036	संक	29/03/2037
भद्रि	16/01/2035	उल्क	29/04/2035	सिद्ध	27/10/2035	संक	12/07/2036	मंग	06/04/2037
उल्क	26/01/2035	सिद्ध	23/05/2035	संक	06/12/2035	मंग	18/07/2036	पिंग	23/04/2037
सिद्ध	07/02/2035	संक	19/06/2035	मंग	12/12/2035	पिंग	01/08/2036	धांय	19/05/2037
संक	20/02/2035	मंग	22/06/2035	पिंग	22/12/2035	धांय	21/08/2036	भ्राम	22/06/2037

सिद्ध - सिद्ध		सिद्ध - संक		सिद्ध - मंग		सिद्ध - पिंग		सिद्ध - धांय	
22/06/2037		**01/11/2038**		**22/05/2040**		**01/08/2040**		**21/12/2040**	
01/11/2038		**22/05/2040**		**01/08/2040**		**21/12/2040**		**22/07/2041**	
सिद्ध	26/09/2037	संक	07/03/2039	मंग	24/05/2040	पिंग	09/08/2040	धांय	08/01/2041
संक	15/01/2038	मंग	23/03/2039	पिंग	28/05/2040	धांय	21/08/2040	भ्राम	31/01/2041
मंग	29/01/2038	पिंग	23/04/2039	धांय	03/06/2040	भ्राम	05/09/2040	भद्रि	02/03/2041
पिंग	25/02/2038	धांय	10/06/2039	भ्राम	11/06/2040	भद्रि	25/09/2040	उल्क	06/04/2041
धांय	08/04/2038	भ्राम	12/08/2039	भद्रि	20/06/2040	उल्क	19/10/2040	सिद्ध	18/05/2041
भ्राम	02/06/2038	भद्रि	30/10/2039	उल्क	02/07/2040	सिद्ध	15/11/2040	संक	04/07/2041
भद्रि	10/08/2038	उल्क	01/02/2040	सिद्ध	16/07/2040	संक	17/12/2040	मंग	10/07/2041
उल्क	01/11/2038	सिद्ध	22/05/2040	संक	01/08/2040	मंग	21/12/2040	पिंग	22/07/2041

सिद्ध - भ्राम		सिद्ध - भद्रि		सिद्ध - उल्क		संक - संक		संक - मंग	
22/07/2041		**02/05/2042**		**22/04/2043**		**21/06/2044**		**02/04/2046**	
02/05/2042		**22/04/2043**		**21/06/2044**		**02/04/2046**		**22/06/2046**	
भ्राम	23/08/2041	भद्रि	20/06/2042	उल्क	02/07/2043	संक	13/11/2044	मंग	04/04/2046
भद्रि	01/10/2041	उल्क	19/08/2042	सिद्ध	23/09/2043	मंग	01/12/2044	पिंग	08/04/2046
उल्क	17/11/2041	सिद्ध	27/10/2042	संक	27/12/2043	पिंग	06/01/2045	धांय	15/04/2046
सिद्ध	12/01/2042	संक	14/01/2043	मंग	08/01/2044	धांय	01/03/2045	भ्राम	24/04/2046
संक	16/03/2042	मंग	23/01/2043	पिंग	31/01/2044	भ्राम	12/05/2045	भद्रि	05/05/2046
मंग	24/03/2042	पिंग	12/02/2043	धांय	07/03/2044	भद्रि	10/08/2045	उल्क	19/05/2046
पिंग	08/04/2042	धांय	14/03/2043	भ्राम	23/04/2044	उल्क	26/11/2045	सिद्ध	04/06/2046
धांय	02/05/2042	भ्राम	22/04/2043	भद्रि	21/06/2044	सिद्ध	02/04/2046	संक	22/06/2046

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : तुला 3 वर्ष 5 मास 27 दिन
कुल दशाकाल : 100 वर्ष
तिथि : पुष्य - 1 सव्य
देह : मेष जीव : धनु

तुला 16 वर्ष		कन्या 9 वर्ष		कर्क 21 वर्ष		सिंह 5 वर्ष		मिथुन 9 वर्ष	
15/08/1947		10/02/1951		10/02/1960		10/02/1981		10/02/1986	
10/02/1951		10/02/1960		10/02/1981		10/02/1986		10/02/1995	
	00/00/0000	कन्या	03/12/1951	कर्क	09/07/1964	सिंह	12/05/1981	मिथु	03/12/1986
	00/00/0000	कर्क	23/10/1953	सिंह	28/07/1965	मिथु	23/10/1981	वृष	12/05/1988
	00/00/0000	सिंह	06/04/1954	मिथु	18/06/1967	वृष	12/08/1982	मेष	28/12/1988
	00/00/0000	मिथु	27/01/1955	वृष	27/10/1970	मेष	17/12/1982	मीन	22/11/1989
	00/00/0000	वृष	06/07/1956	मेष	16/04/1972	मीन	18/06/1983	वृश्चि	10/07/1990
	15/08/1947	मेष	21/02/1957	मीन	23/05/1974	वृश्चि	24/10/1983	तुला	18/12/1991
मेष	23/05/1948	मीन	15/01/1958	वृश्चि	11/11/1975	तुला	11/08/1984	कन्या	09/10/1992
मीन	28/12/1949	वृश्चि	03/09/1958	तुला	22/03/1979	कन्या	22/01/1985	कर्क	30/08/1994
वृश्चि	10/02/1951	तुला	10/02/1960	कन्या	10/02/1981	कर्क	10/02/1986	सिंह	10/02/1995

वृष 16 वर्ष		मेष 7 वर्ष		मीन 10 वर्ष		वृश्चिक 7 वर्ष		तुला 16 वर्ष	
10/02/1995		10/02/2011		10/02/2018		10/02/2028		10/02/2035	
10/02/2011		10/02/2018		10/02/2028		10/02/2035		00/00/0000	
वृष	02/09/1997	मेष	08/08/2011	मीन	10/02/2019	वृश्चि	07/08/2028	तुला	02/09/2037
मेष	16/10/1998	मीन	20/04/2012	वृश्चि	24/10/2019	तुला	21/09/2029	कन्या	10/02/2039
मीन	23/05/2000	वृश्चि	16/10/2012	तुला	30/05/2021	कन्या	09/05/2030	कर्क	21/06/2042
वृश्चि	06/07/2001	तुला	29/11/2013	कन्या	24/04/2022	कर्क	28/10/2031	सिंह	10/04/2043
तुला	27/01/2004	कन्या	17/07/2014	कर्क	30/05/2024	सिंह	03/03/2032	मिथु	17/09/2044
कन्या	06/07/2005	कर्क	05/01/2016	सिंह	29/11/2024	मिथु	20/10/2032	वृष	10/04/2047
कर्क	14/11/2008	सिंह	12/05/2016	मिथु	23/10/2025	वृष	03/12/2033	मेष	15/08/2047
सिंह	02/09/2009	मिथु	28/12/2016	वृष	31/05/2027	मेष	31/05/2034		00/00/0000
मिथु	10/02/2011	वृष	10/02/2018	मेष	10/02/2028	मीन	10/02/2035		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मीन - मिथु		मीन - वृष		मीन - मेष		वृश्चि - वृश्चि		वृश्चि - तुला	
29/11/2024		**23/10/2025**		**31/05/2027**		**10/02/2028**		**07/08/2028**	
23/10/2025		**31/05/2027**		**10/02/2028**		**07/08/2028**		**21/09/2029**	
मिथु	28/12/2024	वृष	25/01/2026	मेष	18/06/2027	वृश्चि	23/02/2028	तुला	12/10/2028
वृष	19/02/2025	मेष	07/03/2026	मीन	13/07/2027	तुला	23/03/2028	कन्या	18/11/2028
मेष	14/03/2025	मीन	04/05/2026	वृश्चि	31/07/2027	कन्या	08/04/2028	कर्क	12/02/2029
मीन	16/04/2025	वृश्चि	14/06/2026	तुला	10/09/2027	कर्क	15/05/2028	सिंह	04/03/2029
वृश्चि	09/05/2025	तुला	16/09/2026	कन्या	03/10/2027	सिंह	24/05/2028	मिथु	10/04/2029
तुला	30/06/2025	कन्या	07/11/2026	कर्क	26/11/2027	मिथु	09/06/2028	वृष	14/06/2029
कन्या	30/07/2025	कर्क	10/03/2027	सिंह	09/12/2027	वृष	08/07/2028	मेष	13/07/2029
कर्क	07/10/2025	सिंह	08/04/2027	मिथु	01/01/2028	मेष	21/07/2028	मीन	23/08/2029
सिंह	23/10/2025	मिथु	31/05/2027	वृष	10/02/2028	मीन	07/08/2028	वृश्चि	21/09/2029

वृश्चि - कन्या		वृश्चि - कर्क		वृश्चि - सिंह		वृश्चि - मिथु		वृश्चि - वृष	
21/09/2029		**09/05/2030**		**28/10/2031**		**03/03/2032**		**20/10/2032**	
09/05/2030		**28/10/2031**		**03/03/2032**		**20/10/2032**		**03/12/2033**	
कन्या	11/10/2029	कर्क	29/08/2030	सिंह	03/11/2031	मिथु	24/03/2032	वृष	24/12/2032
कर्क	29/11/2029	सिंह	25/09/2030	मिथु	14/11/2031	वृष	30/04/2032	मेष	22/01/2033
सिंह	10/12/2029	मिथु	13/11/2030	वृष	05/12/2031	मेष	16/05/2032	मीन	03/03/2033
मिथु	31/12/2029	वृष	06/02/2031	मेष	14/12/2031	मीन	08/06/2032	वृश्चि	01/04/2033
वृष	06/02/2030	मेष	16/03/2031	मीन	27/12/2031	वृश्चि	24/06/2032	तुला	06/06/2033
मेष	22/02/2030	मीन	09/05/2031	वृश्चि	05/01/2032	तुला	31/07/2032	कन्या	12/07/2033
मीन	17/03/2030	वृश्चि	15/06/2031	तुला	25/01/2032	कन्या	21/08/2032	कर्क	06/10/2033
वृश्चि	02/04/2030	तुला	09/09/2031	कन्या	06/02/2032	कर्क	08/10/2032	सिंह	27/10/2033
तुला	09/05/2030	कन्या	28/10/2031	कर्क	03/03/2032	सिंह	20/10/2032	मिथु	03/12/2033

वृश्चि - मेष		वृश्चि - मीन		तुला - तुला		तुला - कन्या		तुला - कर्क	
03/12/2033		**31/05/2034**		**10/02/2035**		**02/09/2037**		**10/02/2039**	
31/05/2034		**10/02/2035**		**02/09/2037**		**10/02/2039**		**21/06/2042**	
मेष	15/12/2033	मीन	25/06/2034	तुला	10/07/2035	कन्या	20/10/2037	कर्क	26/10/2039
मीन	02/01/2034	वृश्चि	13/07/2034	कन्या	02/10/2035	कर्क	07/02/2038	सिंह	26/12/2039
वृश्चि	15/01/2034	तुला	23/08/2034	कर्क	15/04/2036	सिंह	05/03/2038	मिथु	15/04/2040
तुला	12/02/2034	कन्या	15/09/2034	सिंह	01/06/2036	मिथु	22/04/2038	वृष	28/10/2040
कन्या	28/02/2034	कर्क	08/11/2034	मिथु	24/08/2036	वृष	15/07/2038	मेष	22/01/2041
कर्क	07/04/2034	सिंह	20/11/2034	वृष	21/01/2037	मेष	21/08/2038	मीन	25/05/2041
सिंह	16/04/2034	मिथु	13/12/2034	मेष	27/03/2037	मीन	12/10/2038	वृश्चि	19/08/2041
मिथु	02/05/2034	वृष	23/01/2035	मीन	29/06/2037	वृश्चि	18/11/2038	तुला	03/03/2042
वृष	31/05/2034	मेष	10/02/2035	वृश्चि	02/09/2037	तुला	10/02/2039	कन्या	21/06/2042

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

तुला - सिंह		तुला - मिथु		तुला - वृष		तुला - मेष	
21/06/2042		**10/04/2043**		**17/09/2044**		**10/04/2047**	
10/04/2043		**17/09/2044**		**10/04/2047**		**00/00/0000**	
सिंह	06/07/2042	मिथु	27/05/2043	वृष	13/02/2045	मेष	08/05/2047
मिथु	01/08/2042	वृष	19/08/2043	मेष	20/04/2045	मीन	18/06/2047
वृष	17/09/2042	मेष	25/09/2043	मीन	22/07/2045	वृश्चि	17/07/2047
मेष	08/10/2042	मीन	17/11/2043	वृश्चि	26/09/2045	तुला	15/08/2047
मीन	06/11/2042	वृश्चि	23/12/2043	तुला	22/02/2046		00/00/0000
वृश्चि	26/11/2042	तुला	17/03/2044	कन्या	17/05/2046		00/00/0000
तुला	12/01/2043	कन्या	03/05/2044	कर्क	30/11/2046		00/00/0000
कन्या	07/02/2043	कर्क	21/08/2044	सिंह	16/01/2047		00/00/0000
कर्क	10/04/2043	सिंह	17/09/2044	मिथु	10/04/2047		00/00/0000

चर दशा

भोग्य दशा काल : वृष 2 वर्ष 0 मास 0 दिन

वृष 2 वर्ष	
15/08/1947	
14/08/1949	
मेष	14/10/1947
मीन	14/12/1947
कुंभ	13/02/1948
मक	14/04/1948
धनु	14/06/1948
वृश्चि	14/08/1948
तुला	14/10/1948
कन्या	14/12/1948
सिंह	12/02/1949
कर्क	14/04/1949
मिथु	14/06/1949
वृष	14/08/1949

मेष 2 वर्ष	
14/08/1949	
15/08/1951	
वृष	14/10/1949
मिथु	14/12/1949
कर्क	13/02/1950
सिंह	15/04/1950
कन्या	14/06/1950
तुला	14/08/1950
वृश्चि	14/10/1950
धनु	14/12/1950
मक	13/02/1951
कुंभ	15/04/1951
मीन	15/06/1951
मेष	15/08/1951

मीन 5 वर्ष	
15/08/1951	
14/08/1956	
मेष	14/01/1952
वृष	14/06/1952
मिथु	13/11/1952
कर्क	14/04/1953
सिंह	13/09/1953
कन्या	13/02/1954
तुला	15/07/1954
वृश्चि	14/12/1954
धनु	15/05/1955
मक	14/10/1955
कुंभ	15/03/1956
मीन	14/08/1956

कुम्भ 7 वर्ष	
14/08/1956	
15/08/1963	
मीन	15/03/1957
मेष	14/10/1957
वृष	15/05/1958
मिथु	14/12/1958
कर्क	15/07/1959
सिंह	13/02/1960
कन्या	13/09/1960
तुला	14/04/1961
वृश्चि	13/11/1961
धनु	14/06/1962
मक	13/01/1963
कुंभ	15/08/1963

मकर 6 वर्ष	
15/08/1963	
14/08/1969	
धनु	13/02/1964
वृश्चि	14/08/1964
तुला	12/02/1965
कन्या	14/08/1965
सिंह	13/02/1966
कर्क	14/08/1966
मिथु	13/02/1967
वृष	15/08/1967
मेष	13/02/1968
मीन	14/08/1968
कुंभ	12/02/1969
मक	14/08/1969

धनु 10 वर्ष	
14/08/1969	
15/08/1979	
वृश्चि	14/06/1970
तुला	15/04/1971
कन्या	13/02/1972
सिंह	14/12/1972
कर्क	14/10/1973
मिथु	14/08/1974
वृष	15/06/1975
मेष	14/04/1976
मीन	12/02/1977
कुंभ	14/12/1977
मक	14/10/1978
धनु	15/08/1979

वृश्चिक 7 वर्ष	
15/08/1979	
14/08/1986	
तुला	15/03/1980
कन्या	14/10/1980
सिंह	15/05/1981
कर्क	14/12/1981
मिथु	15/07/1982
वृष	13/02/1983
मेष	14/09/1983
मीन	14/04/1984
कुंभ	13/11/1984
मक	14/06/1985
धनु	13/01/1986
वृश्चि	14/08/1986

तुला 9 वर्ष	
14/08/1986	
15/08/1995	
वृश्चि	15/05/1987
धनु	13/02/1988
मक	13/11/1988
कुंभ	14/08/1989
मीन	15/05/1990
मेष	13/02/1991
वृष	14/11/1991
मिथु	14/08/1992
कर्क	15/05/1993
सिंह	13/02/1994
कन्या	14/11/1994
तुला	15/08/1995

कन्या 2 वर्ष	
15/08/1995	
14/08/1997	
तुला	14/10/1995
वृश्चि	14/12/1995
धनु	13/02/1996
मक	14/04/1996
कुंभ	14/06/1996
मीन	14/08/1996
मेष	14/10/1996
वृष	14/12/1996
मिथु	12/02/1997
कर्क	14/04/1997
सिंह	14/06/1997
कन्या	14/08/1997

सिंह 1 वर्ष	
14/08/1997	
14/08/1998	
कन्या	13/09/1997
तुला	14/10/1997
वृश्चि	13/11/1997
धनु	14/12/1997
मक	13/01/1998
कुंभ	13/02/1998
मीन	15/03/1998
मेष	15/04/1998
वृष	15/05/1998
मिथु	14/06/1998
कर्क	15/07/1998
सिंह	14/08/1998

कर्क 12 वर्ष	
14/08/1998	
14/08/2010	
मिथु	15/08/1999
वृष	14/08/2000
मेष	14/08/2001
मीन	14/08/2002
कुंभ	15/08/2003
मक	14/08/2004
धनु	14/08/2005
वृश्चि	14/08/2006
तुला	15/08/2007
कन्या	14/08/2008
सिंह	14/08/2009
कर्क	14/08/2010

मिथुन 1 वर्ष	
14/08/2010	
15/08/2011	
वृष	14/09/2010
मेष	14/10/2010
मीन	14/11/2010
कुंभ	14/12/2010
मक	13/01/2011
धनु	13/02/2011
वृश्चि	15/03/2011
तुला	15/04/2011
कन्या	15/05/2011
सिंह	15/06/2011
कर्क	15/07/2011
मिथु	15/08/2011

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

मिथु - मिथु	
15/07/2011	
15/08/2011	
वृष	18/07/2011
मेष	20/07/2011
मीन	23/07/2011
कुंभ	25/07/2011
मक	28/07/2011
धनु	30/07/2011
वृश्चि	02/08/2011
तुला	04/08/2011
कन्या	07/08/2011
सिंह	09/08/2011
कर्क	12/08/2011
मिथु	15/08/2011

चर दशा - प्रत्यन्तर

मिथु - मिथु	
15/07/2011	
15/08/2011	
वृष	18/07/2011
मेष	20/07/2011
मीन	23/07/2011
कुंभ	25/07/2011
मक	28/07/2011
धनु	30/07/2011
वृश्चि	02/08/2011
तुला	04/08/2011
कन्या	07/08/2011
सिंह	09/08/2011
कर्क	12/08/2011
मिथु	15/08/2011

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न–भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	शुक्र, शनि, सूर्य
		मारक	-	चंद्र, मंगल, गुरु
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	राहु, शनि, शुक्र
		मारक	-	मंगल, गुरु, केतु

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	44%	पराक्रम, सुख
चन्द्र	42%	पराक्रम,
मंगल	31%	धन, कम खर्च, दम्पति
बुध	45%	पराक्रम, धन, सन्तति सुख
गुरु	31%	शत्रु व रोग मुक्ति, दुर्घटना से बचाव, धनार्जन
शुक्र	48%	पराक्रम, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
शनि	50%	पराक्रम, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
राहु	74%	स्वास्थ्य, पराक्रम
केतु	36%	दम्पति, धन

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
शनि	10/09/1965	59	58	21	85	46	86	87	68	40
बुध	10/09/1982	84	58	34	85	46	86	75	55	53
केतु	10/09/1989	44	43	46	57	34	71	47	43	80
शुक्र	10/09/2009	59	58	34	85	46	86	87	68	65
सूर्य	10/09/2015	84	83	46	72	59	61	62	43	40
चन्द्र	10/09/2025	84	83	34	85	46	74	75	43	40
मंगल	10/09/2032	53	52	78	28	63	42	43	43	49
राहु	10/09/2050	28	27	21	41	34	55	56	99	24
गुरु	10/09/2066	67	66	63	42	78	44	57	55	36

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	6
भाग्यांक	8
मित्र अंक	3, 4, 6, 9, 8
शत्रु अंक	1, 7,
शुभ वर्ष	24,33,42,51,60
शुभ दिन	शनि, बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मित्र राशि	मीन, मेष
मित्र लग्न	सिंह, मकर, मीन
अनुकूल देवता	शिव
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन, ओपल
भाग्य रत्न	नीलम
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	रजत
शुभ दिशा	दक्षिणपूर्व
शुभ समय	सूर्योदय
दान पदार्थ	मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दूध

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन–तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

जीवन रत्नः	हीरा	पराक्रम, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
भाग्य रत्नः	नीलम	पराक्रम, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
कारक रत्नः	पन्ना	पराक्रम, धन, सन्तति सुख

दशा	रत्न	क्षमता	मंत्र–जप / व्रत / दान / लाभ
शनि	नीलम	94%	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः (23000)
15/08/1947	पन्ना	88%	शनिवार,उड़द, कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह, तेल
10/09/1965	हीरा	75%	पराक्रम, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
बुध	पन्ना	94%	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः (9000)
10/09/1965	नीलम	81%	बुधवार,मूँग, हाथी दाँत, कपूर, फल, घी
10/09/1982	हीरा	75%	पराक्रम, धन, सन्तति सुख
केतु	पन्ना	81%	ऊँ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः (17000)
10/09/1982	हीरा	75%	मंगलवार,तिल, सप्तधान्य, नारियल, शस्त्र, तेल
10/09/1989	लहसुनिया	73%	दम्पति, धन, सन्तति सुख
शुक्र	पन्ना	88%	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः (16000)
10/09/1989	नीलम	88%	शुक्रवार,चावल, मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन, दूध
10/09/2009	हीरा	81%	पराक्रम, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
सूर्य	पन्ना	81%	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः (7000)
10/09/2009	माणिक्य	73%	रविवार,गेहुँ, मूंगा, केसर, रक्तचन्दन, घी
10/09/2015	नीलम	69%	पराक्रम, सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
चन्द्र	पन्ना	88%	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः (11000)
10/09/2015	नीलम	81%	सोमवार,चावल, शंख, कपूर, श्वेतचन्दन, दही
10/09/2025	हीरा	69%	पराक्रम, सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
मंगल	नीलम	81%	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः (10000)
10/09/2025	पन्ना	69%	मंगलवार,मल्का, केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन, तेल
10/09/2032	हीरा	69%	धन, कम खर्च, शत्रु व रोग मुक्ति

नवग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिए इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करना चाहिए। निर्दिष्ट नक्षत्र में धारण करने से रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिये गये भार या उससे अधिक भार का लेकर जो किवाया हो एवं पौना न हो जैसे 4–1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएं कि रत्न नीचे से अंगुली को स्पर्श करे।

धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धापूर्वक ध्यान करना चाहिए। तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए एवं धूप दीप जलाकर संबंधित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। स्त्रियों को बाएं एवं पुरुषों को दाएं हाथ में अंगुली धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथाशक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए।

यदि आप अन्य कोई रत्न पहले से पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एकसाथ न पहनें। उपरोक्त विधि से रत्न को पहनने से रत्न के शुभ फल प्रचुर मात्रा में शीघ्र मिलते हैं।

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निषेध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ऊँ घृणि सूर्याय नमः	हीरा, नीलम, गोमेद	गेहूँ,चंदन,घी,लाल वस्त्र
मोती	ऊँ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल,चीनी,घी,श्वेत वस्त्र
मूंगा	ऊँ अं अंगारकाय नमः	हीरा, गोमेद, नीलम	गेहूँ,ताम्र,गुड़,लाल वस्त्र
पन्ना	ऊँ बुं बुधाय नमः	–––	मूंग,कांसा,हरित वस्त्र
पुखराज	ऊँ वृं वृहस्पतये नमः	हीरा, गोमेद	चने की दाल,गुड़,पीला वस्त्र
हीरा	ऊँ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल,चांदी,श्वेत वस्त्र
नीलम	ऊँ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	काला तिल,तेल,काला वस्त्र
गोमेद	ऊँ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल,तेल,कंबल,नीला वस्त्र
लहसुनिया	ऊँ कें केतवे नमः	–––	सप्तधान्य,नारियल,धूम्र वस्त्र

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता–पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती द्वितीय ढैया	15/08/1947-26/07/1948	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	26/07/1948-20/09/1950	----------	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/11/1952-24/04/1953	21/08/1953-12/11/1955	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	27/01/1964-09/04/1966	03/11/1966-20/12/1966	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	10/06/1973-23/07/1975	----------	----------

द्वितीय चक्रः

साढेसाती द्वितीय ढैया	23/07/1975-07/09/1977	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	07/09/1977-04/11/1979	15/03/1980-27/07/1980	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/10/1982-21/12/1984	01/06/1985-17/09/1985	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	05/03/1993-15/10/1993	10/11/1993-02/06/1995	10/08/1995-16/02/1996
साढेसाती प्रथम ढैया	23/07/2002-08/01/2003	07/04/2003-06/09/2004	13/01/2005-26/05/2005

तृतीय चक्रः

साढेसाती द्वितीय ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
साढेसाती तृतीय ढैया	01/11/2006-10/01/2007	16/07/2007-10/09/2009	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/04/2022-12/07/2022	17/01/2023-29/03/2025	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	31/05/2032-13/07/2034	----------	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	पराक्रम हानि
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	सुख हानि
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	शत्रु व रोग मुक्ति
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	व्यावसायिक उन्नति
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	धन

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म–पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर–कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपके जन्मकाल में मंगल की स्थिति चन्द्रकुंडली में द्वादश भाव में है अतः आप एक मांगलिक पुरुष हैं। चूंकि चन्द्र से मांगलिक होने का दोष अधिक प्रबल नहीं होता। अतः इसके प्रभाव से आपकी प्रवृति किंचित व्ययशील रहेगी तथा शुभाशुभ कार्यों पर आप समय समय पर व्यय करते रहेंगे। जिससे आपको अल्प मात्रा में आर्थिक परेशानी हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अल्प रहेगा। तथा सामान्य रूप से धनार्जन होता रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य आपका मध्यम रहेगा। मानसिक परेशानी की अनुभूति आपको समय समय पर होती रहेगी। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान भी उत्पन्न होंगे लेकिन उनका सामना तथा समाधान करने में आप समर्थ रहेंगे। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु स्वभाव में किंचित उग्रता का भाव हो सकता है लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

मंगल के इस प्रभाव से आपके विवाह में किंचित विलम्ब हो सकता है परन्तु इस कार्य में सफलता आपको अवश्य प्राप्त होगा। साथ ही विवाह पूर्व किसी वार्ता में गतिरोध भी उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। विवाह के पश्चात आपका दाम्पत्य जीवन परस्पर सामंजस्य के कारण अनुकूल रहेगा तथा इसका उचित उपभोग करने में आप समर्थ रहेंगे।

चन्द्रकुंडली में मंगल की द्वादश स्थिति के प्रभाव से आपकी प्रवृत्ति व्ययशील होगी परन्तु प्रचुर मात्रा में धनार्जन होने के कारण इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा साथ ही सांसारिक कार्यों में उत्पन्न व्यवधानों तथा समस्याओं का सामना तथा समाधान करने में भी आप सफल होंगे। तृतीय भाव पर मंगल की दृष्टि से भाई बहनों का सुख मध्यम रहेगा। पराक्रम तथा आत्मबल में वृद्धि होगी जिससे आपके लाभ एवं उन्नति के मार्ग हमेशा प्रशस्त रहेंगे। षष्ठ भावस्थ मंगल की

दृष्टि के प्रभाव से शत्रुवर्ग पर विजय प्राप्त करने में आपको सफलता मिलेगी। यदा कदा पित या गर्मी द्वारा उत्पन्न रोगों से आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सप्तम भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा स्वभाव में उग्रता भी रहेगी लेकिन परस्पर सामंजस्य के कारण आप सुखी दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

इस प्रकार अपने दाम्पत्य जीवन को अधिक सुखी एवं आनन्दमय बनाने के लिए आपको किसी मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए। जिससे परस्पर मांगलिक दोष का प्रभाव समाप्त हो जाएगा। इसके लिए कन्या की कुंडली में मांगलिक स्थानों अर्थात् प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भाव में शनि या राहु सदृश पाप ग्रहों की स्थिति होनी चाहिए। ऐसा होने पर आपके सुख एवं सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा धन ऐश्वर्य से युक्त होकर आनन्द पूर्वक आप अपने दाम्पत्य जीवन का उपभोग करेंगे तथा एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग भी प्रदान करेंगे।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में अनन्त नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। इसके कारण जातक को व्यक्तित्व निर्माण एवं आगे बढ़ने में आंशिक रूप से संघर्ष करना पड़ता है। कभी–कभी विरक्ति पैदा होती है। गृहस्थ जीवन कुछ अस्तव्यस्त रहता है। न्यायालय से थोड़ा बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी–कभी दुःखमय बन जाता है। जीवन में समय–समय पर आंशिक रूप में बाधाएँ आती हैं। परन्तु कालान्तर में सभी विघ्न–बाधाएँ दूर होती चली जाती हैं। जीवन में अनेक बार अपयश मिलने का भय बना रहता है। अपने रिश्तेदार नुकसान पहुँचाने की चेष्टा करते हैं, परन्तु उसमें वे सफल नहीं होते। जातक बार–बार अपने कार्य को बदलता है। परिणामस्वरूप आंशिक रूप में कभी क्षति उठानी पड़ती है। खासकर साहूकारी के व्यवसाय में नुकसान उठाता है। लेकिन जातक के जीवन में एक चमत्कारिक समय भी आता है। और समय–समय पर शुभ कार्य सम्पादित होते रहते हैं। आर्थिक स्थिति थोड़ा नाजुक होती है। इस योग के कारण जातक थोड़ा बहुत पराक्रमहीन, आलसी एवं नीचकर्म करने में तत्पर हो जाता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।

12. नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि–विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे – कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

एस्ट्रोग्राफ – 2025

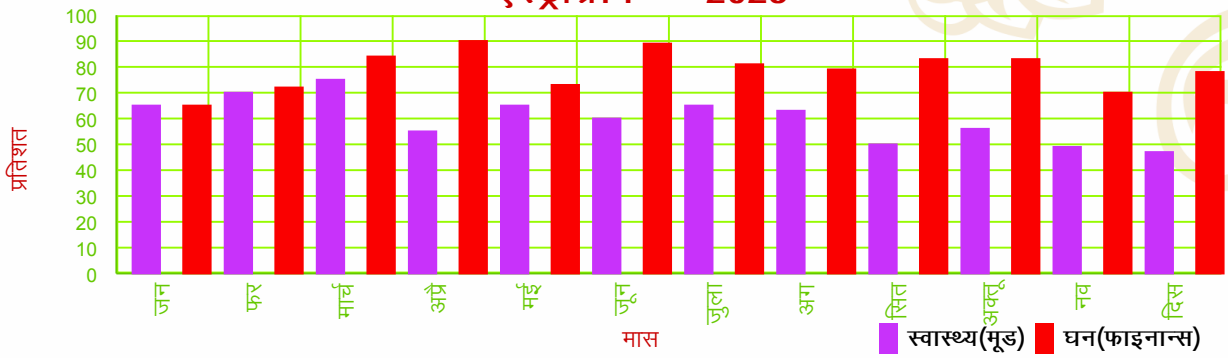

एस्ट्रोग्राफ – 2026

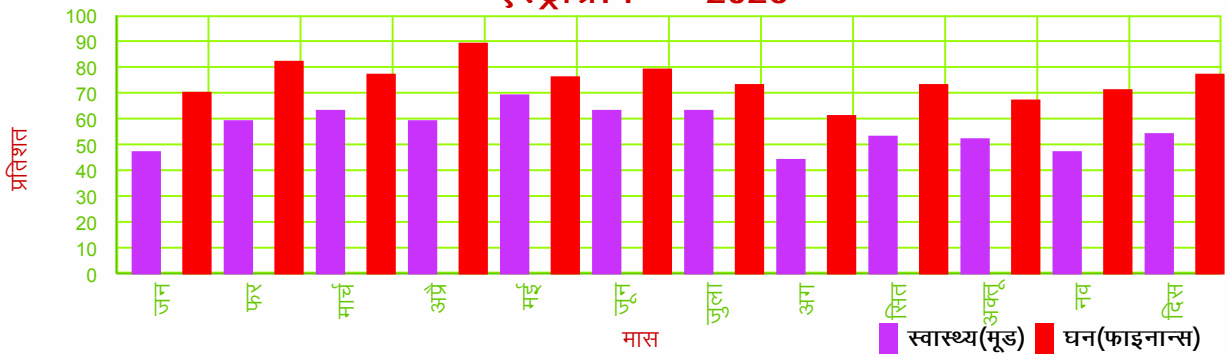

एस्ट्रोग्राफ – 2027

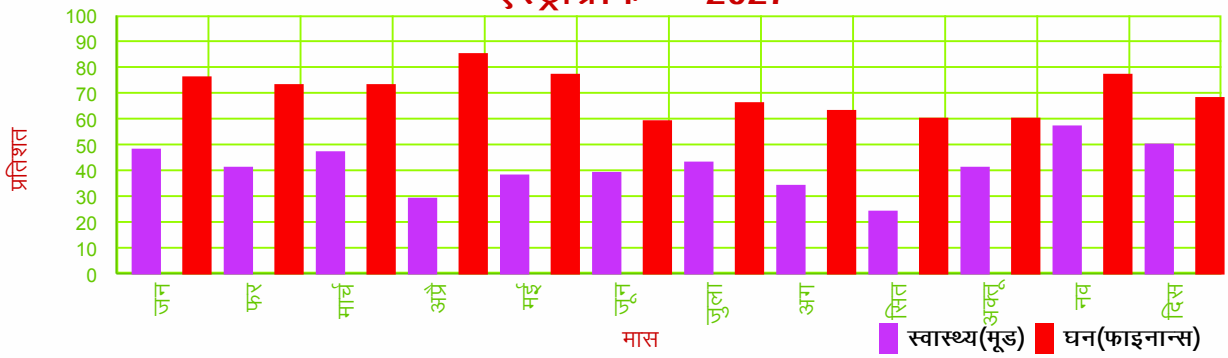

एस्ट्रोग्राफ – 2028

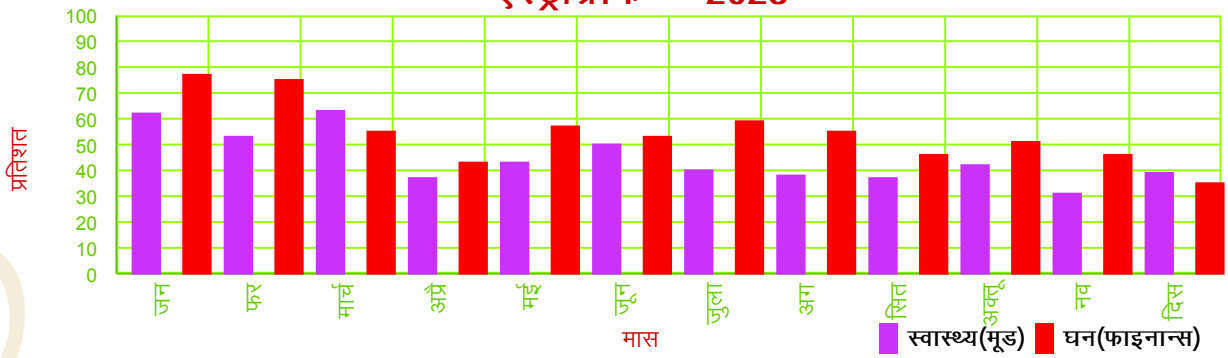

एस्ट्रोग्राफ – 2029

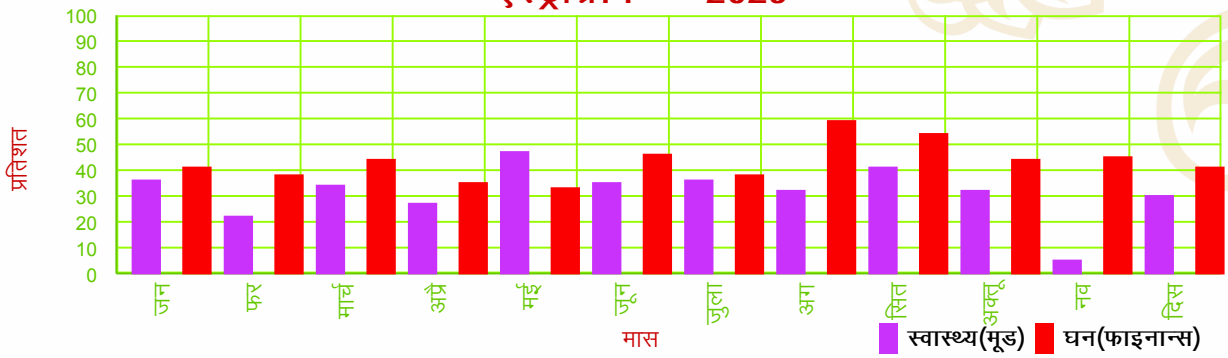

एस्ट्रोग्राफ – 2030

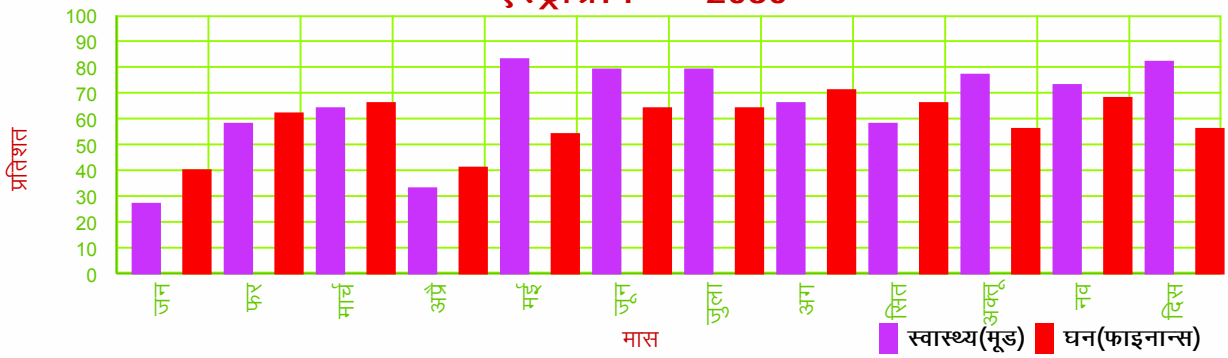

एस्ट्रोग्राफ – 2031

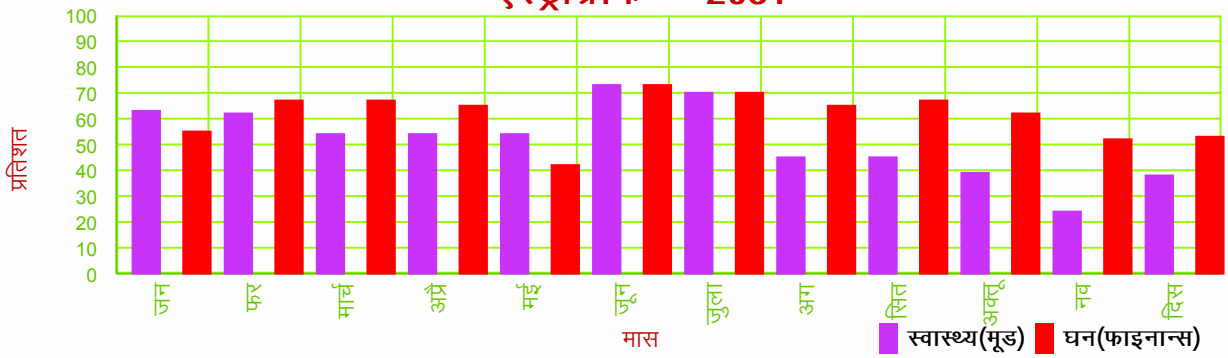

एस्ट्रोग्राफ – 2032

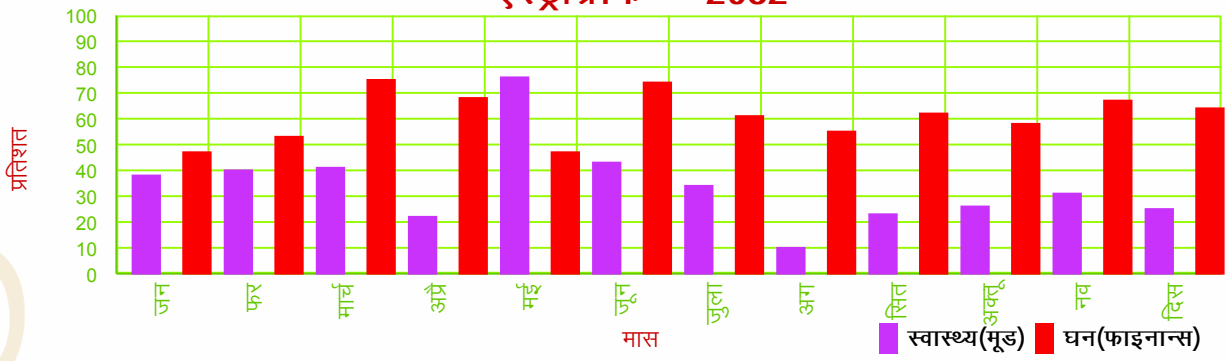

एस्ट्रोग्राफ – 2033

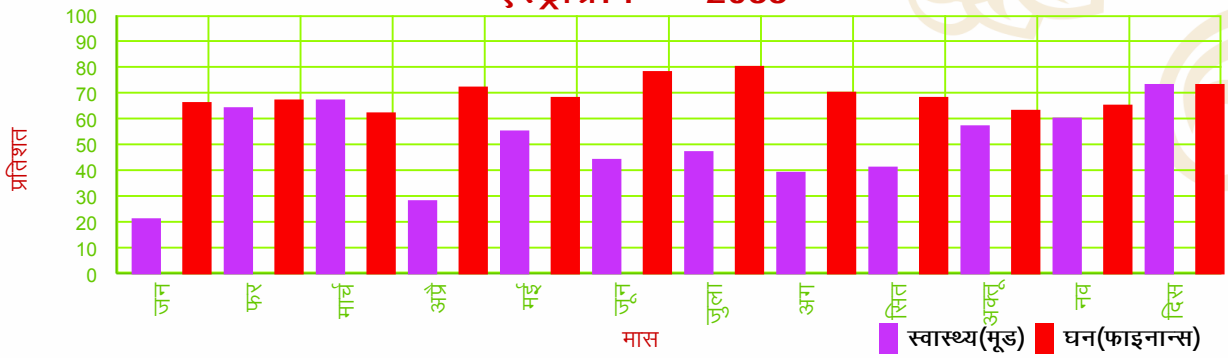

एस्ट्रोग्राफ – 2034

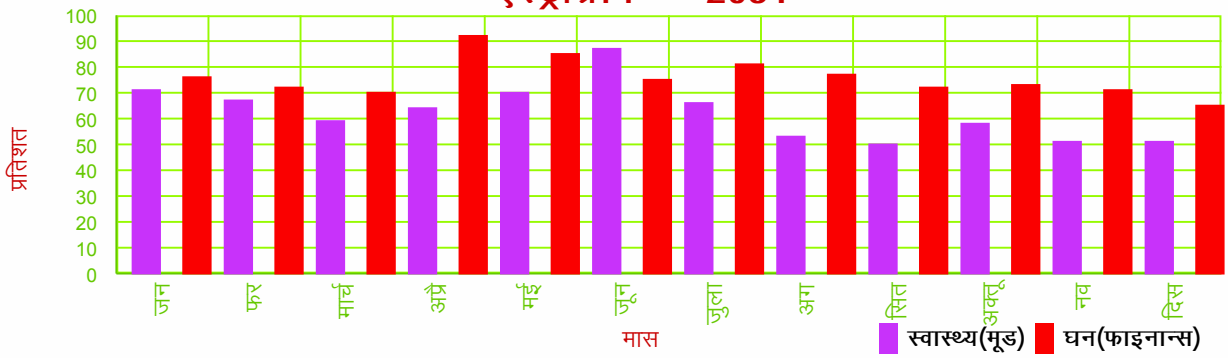

एस्ट्रोग्राफ – 2035

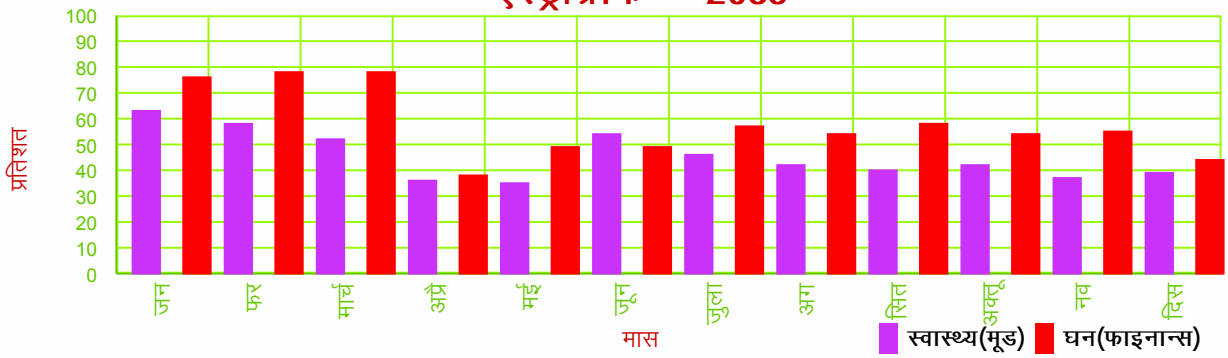

एस्ट्रोग्राफ – 2036

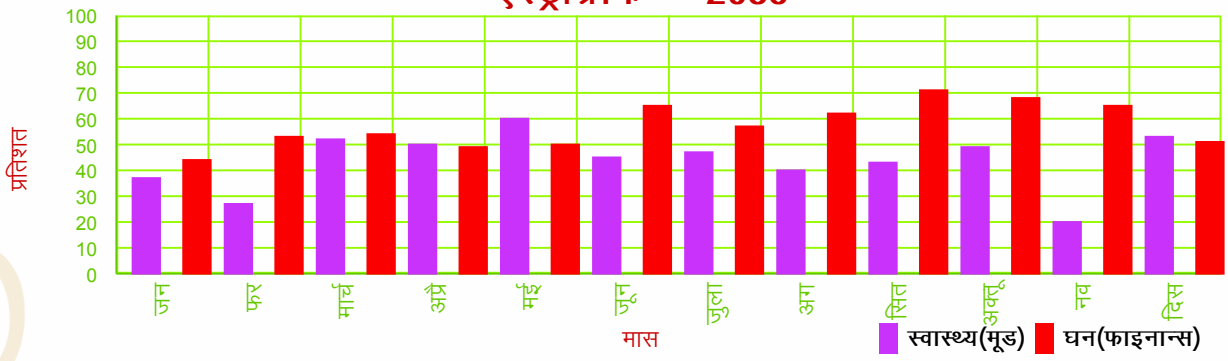

एस्ट्रोग्राफ – 2037

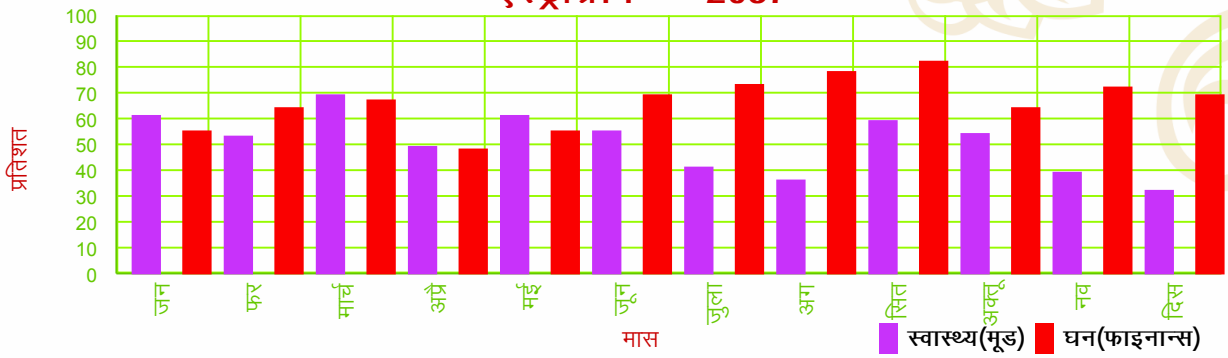

एस्ट्रोग्राफ – 2038

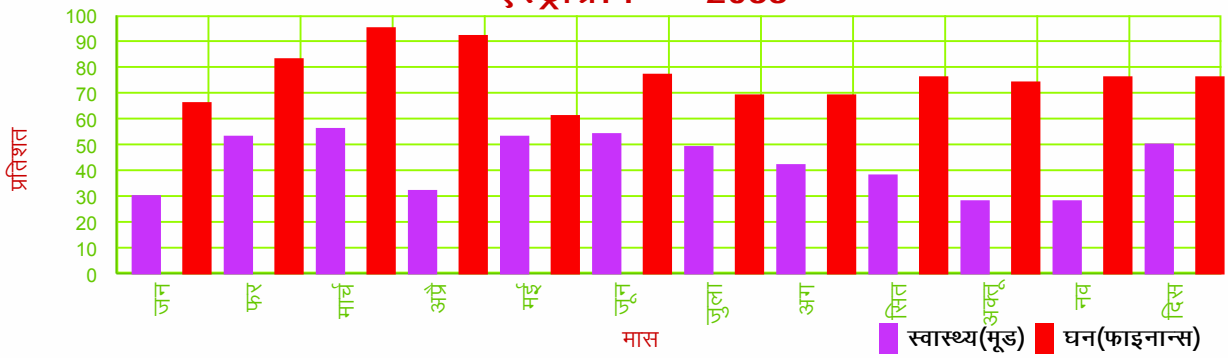

एस्ट्रोग्राफ – 2039

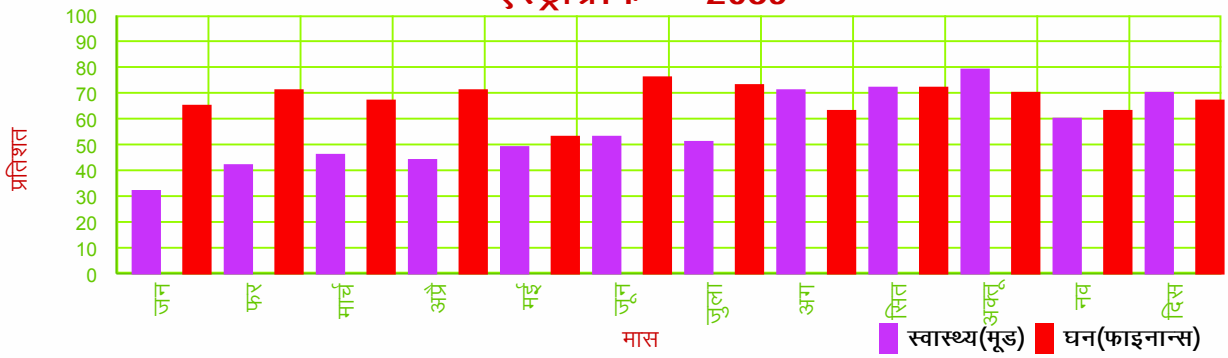

एस्ट्रोग्राफ – 2040

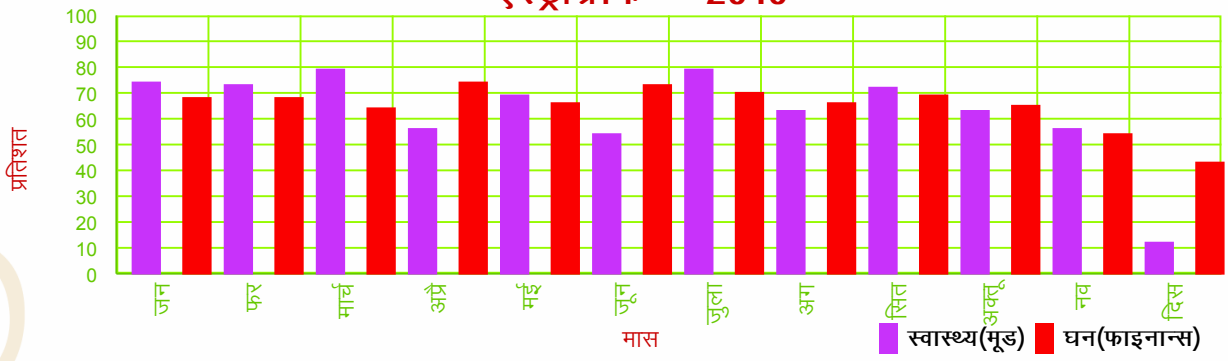

एस्ट्रोग्राफ – 2041

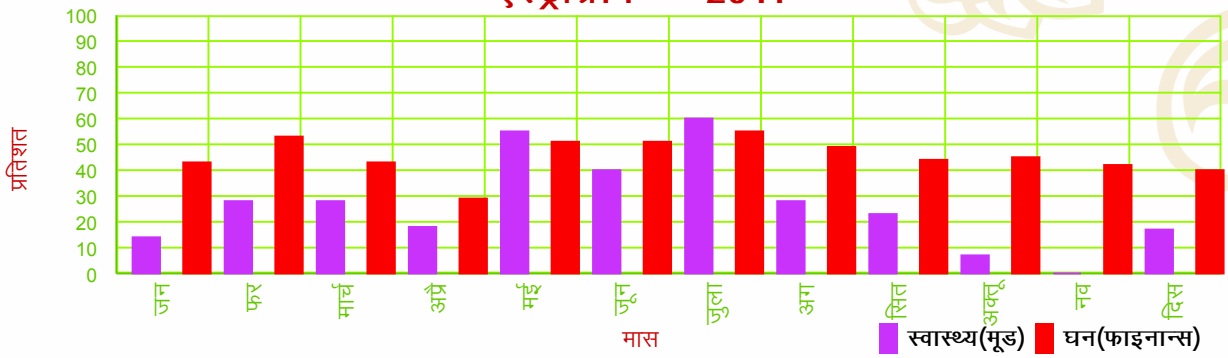

एस्ट्रोग्राफ – 2042

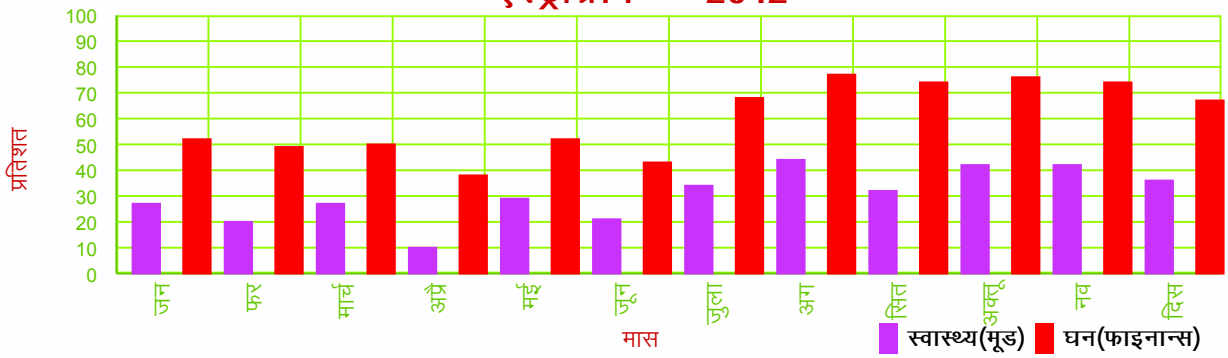

एस्ट्रोग्राफ – 2043

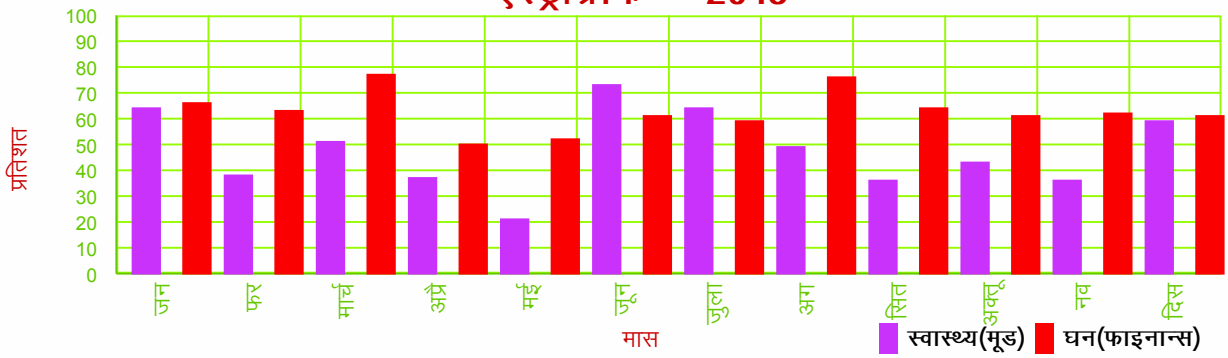

एस्ट्रोग्राफ – 2044

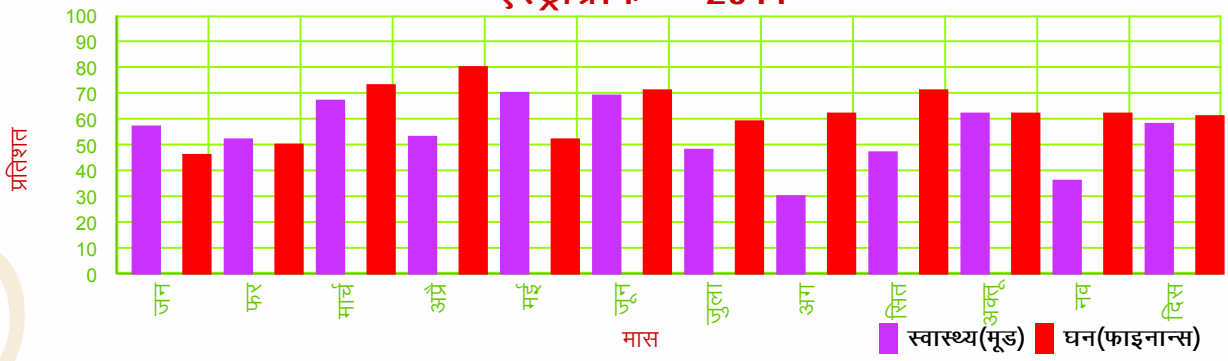

Model: KundliDetailed,PredictionPack10Year

SrNo: 110-124-101-1177 / 30

Date: 25/01/2025

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/08/1947**
दिन	गुरु–शुक्रवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	45:27:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:45 घंटे
साम्पातिक काल	21:08:13 घंटे
सूर्योदय	05:49:12 घंटे
सूर्यास्त	19:02:13 घंटे
दिनमान	13:13:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	27:59:21 कर्क
लग्न के अंश	07:45:37 वृष

चैत्रादि संवत / शक	2004 / 1869
मास	श्रावण
पक्ष	कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	13
तिथि समाप्ति काल	24:00:34
जन्म तिथि	13
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	पुनर्वसु
नक्षत्र समाप्ति काल	22:57:55 घंटे
जन्म नक्षत्र	पुष्य
सूर्योदय कालीन योग	वज्र
योग समाप्ति काल	06:01:30 घंटे
जन्म योग	सिद्धि
सूर्योदय कालीन करण	गर
करण समाप्ति काल	13:47:32 घंटे
जन्म करण	वणिज

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	वृष – शुक्र
राशि–स्वामी	**कर्क – चन्द्र**
नक्षत्र–चरण	**पुष्य – 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू–हुकमसिंह
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

घात चक्र

मास	पौष
तिथि	2-7-12
दिन	बुधवार
नक्षत्र	अनुराधा
योग	व्याघात
करण	नाग
प्रहर	1
वर्ग	श्वान
लग्न	तुला
सूर्य	सिंह
चन्द्र	सिंह
मंगल	कन्या
बुध	मिथुन
गुरु	तुला
शुक्र	वृश्चिक
शनि	कर्क
राहु	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	07:45:37	395:04:16	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	–––
सूर्य			कर्क	27:59:21	00:57:39	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	03:59:01	15:05:12	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			मिथु	07:27:23	00:39:28	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	13:40:28	01:48:17	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
गुरु			तुला	25:52:40	00:05:07	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कर्क	22:33:40	01:14:06	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
शनि		अ	कर्क	20:28:23	00:07:40	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		वृष	05:44:33	00:08:46	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:44:33	00:08:46	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मिथु	02:03:12	00:02:20	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	–––
नेप			कन्या	15:42:26	00:01:38	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	–––
प्लूटो			कर्क	20:06:29	00:01:47	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	–––
दशम भाव			मक	21:27:35	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर

अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:07:18

लग्न–चलित

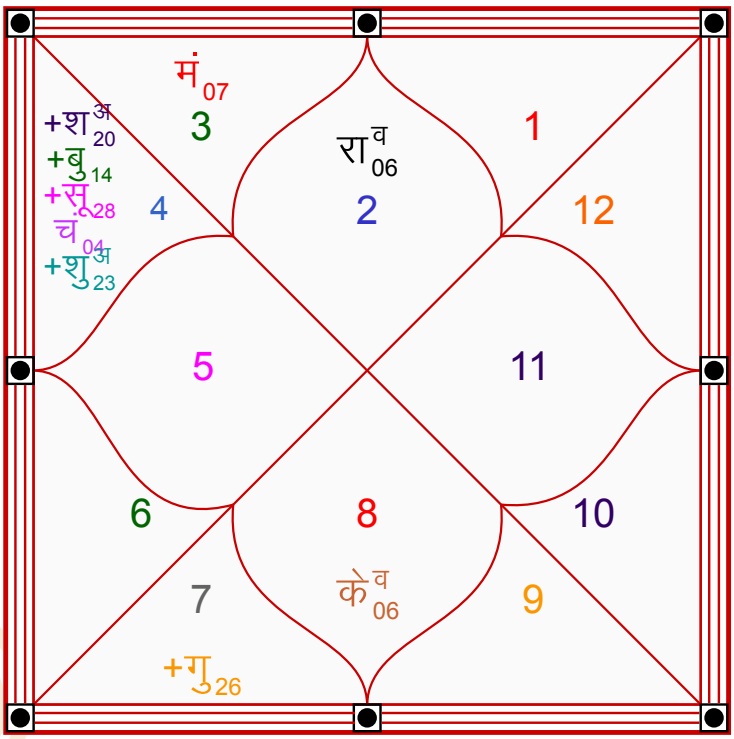

चन्द्र कुंडली

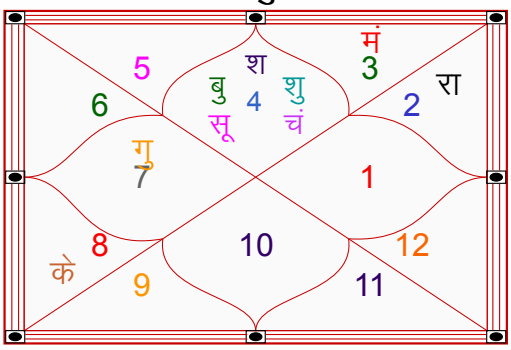

नवमांश कुंडली

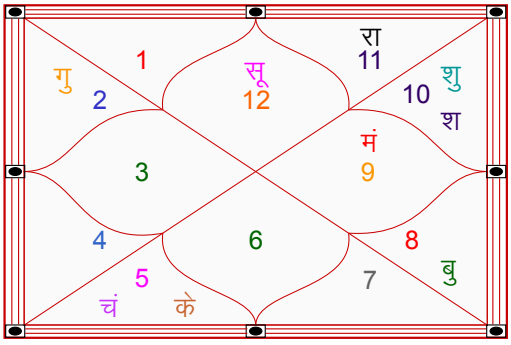

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	मेष	20:02:36	वृष	07:45:37
2	वृष	20:02:36	मिथुन	02:19:36
3	मिथुन	14:36:36	मिथुन	26:53:36
4	कर्क	09:10:36	कर्क	21:27:35
5	सिंह	09:10:36	सिंह	26:53:36
6	कन्या	14:36:36	तुला	02:19:36
7	तुला	20:02:36	वृश्चिक	07:45:37
8	वृश्चिक	20:02:36	धनु	02:19:36
9	धनु	14:36:36	धनु	26:53:36
10	मकर	09:10:36	मकर	21:27:35
11	कुम्भ	09:10:36	कुम्भ	26:53:36
12	मीन	14:36:36	मेष	02:19:36

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	वृष	07:45:37
2	मिथुन	03:21:41
3	मिथुन	26:33:37
4	कर्क	21:27:35
5	सिंह	21:37:11
6	कन्या	28:42:15
7	वृश्चिक	07:45:37
8	धनु	03:21:41
9	धनु	26:33:37
10	मकर	21:27:35
11	कुम्भ	21:37:11
12	मीन	28:42:15

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु

चलित कुंडली

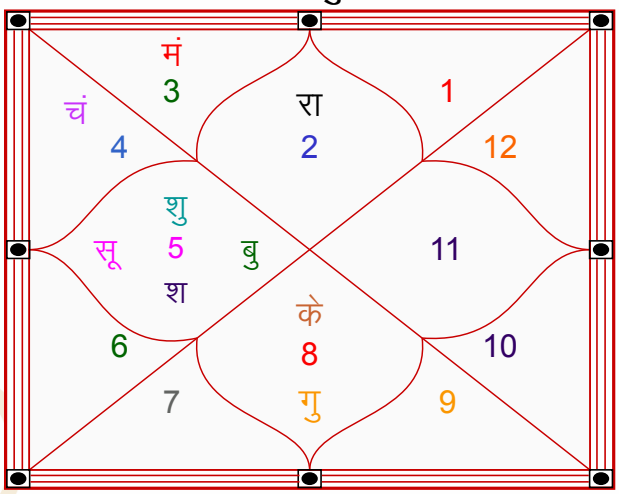

भाव कुंडली

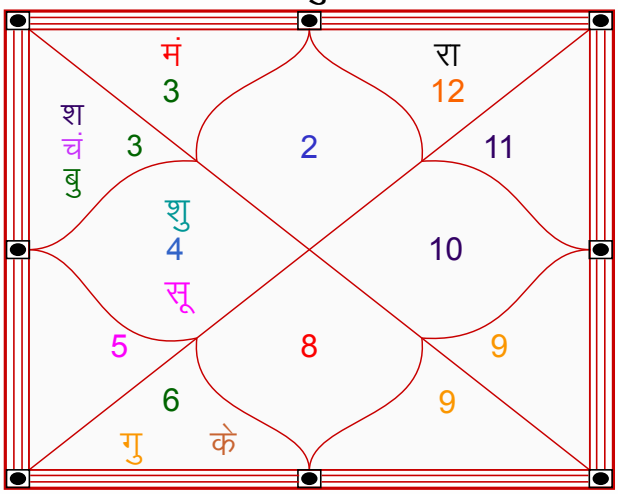

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	——— कारक ———		——— अवस्था ———			रश्मि	ग्रह बल
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि		
सूर्य	आत्मा	पितृ	बाल	मुदित	प्रकाश	4.00	49 %
चंद्र	कलत्र	मातृ	मृत	स्वस्थ	नेत्रपाणि	8.93	52 %
मंगल	ज्ञाति	भ्रातृ	कुमार	खल	शयन	1.40	55 %
बुध	पुत्र	ज्ञाति	युवा	खल	कौतुक	1.32	62 %
गुरु	अमात्य	धन	मृत	खल	कौतुक	2.69	41 %
शुक्र	भ्रातृ	कलत्र	कुमार	विकल	शयन	1.15	71 %
शनि	मातृ	आयु	कुमार	विकल	प्रकाश	1.01	13 %
राहु	———	ज्ञान	मृत	मुदित	सभा	0.00	11 %
केतु	———	मोक्ष	मृत	मुदित	शयन	0.00	11 %
कुल						**20.49**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा
अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु

चलित कुंडली

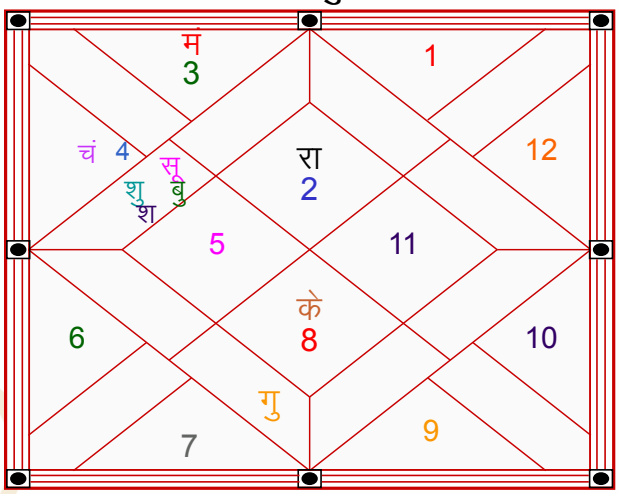

लग्न–चलित

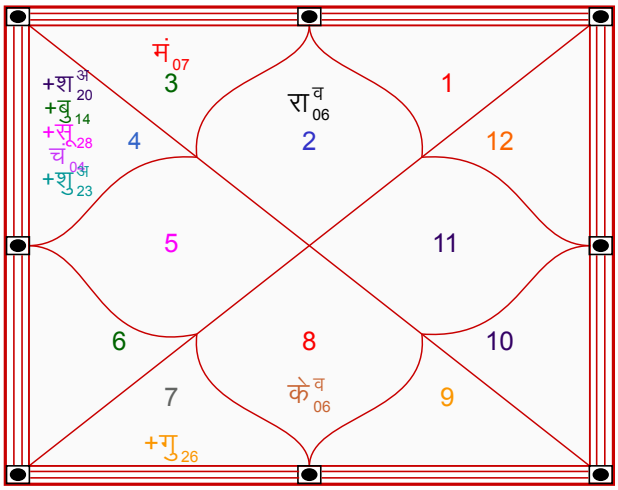

सुदर्शन चक्र

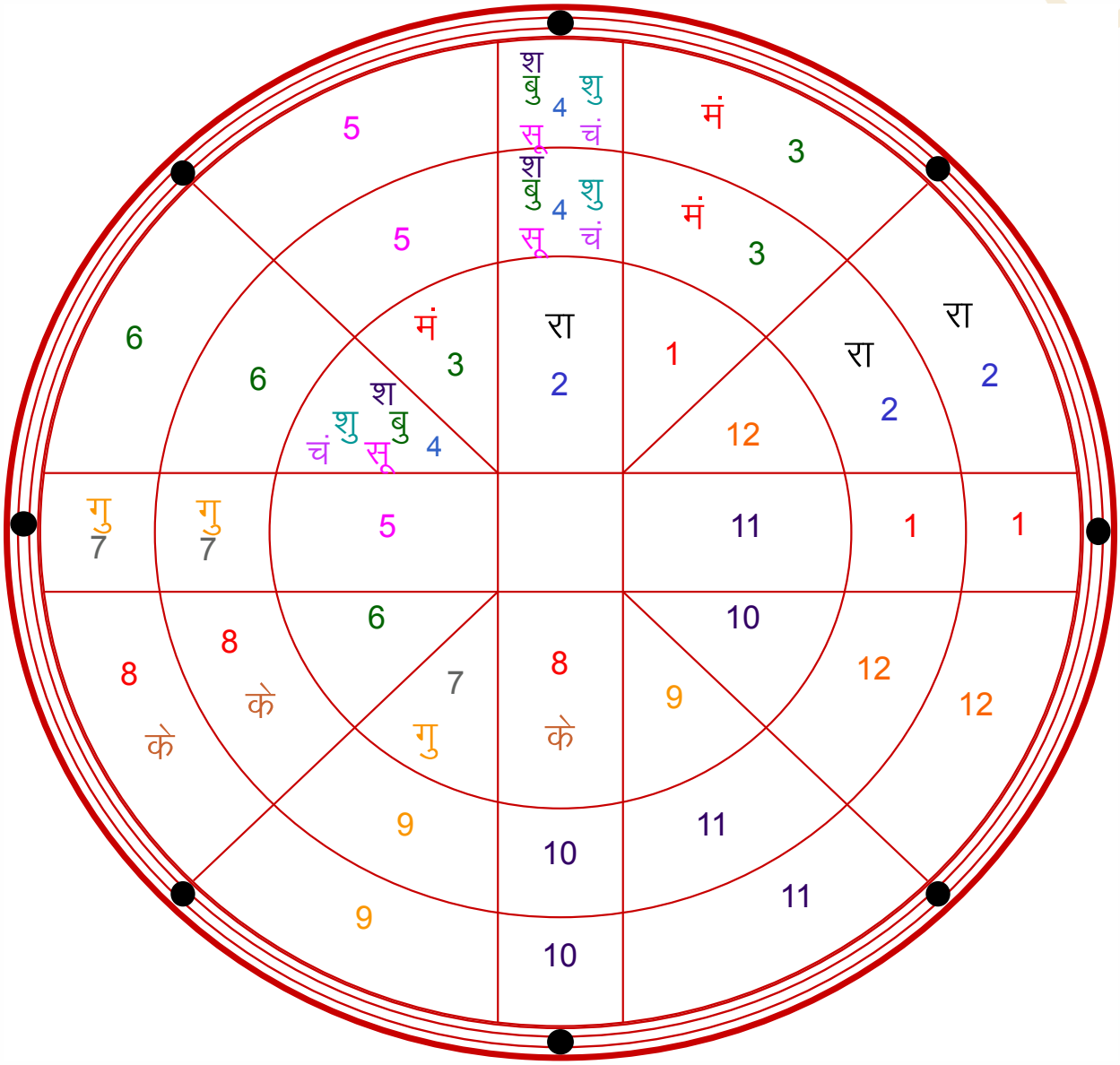

नोटः सुदर्शन चक्र क्रमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 11 मास 7 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		कर्क	28:05:08	चंद्र	बुध	शनि	शनि
चंद्र		कर्क	04:04:48	चंद्र	शनि	शनि	केतु
मंगल		मिथु	07:33:10	बुध	राहु	राहु	बुध
बुध		कर्क	13:46:15	चंद्र	शनि	राहु	शनि
गुरु		तुला	25:58:27	शुक्र	गुरु	केतु	सूर्य
शुक्र		कर्क	22:39:28	चंद्र	बुध	चंद्र	गुरु
शनि		कर्क	20:34:10	चंद्र	बुध	शुक्र	गुरु
राहु	व	वृष	05:50:21	शुक्र	सूर्य	बुध	सूर्य
केतु	व	वृश्चि	05:50:21	मंगल	शनि	बुध	शुक्र
हर्ष		मिथु	02:09:00	बुध	मंगल	केतु	चंद्र
नेप		कन्या	15:48:14	बुध	चंद्र	शनि	शनि
प्लूटो		कर्क	20:12:17	चंद्र	बुध	शुक्र	राहु

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	वृष	07:51:24	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शुक्र
2	मिथु	03:27:28	बुध	मंगल	शुक्र	मंगल
3	मिथु	26:39:24	बुध	गुरु	शुक्र	शुक्र
4	कर्क	21:33:23	चंद्र	बुध	सूर्य	सूर्य
5	सिंह	21:42:59	सूर्य	शुक्र	गुरु	राहु
6	कन्या	28:48:02	बुध	मंगल	शनि	शुक्र
7	वृश्चि	07:51:24	मंगल	शनि	केतु	गुरु
8	धनु	03:27:28	गुरु	केतु	सूर्य	बुध
9	धनु	26:39:24	गुरु	शुक्र	केतु	बुध
10	मक	21:33:23	शनि	चंद्र	शुक्र	राहु
11	कुंभ	21:42:59	शनि	गुरु	गुरु	राहु
12	मीन	28:48:02	गुरु	बुध	शनि	शुक्र

के.पी. अयनांश : 23:01:31

फॉरच्युना : मेष 13:51:04

लग्न कुंडली

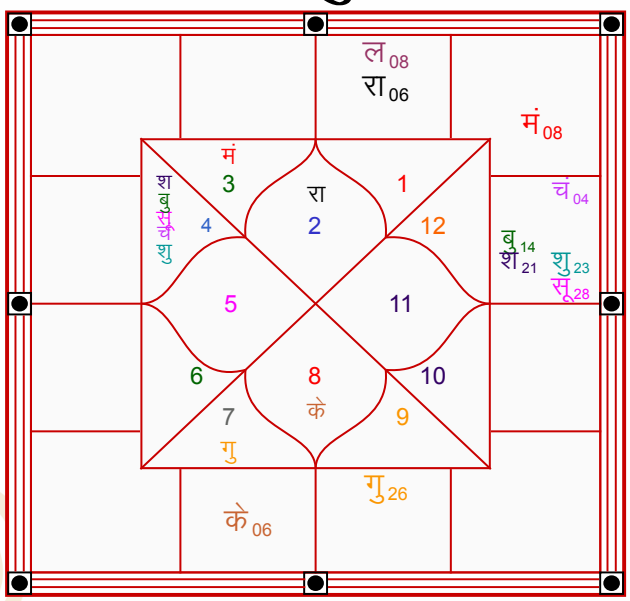

भाव कुंडली

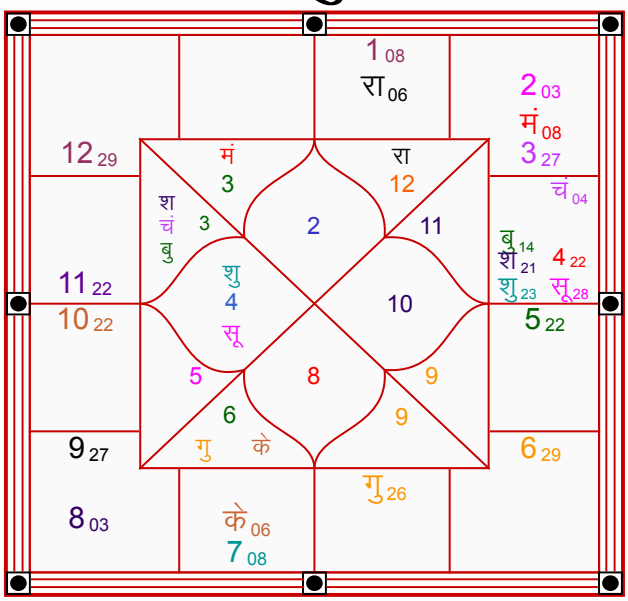

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	शुक्र–
2	सूर्य– मंगल, बुध– शुक्र– शनि–
3	सूर्य+ चंद्र+ बुध+ शुक्र+ शनि+ केतु,
4	सूर्य, चंद्र– शुक्र, राहु,
5	सूर्य– राहु–
6	सूर्य– बुध– गुरु+ शुक्र– शनि– केतु,
7	मंगल–
8	गुरु,
9	गुरु,
10	चंद्र– बुध– शनि– केतु–
11	चंद्र– बुध– शनि– केतु–
12	मंगल, गुरु, राहु,

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2- 3+ 4, 5- 6-
चंद्र	3+ 4- 10- 11-
मंगल	2, 7- 12,
बुध	2- 3+ 6- 10- 11-
गुरु	6+ 8, 9, 12,
शुक्र	1- 2- 3+ 4, 6-
शनि	2- 3+ 6- 10- 11-
राहु	4, 5- 12,
केतु	3, 6, 10- 11-

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	सूर्य
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
राशि नक्षत्र स्वामी	शनि
राशि स्वामी	चन्द्र
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	शुक्र
राशि अन्तर स्वामी	शनि

कारकत्व–सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	--	--	शु
2	--	मं	सू शु श	बु
3	सू चं बु शु श के	चं बु श	सू शु श	बु
4	रा	सू शु	--	चं
5	--	--	रा	सू
6	गु	गु के	सू शु श	बु
7	--	--	--	मं
8	--	--	गु	गु
9	--	--	गु	गु
10	--	--	चं बु के	श
11	--	--	चं बु के	श
12	मं	रा	गु	गु

ग्रह कारक सारिणी–1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	5	1	कर्क	4
चंद्र	4	10	कर्क	3
मंगल	7	2,6	मिथुन	2
बुध	2,3,6	4,12	कर्क	3
गुरु	8,9,12	3,11	तुला	6
शुक्र	1	5,9	कर्क	4
शनि	10,11	7	कर्क	3
राहु	---	---	वृष	12
केतु	---	8	वृश्चिक	6

ग्रह कारक सारिणी–2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	2,3,6	4,12	3	10,11	7	3
चंद्र	10,11	7	3	10,11	7	3
मंगल	---	---	12	---	---	12
बुध	10,11	7	3	---	---	12
गुरु	8,9,12	3,11	6	---	8	6
शुक्र	2,3,6	4,12	3	4	10	3
शनि	2,3,6	4,12	3	1	5,9	4
राहु	5	1	4	2,3,6	4,12	3
केतु	10,11	7	3	2,3,6	4,12	3

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

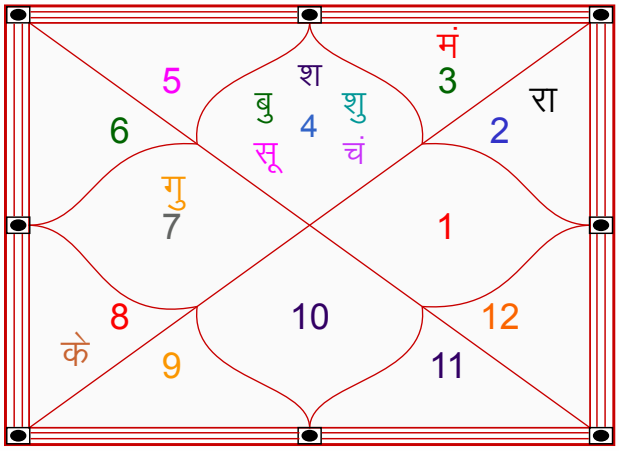

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

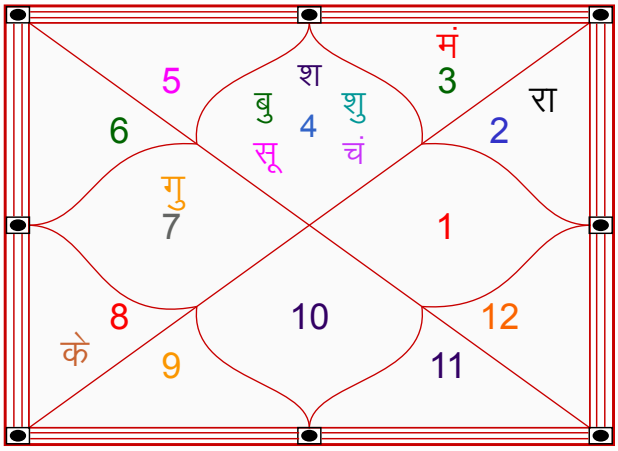

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

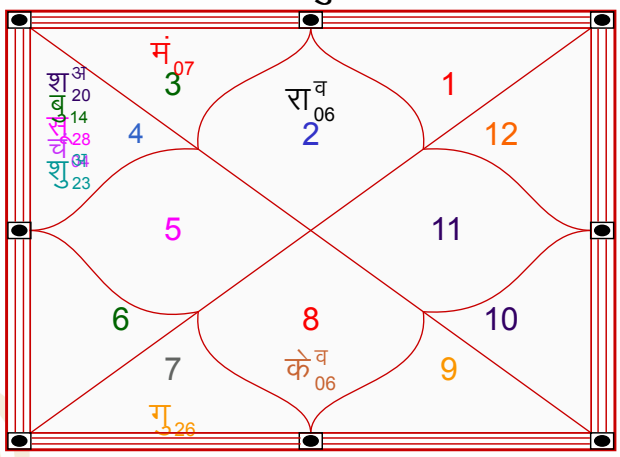

देह विचारः

होरा कुंडली

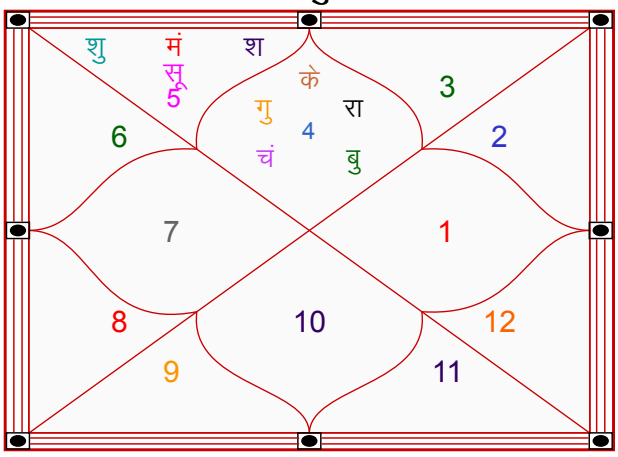

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

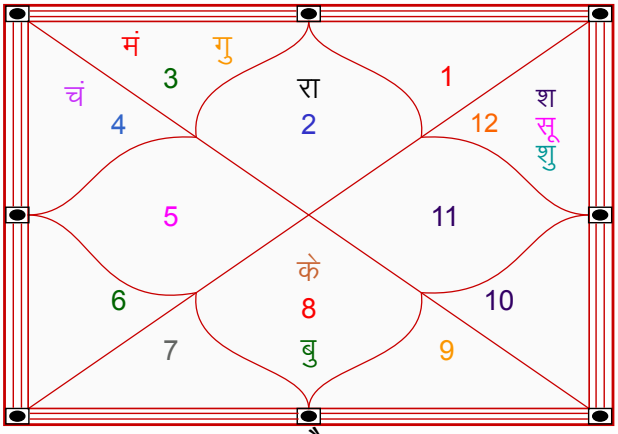

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

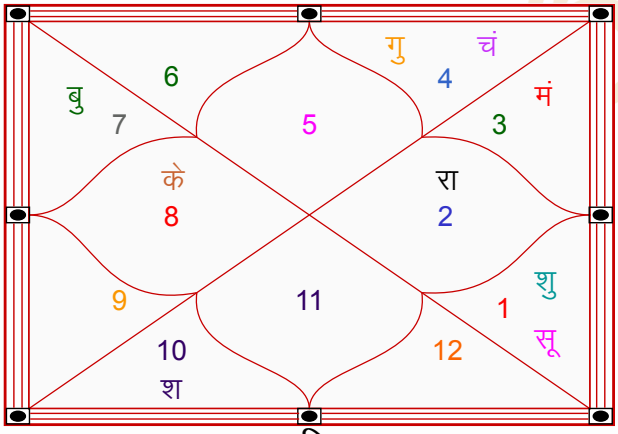

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

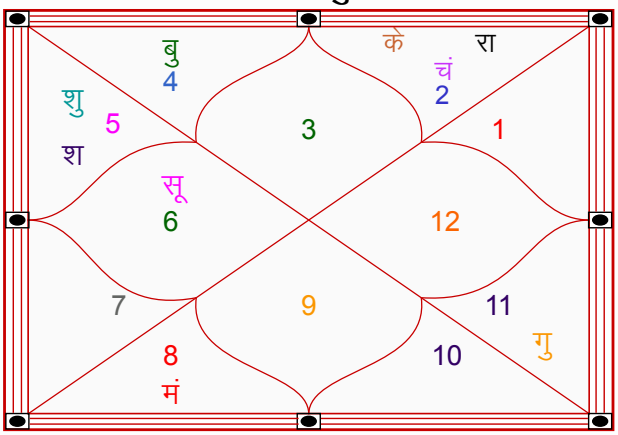

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

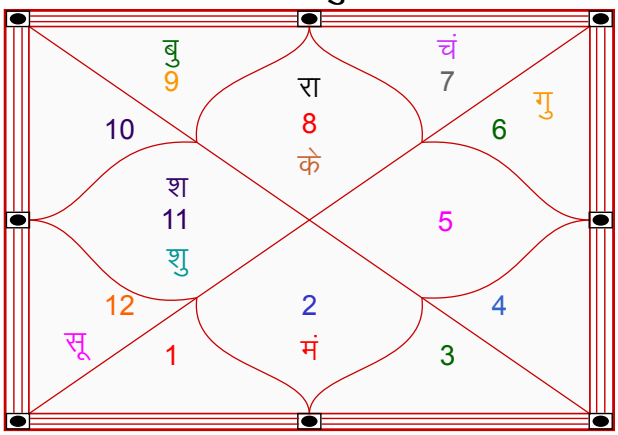

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

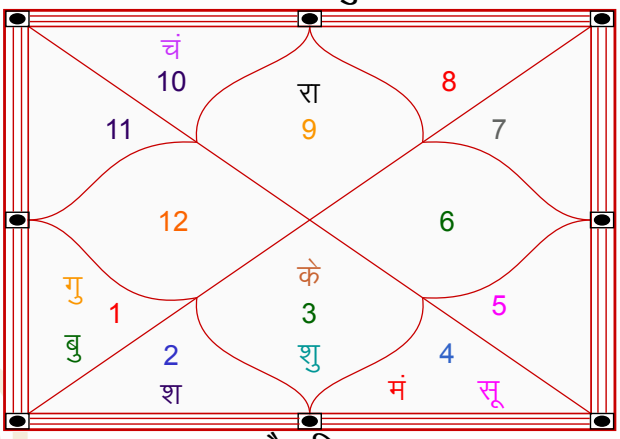

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

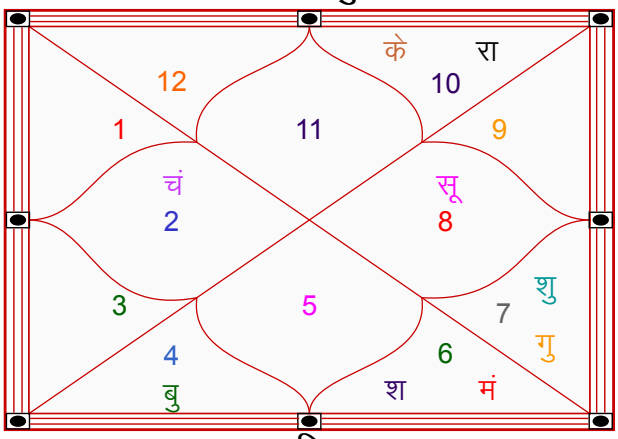

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

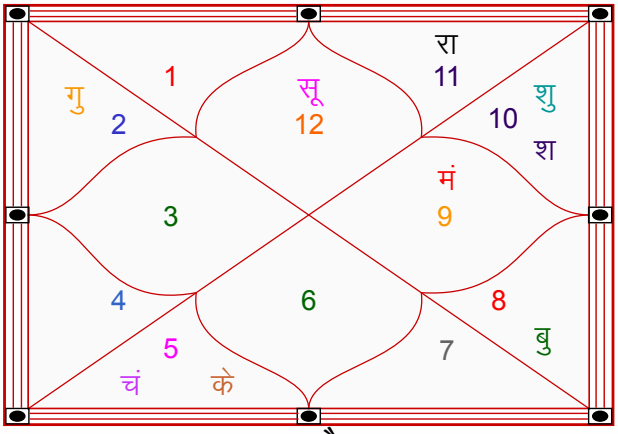

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

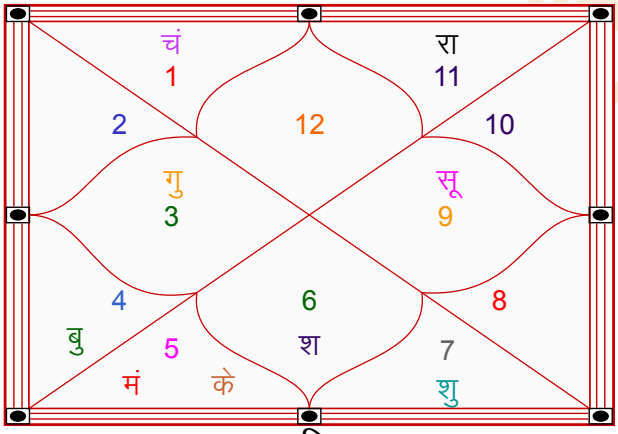

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

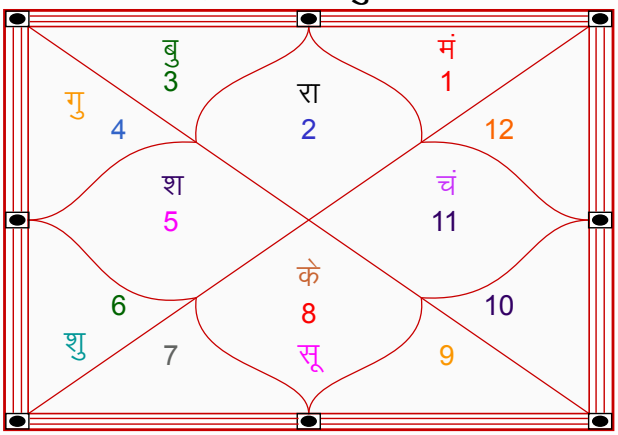

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

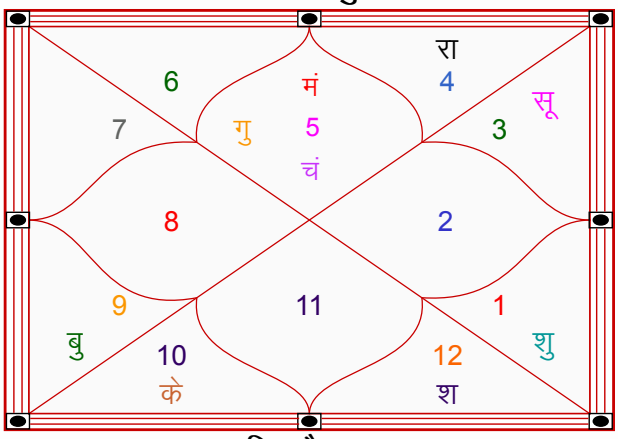

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

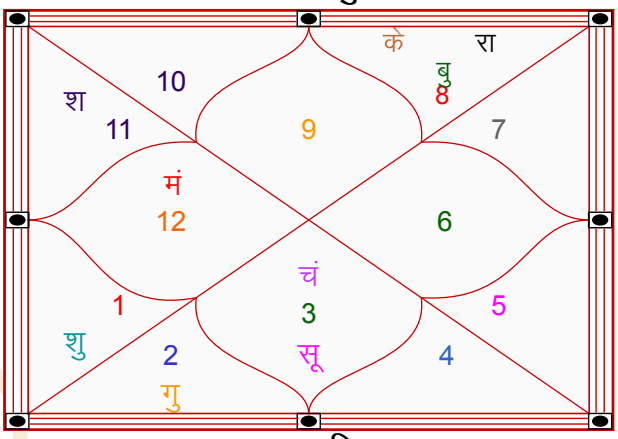

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

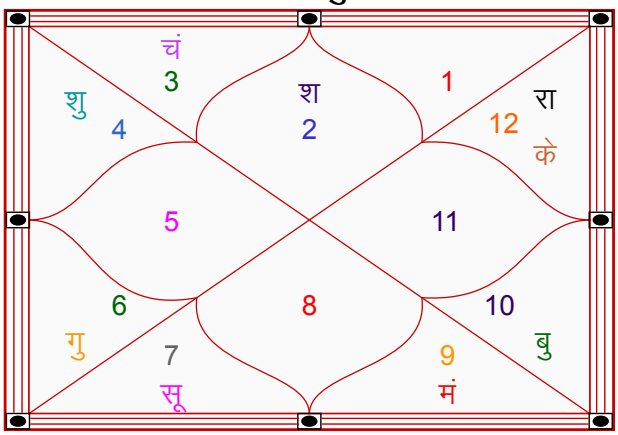

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

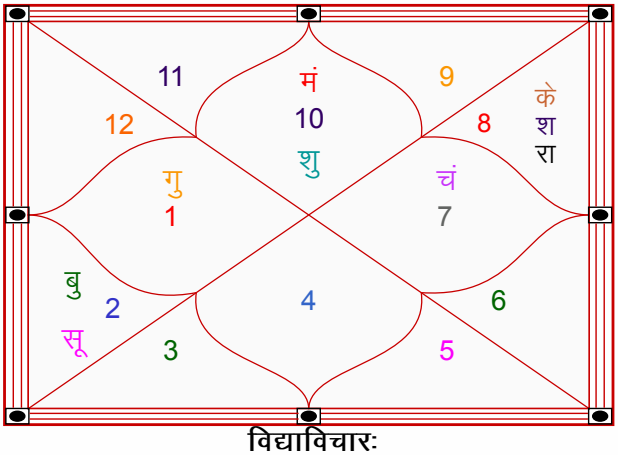

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

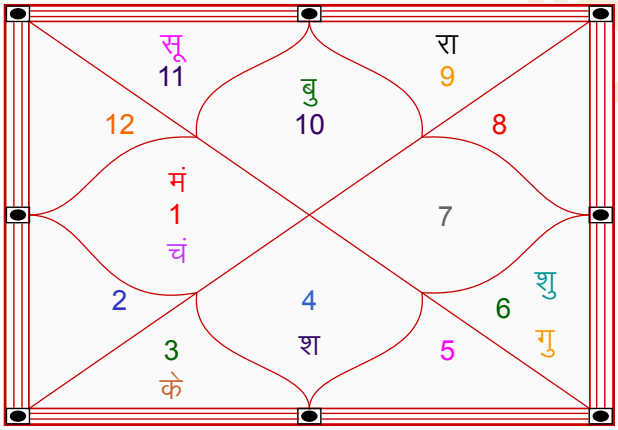

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

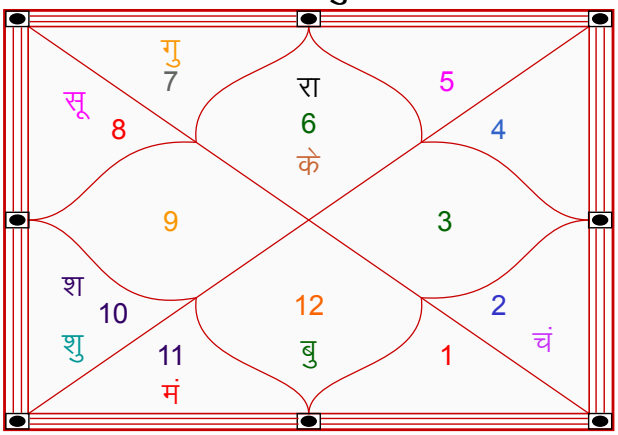

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

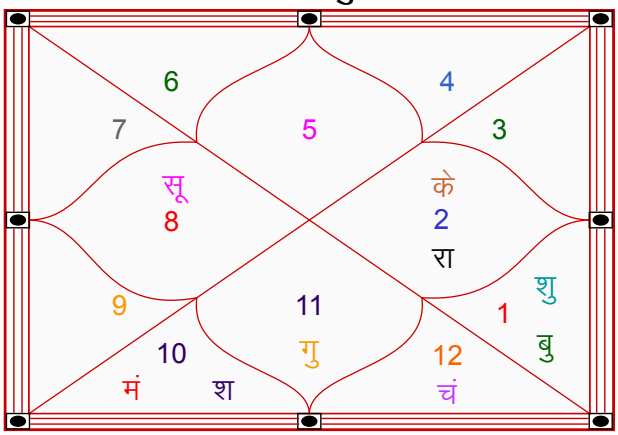

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

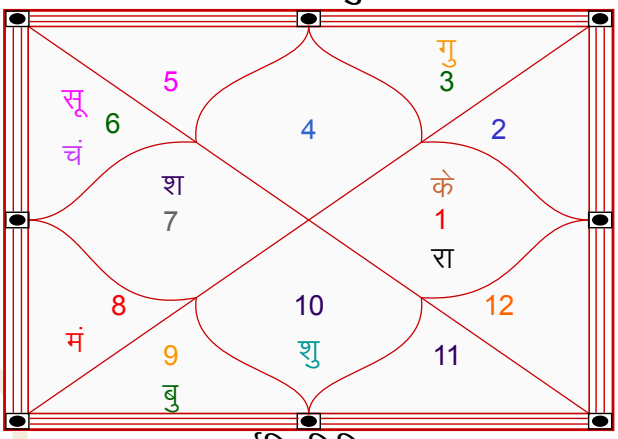

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

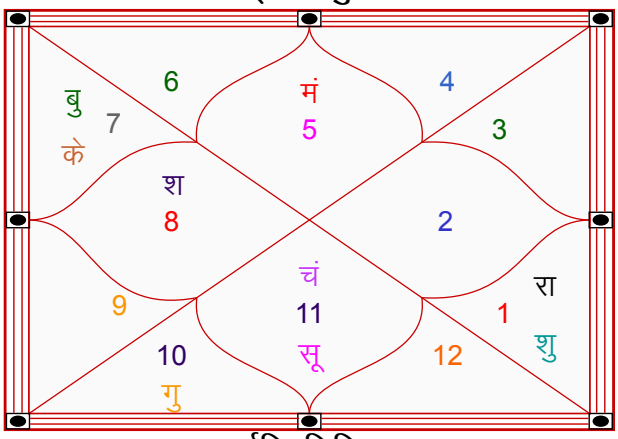

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	वृष	कर्क	कर्क	मिथु	कर्क	तुला	कर्क	कर्क	वृष	वृश्चि
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	वृष	मीन	कर्क	मिथु	वृश्चि	मिथु	मीन	मीन	वृष	वृश्चि
चतुर्थांश	सिंह	मेष	कर्क	मिथु	तुला	कर्क	मेष	मक	वृष	वृश्चि
सप्तमांश	धनु	कर्क	मक	कर्क	मेष	मेष	मिथु	वृष	धनु	मिथु
नवमांश	मीन	मीन	सिंह	धनु	वृश्चि	वृष	मक	मक	कुंभ	सिंह
दशमांश	मीन	धनु	मेष	सिंह	कर्क	मिथु	तुला	कन्या	कुंभ	सिंह
द्वादशांश	सिंह	मिथु	सिंह	सिंह	धनु	सिंह	मेष	मीन	कर्क	मक
षोडशांश	धनु	मिथु	मिथु	मीन	वृश्चि	वृष	मेष	कुंभ	वृश्चि	वृश्चि
विंशांश	वृष	तुला	मिथु	धनु	मक	कन्या	कर्क	वृष	मीन	मीन
चतुर्विंशांश	मक	वृष	तुला	मक	वृष	मेष	मक	वृश्चि	वृश्चि	वृश्चि
सप्तविंशांश	मक	कुंभ	मेष	मेष	मक	कन्या	कन्या	कर्क	धनु	मिथु
त्रिंशांश	कन्या	वृश्चि	वृष	कुंभ	मीन	तुला	मक	मक	कन्या	कन्या
खवेदांश	सिंह	वृश्चि	मीन	मक	मेष	कुंभ	मेष	मक	वृष	वृष
अक्षवेदांश	कर्क	कन्या	कन्या	वृश्चि	धनु	मिथु	मक	तुला	मेष	मेष
षष्ट्यंश	सिंह	कुंभ	कुंभ	सिंह	तुला	मक	मेष	वृश्चि	मेष	तुला

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 –––	1 –––	1 –––	2 भेदक
चन्द्र	4 चामर	4 चामर	4 गोपुर	5 कन्दुक
मंगल	0 –––	0 –––	0 –––	4 नागपुष्प
बुध	0 –––	0 –––	0 –––	0 –––
गुरु	1 –––	1 –––	1 –––	2 भेदक
शुक्र	1 –––	1 –––	2 पारिजात	2 भेदक
शनि	2 किंसुक	2 किंसुक	3 उत्तम	6 केरल
राहु	1 –––	1 –––	1 –––	1 –––
केतु	0 –––	0 –––	0 –––	1 –––

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	14.70	15.85	11.85	11.00	11.60	9.50	12.50	16.25	7.60
सप्तवर्ग	14.10	14.48	12.85	11.50	11.60	9.50	12.25	14.88	7.35
दशवर्ग	11.45	12.18	14.78	10.75	12.45	12.00	11.88	13.15	8.05
षोडशवर्ग	11.28	12.48	13.60	10.85	11.93	11.13	12.63	13.63	8.58

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	–––	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	–––	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	–––	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	–––	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	–––	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	–––	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	–––	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	–––

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
चंद्र	शत्रु	–––	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	–––	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	शत्रु	मित्र	–––	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	–––	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	–––	शत्रु	मित्र	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	–––	मित्र	शत्रु
राहु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	–––	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	–––

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	–––	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु
चंद्र	सम	–––	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	अधिशत्रु
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	–––	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	सम
बुध	सम	अधिशत्रु	मित्र	–––	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	अतिमित्र	अतिमित्र	सम	सम	–––	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
शुक्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	सम	मित्र	–––	सम	अतिमित्र	सम
शनि	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	सम	मित्र	सम	–––	अतिमित्र	अधिशत्रु
राहु	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	अतिमित्र	–––	अधिशत्रु
केतु	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	–––

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	24.0	39.7	16.8	39.6	23.0	21.5	30.2
सप्तवर्गज बल	116.3	112.5	105.0	78.8	82.5	56.3	101.3
ओजयुग्मक बल	0.0	15.0	30.0	0.0	15.0	30.0	0.0
केन्द्र बल	15.0	15.0	30.0	15.0	15.0	15.0	15.0
द्रेष्काण बल	0.0	0.0	15.0	15.0	0.0	15.0	0.0
कुल स्थान बल	155.3	182.2	196.8	148.3	135.5	137.7	146.4
कुल दिग्बल	2.2	54.2	14.7	38.0	4.0	59.6	24.2
नतोन्नत बल	2.2	57.8	57.8	60.0	2.2	2.2	57.8
पक्ष बल	52.0	104.0	52.0	52.0	8.0	8.0	52.0
त्रिभाग बल	0.0	0.0	0.0	0.0	60.0	60.0	0.0
अब्द बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	15.0	0.0
मास बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	30.0	0.0
वार बल	0.0	0.0	0.0	0.0	45.0	0.0	0.0
होरा बल	0.0	0.0	0.0	60.0	0.0	0.0	0.0
अयन बल	97.7	3.3	60.0	54.0	7.4	51.0	8.3
युद्ध बल	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
कुल कालबल	151.8	165.1	169.8	226.0	122.5	166.1	118.1
कुल चेष्टाबल	0.0	0.0	24.6	15.3	31.4	2.7	4.2
कुल नैसर्गिक बल	60.0	51.4	17.1	25.7	34.3	42.9	8.6
कुल दृग्बल	0.9	14.0	9.8	12.0	-31.6	9.8	10.3
कुल षट्बल	370.2	466.9	432.9	465.4	296.2	418.8	311.8
रूप षट्बल	6.2	7.8	7.2	7.8	4.9	7.0	5.2
न्यूनतम आवश्यकता	5.0	6.0	5.0	7.0	6.5	5.5	5.0
अनुपात	1.2	1.3	1.4	1.1	0.8	1.3	1.0
संबंधित पद	4	2	1	5	7	3	6

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	32.11	17.82	20.36	24.61	26.92	7.65	11.22
कष्ट फल	24.76	32.51	39.08	30.22	32.49	46.97	40.82

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	418.8	465.4	465.4	466.9	370.2	418.8	432.9	296.2	296.2	311.8	311.8	432.9
भावदिग्बल	30.0	50.0	40.0	60.0	10.0	10.0	60.0	10.0	50.0	0.0	40.0	40.0
भावदृष्टि बल	43.5	41.8	59.5	45.5	-5.1	-5.7	16.5	-4.2	17.1	58.5	72.8	22.3
कुल भाव बल	492.3	557.1	564.9	572.4	375.0	423.1	509.4	302.0	363.3	370.3	424.6	495.2
रूप भाव बल	8.2	9.3	9.4	9.5	6.3	7.1	8.5	5.0	6.1	6.2	7.1	8.3
संबंधित पद	6.0	3.0	2.0	1.0	9.0	8.0	4.0	12.0	11.0	10.0	7.0	5.0

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	वृष	07:45:37	––	––	कृतिका	4	3
गुलिक	गु	मिथु	05:41:38	––	––	मृगशिरा	4	5
काल	का	मिथु	23:31:16	––	––	पुनर्वसु	2	7
मृत्यु	मृ	कुंभ	27:50:23	––	––	पू०भाद्रपद	3	25
यमघंटक	यम	मेष	23:15:49	––	––	भरणी	3	2
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मीन	26:54:42	––	––	रेवती	4	27
धूम	धू	धनु	11:19:21	––	––	मूल	4	19
व्यतिपात	व्य	कर्क	18:40:39	––	––	आश्लेषा	1	9
परिवेश	परि	मक	18:40:39	––	––	श्रवण	3	22
इन्द्रचाप	इ	मिथु	11:19:21	नीच	––	आर्द्रा	2	6
उपकेतु	उप	मिथु	27:59:21	––	––	पुनर्वसु	3	7
मांदी	मांदी	मिथु	21:23:28	––	––	पुनर्वसु	1	7

प्राणपद	:	कन्या	21:58:57	कारकाँश लग्न	:	मीन	11:54:06
भाव लग्न	:	कुंभ	10:27:35	होरा लग्न	:	वृश्चि	13:09:34
घटी लग्न	:	वृष	11:29:15	वर्णद लग्न	:	धनु	20:55:11

उपग्रह कुंडली

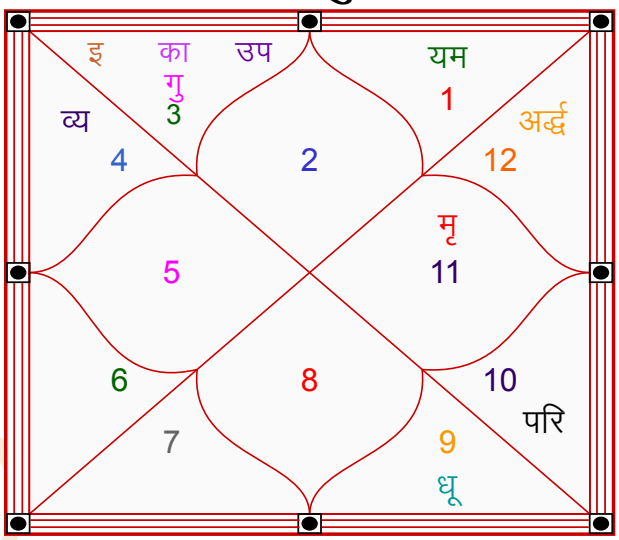

आरूढ़ कुंडली

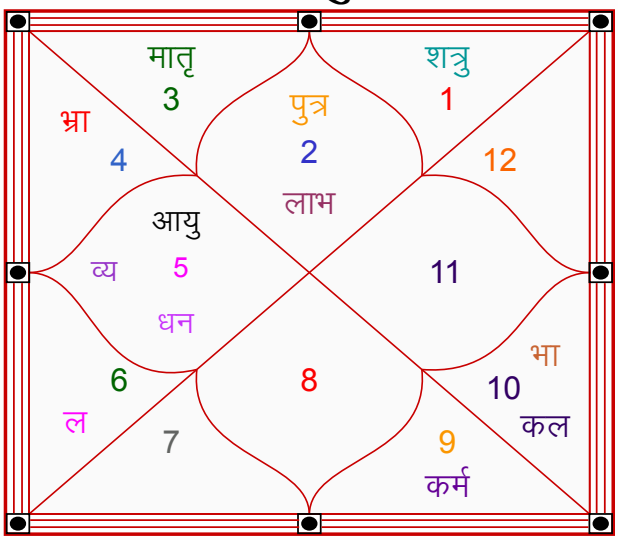

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	4
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	6
कुल	**4**	**4**	**3**	**3**	**1**	**4**	**4**	**5**	**6**	**6**	**4**	**4**	**48**

चंद्र का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
मंगल	1	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	6
सूर्य	0	0	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	6
शुक्र	0	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	7
बुध	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	4
कुल	**5**	**2**	**5**	**5**	**5**	**3**	**5**	**3**	**4**	**6**	**6**	**0**	**49**

मंगल का अष्टकवर्ग

	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	7
गुरु	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	5
शुक्र	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	4
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
चंद्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	5
कुल	**2**	**4**	**1**	**5**	**2**	**2**	**5**	**2**	**3**	**4**	**3**	**6**	**39**

बुध का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	6
लग्न	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	7
कुल	**4**	**5**	**4**	**4**	**3**	**5**	**2**	**5**	**7**	**4**	**7**	**4**	**54**

गुरु का अष्टकवर्ग

	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	कुल
शनि	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	9
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
बुध	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	9
कुल	**4**	**6**	**5**	**5**	**2**	**6**	**5**	**6**	**3**	**4**	**6**	**4**	**56**

शुक्र का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	7
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	1	0	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चंद्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	9
लग्न	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	8
कुल	**4**	**5**	**6**	**3**	**5**	**2**	**1**	**6**	**5**	**3**	**8**	**4**	**52**

शनि का अष्टकवर्ग

	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	6
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
शुक्र	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	3
बुध	0	0	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	6
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	3
लग्न	1	1	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	6
कुल	**2**	**4**	**3**	**3**	**2**	**4**	**1**	**4**	**4**	**3**	**7**	**2**	**39**

लग्न का अष्टकवर्ग

	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	कुल
शनि	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
गुरु	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
मंगल	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
सूर्य	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	6
शुक्र	0	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	7
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	7
चंद्र	1	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	**4**	**4**	**5**	**4**	**4**	**6**	**3**	**4**	**1**	**4**	**4**	**6**	**49**

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	3	7	2	2	4	3	3	2	4	1	4	4	39
गुरु	5	6	3	4	6	4	4	6	5	5	2	6	56
मंगल	3	6	2	4	1	5	2	2	5	2	3	4	39
सूर्य	6	4	4	4	4	3	3	1	4	4	5	6	48
शुक्र	3	8	4	4	5	6	3	5	2	1	6	5	52
बुध	4	7	4	4	5	4	4	3	5	2	5	7	54
चंद्र	6	6	0	5	2	5	5	5	3	5	3	4	49
बिन्दु	30	44	19	27	27	30	24	24	28	20	28	36	337
रेखा	26	12	37	29	29	26	32	32	28	36	28	20	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	6	0	0	1	2	1	0	1	0	2	2	15
गुरु	0	2	1	0	1	0	2	2	0	1	0	2	11
मंगल	2	4	0	2	0	3	0	0	4	0	1	2	18
सूर्य	2	1	1	3	0	0	0	0	0	1	2	5	15
शुक्र	1	7	1	0	3	5	0	1	0	0	3	1	22
बुध	0	5	0	1	1	2	0	0	1	0	1	4	15
चंद्र	4	1	0	1	0	0	5	1	1	0	3	0	16
रेखा	9	26	3	7	6	12	8	4	7	2	12	16	112

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	5	0	0	1	2	1	0	1	0	2	1	13
गुरु	0	0	1	0	1	0	2	2	0	1	0	2	9
मंगल	2	4	0	2	0	3	0	0	2	0	1	2	16
सूर्य	2	1	1	3	0	0	0	0	0	1	1	5	14
शुक्र	0	7	1	0	3	4	0	0	0	0	3	1	19
बुध	0	5	0	1	1	2	0	0	1	0	1	3	14
चंद्र	3	0	0	1	0	0	5	1	1	0	3	0	14
रेखा	7	22	3	7	6	11	8	3	5	2	11	14	99

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	120	110	130	130	77	173	120
ग्रह पिंड	89	77	54	27	28	8	10
शोध्य पिंड	209	187	184	157	105	181	130

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 0 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/08/1947		10/09/1965		10/09/1982		10/09/1989		10/09/2009	
10/09/1965		10/09/1982		10/09/1989		10/09/2009		10/09/2015	
शनि	13/09/1949	बुध	06/02/1968	केतु	06/02/1983	शुक्र	09/01/1993	सूर्य	28/12/2009
बुध	23/05/1952	केतु	03/02/1969	शुक्र	07/04/1984	सूर्य	10/01/1994	चंद्र	29/06/2010
केतु	02/07/1953	शुक्र	05/12/1971	सूर्य	13/08/1984	चंद्र	10/09/1995	मंगल	04/11/2010
शुक्र	31/08/1956	सूर्य	10/10/1972	चंद्र	14/03/1985	मंगल	09/11/1996	राहु	29/09/2011
सूर्य	13/08/1957	चंद्र	11/03/1974	मंगल	10/08/1985	राहु	10/11/1999	गुरु	17/07/2012
चंद्र	15/03/1959	मंगल	09/03/1975	राहु	29/08/1986	गुरु	11/07/2002	शनि	29/06/2013
मंगल	23/04/1960	राहु	25/09/1977	गुरु	05/08/1987	शनि	10/09/2005	बुध	05/05/2014
राहु	28/02/1963	गुरु	01/01/1980	शनि	13/09/1988	बुध	11/07/2008	केतु	10/09/2014
गुरु	10/09/1965	शनि	10/09/1982	बुध	10/09/1989	केतु	10/09/2009	शुक्र	10/09/2015

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/09/2015		10/09/2025		10/09/2032		10/09/2050		10/09/2066	
10/09/2025		10/09/2032		10/09/2050		10/09/2066		00/00/0000	
चंद्र	11/07/2016	मंगल	06/02/2026	राहु	24/05/2035	गुरु	28/10/2052	शनि	15/08/2067
मंगल	09/02/2017	राहु	24/02/2027	गुरु	16/10/2037	शनि	12/05/2055		00/00/0000
राहु	11/08/2018	गुरु	31/01/2028	शनि	22/08/2040	बुध	16/08/2057		00/00/0000
गुरु	11/12/2019	शनि	11/03/2029	बुध	12/03/2043	केतु	23/07/2058		00/00/0000
शनि	11/07/2021	बुध	08/03/2030	केतु	29/03/2044	शुक्र	23/03/2061		00/00/0000
बुध	10/12/2022	केतु	05/08/2030	शुक्र	30/03/2047	सूर्य	10/01/2062		00/00/0000
केतु	11/07/2023	शुक्र	05/10/2031	सूर्य	22/02/2048	चंद्र	12/05/2063		00/00/0000
शुक्र	11/03/2025	सूर्य	09/02/2032	चंद्र	23/08/2049	मंगल	16/04/2064		00/00/0000
सूर्य	10/09/2025	चंद्र	10/09/2032	मंगल	10/09/2050	राहु	10/09/2066		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 0 मा 26 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र	
11/07/2023	
11/03/2025	
शुक्र	21/10/2023
सूर्य	20/11/2023
चंद्र	10/01/2024
मंगल	15/02/2024
राहु	16/05/2024
गुरु	05/08/2024
शनि	09/11/2024
बुध	04/02/2025
केतु	11/03/2025

चंद्र - सूर्य	
11/03/2025	
10/09/2025	
सूर्य	20/03/2025
चंद्र	05/04/2025
मंगल	15/04/2025
राहु	13/05/2025
गुरु	06/06/2025
शनि	05/07/2025
बुध	31/07/2025
केतु	10/08/2025
शुक्र	10/09/2025

मंगल - मंगल	
10/09/2025	
06/02/2026	
मंगल	19/09/2025
राहु	11/10/2025
गुरु	31/10/2025
शनि	23/11/2025
बुध	15/12/2025
केतु	23/12/2025
शुक्र	17/01/2026
सूर्य	25/01/2026
चंद्र	06/02/2026

मंगल - राहु	
06/02/2026	
24/02/2027	
राहु	04/04/2026
गुरु	26/05/2026
शनि	25/07/2026
बुध	18/09/2026
केतु	10/10/2026
शुक्र	13/12/2026
सूर्य	01/01/2027
चंद्र	02/02/2027
मंगल	24/02/2027

मंगल - गुरु	
24/02/2027	
31/01/2028	
गुरु	11/04/2027
शनि	04/06/2027
बुध	22/07/2027
केतु	11/08/2027
शुक्र	07/10/2027
सूर्य	24/10/2027
चंद्र	21/11/2027
मंगल	11/12/2027
राहु	31/01/2028

मंगल - शनि	
31/01/2028	
11/03/2029	
शनि	04/04/2028
बुध	01/06/2028
केतु	24/06/2028
शुक्र	31/08/2028
सूर्य	20/09/2028
चंद्र	24/10/2028
मंगल	16/11/2028
राहु	16/01/2029
गुरु	11/03/2029

मंगल - बुध	
11/03/2029	
08/03/2030	
बुध	01/05/2029
केतु	23/05/2029
शुक्र	22/07/2029
सूर्य	09/08/2029
चंद्र	08/09/2029
मंगल	29/09/2029
राहु	23/11/2029
गुरु	10/01/2030
शनि	08/03/2030

मंगल - केतु	
08/03/2030	
05/08/2030	
केतु	17/03/2030
शुक्र	11/04/2030
सूर्य	18/04/2030
चंद्र	01/05/2030
मंगल	10/05/2030
राहु	01/06/2030
गुरु	21/06/2030
शनि	14/07/2030
बुध	05/08/2030

मंगल - शुक्र	
05/08/2030	
05/10/2031	
शुक्र	15/10/2030
सूर्य	05/11/2030
चंद्र	10/12/2030
मंगल	04/01/2031
राहु	09/03/2031
गुरु	05/05/2031
शनि	11/07/2031
बुध	10/09/2031
केतु	05/10/2031

मंगल - सूर्य	
05/10/2031	
09/02/2032	
सूर्य	11/10/2031
चंद्र	22/10/2031
मंगल	29/10/2031
राहु	17/11/2031
गुरु	04/12/2031
शनि	25/12/2031
बुध	12/01/2032
केतु	19/01/2032
शुक्र	09/02/2032

मंगल - चंद्र	
09/02/2032	
10/09/2032	
चंद्र	27/02/2032
मंगल	11/03/2032
राहु	12/04/2032
गुरु	10/05/2032
शनि	13/06/2032
बुध	13/07/2032
केतु	25/07/2032
शुक्र	30/08/2032
सूर्य	10/09/2032

राहु - राहु	
10/09/2032	
24/05/2035	
राहु	04/02/2033
गुरु	16/06/2033
शनि	19/11/2033
बुध	08/04/2034
केतु	04/06/2034
शुक्र	16/11/2034
सूर्य	04/01/2035
चंद्र	27/03/2035
मंगल	24/05/2035

राहु - गुरु	
24/05/2035	
16/10/2037	
गुरु	18/09/2035
शनि	03/02/2036
बुध	07/06/2036
केतु	28/07/2036
शुक्र	21/12/2036
सूर्य	03/02/2037
चंद्र	17/04/2037
मंगल	07/06/2037
राहु	16/10/2037

राहु - शनि	
16/10/2037	
22/08/2040	
शनि	30/03/2038
बुध	25/08/2038
केतु	24/10/2038
शुक्र	16/04/2039
सूर्य	07/06/2039
चंद्र	02/09/2039
मंगल	01/11/2039
राहु	06/04/2040
गुरु	22/08/2040

राहु - बुध	
22/08/2040	
12/03/2043	
बुध	01/01/2041
केतु	25/02/2041
शुक्र	30/07/2041
सूर्य	14/09/2041
चंद्र	01/12/2041
मंगल	24/01/2042
राहु	13/06/2042
गुरु	15/10/2042
शनि	12/03/2043

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
12/03/2043		29/03/2044		30/03/2047		22/02/2048		23/08/2049	
29/03/2044		30/03/2047		22/02/2048		23/08/2049		10/09/2050	
केतु	03/04/2043	शुक्र	28/09/2044	सूर्य	15/04/2047	चंद्र	07/04/2048	मंगल	14/09/2049
शुक्र	06/06/2043	सूर्य	22/11/2044	चंद्र	13/05/2047	मंगल	09/05/2048	राहु	10/11/2049
सूर्य	25/06/2043	चंद्र	21/02/2045	मंगल	01/06/2047	राहु	30/07/2048	गुरु	01/01/2050
चंद्र	27/07/2043	मंगल	26/04/2045	राहु	20/07/2047	गुरु	12/10/2048	शनि	02/03/2050
मंगल	18/08/2043	राहु	07/10/2045	गुरु	02/09/2047	शनि	06/01/2049	बुध	26/04/2050
राहु	15/10/2043	गुरु	02/03/2046	शनि	24/10/2047	बुध	25/03/2049	केतु	18/05/2050
गुरु	05/12/2043	शनि	23/08/2046	बुध	10/12/2047	केतु	26/04/2049	शुक्र	21/07/2050
शनि	04/02/2044	बुध	25/01/2047	केतु	29/12/2047	शुक्र	26/07/2049	सूर्य	09/08/2050
बुध	29/03/2044	केतु	30/03/2047	शुक्र	22/02/2048	सूर्य	23/08/2049	चंद्र	10/09/2050

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
10/09/2050		28/10/2052		12/05/2055		16/08/2057		23/07/2058	
28/10/2052		12/05/2055		16/08/2057		23/07/2058		23/03/2061	
गुरु	23/12/2050	शनि	24/03/2053	बुध	06/09/2055	केतु	05/09/2057	शुक्र	02/01/2059
शनि	25/04/2051	बुध	02/08/2053	केतु	24/10/2055	शुक्र	01/11/2057	सूर्य	19/02/2059
बुध	14/08/2051	केतु	25/09/2053	शुक्र	10/03/2056	सूर्य	18/11/2057	चंद्र	12/05/2059
केतु	28/09/2051	शुक्र	26/02/2054	सूर्य	21/04/2056	चंद्र	17/12/2057	मंगल	07/07/2059
शुक्र	05/02/2052	सूर्य	13/04/2054	चंद्र	29/06/2056	मंगल	06/01/2058	राहु	30/11/2059
सूर्य	15/03/2052	चंद्र	29/06/2054	मंगल	16/08/2056	राहु	26/02/2058	गुरु	08/04/2060
चंद्र	19/05/2052	मंगल	22/08/2054	राहु	18/12/2056	गुरु	12/04/2058	शनि	10/09/2060
मंगल	03/07/2052	राहु	08/01/2055	गुरु	07/04/2057	शनि	05/06/2058	बुध	26/01/2061
राहु	28/10/2052	गुरु	12/05/2055	शनि	16/08/2057	बुध	23/07/2058	केतु	23/03/2061

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
23/03/2061		10/01/2062		12/05/2063		16/04/2064		10/09/2066	
10/01/2062		12/05/2063		16/04/2064		10/09/2066		00/00/0000	
सूर्य	07/04/2061	चंद्र	19/02/2062	मंगल	31/05/2063	राहु	26/08/2064	शनि	03/03/2067
चंद्र	01/05/2061	मंगल	20/03/2062	राहु	22/07/2063	गुरु	21/12/2064	बुध	06/08/2067
मंगल	18/05/2061	राहु	01/06/2062	गुरु	05/09/2063	शनि	09/05/2065	केतु	15/08/2067
राहु	01/07/2061	गुरु	05/08/2062	शनि	29/10/2063	बुध	10/09/2065		00/00/0000
गुरु	09/08/2061	शनि	21/10/2062	बुध	16/12/2063	केतु	31/10/2065		00/00/0000
शनि	24/09/2061	बुध	29/12/2062	केतु	05/01/2064	शुक्र	26/03/2066		00/00/0000
बुध	05/11/2061	केतु	26/01/2063	शुक्र	02/03/2064	सूर्य	09/05/2066		00/00/0000
केतु	22/11/2061	शुक्र	17/04/2063	सूर्य	19/03/2064	चंद्र	21/07/2066		00/00/0000
शुक्र	10/01/2062	सूर्य	12/05/2063	चंद्र	16/04/2064	मंगल	10/09/2066		00/00/0000

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 10 वर्ष 5 मास 17 दिन

सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष		गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष		केतु 15 वर्ष	
15/08/1947		30/01/1958		30/01/1970		31/01/1983		30/01/1997	
30/01/1958		30/01/1970		31/01/1983		30/01/1997		31/01/2012	
सूर्य	16/02/1948	मंगल	29/04/1959	गुरु	16/07/1971	शनि	09/10/1984	केतु	09/01/1999
मंगल	06/04/1949	गुरु	01/09/1960	शनि	09/02/1973	केतु	01/08/1986	चंद्र	02/02/2001
गुरु	30/06/1950	शनि	12/02/1962	केतु	16/10/1974	चंद्र	06/07/1988	बुध	16/04/2003
शनि	28/10/1951	केतु	02/09/1963	चंद्र	31/07/1976	बुध	26/07/1990	शुक्र	13/08/2005
केतु	31/03/1953	चंद्र	28/04/1965	बुध	27/06/1978	शुक्र	26/09/1992	सूर्य	15/01/2007
चंद्र	06/10/1954	बुध	31/01/1967	शुक्र	03/07/1980	सूर्य	24/01/1994	मंगल	04/08/2008
बुध	17/05/1956	शुक्र	11/12/1968	सूर्य	26/09/1981	मंगल	07/07/1995	गुरु	10/04/2010
शुक्र	30/01/1958	सूर्य	30/01/1970	मंगल	31/01/1983	गुरु	30/01/1997	शनि	31/01/2012

चंद्र 16 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष	
31/01/2012		31/01/2028		30/01/2045		31/01/2063	
31/01/2028		30/01/2045		31/01/2063		00/00/0000	
चंद्र	16/04/2014	बुध	29/07/2030	शुक्र	16/11/2047	सूर्य	15/08/2063
बुध	19/08/2016	शुक्र	18/03/2033	सूर्य	01/08/2049		00/00/0000
शुक्र	12/02/2019	सूर्य	28/10/2034	मंगल	12/06/2051		00/00/0000
सूर्य	19/08/2020	मंगल	31/07/2036	गुरु	18/06/2053		00/00/0000
मंगल	16/04/2022	गुरु	27/06/2038	शनि	20/08/2055		00/00/0000
गुरु	31/01/2024	शनि	16/07/2040	केतु	17/12/2057		00/00/0000
शनि	05/01/2026	केतु	27/09/2042	चंद्र	11/06/2060		00/00/0000
केतु	31/01/2028	चंद्र	30/01/2045	बुध	31/01/2063		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 0 मास 17 दिन

शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष	
15/08/1947		01/09/1959		01/01/1971		01/09/1975		31/12/1988	
01/09/1959		01/01/1971		01/09/1975		31/12/1988		31/12/1992	
शनि	02/01/1949	बुध	10/04/1961	केतु	10/04/1971	शुक्र	21/11/1977	सूर्य	14/03/1989
बुध	20/10/1950	केतु	07/12/1961	शुक्र	19/01/1972	सूर्य	23/07/1978	चंद्र	14/07/1989
केतु	17/07/1951	शुक्र	28/10/1963	सूर्य	14/04/1972	चंद्र	01/09/1979	मंगल	07/10/1989
शुक्र	26/08/1953	सूर्य	22/05/1964	चंद्र	03/09/1972	मंगल	11/06/1980	राहु	15/05/1990
सूर्य	14/04/1954	चंद्र	02/05/1965	मंगल	11/12/1972	राहु	12/06/1982	गुरु	25/11/1990
चंद्र	05/05/1955	मंगल	30/12/1965	राहु	24/08/1973	गुरु	22/03/1984	शनि	15/07/1991
मंगल	30/01/1956	राहु	12/09/1967	गुरु	08/04/1974	शनि	02/05/1986	बुध	07/02/1992
राहु	24/12/1957	गुरु	16/03/1969	शनि	03/01/1975	बुध	22/03/1988	केतु	02/05/1992
गुरु	01/09/1959	शनि	01/01/1971	बुध	01/09/1975	केतु	31/12/1988	शुक्र	31/12/1992

चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष	
31/12/1992		01/09/1999		02/05/2004		02/05/2016		01/01/2027	
01/09/1999		02/05/2004		02/05/2016		01/01/2027		00/00/0000	
चंद्र	22/07/1993	मंगल	10/12/1999	राहु	18/02/2006	गुरु	03/10/2017	शनि	15/08/2027
मंगल	11/12/1993	राहु	21/08/2000	गुरु	26/09/2007	शनि	12/06/2019		00/00/0000
राहु	12/12/1994	गुरु	06/04/2001	शनि	20/08/2009	बुध	15/12/2020		00/00/0000
गुरु	01/11/1995	शनि	01/01/2002	बुध	03/05/2011	केतु	30/07/2021		00/00/0000
शनि	21/11/1996	बुध	30/08/2002	केतु	13/01/2012	शुक्र	11/05/2023		00/00/0000
बुध	01/11/1997	केतु	08/12/2002	शुक्र	13/01/2014	सूर्य	22/11/2023		00/00/0000
केतु	23/03/1998	शुक्र	18/09/2003	सूर्य	20/08/2014	चंद्र	11/10/2024		00/00/0000
शुक्र	03/05/1999	सूर्य	12/12/2003	चंद्र	20/08/2015	मंगल	26/05/2025		00/00/0000
सूर्य	01/09/1999	चंद्र	02/05/2004	मंगल	02/05/2016	राहु	01/01/2027		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 10 मास 25 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष	
15/08/1947		09/07/1949		09/07/1964		09/07/1972		09/07/1989	
09/07/1949		09/07/1964		09/07/1972		09/07/1989		10/07/1999	
	00/00/0000	चंद्र	09/08/1951	मंगल	11/02/1965	बुध	14/03/1975	शनि	13/06/1990
	00/00/0000	मंगल	18/09/1952	बुध	17/05/1966	शनि	08/10/1976	गुरु	16/03/1992
	00/00/0000	बुध	29/01/1955	शनि	11/02/1967	गुरु	06/10/1979	राहु	26/04/1993
	00/00/0000	शनि	19/06/1956	गुरु	09/07/1968	राहु	26/08/1981	शुक्र	06/04/1995
	15/08/1947	गुरु	08/02/1959	राहु	30/05/1969	शुक्र	15/12/1984	सूर्य	26/10/1995
गुरु	09/09/1947	राहु	08/10/1960	शुक्र	19/12/1970	सूर्य	25/11/1985	चंद्र	16/03/1997
राहु	09/05/1948	शुक्र	09/09/1963	सूर्य	30/05/1971	चंद्र	05/04/1988	मंगल	12/12/1997
शुक्र	09/07/1949	सूर्य	09/07/1964	चंद्र	09/07/1972	मंगल	09/07/1989	बुध	10/07/1999

गुरु 19 वर्ष		राहु 12 वर्ष		शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/07/1999		10/07/2018		10/07/2030		10/07/2051	
10/07/2018		10/07/2030		10/07/2051		00/00/0000	
गुरु	12/11/2002	राहु	09/11/2019	शुक्र	09/08/2034	सूर्य	09/11/2051
राहु	22/12/2004	शुक्र	10/03/2022	सूर्य	09/10/2035	चंद्र	08/09/2052
शुक्र	01/09/2008	सूर्य	08/11/2022	चंद्र	08/09/2038	मंगल	17/02/2053
सूर्य	22/09/2009	चंद्र	09/07/2024	मंगल	30/03/2040	बुध	28/01/2054
चंद्र	13/05/2012	मंगल	30/05/2025	बुध	20/07/2043	शनि	19/08/2054
मंगल	09/10/2013	बुध	20/04/2027	शनि	29/06/2045	गुरु	15/08/2055
बुध	05/10/2016	शनि	30/05/2028	गुरु	10/03/2049		00/00/0000
शनि	10/07/2018	गुरु	10/07/2030	राहु	10/07/2051		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : धान्या 2 वर्ष 10 मास 7 दिन

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
15/08/1947		22/06/1950		22/06/1954		22/06/1959		22/06/1965	
22/06/1950		22/06/1954		22/06/1959		22/06/1965		21/06/1972	
धांय	21/09/1947	भ्राम	01/12/1950	भद्रि	02/03/1955	उल्क	21/06/1960	सिद्ध	01/11/1966
भ्राम	21/01/1948	भद्रि	22/06/1951	उल्क	01/01/1956	सिद्ध	21/08/1961	संक	22/05/1968
भद्रि	21/06/1948	उल्क	21/02/1952	सिद्ध	21/12/1956	संक	21/12/1962	मंग	01/08/1968
उल्क	21/12/1948	सिद्ध	01/12/1952	संक	31/01/1958	मंग	20/02/1963	पिंग	21/12/1968
सिद्ध	22/07/1949	संक	21/10/1953	मंग	22/03/1958	पिंग	22/06/1963	धांय	22/07/1969
संक	22/03/1950	मंग	01/12/1953	पिंग	02/07/1958	धांय	22/12/1963	भ्राम	02/05/1970
मंग	22/04/1950	पिंग	20/02/1954	धांय	01/12/1958	भ्राम	21/08/1964	भद्रि	22/04/1971
पिंग	22/06/1950	धांय	22/06/1954	भ्राम	22/06/1959	भद्रि	22/06/1965	उल्क	21/06/1972

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
21/06/1972		21/06/1980		22/06/1981		22/06/1983		22/06/1986	
21/06/1980		22/06/1981		22/06/1983		22/06/1986		22/06/1990	
संक	02/04/1974	मंग	01/07/1980	पिंग	01/08/1981	धांय	21/09/1983	भ्राम	01/12/1986
मंग	22/06/1974	पिंग	22/07/1980	धांय	01/10/1981	भ्राम	21/01/1984	भद्रि	22/06/1987
पिंग	01/12/1974	धांय	21/08/1980	भ्राम	21/12/1981	भद्रि	21/06/1984	उल्क	21/02/1988
धांय	02/08/1975	भ्राम	01/10/1980	भद्रि	02/04/1982	उल्क	21/12/1984	सिद्ध	01/12/1988
भ्राम	21/06/1976	भद्रि	20/11/1980	उल्क	01/08/1982	सिद्ध	22/07/1985	संक	21/10/1989
भद्रि	01/08/1977	उल्क	20/01/1981	सिद्ध	21/12/1982	संक	22/03/1986	मंग	01/12/1989
उल्क	01/12/1978	सिद्ध	01/04/1981	संक	02/06/1983	मंग	22/04/1986	पिंग	20/02/1990
सिद्ध	21/06/1980	संक	22/06/1981	मंग	22/06/1983	पिंग	22/06/1986	धांय	22/06/1990

नोट :– योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :–

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
22/06/1990		22/06/1995		22/06/2001		21/06/2008		21/06/2016	
22/06/1995		22/06/2001		21/06/2008		21/06/2016		22/06/2017	
भद्रि	02/03/1991	उल्क	21/06/1996	सिद्ध	01/11/2002	संक	02/04/2010	मंग	01/07/2016
उल्क	01/01/1992	सिद्ध	21/08/1997	संक	22/05/2004	मंग	22/06/2010	पिंग	22/07/2016
सिद्ध	21/12/1992	संक	21/12/1998	मंग	01/08/2004	पिंग	01/12/2010	धांय	21/08/2016
संक	31/01/1994	मंग	20/02/1999	पिंग	21/12/2004	धांय	02/08/2011	भ्राम	01/10/2016
मंग	22/03/1994	पिंग	22/06/1999	धांय	22/07/2005	भ्राम	21/06/2012	भद्रि	20/11/2016
पिंग	02/07/1994	धांय	22/12/1999	भ्राम	02/05/2006	भद्रि	01/08/2013	उल्क	20/01/2017
धांय	01/12/1994	भ्राम	21/08/2000	भद्रि	22/04/2007	उल्क	01/12/2014	सिद्ध	01/04/2017
भ्राम	22/06/1995	भद्रि	22/06/2001	उल्क	21/06/2008	सिद्ध	21/06/2016	संक	22/06/2017

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
22/06/2017		22/06/2019		22/06/2022		22/06/2026		22/06/2031	
22/06/2019		22/06/2022		22/06/2026		22/06/2031		22/06/2037	
पिंग	01/08/2017	धांय	21/09/2019	भ्राम	01/12/2022	भद्रि	02/03/2027	उल्क	21/06/2032
धांय	01/10/2017	भ्राम	21/01/2020	भद्रि	22/06/2023	उल्क	01/01/2028	सिद्ध	21/08/2033
भ्राम	21/12/2017	भद्रि	21/06/2020	उल्क	21/02/2024	सिद्ध	21/12/2028	संक	21/12/2034
भद्रि	02/04/2018	उल्क	21/12/2020	सिद्ध	01/12/2024	संक	31/01/2030	मंग	20/02/2035
उल्क	01/08/2018	सिद्ध	22/07/2021	संक	21/10/2025	मंग	22/03/2030	पिंग	22/06/2035
सिद्ध	21/12/2018	संक	22/03/2022	मंग	01/12/2025	पिंग	02/07/2030	धांय	22/12/2035
संक	02/06/2019	मंग	22/04/2022	पिंग	20/02/2026	धांय	01/12/2030	भ्राम	21/08/2036
मंग	22/06/2019	पिंग	22/06/2022	धांय	22/06/2026	भ्राम	22/06/2031	भद्रि	22/06/2037

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
22/06/2037		21/06/2044		21/06/2052		22/06/2053		22/06/2055	
21/06/2044		21/06/2052		22/06/2053		22/06/2055		00/00/0000	
सिद्ध	01/11/2038	संक	02/04/2046	मंग	01/07/2052	पिंग	01/08/2053	धांय	15/08/2055
संक	22/05/2040	मंग	22/06/2046	पिंग	22/07/2052	धांय	01/10/2053		00/00/0000
मंग	01/08/2040	पिंग	01/12/2046	धांय	21/08/2052	भ्राम	21/12/2053		00/00/0000
पिंग	21/12/2040	धांय	02/08/2047	भ्राम	01/10/2052	भद्रि	02/04/2054		00/00/0000
धांय	22/07/2041	भ्राम	21/06/2048	भद्रि	20/11/2052	उल्क	01/08/2054		00/00/0000
भ्राम	02/05/2042	भद्रि	01/08/2049	उल्क	20/01/2053	सिद्ध	21/12/2054		00/00/0000
भद्रि	22/04/2043	उल्क	01/12/2050	सिद्ध	01/04/2053	संक	02/06/2055		00/00/0000
उल्क	21/06/2044	सिद्ध	21/06/2052	संक	22/06/2053	मंग	22/06/2055		00/00/0000

चर दशा

भोग्य दशा काल : वृष 2 वर्ष 0 मास 0 दिन

वृष 2 वर्ष		मेष 2 वर्ष		मीन 5 वर्ष		कुम्भ 7 वर्ष	
15/08/1947		14/08/1949		15/08/1951		14/08/1956	
14/08/1949		15/08/1951		14/08/1956		15/08/1963	
मेष	14/10/1947	वृष	14/10/1949	मेष	14/01/1952	मीन	15/03/1957
मीन	14/12/1947	मिथु	14/12/1949	वृष	14/06/1952	मेष	14/10/1957
कुंभ	13/02/1948	कर्क	13/02/1950	मिथु	13/11/1952	वृष	15/05/1958
मक	14/04/1948	सिंह	15/04/1950	कर्क	14/04/1953	मिथु	14/12/1958
धनु	14/06/1948	कन्या	14/06/1950	सिंह	13/09/1953	कर्क	15/07/1959
वृश्चि	14/08/1948	तुला	14/08/1950	कन्या	13/02/1954	सिंह	13/02/1960
तुला	14/10/1948	वृश्चि	14/10/1950	तुला	15/07/1954	कन्या	13/09/1960
कन्या	14/12/1948	धनु	14/12/1950	वृश्चि	14/12/1954	तुला	14/04/1961
सिंह	12/02/1949	मक	13/02/1951	धनु	15/05/1955	वृश्चि	13/11/1961
कर्क	14/04/1949	कुंभ	15/04/1951	मक	14/10/1955	धनु	14/06/1962
मिथु	14/06/1949	मीन	15/06/1951	कुंभ	15/03/1956	मक	13/01/1963
वृष	14/08/1949	मेष	15/08/1951	मीन	14/08/1956	कुंभ	15/08/1963

मकर 6 वर्ष		धनु 10 वर्ष		वृश्चिक 7 वर्ष		तुला 9 वर्ष	
15/08/1963		14/08/1969		15/08/1979		14/08/1986	
14/08/1969		15/08/1979		14/08/1986		15/08/1995	
धनु	13/02/1964	वृश्चि	14/06/1970	तुला	15/03/1980	वृश्चि	15/05/1987
वृश्चि	14/08/1964	तुला	15/04/1971	कन्या	14/10/1980	धनु	13/02/1988
तुला	12/02/1965	कन्या	13/02/1972	सिंह	15/05/1981	मक	13/11/1988
कन्या	14/08/1965	सिंह	14/12/1972	कर्क	14/12/1981	कुंभ	14/08/1989
सिंह	13/02/1966	कर्क	14/10/1973	मिथु	15/07/1982	मीन	15/05/1990
कर्क	14/08/1966	मिथु	14/08/1974	वृष	13/02/1983	मेष	13/02/1991
मिथु	13/02/1967	वृष	15/06/1975	मेष	14/09/1983	वृष	14/11/1991
वृष	15/08/1967	मेष	14/04/1976	मीन	14/04/1984	मिथु	14/08/1992
मेष	13/02/1968	मीन	12/02/1977	कुंभ	13/11/1984	कर्क	15/05/1993
मीन	14/08/1968	कुंभ	14/12/1977	मक	14/06/1985	सिंह	13/02/1994
कुंभ	12/02/1969	मक	14/10/1978	धनु	13/01/1986	कन्या	14/11/1994
मक	14/08/1969	धनु	15/08/1979	वृश्चि	14/08/1986	तुला	15/08/1995

कन्या 2 वर्ष		सिंह 1 वर्ष		कर्क 12 वर्ष		मिथुन 1 वर्ष	
15/08/1995		14/08/1997		14/08/1998		14/08/2010	
14/08/1997		14/08/1998		14/08/2010		15/08/2011	
तुला	14/10/1995	कन्या	13/09/1997	मिथु	15/08/1999	वृष	14/09/2010
वृश्चि	14/12/1995	तुला	14/10/1997	वृष	14/08/2000	मेष	14/10/2010
धनु	13/02/1996	वृश्चि	13/11/1997	मेष	14/08/2001	मीन	14/11/2010
मक	14/04/1996	धनु	14/12/1997	मीन	14/08/2002	कुंभ	14/12/2010
कुंभ	14/06/1996	मक	13/01/1998	कुंभ	15/08/2003	मक	13/01/2011
मीन	14/08/1996	कुंभ	13/02/1998	मक	14/08/2004	धनु	13/02/2011
मेष	14/10/1996	मीन	15/03/1998	धनु	14/08/2005	वृश्चि	15/03/2011
वृष	14/12/1996	मेष	15/04/1998	वृश्चि	14/08/2006	तुला	15/04/2011
मिथु	12/02/1997	वृष	15/05/1998	तुला	15/08/2007	कन्या	15/05/2011
कर्क	14/04/1997	मिथु	14/06/1998	कन्या	14/08/2008	सिंह	15/06/2011
सिंह	14/06/1997	कर्क	15/07/1998	सिंह	14/08/2009	कर्क	15/07/2011
कन्या	14/08/1997	सिंह	14/08/1998	कर्क	14/08/2010	मिथु	15/08/2011

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	6
भाग्यांक	8
मित्र अंक	3, 4, 6, 9, 8
शत्रु अंक	1, 7,
शुभ वर्ष	24,33,42,51,60
शुभ दिन	शनि, बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मित्र राशि	मीन, मेष
मित्र लग्न	सिंह, मकर, मीन
अनुकूल देवता	शिव
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन, ओपल
भाग्य रत्न	नीलम
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	रजत
शुभ दिशा	दक्षिणपूर्व
शुभ समय	सूर्योदय
दान पदार्थ	मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दूध

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन–तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

जीवन रत्नः	हीरा		पराक्रम, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
भाग्य रत्नः	नीलम		पराक्रम, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
कारक रत्नः	पन्ना		पराक्रम, धन, सन्तति सुख
दशा	**रत्न**	**क्षमता**	**मंत्र–जप / व्रत / दान / लाभ**
शनि	नीलम	94%	ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः (23000)
15/08/1947	पन्ना	88%	शनिवार,उड़द, कस्तूरी, कृष्ण गौ, उपानह, तेल
10/09/1965	हीरा	75%	पराक्रम, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
बुध	पन्ना	94%	ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः (9000)
10/09/1965	नीलम	81%	बुधवार,मूँग, हाथी दाँत, कपूर, फल, घी
10/09/1982	हीरा	75%	पराक्रम, धन, सन्तति सुख
केतु	पन्ना	81%	ऊँ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः (17000)
10/09/1982	हीरा	75%	मंगलवार,तिल, सप्तधान्य, नारियल, शस्त्र, तेल
10/09/1989	लहसुनिया	73%	दम्पति, धन, सन्तति सुख
शुक्र	पन्ना	88%	ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः (16000)
10/09/1989	नीलम	88%	शुक्रवार,चावल, मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन, दूध
10/09/2009	हीरा	81%	पराक्रम, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
सूर्य	पन्ना	81%	ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः (7000)
10/09/2009	माणिक्य	73%	रविवार,गेहुँ, मूंगा, केसर, रक्तचन्दन, घी
10/09/2015	नीलम	69%	पराक्रम, सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
चन्द्र	पन्ना	88%	ऊँ श्रां श्रीं श्रौं सः चन्द्रमसे नमः (11000)
10/09/2015	नीलम	81%	सोमवार,चावल, शंख, कपूर, श्वेतचन्दन, दही
10/09/2025	हीरा	69%	पराक्रम, सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
मंगल	नीलम	81%	ऊँ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः (10000)
10/09/2025	पन्ना	69%	मंगलवार,मल्का, केसर, कस्तूरी, रक्तचन्दन, तेल
10/09/2032	हीरा	69%	धन, कम खर्च, शत्रु व रोग मुक्ति

नवग्रह रत्न धारण विधि

रत्न का पूर्ण शुभ फल पाने के लिए इसे शुक्ल पक्ष में निर्दिष्ट वार एवं समय में ही धारण करना चाहिए। निर्दिष्ट नक्षत्र में धारण करने से रत्न और भी प्रभावशाली हो जाता है। इसे निम्नलिखित तालिका में दिये गये भार या उससे अधिक भार का लेकर जो किवाया हो एवं पौना न हो जैसे 4–1/4 रत्ती आदि, उसे निर्दिष्ट धातु में इस प्रकार जड़वाएं कि रत्न नीचे से अंगुली को स्पर्श करे।

धारण करते समय अपने इष्ट देव का श्रद्धापूर्वक ध्यान करना चाहिए। तत्पश्चात अंगूठी को कच्चे दूध एवं गंगाजल में धोकर शुद्ध करना चाहिए एवं धूप दीप जलाकर संबंधित ग्रह के मंत्र का कम से कम एक माला जप करना चाहिए। फिर अंगूठी को धूप देकर निर्दिष्ट अंगुली में दाएं हाथ में धारण करना चाहिए। स्त्रियों को बाएं एवं पुरुषों को दाएं हाथ में अंगुली धारण करना चाहिए। अंगूठी धारण के पश्चात यथाशक्ति संबंधित ग्रह के पदार्थों का दान करना चाहिए।

यदि आप अन्य कोई रत्न पहले से पहने हुए हैं तो यह ध्यान रखें कि परस्पर विरोधी रत्न एकसाथ न पहनें। उपरोक्त विधि से रत्न को पहनने से रत्न के शुभ फल प्रचुर मात्रा में शीघ्र मिलते हैं।

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

रत्न	मंत्र	निषेध रत्न	दान पदार्थ
माणिक्य	ऊँ घृणि सूर्याय नमः	हीरा, नीलम, गोमेद	गेहूँ,चंदन,घी,लाल वस्त्र
मोती	ऊँ सों सोमाय नमः	गोमेद	चावल,चीनी,घी,श्वेत वस्त्र
मूंगा	ऊँ अं अंगारकाय नमः	हीरा, गोमेद, नीलम	गेहूँ,ताम्र,गुड़,लाल वस्त्र
पन्ना	ऊँ बुं बुधाय नमः	–––	मूंग,कांसा,हरित वस्त्र
पुखराज	ऊँ वृं वृहस्पतये नमः	हीरा, गोमेद	चने की दाल,गुड़,पीला वस्त्र
हीरा	ऊँ शुं शुक्राय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	चावल,चांदी,श्वेत वस्त्र
नीलम	ऊँ शं शनैश्चराय नमः	माणिक्य, मूंगा, पुखराज	काला तिल,तेल,काला वस्त्र
गोमेद	ऊँ रां राहवे नमः	माणिक्य, मोती, मूंगा	तिल,तेल,कंबल,नीला वस्त्र
लहसुनिया	ऊँ कें केतवे नमः	–––	सप्तधान्य,नारियल,धूम्र वस्त्र

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता–पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती द्वितीय ढैया	15/08/1947-26/07/1948	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	26/07/1948-20/09/1950	----------	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/11/1952-24/04/1953	21/08/1953-12/11/1955	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	27/01/1964-09/04/1966	03/11/1966-20/12/1966	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	10/06/1973-23/07/1975	----------	----------

द्वितीय चक्रः

साढेसाती द्वितीय ढैया	23/07/1975-07/09/1977	----------	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	07/09/1977-04/11/1979	15/03/1980-27/07/1980	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/10/1982-21/12/1984	01/06/1985-17/09/1985	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	05/03/1993-15/10/1993	10/11/1993-02/06/1995	10/08/1995-16/02/1996
साढेसाती प्रथम ढैया	23/07/2002-08/01/2003	07/04/2003-06/09/2004	13/01/2005-26/05/2005

तृतीय चक्रः

साढेसाती द्वितीय ढैया	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
साढेसाती तृतीय ढैया	01/11/2006-10/01/2007	16/07/2007-10/09/2009	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/04/2022-12/07/2022	17/01/2023-29/03/2025	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	31/05/2032-13/07/2034	----------	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती द्वितीय ढैया	सम	पराक्रम हानि
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	सुख हानि
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	शत्रु व रोग मुक्ति
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	व्यावसायिक उन्नति
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	धन

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म–पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न–भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	शुक्र, शनि, सूर्य
		मारक	-	चंद्र, मंगल, गुरु
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	राहु, शनि, शुक्र
		मारक	-	मंगल, गुरु, केतु

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	44%	पराक्रम, सुख
चन्द्र	42%	पराक्रम,
मंगल	31%	धन, कम खर्च, दम्पति
बुध	45%	पराक्रम, धन, सन्तति सुख
गुरु	31%	शत्रु व रोग मुक्ति, दुर्घटना से बचाव, धनार्जन
शुक्र	48%	पराक्रम, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
शनि	50%	पराक्रम, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
राहु	74%	स्वास्थ्य, पराक्रम
केतु	36%	दम्पति, धन

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
शनि	10/09/1965	59	58	21	85	46	86	87	68	40
बुध	10/09/1982	84	58	34	85	46	86	75	55	53
केतु	10/09/1989	44	43	46	57	34	71	47	43	80
शुक्र	10/09/2009	59	58	34	85	46	86	87	68	65
सूर्य	10/09/2015	84	83	46	72	59	61	62	43	40
चन्द्र	10/09/2025	84	83	34	85	46	74	75	43	40
मंगल	10/09/2032	53	52	78	28	63	42	43	43	49
राहु	10/09/2050	28	27	21	41	34	55	56	99	24
गुरु	10/09/2066	67	66	63	42	78	44	57	55	36

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर–कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपके जन्मकाल में मंगल की स्थिति चन्द्रकुंडली में द्वादश भाव में है अतः आप एक मांगलिक पुरुष हैं। चूंकि चन्द्र से मांगलिक होने का दोष अधिक प्रबल नहीं होता। अतः इसके प्रभाव से आपकी प्रवृति किंचित व्ययशील रहेगी तथा शुभाशुभ कार्यों पर आप समय समय पर व्यय करते रहेंगे। जिससे आपको अल्प मात्रा में आर्थिक परेशानी हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अल्प रहेगा। तथा सामान्य रूप से धनार्जन होता रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य आपका मध्यम रहेगा। मानसिक परेशानी की अनुभूति आपको समय समय पर होती रहेगी। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान भी उत्पन्न होंगे लेकिन उनका सामना तथा समाधान करने में आप समर्थ रहेंगे। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा परन्तु स्वभाव में किंचित उग्रता का भाव हो सकता है लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

मंगल के इस प्रभाव से आपके विवाह में किंचित विलम्ब हो सकता है परन्तु इस कार्य में सफलता आपको अवश्य प्राप्त होगा। साथ ही विवाह पूर्व किसी वार्ता में गतिरोध भी उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। विवाह के पश्चात आपका दाम्पत्य जीवन परस्पर सामंजस्य के कारण अनुकूल रहेगा तथा इसका उचित उपभोग करने में आप समर्थ रहेंगे।

चन्द्रकुंडली में मंगल की द्वादश स्थिति के प्रभाव से आपकी प्रवृत्ति व्ययशील होगी परन्तु प्रचुर मात्रा में धनार्जन होने के कारण इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा साथ ही सांसारिक कार्यों में उत्पन्न व्यवधानों तथा समस्याओं का सामना तथा समाधान करने में भी आप सफल होंगे। तृतीय भाव पर मंगल की दृष्टि से भाई बहनों का सुख मध्यम रहेगा। पराक्रम तथा आत्मबल में वृद्धि होगी जिससे आपके लाभ एवं उन्नति के मार्ग हमेशा प्रशस्त रहेंगे। षष्ठ भावस्थ मंगल की

दृष्टि के प्रभाव से शत्रुवर्ग पर विजय प्राप्त करने में आपको सफलता मिलेगी। यदा कदा पित या गर्मी द्वारा उत्पन्न रोगों से आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। सप्तम भाव पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से पत्नी का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा स्वभाव में उग्रता भी रहेगी लेकिन परस्पर सामंजस्य के कारण आप सुखी दाम्पत्य जीवन का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे।

इस प्रकार अपने दाम्पत्य जीवन को अधिक सुखी एवं आनन्दमय बनाने के लिए आपको किसी मांगलिक कन्या से विवाह करना चाहिए। जिससे परस्पर मांगलिक दोष का प्रभाव समाप्त हो जाएगा। इसके लिए कन्या की कुंडली में मांगलिक स्थानों अर्थात् प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भाव में शनि या राहु सदृश पाप ग्रहों की स्थिति होनी चाहिए। ऐसा होने पर आपके सुख एवं सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा धन ऐश्वर्य से युक्त होकर आनन्द पूर्वक आप अपने दाम्पत्य जीवन का उपभोग करेंगे तथा एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग भी प्रदान करेंगे।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु–केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु–केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब–जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु–केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में अनन्त नामक कालसर्प योग केवल अनुदित रूप में विद्यमान है। अनुदित योग पूर्णरूप से कालसर्प योग की परिभाषा में नहीं आता, लेकिन फिर भी इसका कुछ फल अवश्य मिलता है। इसके कारण जातक को व्यक्तित्व निर्माण एवं आगे बढ़ने में आंशिक रूप से संघर्ष करना पड़ता है। कभी–कभी विरक्ति पैदा होती है। गृहस्थ जीवन कुछ अस्तव्यस्त रहता है। न्यायालय से थोड़ा बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी–कभी दुःखमय बन जाता है। जीवन में समय–समय पर आंशिक रूप में बाधाएँ आती हैं। परन्तु कालान्तर में सभी विघ्न–बाधाएँ दूर होती चली जाती हैं। जीवन में अनेक बार अपयश मिलने का भय बना रहता है। अपने रिश्तेदार नुकसान पहुँचाने की चेष्टा करते हैं, परन्तु उसमें वे सफल नहीं होते। जातक बार–बार अपने कार्य को बदलता है। परिणामस्वरूप आंशिक रूप में कभी क्षति उठानी पड़ती है। खासकर साहूकारी के व्यवसाय में नुकसान उठाता है। लेकिन जातक के जीवन में एक चमत्कारिक समय भी आता है। और समय–समय पर शुभ कार्य सम्पादित होते रहते हैं। आर्थिक स्थिति थोड़ा नाजुक होती है। इस योग के कारण जातक थोड़ा बहुत पराक्रमहीन, आलसी एवं नीचकर्म करने में तत्पर हो जाता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें, अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. बहते पानी में नारियल के फल को तीन बार शुभ मुहूर्त्त में प्रवाहित करें।
3. बहते पानी में कोयला को शुभ मुहूर्त्त में तीन बार प्रवाहित करें।
4. हरिजन को मसूर की दाल तथा द्रव्य शुभ मुहूर्त्त में तीन बार दान करें।
5. हनुमान चलीसा का 108 बार पाठ करें।
6. शयन कक्ष में लाल रंग के पर्दे, चादर तथा तकियों का उपयोग करें।
7. कुल देवता की पूजा करें।
8. धूम्रवस्त्र, तिल, कम्बल एवं सप्तधान्य शुभ मुहूर्त्त में रात्रि को दान करें।
9. केतु की उपासना उसकी महादशा में अवश्य करें।
10. देवदारु, सरसों तथा लोहवान को उबाल कर एक बार स्नान करें।
11. सवा महीने जौ के दाने पक्षियों को खिलाएँ।

12. नीला रूमाल, नीला घड़ी का पट्टा, नीला पैन, लोहे की अंगूठी धारण करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि–विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे – कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। सामान्यतया वृष लग्न में उत्पन्न जातक धैर्यशाली तथा सहनशील स्वभाव के होते हैं। वार्तालाप में भी वे मधुर शब्दों का उपयोग करते हैं जिससे अन्य जन उनसे प्रभावित रहते हैं। शारीरिक रूप से वे स्वस्थ होते हैं तथा शांति एवं उदारता का भाव उनमें विद्यमान रहता है। वे अत्यधिक परिश्रमशील होते हैं तथा इसी परिश्रम के द्वारा जीवन में अपने उन्नति मार्गों को प्रशस्त करने में समर्थ रहते हैं। इसके अतिरिक्त अपने कार्यकलापों को वे पराक्रम तथा साहस से पूर्ण करते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मानसिक स्थिति भी सामान्यतया अनुकूल ही होगी। आप यत्नपूर्वक मधुर शब्दों का उपयोग करेंगे तथा अपने वाक्चातुर्य से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सिद्ध करने में समर्थ रहेंगे। आपका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा फलतः अन्य लोग आपसे प्रभावित होंगे। आपका कद मध्यम होगा एवं स्वभाव में शांति सहनशीलता तथा उदारता का भाव सर्वदा विद्यमान होगा।

आप एक परिश्रमी पुरूष होंगे तथा अपने परिश्रम पराक्रम एवं योग्यता से जीवन में उन्नति मार्ग प्रशस्त करेंगे। आप में विद्वता का गुण भी रहेगा तथा संगीत कला एवं साहित्य के प्रति आपकी रूचि रहेगी। अपने सदगुणों से आप श्रेष्ठ जनों को प्रसन्न रखने में सफल होंगे।

लग्न में राहु की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा परन्तु व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आपमें चंचलता के भाव की भी प्रधानता रहेगी तथा यदा कदा इसके अनावश्यक प्रदर्शन से आपको समस्याओं तथा परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अतः इसकी यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए। सुख संसाधनों एवं भौतिक उपकरणों को आप स्वपराक्रम से प्राप्त करेंगे तथा सपरिवार इनका उपभोग करेंगे फलतः पारिवारिक शांति भी बनी रहेगी।

आपकी प्रवृति सहिष्णु एवं परिश्रमी होगी तथा यत्नपूर्वक अच्छे कार्यों को करने में आपकी रूचि रहेगी। बाल्यवस्था एवं युवावस्था में आपका जीवन संघर्ष पूर्ण रहेगा परन्तु उसके बाद आप सुख एवं शांति पूर्वक रहेंगे तथा सभी प्रकार के सुख एवं आराम की आपको प्राप्ति होगी। सरकार या सरकारी विभाग से आप समय समय पर लाभान्वित होते रहेंगे अथवा राजकीय सेवा में भी तत्पर हो सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति सामान्यतया अच्छी रहेगी एवं आय–स्रोत बनते रहेंगे।

धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्वा होगी तथा यदा कदा ही धार्मिक कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगे परन्तु परिश्रम एवं योग्यता से आप समाज में सम्मान जनक स्थान या नौकरी में किसी सम्मानित पद को अर्जित करने में समर्थ होंगे जिससे आपकी प्रसिद्धि व्याप्त होगी।

इस प्रकार आप पराक्रमी साहसी कला एवं संगीत प्रेमी होंगे तथा जीवन में सुखोपभोग

करते हुए प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप की प्रवृति धनसंग्रह करने की रहेगी तथा वर्तमान एवं भविष्य के लिए प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करके उसका संग्रह करेंगे इससे आपकी आर्थिक स्थिति सन्तुलित रहेगी। साथ ही जायदाद या स्वर्ण आदि धातुओं पर पूंजीनिवेश करेंगे तथा इससे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ प्राप्त होगा। आपका पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्ति से युक्त रहेगा तथा उनकी खुशहाली के लिए आप सदैव प्रयत्नशील रहेंगे तथा पारिवारिक जनों से आपको पूर्ण सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा।

सामान्यतया आपको सभी स्वाद रूचिकर लगेंगे परन्तु मिष्ठान के प्रति विशेष रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे। चूंकि यह भाव वाणी का प्रतिनिधित्व करता है तथा इसका स्वामी बुध होने के कारण आपकी वाणी मृदु तथा प्रभाव शाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही विचारों की अभिव्यक्ति भी कुशलता पूर्वक करेंगे परन्तु अवसरानुकूल आप अपने विचारों में परिवर्तन भी कर सकते है। यदि आप यह अनुभव करते है कि इस समय के लिए यह विचार ठीक नहीं है। आतिथ्य सत्कार की भावना भी आपके मन में विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त स्त्री वर्ग से आपको उचित लाभ समय समय पर मिलता रहेगा तथा वाहन एवं बहुमूल्य रत्नों की भी प्राप्ति होगी। इसके साथ ही धार्मिक एवं सज्जन प्रवृति के लोगों से आप सामान्यतया मित्रता करना पसन्द करेंगे।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चंद्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप अपने भाई बहिनों के प्रति उदार भावुक तथा अत्यंत ही सहानुभूति का व्यवहार रखेंगे। आप उनसे अत्यधिक प्रेम करेंगे तथा उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगे परन्तु इसके बाद भी उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा आदर अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। कभी कभी परिस्थिति के अनुकूल आप असाधारण साहस तथा पराक्रम का प्रदर्शन करेंगे। आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा नैतिकता का यत्नपूर्वक अनुपालन करते रहेंगे। भाई बहिनों के प्रति समयानुसार आप अपने को परिवर्तन करने में समर्थ रहेंगे। आपकी स्मरण शाक्ति तीव्र रहेगी तथा ऐतिहासिक घटनाओं को याद रखने में सफल रहेंगे। साथ ही भाई बहिनों के प्रति आपका क्रोध भी क्षणिक रहेगा तथा शीघ्र ही उनसे प्रसन्न हो जाएंगे।

जीवन में आप एक कर्तव्य परायण व्यक्ति रहेंगे तथा यत्नपूर्वक अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण करेंगे। आपकी सीखने या याद करने की शक्ति तीव्र होगी अतः किसी से कोई नवीन ज्ञान अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही उच्च शिक्षा या दर्शन शास्त्र के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी। आप सामाजिक जनों की भी यथाशाक्ति सेवा करेंगे। अतः अपने इन कार्यो से ख्याति भी प्राप्त होगी। आप किसी भी उददेश्य को कार्य रूप में परिवर्तित करने के लिए साहसिक निर्णय लेने में हमेशा समर्थ रहेंगे अतः यदा कदा आप समूह के नेतृत्व को भी प्राप्त कर सकते हैं। आप समाज सेवा, लेखन या किसी नवीन आविष्कार से प्रसिद्धि प्राप्त कर सकते है। साथ ही संचार की सुविधाओं से आप युक्त रहेंगे तथा संचार के क्षेत्र में आजीविका आदि भी कर सकेंगे। प्रकाशक संपादक या संवाददाता के रूप में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। इसके अतिरिक्त आप वैश्य वर्ग के मित्र रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक अपने घर एवं परिवार का पालन पोषण करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आपकी रूचि रहेंगी तथा शील स्वभाव भी उत्तम रहेगा।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों एवं आधुनिक विलासमय वस्तुओं से युक्त होंगे तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ होंगे। शुक्र के प्रभाव से युवावस्था से ही आपको सुख–संसाधनों की उपलब्धि हो जायेगी तथा इसके लिए विशेष परिश्रम भी कम ही करना पड़ेगा।

जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को आप अवश्य प्राप्त करेंगे। आपके प्रचुर मात्रा में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी तथा विवाह के बाद इसमें काफी वृद्धि होगी। स्त्री के सहयोग से भी धनाढ्य एवं समृद्धशाली व्यक्ति माने जायेंगे। चल सम्पत्ति की उपेक्षा अचल सम्पत्ति की आपके पास बहुलता होगी जिससे जमीन जायदाद तथा मकान प्रमुख होंगे। साथ ही समस्त आधुनिक भौतिक एवं विलासमय उपकरणों से आप सम्पन्न होंगे तथा आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

उत्तम निवास स्थान के विषय में आप सौभाग्यशाली व्यक्ति समझे जायेंगे। आपका घर उत्तम एवं आधुनिक स्थान में होगा तथा सर्व प्रकार से यह आकर्षक एवं सुसज्जित रहेगा। आप भी इसकी सुन्दरता एवं सफाई का पूर्ण ध्यान रखेंगे। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा एवं पड़ोसी भी बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे तथा आपसी संबंध अच्छे रहेंगे। आपकी कुंडली में उत्तम वाहन के भी योग बनते है जिसका आप युवावस्था से ही उपयोग करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

आपकी माता जी सुन्दर सुसंस्कृत एवं मृदुस्वभाव की महिला होंगी तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वह एक चतुर एवं बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी चतुराई एवं व्यवहार कुशलता से परिवार का अच्छी तरह पालन पोषण करेंगी एवं किसी भी व्यक्ति को उनसे कोई परेशानी नहीं होगी। आपके प्रति उनके हृदय में विशेष वात्सल्य एवं स्नेह का भाव होगा तथा अवसरानुकूल उनसे आपको प्रचुर मात्रा में आर्थिक सहयोग की भी प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रखेंगे तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त सुख–दुख में उनको अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इस प्रकार आपसी संबंध भी मधुर होंगे।

अध्ययन के प्रति वचपन से ही आपकी रूचि होगी तथा बुद्धिमान एवं परिश्रमशील होने के कारण प्रारंभ से ही अध्ययन के क्षेत्र में अनावश्यक समस्याओं एवं बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसी परिपेक्ष्य में आप स्नातक परीक्षा आसानी से उतीर्ण करेंगे तथा इससे आप की आत्मिक शक्ति में वृद्धि होगी फलतः जीवन में इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे। सामाजिक जनों एवं संबंधियों में भी आपके सम्मान में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपसे प्रसन्न एवं प्रभावित होंगे। इससे आपको प्रोत्साहन मिलेगा जिससे भविष्य उज्ज्वल होगा।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा आपके सांसारिक एवं अन्य कार्य कलापों पर बुद्धिमता की स्पष्ट छाप होगी जिससे सभी लोग आपसे प्रभावित होंगे। आप कठिन से कठिन कार्य को आसानी से पूर्ण करने में भी समर्थ होंगे। यद्यपि वैदिक धर्म एवं दर्शन शास्त्रों में आपकी रूचि अल्प होगी परंतु आधुनिक साहित्य कविता एवं कला में आप पूर्ण रूचि रखेंगे। पाश्चात्य कला, संगीत एवं साहित्य के विशेष प्रेमी होंगे तथा इन क्षेत्रों में आप अपनी बुद्धिमता, योग्यता एवं परिश्रम से ज्ञान अर्जित करके समाज में अपने प्रभुत्व को स्थापित करने में समर्थ होंगे। फलतः आपका सम्मान एवं विद्वता का प्रभाव समाज में बना रहेगा।

पंचमभाव में कन्या राशि की स्थिति के प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में आप अधिक लिप्त रहेंगे तथा अधिकांश प्रसंग आप मनोरंजन या मानसिक सन्तुष्टि के लिए स्थापित करेंगे। आपके प्रेम प्रसंग में आदर्श, यथार्थवाद एवं मर्यादा की भी कमी होगी। फलतः ऐसे क्षेत्र में आप अपने लिए अनावश्यक परेशानियां एवं अशान्ति उत्पन्न कर सकते है तथा वैवाहिक जीवन पर भी दुष्प्रभाव हो सकता है। अतः ऐसे प्रसंगों की यत्नपूर्वक उपेक्षा ही करनी चाहिए तभी आप सुखी रह सकते है।

पंचमभाव में बुध की राशि के प्रभाव से आपको यथा समय संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा आपकी संतति बुद्धिमान एवं गुणवान होगी तथा आज्ञाकारिकता का भाव भी उनमें विद्यमान होगा एवं एक दूसरे के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान का भाव भी रखेंगे । वे व्यावहारिक बुद्धि के स्वामी होंगे फलतः जीविकार्जन एवं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ रहेंगे। सुख दुःख में माता पिता की पूरी सेवा करेंगे।

अध्ययन के प्रति बच्चों की रूचि सामान्य होगी तथापि परिश्रम पूर्वक वे वांछित शिक्षा अर्जित करने में समर्थ होंगे। यद्यपि किसी मान्यता प्राप्त प्रशासनिक या अन्य क्षेत्रों में वे परिश्रम एवं पराक्रम से ही प्रवेश कर रखेंगे परंतु वाणिज्य क्षेत्र में योग्य सिद्ध होंगे तथा इसी से अपने जीवन में ऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करेंगे। अतः इनके लिए आपको अधिक चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथापि अपने लिए आपको पूर्ण धन संचय करके रखना चाहिए जेकि आपके सुख दुख के समय काम आएगा तथा बच्चों को स्वावलंबी छोड़ देना चाहिए एवं उनके कार्यो में दखल नहीं देना चाहिए। इससे आप तथा वे शान्ति एवं सन्तुष्टि अनुभूति करेंगे।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे तथा किसी भी प्रकार के कष्ट को सहन करने की शक्ति आप में विद्यमान रहेंगी। आप यदा कदा बुखार या अन्य सामान्य रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकते है लेकिन आपको अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए क्योंकि आप में रोग अवरोधक तत्वों की न्यूनता होने से जब एक बार बीमार पड़ेगें तो इसमें ठीक होने में काफी समय लग जाएगा। इसके अतिरिक्त भावुकता में आपको वाहन आदि को भी सामान्य गति से चलाना चाहिए।

आपके शत्रु काफी होंगे तथा समय समय पर आपको नीचा दिखाने के लिए वे प्रयत्नशील रहेंगे क्योंकि वे आपकी खुशहाली के प्रति ईर्ष्या का भाव रखते हैं। साथ ही आपके मित्र, संबन्धी एवं पड़ौसी भी आपके ऐश्वर्य से ईर्ष्या करेंगे अतः ये भी समय समय पर शत्रुओं का कार्य करेंगे जो कि आपके अन्य प्रत्यक्ष शत्रुओं से अधिक प्रभावी होंगे। यद्यपि मुकद्दमे आदि में आपकी कोई रूचि नहीं रहेगी परन्तु धन संबन्धी मामलों में आप कोई मुकद्दमा दायर कर सकते हैं। इसमें आपका धन व्यय अधिक होगा परन्तु कुछ परिश्रम के बाद आपको इसमें सफलता मिल सकती है। आपके नौकर आपके लिए विश्वास पात्र नहीं रहेंगे तथा पारिवारिक गुप्त रहस्यों को वे अन्य लोगों को बताकर आपके सम्मान में न्यूनता लाएंगे। साथ ही उनकी चोरी करने की आदत से भी आपको आर्थिक हानि की संभावना रहेगी।

आप स्वच्छन्द प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा अपनी रूचि के अनुसार ही कार्यो को सम्पन्न करेंगे। यद्यपि आपके पास प्रचुर मात्रा में धनागमन होता रहेगा लेकिन आपात्काल के लिए आप बचाव करने में असमर्थ रहेंगे तथा प्रौढ़ावस्था में आपको भाइयों या संबन्धियों के कारण आपको ऋृण के बोझ में दबना पड़ सकता है। इससे आपके सामाजिक सम्मान में न्यूनता होगी अतः ऐसी परिस्थितियों से सावधान रहना चाहिए। आपके मामा मामियों से संबन्ध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। खान पान के प्रति भी आपको सतर्क रहना चाहिए अन्यथा वृद्धावस्था में आपको वायु, गुर्दे तथा प्रमेह संबन्धी रोगों से परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आप एक धनवान व्यक्ति होंगे परन्तु समाज में आपके अच्छे कार्यो से भी लोगों से शत्रुता के भाव में वृद्धि होगी अतः सावधान रहें।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है तथा केतु भी सप्तम भाव को प्रभावित कर रहा है। सामान्यतया सप्तम भाव में वृश्चिक राशि के प्रभाव से जातक का सहयोगी व्ययशील क्रोधी एवं धनवान होता है। तथा अग्नितत्व युक्त केतु के प्रभाव से उसमें पराक्रम साहस एवं उग्रता का भाव भी विद्यमान रहता है एवं शारीरिक संरचना दुबली पतली होती है परन्तु विद्वता एवं बुद्धिमता के भाव से सर्वदा युक्त रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी का स्वभाव तेजस्विता से युक्त होगा तथा साहसिक कार्य करने के लिए सर्वदा उद्यत रहेंगी। वह एक शिक्षित एवं बुद्धिमती महिला होंगी तथा सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करने में दक्षता का परिचय देंगी। साहित्य एवं कला के प्रति भी उनकी रूचि रहेगी एवं कर्तव्य परायणता का भाव भी विद्यमान होगा।

आपकी पत्नी लालिमा युक्त गौरवर्ण की महिला होंगी एवं उनका कद भी सामान्य रहेगा। शारीरिक संरचना की दृष्टि से स्थूलता का अभाव रहेगा परन्तु पतलेपन में भी आकर्षण विद्यमान रहेगा। साथ ही अंग प्रत्यंगों की सुंदरता एवं सुडौलता दर्शनीय होगी। व्यायाम एवं योगिक क्रियाओं में भी रूचिशील होगी भौतिकता के प्रति उनके मन में प्रबल आकर्षण रहेगा तथा सुंदर वस्तुओं एवं उपकरणों से घर को सुसज्जित रखेंगी।

सप्तम भावस्थ केतु के प्रभाव से यद्यपि आपके विवाह में थोड़ा विलम्ब होगा परन्तु वैवाहिक प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होगा एवं आसानी से सम्पन्न हो जाएगी आपका विवाह सामान्यतया विज्ञापन के माध्यम से सम्पन्न होगा परन्तु अपनी इच्छा से भी आप विवाह कर सकते है विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखी रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे के प्रति पूर्ण सहानुभूति का भाव रहेगा। परन्तु दोनों की स्वाभिमानी एवं तेजस्वी प्रवृति होने के कारण यदा कदा संबंधों में तनाव हो सकता है लेकिन इसको कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा।

आपका ससुराल साधारण धनी परिवार से होगा तथा उनकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी सामान्य ही रहेगी। होगी लेकिन सास ससुर से आप सामान्य संबंध स्थापित करने में सफल रहेंगे तथा उनको सम्मान प्रदान करेंगे। वो भी आपको नैतिक सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगे तथा समयानुसार एक दूसरे के यहां आवागमन होता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी के मन में विशेष सेवा भाव नहीं होगा तथा स्वार्थवश अपने कर्तव्य का पालन नहीं करेंगी। देवर एवं ननद भी उनके उग्रस्वभाव एवं तेज सभाषण से असन्तुष्ट होंगे तथा उन्हें यथोचित मान सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।

व्यापार में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल नहीं रहेगी तथा इससे लाभ की अपेक्षा हानि के ही योग बनेंगे। अतः साझेदारी की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आपकी ज्यौतिष एवं तंत्र मंत्र आदि के प्रति श्रद्धा रहेगी तथा यत्न पूर्वक इसके ज्ञानार्जन करने में भी समर्थ रहेंगे। साथ ही मनोविज्ञान के क्षेत्र में भी कुछ कार्य करने के लिए तत्पर होंगे। आप के पास पैतृक सम्पत्ति रहेगी लेकिन वह अधिक नहीं होगी साथ ही उसका उपयोग भी आप अच्छी तरह करने में असमर्थ से रहेंगे। आपके संबन्धी भी आपकी जमीन जायदाद आदि पर अपना दावा कर सकते है जिससे अनावश्यक तर्क विर्तकों के साथ वातावरण अप्रसन्नता से युक्त रहेगा। इसके प्रभाव से पारिवारिक कलह भी हो सकता है। अतः यह जायदाद सन्तुष्टि की जगह असन्तुष्टि का भाव ही उत्पन्न करेगी।

विवाह के समय दहेज आदि आपको मध्यम रूप से ही प्राप्त होगा तथा ससुराल पक्ष से किसी निश्चित रकम के बारे में कोई विवाद भी हो सकता है जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता प्रभावित हो सकती है। आपको न्यूनाधिक रूप से बीमा अवश्य कराना चाहिए चाहे वह किसी का भी हो इससे आपको न्यूनाधिक लाभ अवश्य प्राप्त होगा यद्यपि जीवन में आपको यहां चोरी आदि की संभावना नहीं है तथापि सावधान अवश्य रहना चाहिए। आप स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से ही इच्छित धनार्जन करेंगे तथा विशिष्ट धन लाभ के भाव की अल्पता रहेगी। आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा जीवन में आप स्वस्थ रहकर अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे परन्तु वृद्धावस्था में यदा कदा आप शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे लेकिन इसका विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से यद्यपि आप धर्म तथा धार्मिक कार्य कलापों का विरोध नहीं करेंगे परंतु स्वयं की इसमें कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी। साथ ही इच्छा पूर्वक किसी भी धार्मिक ग्रंथ के अध्ययन के इच्छुक भी नहीं रहेंगे लेकिन ईश्वर की सत्ता में आपका पूर्ण विश्वास रहेगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप व्रतादि का भी आचरण करेंगे। आप दैनिक पूजा पाठ भी सम्पन्न करेंगे या इस उदद्शेय की पूर्ति के लिए प्रतिदिन किसी मंदिर या अन्य पूजास्थल में जा सकते है। आप धार्मिक कार्य कलापों में विशेष व्यय करना उचित नहीं समझते। इसके साथ ही अन्य विषयों में उच्चशिक्षा अर्जित करने के लिए विशेष उत्सुक रहेंगे लेकिन धर्म एवं भाग्य को आप अपनी विचार धारा में सम्मिलित कम ही करेंगे। आपकी अर्न्तप्रज्ञा विकसित रहेगी तथा शरीर में आत्मा को स्वीकार करेंगे।

आपके विचार में जीवन कर्म प्रधान होना चाहिए तथा भाग्य इसमें सहायक की भूमिका निभाता है। अतः अन्य जनों को हमेशा कार्य करने की शिक्षा देंगे तथा भाग्य पर अल्प विश्वास करने के लिए कहेंगे लेकिन प्रौढ़ावस्था में आप स्वयं कर्म की अपेक्षा भाग्य की महत्ता को अधिक मात्रा में अनुभव करेंगे तथा आपके विचार में भाग्य की प्रबलता के बिना कर्म का कोई विशेष महत्व नहीं है। आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं अल्प मात्रा में होंगी तथा इनसे विशेष लाभ भी नहीं होगा लेकिन समाज में सम्मानीय तथा ख्याति प्राप्त व्यक्ति होंगे। आप अपने पूर्व जन्म के पुण्यों के फल से मध्यमायु में शुभ फल प्राप्त करेंगे तथा इस समय सुखी रहेंगे लेकिन वृद्धावस्था में किंचित परेशानी हो सकती है। साथ ही पौत्रादि का सुख भी मध्यम ही रहेगा।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशमभाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। कुम्भ राशि वायुतत्व युक्त है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र निरंतर उन्नतिशील रहेगा एवं किसी भी प्रकार की अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही इच्छित उन्नति एवं सफलता भी मिलती रहेगी।

दशम भाव में कुंभ राशि का स्वामी शनि है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपकी आजीविका उत्तम रहेगी। आपके लिए वायुसेना, एयर लाइंस, खनिज एवं खान विभाग, पेट्रोलियम उद्योगों में भागीदारी, फैक्टरी कर्मचारी, संदेशवाहक तथा राजनीति के क्षेत्र में विशिष्ट सफलता मिल सकती है। अतः यदि आप अपनी आजीविका इन्हीं क्षेत्रों में प्रारंभ करें तो इनमें आपको वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी तथा उन्नति के शिखर पर पहुँचने में आप समर्थ होंगे। साथ ही राजनीति आपके लिए काफी अनुकूल होगी तथा इस क्षेत्र में अल्प समय में ही आप काफी उन्नति करने में समर्थ हो सकते है। अतः आजीविका में वांछित सफलता एवं नवीन आयाम स्थापित करने के लिए आपको उपरोक्त क्षेत्रों या विभागों में ही अपना कार्य क्षेत्र निश्चित करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में लोहे के व्यापार से विशिष्ट लाभ प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही भारी उद्योग, फैक्टरी, पेट्रोल पम्प, शराब का व्यापार प्रेस, खेती, बागवानी, आदि के कार्यो से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ होंगे तथा जीवन में विशिष्ट उन्नति तथा लाभ अर्जित करेंगे। अतः आपको चाहिए कि यत्नपूर्वक इन्हीं क्षेत्रों में अपने व्यापार का शुभारम्भ करें।

योगकारक ग्रह की राशि के प्रभाव से जीवन में आप उच्च मान सम्मान एवं पद अर्जित करने में समर्थ होंगे। समाज में आपको प्रचुर मात्रा में यश तथा प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी। आपका सम्पर्क अधिकारी एवं राजनैतिक नेताओं से बने रहेंगे जिससे सर्वत्र प्रभावशाली माने जाएंगे। साथ ही सामाजिक या सार्वजनिक संस्थाओं में भी आप उच्चपदाधिकारी के रूप में कार्यरत होंगे इनसे आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा यश एवं प्रसिद्धि भी मिलेगी तथा आपका सामाजिक स्तर भी उच्च होगा।

आपके पिता तेजस्वी बुद्धिमान योग्य एवं पराक्रमी पुरूष होंगे तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा फलतः अन्य जन उनके कार्यकलापों से प्रभावित रहेंगे। आपके प्रति उनका विशेष स्नेह एवं वात्सल्य का भाव होगा तथा शिक्षा दीक्षा का समुचित ध्यान रखेंगे साथ ही आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति में उनका विशेष योगदान रहेगा एवं उनके प्रभाव से भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभ उन्नति एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना होगी तथा उनकी आज्ञा पालन करना अपना प्रिय कर्तव्य समझेंगे। इसके अतिरिक्त परस्पर सिद्धांतों एवं वैचारिक एकता होने के कारण संबंधों में भी मधुरता रहेगी।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा अपनी महत्वाकांक्षाओं तथा इच्छाओं की पूर्ति के लिए ईमानदारी तथा सत्य का अनुपालन करेंगे तथा परिश्रम पूर्वक उनको पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही आप जब भी जिस वस्तु की कामना करते है आपको उसकी प्राप्ति भी हो सकती है। आप शिक्षक, बैंक अधिकारी, वकील कम्पनी या सरकारी अधिकारी के रूप में व्यवसायिक सफलता अर्जित कर सकते है या इन लोगों से आपको समय समय पर विशिष्ट लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके प्रभाव से आप मित्रों के संबंध में भाग्यशाली रहेंगे तथा उनसे आपको समय समय पर इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा। मित्रों से आप को जीवन में उचित प्रोत्साहन भी प्राप्त होगा जिससे आपकी उन्नति होगी तथा वे आपसे वयस्क एवं अनुभवी होंगे।

आपका सामाजिक स्तर उच्च रहेगा तथा बड़े बड़े अधिकारी मंत्री नेता या महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मेल जोल या संबंध रहेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। साथ ही महत्वपूर्ण लोगों के प्रभाव से आप उचित लाभ एवं ख्याति प्राप्त करेंगे। बड़े भाई बहिनों से आपके संबंध सामान्यतया मधुर रहेंगे आवश्यकतानुसार उनका सहयोग भी मिलता रहेगा। आपके आय के साधन मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य भी हो सकते है जिससे की आपका धनार्जन अच्छा रहेगा साथ ही जीवन में आप समयानुसार कोई विशिष्ट सम्मान भी अर्जित करने में समर्थ हो सकते है। इसके अतिरिक्त बाएं कान के दर्द से यदा कदा परेशान हो सकते है परन्तु सामान्य जीवन आनन्द पूर्वक व्यतीत करेंगे।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप धन का सदुपयोग करने वाले व्यक्ति होंगे तथा अवसरानुकूल बचत भी करेंगे। आप समान्यतया अनावश्यक व्यय कम ही करेंगे। साथ ही धैर्य का भाव भी आप में विद्य मान रहेगा। आप धन की कीमत समझेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक इसका उपयोग करेंगे लेकिन आपको अपना पूंजीनिवेश सामान्य कंपनियों या अन्य स्थानों में नहीं करना चाहिए।

आपकी जीवन में उन्नति शनैः शनैः सम्पन्न होगी क्योंकि आप किसी कार्य को अत्यंत ही सोच समझकर धैर्य पूर्वक सम्पन्न करते हैं तथा आर्थिक स्थिति भी युवावस्था के बाद ही विशेष अनुकूल हो सकती है। अतः आपको आर्थिक क्षेत्र में किसी नाटकीय परिवर्तन की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त आप लम्बी अवधि के निवेशों से लाभान्वित हो सकते है।

आपका सामान्य व्यय परोपकार संबंधी कार्यो पर होगा तथापि यदा कदा कोई अनावश्यक व्यय भी हो सकता है। अतः इससे आपको सावधानी रखनी चाहिए। यात्राओं से आपको आनन्द की अनुभूति होगी तथा समय समय पर इनसे लाभ भी होता रहेगा। आप जीवन में विदेश यात्रा अवश्य करेंगे। यह यात्रा आपकी धर्म या धार्मिक कार्यो से संबंधित होगी अथवा किसी अन्य व्यक्ति या संबंधी के सहयोग से आपको यह सुअवसर प्राप्त होगा। यह चाहे यात्रा किसी भी संदर्भ में हो आपके लिए आर्थिक एवं अन्य दृष्टियों से लाभदायक रहेगी तथा विभिन्न दर्शनीय स्थानों की सैर करने का भी आपको अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त यदा कदा आपको बायीं आंख में कोई परेशानी हो सकती है। अतः इसका उचित ध्यान रखना चाहिए।

वार्षिक फलादेश - 2025

वर्ष के प्रारम्भ में कुम्भस्थ शनि दशम भाव में रहेंगे व मीनस्थ राहु एकादश भाव में रहेंगे और 29 मार्च को शनि मीन राशि एकादश भाव में और 30 मई को राहु कुम्भ राशि दशम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के शुरुआत में वृष राशि का गुरु लग्न स्थान में रहेंगे और 14 मई को मिथुन राशि द्वितीय भाव में प्रवेश करेगी और अतिचारी होकर 18 अक्टूबर को कर्क राशि तृतीय स्थान में गोचर करेगी और वक्री होकर फिर से 5 दिसम्बर को मिथुन राशि द्वितीय भाव में आ जाएगी।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष बहुत उत्तम रहेगा। वर्षारम्भ में सप्तम भाव पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आप व्यवसाय व कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे जिससे आपकी आय में वृद्धि होगी। आमदनी के नये स्रोत मिलने की उम्मीद है। कोई नया व्यापार शुरु करने के लिए अच्छा समय है। लग्न स्थान का गुरु नवीन विचार धारा तथा नयी योजनाओं को जन्म देगा जिसका उचित लाभ उठा कर आप अपने व्यापार को और सुदृढ़ बना सकते हैं।

आपका भाग्य भी आपके साथ है। इसलिए कम समय में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। साझेदारी या शेयर बजार में आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति हो सकती है। मई के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष अत्यधिक अनुकूल रहेगा। वर्षारम्भ में व्यापारिक अनुकूलता के कारण धनागम में वृद्धि होगी। एकादश स्थान के राहु अचानक धन लाभ कराते रहेंगे। आपको बड़े भाईयों से लाभ प्राप्त होता रहेगा। मई के बाद आपको रत्न आभूशण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। आपके रुके हुए पैसे मिल सकते हैं। आप बचत करने में सफल रहेंगे।

मांगलिक कार्यों में आप खुले हाथों से खर्च करेंगे। निवेश के मामले में यह वर्ष अनुकूल रहेगा, और आप अच्छा निवेश भी करेंगे। अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें। 14 मई के बाद अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से धन लाभ हो सकता है।

घर–परिवार, समाज

वर्षारम्भ में सप्तम भाव पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से पत्नी के साथ आपके सम्बन्ध मधुर होंगे। आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति परस्पर सहयोग की भावना उत्पन्न होगी, जिससे आपस में भावनात्मक लगाव बढ़ेगा।

मई के बाद परिवार में सदस्य संख्या में बढोत्तरी हो सकती है। आपको बड़े भाईयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा, जिससे समाज में आपके पराक्रम व प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। 30 मई के बाद चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी माता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध बहुत अच्छा रहेगा और आपको उनका सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा।

संतान

संतान की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। नवविवाहित व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का उपयुक्त समय है।

यदि आपकी सन्तान विवाह योग्य है तो विवाह भी हो सकता है। आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय काफी अनुकूल है। उनको अपने कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता प्राप्त होगी। आपके बच्चे इतने कामयाब होंगे कि आपको उन पर गर्व होगा।

स्वास्थ्य

लग्नस्थ गुरु के प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आपके मन में हमेशा अच्छे विचार आएंगे। जिससे आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगे। प्रत्येक कार्य को आप सकारात्मक रूप से करेंगे। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आप खान–पान पर विशेष ध्यान देंगे एवं अपनी दिनचर्या भी अनुशासित रखेंगे।

यदि मौसम जनित कोई बीमारी होती है तो शीघ्र ही आप अच्छे हो जाएंगे। गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय और अच्छा हो रहा है। उस समय आपको मानसिक शान्ति एवं शारीरिक आरोग्यता प्राप्त होगी और आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

यह वर्ष आपके लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से

अनुकूल है। यदि शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो आपके लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल है। पंचम स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है।

14 मई के बाद प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। जिन जातकों की नौकरी अभी तक नहीं लगी है, मई के बाद उन लोगों को नौकरी मिल सकती है।

यात्रा–तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आपकी लम्बी यात्रा होगी।

द्वादश स्थान पर शनि ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपके विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहें है। मई के बाद आप जलीय क्षेत्रों की यात्रा करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। नवम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रूचि बढ़ेगी। आप पूजा पाठ, यज्ञ एवं अनुष्ठान करेंगे। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से ईश्वर के प्रति आपका अटूट विश्वास होगा। आप गुरु मन्त्र लेकर साधना कर सकते हैं। दान पुण्य करने में आप सबसे आगे रहेंगे।

- स्फटिक श्रीयन्त्र अपने घर में स्थापित कर उसके सामने नित्य घी का दीपक जलाएं।
- अपने मन को केन्द्रित करने के लिए ध्यान करें एवं नित्य प्रणायाम करें।

वार्षिक फलादेश - 2026

इस वर्ष मीन राशि के शनि एकादश भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु दशम भाव में रहेंगे औंर उसके बाद मकर राशिमें नवम भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरु द्वितीय भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशिमें तृतीय भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशिमें चतुर्थ भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत उत्तम रहेगा। आप अपनी कार्य कुशलता एवं दक्षता के बल पर अपने व्यवसाय में बेहतरसफलता प्राप्त करेंगे। आपकी सफलता में आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। बड़े अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा जिसका उचित लाभ उठाकर आप अपने व्यापार में कुछ नया करेंगेऔर आपको अच्छा लाभ होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों को अपने कार्यस्थल पर मान–सम्मान मिलेगा व अपने अधिकारियों की अनुकूलता प्राप्त होगी।

02 जून के बाद एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको अपने कार्य क्षेत्र में बहुत अच्छा लाभ होगा। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहे हैं तो उसमें भी इच्छित लाभ प्राप्त होगा। भूमि से संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों को 31 अक्टूबर के बाद अच्छा लाभ मिलेगा। इस समय के अंतराल में इच्छित स्थान पर आपका स्थानान्तरण भी हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्धबहुत उत्तम रहेगा। आपके धनागम में वृद्धि होगीजिससे आप इच्छित बचत करके आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकते हैं। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपको रत्न आभुषण इत्यादि का भी सुख प्राप्त होगा। अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से पैतृक सम्पत्ति, या ससुराल से धन प्राप्त होने का प्रबल योग बन रहे हैं।

02 जून के बाद एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी आय के स्रोतों में बढोत्तरी होगी। इस समय अंतराल में आपको अचानक धन लाभ होगा। 31 अक्टूबर के बाद भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख भी प्राप्त हो सकता है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। वर्षारम्भ में द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। परिवार में एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना बनने के कारण सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। चतुर्थ स्थान का केतु आपके पारिवारिक माहौल को भंग करने की कोशिश करेगा, परन्तु आप अपने बुद्धि–विवेक से उसे भी अनुकूल कर लेंगे।

02 जून के बाद आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिबिधियों मेंबढ़ चढ़ के भाग लेंगे और सामाजिक उत्थान के लिए आप किसी संस्था का संचालन भी कर सकते हैं। समाज में आपका अपना एक अलग व्यक्तित्व होगा। 31 अक्टूबर के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है उस समय आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण छा जाएगा।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल है। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रूचि बढ़ेगी। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। संतान के इच्छुक व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का शुभ समय चल रहा है।

02 जून से आपकी दूसरी संतान के लिए समय शुभ हो रहा है। यदि आप का दुसरा बच्चा विवाह के योग्य है। तो विवाह हो जाएगा। इस समय के अंतराल में आपके बच्चों के साथ आपका भावानात्मक लगाव बढ़ेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्धउत्तम रहेगा। आपकी शारीरिक ऊर्जा व कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। पूर्ण रूप से शारीरिक आरोग्यता बनी रहेगी। शारीरिक अनुकूलता बनाये रखने के लिए आप संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम करते रहेंगे। गुरु ग्रह की अनुकूलता के कारण शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे। आपके अंदर अच्छे विचार आएंगे और आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप छोटी–मोटी बीमारियों के कारण परेशान हो सकते हैं। लग्न स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि आलस्य की भावना उत्पन्न कर सकती है। उस समय आपको परहेज की ज्यादा जरूरत होगी। खान–पान के साथ साथ आपको अपनी दिनचर्या पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

सुबह सुबह व्यायाम के साथ योगाभ्यास भी करना चाहिए। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने की कोशिश करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा, षष्ठ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप प्रतियोगिता परीक्षा में सबसे आगे रहेंगे। कुछ अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में सुधार लाएंगे, सरकारी अफसरों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपको कार्यों में लाभ प्राप्त हो सकता है।

02 जून के बाद तकनीकि शिक्षा या व्यवसाय के लिए समय अच्छा हो रहा है। शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारणबेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना बन रही है।

यात्रा–तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष मिला–जुला रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में कोइ विशेष यात्रा का योग नहीं बन रहा है, परन्तु 02 जून के बाद तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकी छोटी–मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होती रहेंगी। धार्मिक यात्रा के लिए भी समय काफी अच्छा है।

31 अक्टूबर के बाद आप परिवार के साथ अपनी जन्म भूमि की यात्रा करेंग या पयर्टन स्थल व दार्शनिक स्थलों की यात्रा कर आनन्द प्राप्त करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। ईश्वर के प्रति आपके मन में अटूट विश्वास बना रहेगा। 2 जून के बाद नवम स्थान पर गुरुके दृष्टि प्रभाव से आप कोई विशेष पूजा–पाठ यज्ञ,अनुष्ठान संपन्न करेंगे। धार्मिक कार्य, गरीबों को दान एवं तीर्थ यात्रा कर अत्यधिक पुण्यार्जन भी करेंगे, जिससे आपको मानसिक शान्ति एवं आत्मिक सुख की अनुभूति होगी। 31 अक्टूबर के बाद अपने परिवार में सुख शान्ति या समृद्धि प्राप्ति के लिए हवन व कोई धार्मिक कार्य भी संपन्न करेंगें।

- स्फटिक श्रीयन्त्र घर में स्थापित करें एवं उसके सामने नित्य दीपक जलाएं।
- बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं एवं ऊँ गं गणपतये नमः इस मन्त्र का पाठ करें।

- प्रत्येक दिन हनुमान चालीस का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2027

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मीनस्थ शनि एकादश भाव में रहेंगे और 3 जून को मेष राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 03 अक्टूबर को फिर से मीन राशि एवं एकादश भाव में आजाएंगे। मकर राशि के राहु इस वर्ष नवम भाव में रहेंगे। वक्री गुरु 25 जनवरी को कर्क राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 26 जून को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 26 नवम्बर को कन्या राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश कर जाएंगे। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक मंगल वक्री होकर सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे। 21 जुलाई से 7 सितम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध शुभ फलदायी रहेगा। शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके कार्य व्यवसाय में अनुकूलता बनी रहेगा। बड़े अधिकारी या अनुभवी लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय में कुछ विशेष वनया करने के अवसर भी मिलते रहेंगे परन्तु इस समय के अंतराल में व्यापार में विस्तार न करें। जितना आपसे हो सके उतना ही कार्य करें नहीं तो वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपसे नुकसान हो सकता है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नती के साथ–साथ स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

03 जून के बाद शनि ग्रह का गोचर द्वादश भाव में हो रहा है। उस समय आपका कार्य व्यवसाय कुछ प्रभावित हो सकता है। आपके प्रतिद्वंदी आपका विरोध कर सकते हैं या शत्रुओं द्वारा आपके कार्य में रुकावट डालने की चेष्टा की जा सकती है। अतः बिना किसी पर विश्वास किये आत्मविश्वास के साथ कार्य करते रहें, क्योकि 03 अक्टूबर के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है। उस समय आपके सारे विरोधी शान्त होंगे और आपको कार्य–व्यवसाय मेंसफलता भी मिलेगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण सेयह वर्ष अच्छारहेगा।एकादश स्थान केशनि धनागम में निरंतरता बनाए रखेंगे। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आपकी आर्थिक स्थिति में वृद्धि हो सकती है। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। धनादि संचित करने में आपको भाईयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। निवेश के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध शुभ रहेगा। मांगलिक कार्यों में या समाजिक कार्यों में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है।

03 जून से 03 अक्टूबर के मध्य समय किंचित प्रभावित हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल में कोई बड़ा निवेश न करें या किसी को उधार पैसे न दें। कोई आर्थिक निर्णय लेने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें नही तो आपका पैसा फंस सकता है। 03 अक्टूबर के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। उस समय भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त होगा। वर्षान्त में गुरु ग्रह का गोचर पंचम स्थान में होगा, जिसके प्रभाव से सट्टा लॉटरी या शेयर बजार से भी आप को धन लाभ हो सकता है।

घर–परिवार, समाज

सामाजिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। सामाजिक गतिबिधियों में आप बढ़–चढ़ कर भाग लेंगे। पारिवारिक रूप से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा।

26 जून से चतुर्थ स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका घरेलू वातावरण अनुकूल रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष से संबंध मधुर होंगे। 26 नवम्बर के बाद संतान पक्ष के लिए समय काफी अनुकूल हो रहा है।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत अच्छा नहीं रहेगा। पंचम स्थान पर शनि एवं राहु ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। उनकी शिक्षा–दीक्षा में भी व्यवधान आ सकता है। सन्तान का लक्ष्य प्राप्ति के लिए लगातार परिश्रम भी मनचाहा परिणाम नहीं देगा परन्तु आपके दूसरे बच्चे के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा है। यदि वह विवाह के योग्य हैं तो विवाह निश्चित है।

जून के बाद समय काफी अच्छा हो रहा है। उस समय आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। 26 नवम्बर के बाद गुरु ग्रह का गोचर पंचम स्थान में हो रहा है। संतान इच्छित दम्पतियों के लिए गर्भाधान का शुभसमय है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं।

मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा परन्तु शनि ग्रह के गोचर के बाद आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

03 जून के बाद द्वादश स्थान में शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आप बीमार हो सकते है। सुबह जल्दी उठ कर घूमना या व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। 26 नवम्बर के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित होगी, जिससे आपकी स्वास्थ्य संबंधित परेशानी दूर हो जाएंगी और आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा रहेगा। आप प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। इन्जीनीयरिंग या हार्डवेयर से संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

जून के बाद विद्यार्थियों का शिक्षा के प्रति रूझान बढ़ेगा। द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर अपने करियर में उन्नति करेंगे। 26 नवम्बर के बाद पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय बहुत अच्छा है।

यात्रा–तबादला

वर्ष के पूर्वार्द्ध में तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से छोटी यात्राओं के साथ–साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। नवमस्थ राहु के प्रभाव से आपकी अधिकांश यात्रा अचानक होंगी। पूर्व से निधारित यात्रा प्रायः निरस्त होंगी।

26जून के बाद अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्मभूमि की यात्रा हो सकती है। द्वादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा होने के प्रबल योग बन रहे हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अनुकूल है। वर्ष के पूर्वार्द्ध में नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप पूजा पाठ में विशेष रूचि लेंगे। नियमित रूप से अपनी दैनिक पूजा करते रहेंगे। जून के बाद द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से आप दान पुण्य अधिक करेंगे। अष्टम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से तन्त्र, यन्त्र एवं मन्त्र के प्रति आप का

विश्वास बढेगा और चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से घरेलू सुख, शान्ति एवं समृद्धि प्राप्ति के लिए हवन, ग्रह शान्ति या अन्य कोई पूजा संपन्न करेंगे।

- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें। (तांबे के लोटे में चावल डाल कर)
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और शनि मन्त्र का पाठ करें।
- संध्या के समय पीपल वृक्ष के नीचे चौमुखी दीपक जलाएं।

वार्षिक फलादेश - 2028

वर्षारम्भ में मीन राशि के शनि एकादश भाव में रहेंगे और 23 फरवरी को मेष राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। राहु वर्ष के शुरु में मकर राशि एवं नवम भाव में रहेंगे और 24 मई को धनु राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में कन्या राशि के गुरु पंचम भाव में रहेंगे और वक्री होकर 28 फरवरी को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 24 जुलाई को कन्या राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का प्रारंभ व्यावसायिक उन्नति के साथ होगा। कोई नया कार्य आरम्भ करेंगे और उसमें आपको सफलता भी मिलेगी। उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति भी हो सकती है। 28 फरवरी से 24 जुलाई तक समय प्रतिकूल हो रहा है। गुप्तशत्रु या विरोधियों द्वारा आपके कार्यों में व्यवधान डाला जा सकता है।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप अपनी कार्य कुशलता एवं दक्षता के बल पर व्यावसायिक जीवन की समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में अपने कर्मचारियों पर निगाह रखें ।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष के प्रारम्भ में धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। नये व्यापार से भी शीघ्र लाभ होने के योग हैं। साथ ही फंसे हुए धन या रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्यों में धन व्यय करेंगे। फरवरी से जून तक समय कुछ प्रभावित रहेगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में कुछ खर्च से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। ऋण इत्यादि भी बढ़ सकता है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा बनाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाएं। गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण सामान्य काम काज पर असर नहीं होगा। परन्तु आर्थिक कमी महसूस होती रहेगी। मांगलिक कार्य व पुत्रादि के विवाह अवसर पर भी धन का व्यय हो सकता है।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि आप विवाह योग्य हैं तो विवाह होने की सम्भावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। 28 फरवरी के बाद मातुल पक्ष के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। माता के लिए समय शुभ रहेगा परंतु पिता के लिए यह समय अच्छा नहीं रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

24 जुलाई के बाद समय अच्छा हो रहा है। नवविवाहिताओं को संतान की प्राप्ति हो सकती है। पारिवारिक वातावरण अनुकूल बना रहेगा। यह समय बड़े भाई तथा मित्रों से लाभ का योग बना रहा है। घर के वातावरण में प्रेम, आपसी समन्वय व प्रसन्नता का संचार होगा। सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत है।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए उत्तम रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। वे अपनी बुद्धि एवं विवेक के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं के लिए गर्भ धारण का अच्छा समय है। परन्तु 28 फरवरी से 24 जुलाई तक समय प्रभावित रहेगा। ये समय आपके संतान की तरक्की में बाधक हो सकता है। दूसरी संतान के लिए समय सामान्य रहेगा।

जुलाई के बाद आपके बच्चों के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रगति होने के शुभ योग बनेंगे। उनके पराक्रम में भी वृद्धि होगी। आपको अपने बच्चों पर अभिमान होगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अतिउत्तम रहेगा। लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। मानसिक शान्ति एवं शारीरिक आरोग्यता बनी रहेगी। आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे। 23 फरवरी के बाद शनि का गोचर प्रतिकूल होने के कारण मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान हो सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में शनि एवं राहु का गोचर एक साथ प्रतिकूल होने के कारण स्वास्थ्य में उतार–चढाव की स्थिति बनी रहेगी। पंचमस्थ गुरु शारीरिक आरोग्यता अनुकूल रखने का पूर्ण प्रयास करेंगे फिर भी चोट या दुघर्टना की स्थिति बन सकती है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ श्रेष्ठ रहेगा। परन्तु 23 फरवरी के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध बहुत अच्छा नहीं रहेगा। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण करियर व प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। व्यावसायिक रूप से भी समय अच्छा नही रहेगा।

यात्रा–तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में ही आपकी यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। छोटी–मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी साथ ही नवमस्थ राहु पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अचानक आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। 23 फरवरी के बाद विदेश यात्रा का भी योग बन रहा है। फरवरी के बाद चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से मनोवांछित स्थान पर स्थानांतरण होने के योग बन रहे हैं। आप अपनी जन्मभूमि की यात्रा करेंगे अथवा माता के निवास स्थल का भ्रमण करेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में यात्रा के दौरान आपको छोटी–मोटी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है क्योंकि राहु एवं शनि ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में आप धार्मिक कार्य अधिक करेंगे। पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से पूजा–पाठ यज्ञ अनुष्ठान व मन्त्र जाप के प्रति रूचि बढ़ेगी। फरवरी के बाद पारिवारिक सुख शान्ति के लिए भी आप अपने घर में हवन व कोई धार्मिक कार्य संपन्न करेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप गुरु मन्त्र लेकर साधना भी कर सकते है। आप अपने से बड़े लोगों का सम्मान करेंगे।

- शनि मन्त्र का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का या काले कम्बल मजदूरों या गरीबों को दान करें।
- बुधवार या शनिवार के दिन चिड़ियों को दाना डालें।

वार्षिक फलादेश - 2029

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मेष राशि के शनि द्वादश भाव में रहेंगे और 08 अगस्त को वृष राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर फिर से 05 अक्टूबर को मेष राशि एवं द्वादश भाव में आ जाएंगे। धनु राशि के राहु अष्टम भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में तुला राशि के गुरु छठे भाव में रहेंगे और वक्री होकर 29 मार्च को कन्या राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 25 अगस्त को तुला राशि एवं छठे भाव में आ जाएंगे। वक्री मंगल 27 जुलाई तक कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे। 15 फरवरी से 16 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ में कार्य व्यवसाय की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। शनि एवं गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण व्यवसाय में हानि भी हो सकती है। अतः इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें। द्वादशस्थ शनि के कारण आलस्य की भावना बनी रहेगी। गुप्त शत्रु एवं प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। अष्टम स्थान का राहु अचानक आपके कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। 29 मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण व्यापार में कुछ सुधार होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों के लिए यह समय सामान्य रहेगा।

05 अक्टूबर के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। षष्ठस्थ गुरु एवं लग्नस्थ शनि के प्रभाव से व्यवसाय में उतार–चढ़ाव का योग बन रहा हैं। अतः इस समय के अंतराल में आपको अपने आत्मविश्वास को बनाए रखना चाहिए और बिना किसी पर विश्वास किये अपना कार्य करते रहना चाहिए। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहे हैं तो इच्छित लाभ नहीं मिलेगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ प्रतिकूल रहेगा। शनि एवं गुरु का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण आय के स्रोत प्रभावित होंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में बहुत ज्यादा सुधार नहीं होगा। अष्टमस्थ राहु के कारण अचानक आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। 29 मार्च के बाद एकादश स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से धन लाभ होगा। गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है।

जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो

सकती है। आप किसी को उधार पैसा न दें वापसी की उम्मीद कम है और अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं। शारीरिक बीमारी पर भी पैसा खर्च होगा।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ मिला–जुला रहेगा। द्वितीय स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता बनी रहेगी। परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी जिससे परिवार में खुशी का वातावरण बनेगा परन्तु आपके मातुल एवं ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध अच्छा नहीं रहेगा। संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। सामाजिक उन्नति के लिए भी समय बहुत अच्छा नहीं है।

29 मार्च के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है। उस समय आपको बड़े भाईयों का सहयोग मिलेगा। 05 अक्टूबर के बाद पत्नी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं जिसका नकारात्मक प्रभाव आपके परिवार पर पड़ेगा। अतः उस समय के अंतराल में आपको अपने विवेक से काम लेना होगा।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल नहीं रहेगा। पंचम स्थान का मंगल गर्भवती स्त्रियों का गर्भपात करा सकता है। बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है जिसके कारण आप मानसिक रूप से चिंतित रह सकते हैं। 29 मार्च के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके बच्चों की शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ेगी। उनका अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश हो जाएगा। आपकी संतान विवाह योग्य है तो उनका विवाह भी हो सकता है। दूसरे बच्चे के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा।

25 अगस्त के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। आपके बच्चों की उन्नति में व्यवधान आ सकता है अतः मन को एकाग्र कर शिक्षा के प्रति ध्यान केन्द्रित करें। 05 अक्टूबर के बाद आपके दूसरे बच्चे के लिए समय ज्यादा खराब हो रहा है। उसके खान–पान पर विशेष ध्यान दें।

स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारम्भ से ही स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां होती रहेंगी। षष्ठस्थ गुरु के प्रभाव से पेट संबंधित परेशानी हो सकती है। घी या तली हुई वस्तु का सेवन कम करें। द्वादशस्थ शनि के कारण आप आलस्य व बीमारी जैसा अनुभव करेंगे। 29 मार्च के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा।

25 अगस्त के बाद गुरु ग्रह का गोचर फिर से प्रतिकूल होने के कारण मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान रह सकते हैं। अष्टमस्थ राहु अचानक आपका स्वास्थ्य प्रभावित कर सकते हैं। अतः अपना स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए सुबह–सुबह व्यायाम या योगाभ्यास करना लाभप्रद रहेगा। शारीरिक व्याधि दूर करने के लिए अन्न दान भी कर सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

छठे स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिल सकती है परन्तु उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा नहीं है। द्वादशस्थ शनि के कारण पढ़ाई में आलस्य व शिक्षा में व्यवधान आता रहेगा परन्तु 29 मार्च के बाद पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से समय काफी अनुकूल होगा। व्यावसायिक या तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा रहेगा।

25 अगस्त के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। बेरोजगार जातकों को कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है।

यात्रा–तबादला

द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से वर्षारम्भ में ही आपकी विदेश यात्रा होगी। 29 मार्च से 25 अगस्त तक आपकी लम्बी यात्राएं होंगी। अगस्त के बाद से छोटी–मोटी यात्राएं होती रहेंगी।

यात्रा के दौरान या वाहन चलाते सावधानी बहुत जरूरी है, क्योंकि अष्टम स्थान का राहु दुर्घटना का योग बना रहा है। यात्रा के अंतराल में आपका सामान भी चोरी हो सकता है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

मानसिक द्वंदता के कारण वर्षारम्भ में पूजा–पाठ कम ही कर पाएंगे परन्तु दान पुण्य खूब करेंगे। भण्डारा करना या किसी गरीब की सहायता करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। 29 मार्च के बाद मन्त्र जाप करेंगे। 05 अक्टूबर के बाद लग्न स्थान का शनि आपको बहुत ज्यादा आलसी बना सकता है जिससे आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित हो सकता है।

- माता–पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त

करें।

- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- शनिवार के दिन काला कम्बल गरीबों को दान करें। शनि मन्त्र का जाप करें।
- दुर्गा चालीसा का प्रत्येक दिन पाठ करें। दुर्गा बीसा कवच गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2030

वर्षारम्भ में मेष राशि के शनि द्वादश भाव में रहेंगे और 17 अप्रैल को वृष राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे धनु राशि के राहु अष्टम भाव में रहेंगे और 04 फरवरी को वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे 25 जनवरी को गुरु वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 01 मई को तुला राशि एवं छठे भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 23 सितम्बर को वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में आ जाएंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे 27 सितम्बर से 18 नवम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे

व्यवसाय

वर्ष का प्रारम्भ कार्य व्यवसाय के लिए बहुत अच्छा नही रहेगा। व्यावसायिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में व्यवधान डाला जा सकता है। आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे परन्तु 04 फरवरी के बाद राहु ग्रह का गोचर सप्तम स्थान में चण्डाल योग बना रहा है। इस समय आपको कार्य व्यवसाय में हानि हो सकती है। साझेदारी में कोई व्यापार कर रहे हैं तो असंतुष्ट रहेंगे और साझेदार के साथ संधंब भी खराब हो सकते हैं।

अप्रैल के बाद मुख्यतः सारे ग्रह प्रतिकूल हो रहे हैं फलस्वरूप आय के सारे मार्ग बन्द हो सकते हैं। अधीनस्थ कर्मचारी आपका साथ नहीं देंगे। अधिकारी आपको अनायास ही तंग कर सकते हैं।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक उन्नति के लिए बहुत अच्छा नहीं है। व्यावसायिक स्थिति अनुकूल नहीं होने के कारण आय के सारे मार्ग प्रभावित होंगे। 04 फरवरी के बाद शारीरिक व्याधि दूर करने में भी आपका व्यय होगा। जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। किसी को उधार पैसा न दें और खर्च पर भी अंकुश लगाए।

01 मई से समय और ज्यादा खराब हो रहा हैं। इस समय के अंतराल में आपके सारे ग्रह प्रतिकूल है अतः धोखा, हानि व आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। पत्नी के स्वास्थ्य पर भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। लोन इत्यादि भी लेना पड़ सकता है। विषम परिस्थितियों में आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और मां लक्ष्मी की उपासना करनी चाहिए।

घर–परिवार, समाज

दूसरे भाव में शनि एवं राहु के गोचरीय प्रभाव के चलते पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा नहीं रहेगा। आपको पारिवारिक मामलों में बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता बनी रह सकती है। छोटी–छोटी बातों पर झगड़े या विवाद मे नहीं पड़ना चाहिए और वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए, नहीं तो आपकी प्रतिक्रिया पारिवारिक वातावरण के लिए अच्छी नहीं रहेगी। मातुल एवं ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध अच्छा नहीं रहेगा।

04 फरवरी के बाद धर्मपत्नी के साथ आपके वैचारिक मतभेद उत्पन्न होंगे। यदि आपकी किसी के साथ मित्रता या साझेदारी है तो उसमें दरार आ सकती है। या उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं। सामाजिक पद–प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। मई के बाद आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक स्थिति को लेकर मानसिक परेशानी बनी रहेगी।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपकी संतान के लिए सामान्य रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी परन्तु उसके लिए उनको अथक परिश्रम करना पड़ेगा। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। 04 फरवरी के बाद सप्तम स्थान में गुरु एवं राहु की युति चण्डाल योग बना रही है, जो कि आपके दूसरे बच्चे के लिए अच्छा नहीं है।

01 मई से गुरु का गोचर प्रतिकूल होने से संतान की उन्नति में व्यवधान उत्पन्न होंगे। शारीरिक व्याधि के कारण शिक्षा में भी रूकावट आ सकती है। अतः उस समय मन को एकाग्र कर पूरा ध्यान अपनी पढ़ाई पर लगाना चाहिए। स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही भी न करें।

स्वास्थ्य

साल की शुरुआत स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य ही रहेगी। वर्षारम्भ से ही कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी बनी रहेगी। मुख्यतः सारे ग्रह प्रतिकूल होने के कारण मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान हो सकते हैं। आपको ऐसा लग सकता है कि आपकी शारीरिक ऊर्जा धीरे–धीरे करके कम हो रही है। लग्न स्थान का शनि आपको आलसी बना सकता है।

मई से उदर सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं। खान–पान पर संयम

रखकर इसे कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। सूर्योदय से पहले उठकर टहलना व व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। शारीरिक आरोग्यता को अनुकून बनाने के लिए आप तुला दान भी कर सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्ष का प्रारम्भ विद्यार्थियों के लिए अच्छा रहेगा। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने लक्ष्य में सफल होंगे। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने मन को लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना चाहिए नहीं तो मानसिक भटकाव के कारण आप अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं।

शनि ग्रह के गोचर के बाद आलस्य आपके करियर को खराब कर सकता है।

यात्रा–तबादला

वर्षारम्भ में ही द्वादशस्थ शनि के कारण आपकी विदेश यात्रा होगी। शनि ग्रह के गोचर के बाद आपकी छोटी–मोटी यात्राएं होती रहेंगी। चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा।

यात्रा के अंतराल या वाहनादि चलाते समय सावधान रहें दुर्घटना हो सकती है। राहु ग्रह के गोचर के बाद समय काफी अनुकूल रहेगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में पूजा पाठ में आपका मन कम ही लगेगा। अधिक आलस्य के कारण भी आपका दैनिक पूजा–पाठ प्रभावित होगा। मई से आप दान–पुण्य अधिक करेंगे

- बेसन के लड्डू वीरवार के दिन विष्णु जी के मन्दिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक दिन दुर्गा कवच का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और प्रत्येक दिन शनि मन्त्र का पाठ करें।

वार्षिक फलादेश - 2031

इस वर्ष वृष राशि के शनि लग्न स्थान में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में वृश्चिक राशि के राहु सप्तम भाव में रहेंगे और 9 अगस्त को तुला राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में वृश्चिक राशि के गुरु सप्तम भाव में रहेंगे और 17 फरवरी को धनु राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 जून को वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 15 अक्टूबर को धनु राशि एवं अष्टम भाव में आ जाएंगे। 4 जनवरी से 15 अगस्त तक मंगल वक्री होकर तुला राशि एवं छठे भाव में रहेंगे। 2 अगस्त से 15 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का पूर्वार्द्ध कार्य व्यवसाय के लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा। सप्तम स्थान में राहु एवं गुरु ग्रह की युति आपके व्यावसायिक जीवन में व्यवधान ला सकती है। गुप्त एवं प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रूकावटें डाली जा सकती हैं। यदि आप साझेदारी में कोई व्यापार कर रहे हैं तो आप अपने साझेदार से असंतुष्ट रहेंगे और उसके साथ आपका संधंब भी खराब हो सकता है। 9 अगस्त से राहु का गोचर अनुकूल होने के कारण आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा अपने शत्रुओं पर विजयी प्राप्त कर लेंगे। आप अपने व्यापारिक जीवन में उन्नति करने का पूर्ण प्रयास करेंगे और उसके लिए अथक परिश्रम भी करेंगे। इस समय के अंतराल में आपको सफलता मिल सकती है।

15 अक्टूबर से आपका समय फिर से प्रभावित हो रहा है जिसके फलस्वरूप आपकी आय के सारे मार्ग प्रभावित हो सकते हैं। आपके अधीनस्थ कर्मचारी आपका साथ नहीं देंगे। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारी लोग आपको तंग कर सकते हैं जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक उन्नति के लिए बहुत अच्छा नहीं है। व्यावसायिक स्थिति प्रतिकूल होने के कारण आय के मार्ग प्रभावित हो सकते हैं। गुरु एवं राहु की युति निवेश के लिए अच्छी नहीं होती है। जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। किसी को उधार पैसा न दें नहीं तो वापसी की उम्मीद कम है और अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं।

18 फरवरी से आपका समय और ज्यादा खराब हो रहा है अतः धोखा, हानि या आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। पत्नी के स्वास्थ्य पर

भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। ऋण इत्यादि भी लेना पड़ सकता है। विषम परिस्थिति में आपको अपना आत्मबल बनाए रखना होगा। 09 अगस्त से राहु का गोचर अच्छा होने के कारण धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। अचानक आपको मातुल पक्ष के लोगों से लाभ प्राप्त होगा।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा नहीं रहेगा। घरेलू मामलों में आपको बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। छोटी–छोटी बातों पर झगड़ा या विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। यदि आपकी किसी के साथ मित्रता है तो उसमें दरार आ सकती है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में समय काफी अच्छा हो रहा है। पत्नी के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। माता पिता सहित मातुल पक्ष के लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। षष्ठस्थ राहु के प्रभाव से आपके शत्रु भी आपके साथ मित्रवत व्यवहार करेंगे। सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपके बच्चों के लिए सामान्य रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी परन्तु उसके लिए उनको अथक परिश्रम करना पड़ेगा सप्तम स्थान में गुरु एवं राहु की युति चण्डाल योग बना रही है। जो कि आपके दूसरे बच्चे के लिए अच्छा नहीं है।

18 फरवरी से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से आपकी संतान की उन्नति में बाधा आ सकती है। मानसिक कष्ट व शारीरिक व्याधि के कारण शिक्षा में भी रूकावटें आ सकती हैं अतः उस समय उनको अपने मन को एकाग्र कर पूरा ध्यान अपनी पढ़ाई पर लगाना चाहिए। स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करनी चाहिए। 15 अक्टूबर से समय अच्छा हो रहा है।

स्वास्थ्य

साल की शुरुआत स्वास्थ्य के लिहाज से उत्तम नहीं रहेगी। लग्नस्थ शनि पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान हो सकते हैं। आपको ऐसा लग सकता है कि आपकी शारीरिक ऊर्जा धीरे–धीरे करके कम हो रही है। पेट संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। खान–पान पर संयम रखकर इसे कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। सूर्योदय से पहले उठ कर व्यायाम करना लाभप्रद रहेगा।

9 अगस्त के बाद राहु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकी रोग प्रतिरोधक शक्ति का विकास होगा जिससे आपकी शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी। यदि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो इस समय के अंतराल में अच्छे हो जाएंगे। 15 अक्टूबर से समय और बढ़िया हो रहा है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने मन को एकाग्र कर लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना चाहिए। विदेशी भाषा सीखने वालों के लिए यह समय अच्छा है। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने लक्ष्य में सफल होंगे। लग्नस्थ शनि के कारण आप आलसी भी हो सकते हैं।

9 अगस्त से राहु का गोचर बहुत शुभ हो रहा है। षष्ठस्थ राहु के प्रभाव से अचानक बेरोजगारों को नौकरी मिल जाएगी। व्यवसायियों को उनका ब्राण्ड नेम मिल सकता है प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपनी परीक्षा में सफल होंगे।

यात्रा–तबादला

वर्षारम्भ में कोई विशेष यात्रा का योग नहीं बन रहा है। आपकी छोटी–मोटी यात्राएं होती रहेंगी। व्यावसायिक व्यक्तियों की व्यवसाय से संबंधित यात्राएं होंगी। 18 फरवरी के बाद चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा।

9 अगस्त के बाद आपके विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। यात्रा के अंतराल या वाहनादि चलाते समय सावधान रहें नहीं तो दुर्घटना हो सकती है, क्योंकि लग्न स्थान का शनि चोट चपेट की सम्भावन बनाएं हुए है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के पूर्वार्द्ध में पूजा पाठ में आपका मन कम लगेगा। वर्ष के उत्तरार्द्ध में गुप्त विद्याओं या तान्त्रिक सिद्धियों के प्रति भी आपका आकर्षण बढ़ेगा।

- बेसन के लड्डू वीरवार के दिन विष्णु जी के मन्दिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मन्त्र का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और प्रत्येक शनिवार शनि मन्त्र का पाठ करें।
- शनिवार के दिन एक नारियल अपने सिर से सात बार घुमाकर बहते हुए पानी

में बहा दें।

वार्षिक फलादेश - 2032

वर्षारम्भ में शनि वृष राशि एवं लग्न स्थान में होंगे और 31 मई को मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। तुला राशि के राहु छठे भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में धनु राशि केगुरु अष्टम भाव में रहेंगे और 5 मार्च को मकर राशि एवं नवम भाव में गोचर करेंगे और वक्री होकर 12 अगस्त को धनु राशि एवं अष्टम भाव में आजाएंगे और पुनः मार्गी होकर 23 अक्तूबर को मकर राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन के लिए साल का पूर्वार्द्ध अच्छा नहींरहेगा। आर्थिक तंगी के चलते व्यापार में विस्तार करने की योजनाएं वर्षारंभ में धीमी पड़ेंगी। अथकप्रयास एवं बौद्धिक परिश्रम की आवश्यकता है। घर से दूर अर्थात् विदेश में सफलता मिल सकती है। लग्नस्थ शनि के कारण कुछ गलत फहमियों से आप व्याकुल हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रूकावटें डाली जा सकती हैं। 5 मार्च के बाद वेतन वृद्धि व पदोन्नति के रूप में आपको पुरुस्कृत किया जा सकता है।

12 अगस्त के बाद कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें नहीं तो उससे आपको हानि हो सकती है। जमीन–जायदाद से जुड़े व्यक्तियों के लिए यह समय अनुकूल नहीं है। 23 अक्तूबर के बाद व्यवसाय व नौकरी के लिए लंबी यात्रा हो सकती है। ये यात्रा सफल सिद्ध होगी। इस दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर बिना देखे दस्तखत न करें और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाएं।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह साल आपके लिए मिला–जुला रहेगा। साल की शुरुआत में निवेश से सम्बंधित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी से बचने के लिए बेहतर यही होगा कि आप अपनी सभी योजनाएं पहले से तय कर लें।आपको आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहना चाहिए और जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए।

5 मार्च के बाद कई लाभकारी अवसर मिलेंगे। इन अवसरों का भरपूर लाभ उठाएं। क्योंकि मई के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। इस समय अपने रिश्तेदार, संबंधी या दोस्तों को उधार पैसा न दें।जोखिम भरा निवेश करने से बचें। कृषक वर्गों एवं फुटकर विक्रेताओं के लिए वर्षान्त अच्छा नहीं रहेगा।

घर–परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ पारिवारिक वातावरण के लिए सामान्य रहेगा। अधिक भाग–दौड़ के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। 5 मार्च के बाद परिवार में छोटे भाई–बहनों का मांगलिक कार्य सम्पन्न होने का योग बन रहा है। यदि परिवार में कोई मुकद्दमा चल रहा हो तो अनुकूलता प्राप्त होगी। 31 मई के बाद परिवार में किसी व्यक्ति के साथ आपके वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

23 अक्तूबर से आपके पारिवारिक एवं सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको बच्चों का भी अच्छा सहयोग मिलेगा। आपकीमाता के स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी और आपको ससुराल पक्ष के लोगों का सहयोग नहीं मिलेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपके बच्चों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। अष्टम स्थान का गुरु संतान संबंधित चिंताएं दे सकता है। संतान के लिए यह समय अच्छा नहीं है। गर्भवती स्त्रियों को बहुत सावधानी से बरतनी चाहिए ।

5 मार्च के बाद का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा। संतान के साथ संबंध में मधुरता आएगी जिससे घरेलू वातावरण में भी सुधार होगा। यदि अपने बच्चों को प्रोत्साहित करते रहें तो वे अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे। अतः आप उनकीसकारात्मक सोच में वृद्धि करते रहें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। लग्नस्थ शनि के कारण स्वास्थ्य संबंधित चिन्ताएं बनी रहेंगी। मानसिक चिंताएं भी रहेंगी।दुर्घटना या किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है साथ ही अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से मोटापा एवं लीबरजनित बीमारियों से परेशान हो सकते हैं।

5 मार्च से लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरू हो जाएगा। व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। यदि स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो 23 अक्तूबर के बाद आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। 5 मार्च के बाद लग्न भाव

पर गुरु की दृष्टि आपके मनोबल को बढ़ाएगी। अगर आप प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहे हैं तो सफलता आपके पक्ष में होगा। षष्ठस्थ राहु के कारण अचानक ही आपको उन्नति व सफलता मिलेगी।

मई के बाद चिकित्सा, तकनीकी, वाणिज्य आदि क्षेत्रों के लिए अनुकूल समय रहेगा। कानून से जुड़े लोगों को विशेष लाभ प्राप्त होगा। अध्ययन कार्य में आपकी रुचि बनी रहेगी। अपने लक्ष्य के प्रति आपका उत्साह व साहस बना रहेगा। 23अक्तूबर से आप गुप्त विद्याओं के प्रति आकर्षित हो सकते हैं।

यात्रा–तबादला

यात्रा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में आपकीछोटी–मोटी यात्राएं होती रहेंगी परन्तु 5 मार्च के बाद लम्बी यात्राएं भी होंगी। आध्यात्मिक सुख प्राप्ति के लिए आप तीर्थ स्थल की यात्रा भी करेंगे।

कुछ समय के लिए आप प्रवास भी कर सकते हैं। 23अक्तूबर के बाद देश–विदेश घूमने का योग बन रहा है। इस समय के अंतराल में अवांछित यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का प्रारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। आपके धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगे। 5 मार्च के बाद समय अच्छा हो रहा है। दैनिक पूजा व दिनचर्या में काफी सुधार होगा। 15 अक्तूबर से आप दान–पुण्य अधिक करेंगे।

- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत करें।
- शनिवारके दिन गरीबों को काला कम्बल दान करें।
- अपनेबजन के बराबर अन्न आदि दान करें जिससे आपको शारीरिक अनुकूलता प्राप्त होगी।
- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें।

वार्षिक फलादेश - 2033

इस वर्ष शनि मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 30 जनवरी तक राहु तुला राशि एवं छठे भाव में रहेंगे उसके बाद कन्या राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। 18 मार्च तक गुरु मकर राशि एवं नवम भाव में रहेंगे उसके बाद कुम्भ राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। 24 मार्च से 8 अक्टूबर तक मंगल वक्री होकर धनु राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष मिला–जुला रहेगा। वर्षारम्भ में लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि नवीन विचारधारा, नयी योजनाओं को जन्म देगी। उसका उचित लाभ उठा कर आप अपने कार्य व्यवसाय में अच्छी उन्नति करेंगे। 18 मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर आपके करियर में एक नया मुकाम लेकर आने वाला है। आपको कार्यस्थल में प्रशंसा और पहचान मिलेगी। यह आपकी आशावादी विचारधारा के कारण ही होगा। द्वितीयस्थ शनि के कारण कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अष्टमस्थ मंगल के कारण गुप्त या प्रत्यक्ष शत्रु परेशानी उत्पन्न कर सकते हैं।

8 अक्टूबर के बाद आप के अन्दर एक गजब का आत्मविश्वास उत्पन्न होगा जिससे आप अपने क्लाइंट्स को प्रभावित करने में सक्षम होंगे। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। जमीन–जायदाद से संबंधित कई लाभकारी अवसर आएंगे परन्तु बहुत सोच–विचार कर ही उसमें निवेश करें। क्योंकि चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह की दृष्टि जमीन–जायदाद के लिए अच्छी नहीं होती। द्वितीय स्थान में शनि ग्रह की स्थिति आपकी आर्थिक उन्नति के लिए शुभ नहीं है। परन्तु 18 मार्च से आपके आय के साधन बढ़ेंगे। ऋण के लिए आवेदन डाला हो तो इस समय के अंतराल में आपको लोन मिल जाएगा। आप अपनी भौतिक सुख–सुबिधा पर भी अधिक खर्च करेंगे।

द्वितीय स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। इस समय के अंतराल में आप इच्छित बचत करने में भी सफल होंगे। घर परिवार में मांगलिक कार्य होंगे उसमें भी आपके पैसे खर्च होंगे।

घर–परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ प्रतिकूल रहेगा। द्वितीयस्थ शनि के प्रभाव से आपके घरेलू माहौल में कुछ विषम परिस्थिति उत्पन्न होंगी। परिवार में एक–दूसरे के साथ वैचारिक मतभेद होता रहेगा। परिवार में कुछ लोगों का बर्ताव अच्छा नहीं रहने से आप मानसिक रूप से अशान्त भी रह सकते हैं। 18 मार्च से द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से परिवारिक प्रतिकूलता दूर होगी एवं परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी।

आपके माता पिता के लिए यह समय बहुत शुभ रहेगा। परिवार के सभी सदस्यों का अच्छा सहयोग मिलेगा। द्वितीयस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। गुरु ग्रह की शुभता के कारण स्त्री सुख, विवाह, धन आगमन एवं संतान का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। 8 अक्टूबर से आपके दाम्पत्य जीवन में सामान्य उतार चढ़ाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

संतान

यह वर्ष आपकी संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा। पंचम स्थान का राहु संतान के लिए अच्छा नहीं होता। वर्ष भर संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। संतान इच्छित व्यक्तियों को कुछ दिन और इंतजार करना पड़ेगा। गर्भवती स्त्रियां सावधानी बरतें अन्यथा गर्भपात हो सकता है।

8 अक्टूबर के बाद का समय आपके दूसरे बच्चे को प्रभावित कर सकता है। इस समयान्तराल में स्वास्थ्य पर ध्यान दें। यात्रादि से भी बचना चाहिए।

स्वास्थ्य

द्वितीस्थ शनि के प्रभाव से मामूली संक्रमण की चपेट में आप जरूर आ सकते हैं। शनि की स्थिति आपके परिवार, संचय, वाणी व आयु के प्रतिकूल सिद्ध हो सकती है। लग्न स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं रहेगी। रक्तचाप, वायु विकार व पित्त विकार आदि रोग होने की संभावना है।

आपको दुरुस्त रहने के लिए ध्यान और योग का सहारा लेना होगा। शुद्ध शाकाहारी व सात्विक भोजन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए समय समय पर चिकित्सक की सलाह लेते रहें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। परन्तु 18

मार्च के बाद सफलता के प्रबल संकेत दिख रहे हैं। नौकरी इच्छित व्यक्तियों को मनोनुकूल नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। विद्यार्थियों को अपने करियर में उचित सफलता मिलेगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा।

दशमस्थ राहु के कारण चिकित्सा, तकनीकी, वाणिज्य आदि क्षेत्रों के लिए समय अनुकूल रहेगा। वकील, जज एवं कानून से जुड़े लोगों को विशेष लाभ नहीं होगा।

यात्रा–तबादला

वर्ष के प्रारम्भ से ही आपकी छोटी–मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होती रहेंगी। 18 मार्च के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

परिवार के साथ भ्रमण पर जाएंगे। यह यात्रा मनोरंजनात्मक व आनन्ददायक रहेगा। इन यात्राओं में आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

नवमस्थ गुरु के कारण धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। वर्षारम्भ में ही आप धार्मिक कार्य व तीर्थ यात्रा अधिक करेंगे। 18 मार्च से घरेलू सुख शान्ति के लिए कोई विशेष पूजा पाठ सम्पन्न करेंगे जिससे आपको मानसिक शान्ति व समाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। मन्दिर निर्माण, धार्मिक कार्य, भण्डारादि कार्यों में आप अच्छा दान करेंगे। गरीब बच्चों की पढ़ाई हेतु दान देकर या अनाथ आश्रम में भण्डारा कर अधिक से अधिक पुण्यार्जन करेंगे।

- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं एवं शनि मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक दिन सुबह स्नान के बाद सूर्य को जल दें।
- एक नारियल अपने सिर से सात बार घुमाकर बहते हुए पानी में बहा दें।
- चींटी एवं चिड़ियों को दाना डालें।

वार्षिक फलादेश - 2034

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे और 13 जुलाई को कर्क राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। 12 अगस्त से पहले राहु कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे और उसके बाद सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कुम्भ राशि एवं दशम भाव में रहेंगे और 28 मार्च को मीन राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भ श्रेष्ठ रहेगा। आप व्यापार में अच्छी उन्नति करेंगे। दशम भाव में गुरु ग्रह की उपस्थिति आपके हित में काम करेगी और साक्षात्कारों में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। जो व्यक्ति नौकरी बदलना चाहते हैं उनके लिए यह समय बहुत ही शुभ है। कठिन परिश्रम और बुद्धिमत्ता आपकी खास ताकत है और इस साल आपको अपनी ताकत का प्रयोग करने के कई अवसर मिलेंगे जिनके सफल परिणामों का आप आनंद भी लेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके कार्य व्यवसाय में चौमुखी विकास होगा। कोई नया व्यापार भी प्रारम्भ करेंगे। जिसमें आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त होंगे। वरिष्ठ लोगों या अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। भूमि क्रय–विक्रय या खाद्य पदार्थ का व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों को सावधान रहना चाहिए। क्योंकि चतुर्थ स्थान का राहु अच्छा नहीं होता। छोटे व्यापारियों को अपना ब्राण्ड नेम मिलेगा, जिससे वह अपने व्यापार को बड़े पैमाने पर ले जाएंगे।

धन संपत्ति

आपकी आर्थिक स्थिति के बारें में क्या कहना, इस साल तो आपकी बल्ले–बल्ले रहने वाली है। द्वितीयस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। मार्च माह के बाद तो स्थिति और भी सुदृढ़ होने वाली है। विभिन्न स्रोतों से धन का आगमन होगा। शेयर बाजार से भी लाभ होने की संभावना है। आप कुछ बेहतरीन व्यावसायिक संबंध भी कायम करेंगे और लाभकारी निवेशकों के साथ भी निवेश करेंगे। इस निवेश से आपको बहुत अच्छा लाभ होगा।

12 अगस्त के बाद चतुर्थस्थ राहु के प्रभाव से आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है। खर्चों पर नियंत्रण और भावनाओं पर काबू रखने की

जरूरत है। व्यर्थ की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इस साल आपकी जिन्दगी में बहुत बदलाव आने वाले हैं।

घर–परिवार, समाज

इस साल आपकी पारिवरिक स्थिति बेहतर रहने वाली है, बस जरूरत है सभी लोगों के साथ स्नेह और आपसी सौहार्द के साथ पेश आने की। परिवार के लोगों के सुझावों पर अमल करना आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है, लेकिन इसके विरूद्ध जाना घातक हो सकता है। है। द्वितीयस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी।

12 अगस्त के बाद चतुर्थ स्थान में राहु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके परिवार में कुछ परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। लेकिन कुछ ज्यादा हानि होने की संभावना नहीं है। माँ के साथ कुछ नाराजगी हो सकती है तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी भी कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं, अतः उनका समुचित ख्याल रखें और संयम बरतें। पिता जी के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है। विवाहित व्यक्तियों को संतान प्राप्ति के प्रबल योग बन रहे हैं।

संतान

वर्ष का पूर्वार्द्ध संतान के लिए अच्छा नहीं है। संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। गर्भवती स्त्रियों को सावधान रहना चाहिए नहीं तो पंचम स्थान का राहु गर्भपात करा सकता है।

वर्ष का उतरार्द्ध आपकी संतान के लिए काफी उत्तम रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। उनकी शिक्षा–दीक्षा में सुधार होगा। आपके बच्चे कुछ विशेष कार्य करेंगे जिससे आप उन पर अभिमान करेंगे। उनकी इस कामयाबी से समाज में भी आपके पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपकी दूसरी संतान के लिए भी समय काफी शुभ रहेगा।

स्वास्थ्य

सामान्यतः वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा नहीं रहने वाला है। लग्न स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेगी। द्वितीय स्थान के शनि आपको मानसिक परेशानी दे सकते हैं। आप को ऐसा लगेगा कि धीरे धीरे आपकी ऊर्जा कम हो रही है और आप कमजोर होते जा रहे हैं। परन्तु मार्च के बाद समय काफी शुभ हो रहा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप निरोगी काया के स्वामी होंगे। अर्थात इस

समय आप रोग–मुक्त रहने वाले हैं। लेकिन आप मोटापे का शिकार हो सकते हैं, क्योंकि मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपकी रुची बढ़ेगी। इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। आलस्य का त्यागकर स्फूर्तिवान बनें। आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारम्भ आपके लिए अच्छा नहीं है। विद्यार्थियों को मेहनत करने के बावजूद भी पारिश्रमिक फल नहीं मिलेगा। पंचम स्थान का राहु आपकी शिक्षा–दीक्षा में भी रुकावट उत्पन्न कर सकता है। परन्तु मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने के करण आप कोई व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही आय के लिए नये स्रोतों का सृजन करेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफल होंगे। नौकरी इच्छित व्यक्तियों को मनोनुकूल नौकरी की प्राप्ति होगी। विदेश में करियर बनाने वाले व्यक्तियों के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

यात्रा–तबादला

मार्च के बाद आप अधिक से अधिक यात्राएं करेंगे। छोटी–छोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राओं का भी प्रबल योग बन रहा है। इन यात्राओं के अंतराल में आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपकी उन्नति के लिए अच्छी होगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी व्यवसायिक यात्रा भी होंगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत अच्छा नहीं रहेगा। नवम स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि धार्मिक कार्यों के लिए शुभ नहीं है। आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके अंदर ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास एवं श्रद्धा उत्पन्न होगी, जिसके चलते आप निःस्वार्थ भाव से भगवान की पूजा करेंगे। मन्त्र जाप या भगवान का ध्यान करना आपका नैसर्गिक गुण होगा।

- अपने आपको नियंत्रित रखें।

- हनुमान चालीसा का पाठ करना आपके लिए श्रेष्ठ रहेगा।
- आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।
- अपने घर में पारद के शिवलिंग स्थापित कर उनका पूजन करें।